

ISSN 2229-547X VIDEHA

विदेह ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)







B R E A K the Language Barrier - Read in your own script

Roman(Eng) Gujarati Bangla Oriya Gurmukhi Telugu Tamil Kannada Malayalam Hindi

नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

सूचना: विदेहक मैथिली-अंग्रेजी आ अंग्रेजी मैथिली कोष (इंटरनेटपर पहिल बेर सर्च-डिक्शनरी) एम.एस. एस.क्यू.एल. सर्वर आधारित -Based on ms-sql server Maithili-English and English-Maithili Dictionary at http://www.videha.co.in/ **विदेहक भाषापाक- रचनालेखन स्तंभमे।**

विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक (ब्रेल, तिरहुता आ देवनागरी मे) पी.डी.एफ. डाउनलोडक लेल नीचाँक लिंकपर उपलब्ध अछि। All the old issues of Videha e journal (in Braille, Tirhuta and Devanagari versions) are available for pdf download at the following link.

विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक ब्रेल, तिरहुता आ देवनागरी रूपमे

Videha e journal's all old issues in Braille Tirhuta and Devanagari versions

विदेह आर.एस.एस.फीड।

"विदेह" ई-पत्रिका ई-पत्रसँ प्राप्त करू।

अपन मित्रकेँ विदेहक विषयमे सूचित करू।

↑ विदेह आर.एस.एस.फीड एनीमेटरकेँ अपन साइट/ ब्लॉगपर लगाऊ।

ब्लॉग "लेआउट" पर "एड गाडजेट" मे "फीड" सेलेक्ट कए "फीड यू.आर.एल." मे http://www.videha.co.in/index.xml टाइप केलासँ सेहो विदेह फीड प्राप्त कए सकैत छी। गूगल रीडरमे पढ़बा लेल http://reader.google.com/ पर जा कऽ Add a Subscription बटन क्लिक करू आ खाली स्थानमे http://www.videha.co.in/index.xml पेस्ट करू आ Add बटन दबाऊ।

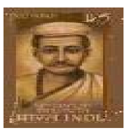
मैथिली देवनागरी वा मिथिलाक्षरमे नहि देखि/ लिखि पाबि रहल छी, (cannot see/write Maithili in Devanagari/ Mithilakshara follow links below or contact at ggajendra@videha.com) तँ एहि हेतु नीचाँक लिंक सभ पर जाऊ। संगहि विदेहक स्तंभ मैथिली भाषापाक/ रचना लेखनक नव-पुरान अंक पढ़ू।

http://devanaagarii.net/

http://kaulonline.com/uninagari/ (एतए बॉक्समे ऑनलाइन देवनागरी टाइप करू, बॉक्ससँ कॉपी करू आ वर्ड डॉक्युमेन्टमे पेस्ट कए वर्ड फाइलकेँ सेव करू। विशेष जानकारीक लेल ggajendra@videha.com पर सम्पर्क करू।)(Use Firefox 3.0 (from WWW.MOZILLA.COM)/ Opera/ Safari/ Internet Explorer 8.0/ Flock 2.0/ Google Chrome for best view of 'Videha' Maithili e-journal at http://www.videha.co.in/ .)

Go to the link below for download of old issues of VIDEHA Maithili e magazine in .pdf format and Maithili Audio/ Video/ Book/ paintings/ photo files. विदेहक पुरान अंक आ ऑडियो/ वीडियो/ पोथी/ चित्रकला/ फोटो सभक फाइल सभ (उच्चारण, बड़ सुख सार आ दूर्वाक्षत मंत्र सहित) डाउनलोड करबाक हेतु नीचाँक लिंक पर जाऊ।

VIDEHA ARCHIVE विदेह आर्काइव



भारतीय डाक विभाग द्वारा जारी कवि, नाटककार आ धर्मशास्त्री विद्यापतिक स्टाम्प। भारत आ नेपालक माटिमे पसरल मिथिलाक धरती प्राचीन कालहिसँ महान पुरुष ओ महिला लोकनिक कर्मभूमि रहल अछि। मिथिलाक महान पुरुष ओ महिला लोकनिक चित्र 'मिथिला रत्न' मे देखू।



गौरी-शंकरक पालवंश कालक मूर्त्ति, एहिमे मिथिलाक्षरमे (१२०० वर्ष पूर्वक) अभिलेख अंकित अछि। मिथिलाक भारत आ नेपालक माटिमे पसरल एहि तरहक अन्यान्य प्राचीन आ नव स्थापत्य, चित्र, अभिलेख आ मूर्त्तिकलाक़ हेतु देखू 'मिथिलाक खोज'

मिथिला, मैथिल आ मैथिलीसँ सम्बन्धित सूचना, सम्पर्क, अन्वेषण संगहि विदेहक सर्च-इंजन आ न्यूज सर्विस आ मिथिला, मैथिल आ मैथिलीसँ सम्बन्धित वेबसाइट सभक समग्र संकलनक लेल देखू "विदेह सूचना संपर्क अन्वेषण"

विदेह जालवृत्तक डिसकसन फोरमपर जाऊ।

"मैथिल आर मिथिला" (मैथिलीक सभसँ लोकप्रिय जालवृत्त) पर जाऊ।

<u>महत्त्वपूर्ण सूचना: (1)</u> विस्मृत कवि स्व. रामजी चौधरी (1878-1952)पर शोध-लेख विदेहक पहिल अँकमे ई-प्रकाशित भेल छल।तकर बाद हुनकर पुत्र श्री दुर्गानन्द चौधरी, ग्राम-रुद्रपुर,थाना-अंधरा-ठाढ़ी, जिला-मधुबनी कविजीक अप्रकाशित पाण्डुलिपि विदेह कार्यालयकेँ डाकसँ विदेहमे प्रकाशनार्थ पठओलन्हि अछि। ई गोट-पचासेक पद्य विदेहमे अगिला अंकसँ धारावाहिक रूपेँ ई-प्रकाशित होयत।



<u>महत्त्वपूर्ण सूचना: (2) मैथिलीक वरिष्ठ रचनाकार श्री गंगेश गुंजनजीक कविता अगिला अंकसँ (01 मई 2008) विदेहमे।</u>



<u>महत्त्वपूर्ण सूचना: (3)</u> मैथिलीक वरिष्ठ कवि आ' नाटककार श्री उदयनारायण सिंह 'नचिकेता' जीक नाटक 'नो एंट्री :मा प्रविश' 15 अपैल 2008 सँ 'विदेह' ई पत्रिकामे धारावाहिक रूपमे ई-प्रकाशित कएल जा' रहल अछि।

<u>महत्त्वपूर्ण सूचना:(4)</u> 'विदेह' द्वारा कएल गेल शोधक आधार पर १.मैथिली-अंग्रेजी शब्द कोश २.अंग्रेजी-मैथिली शब्द कोश आऽ ३.मिथिलाक्षरसँ देवनागरी पाण्डुलिपि लिप्यान्तरण-पञ्जी-प्रबन्ध डाटाबेश श्रुति पब्लिकेशन द्वारा प्रिन्ट फॉर्ममे प्रकाशित करबाक आग्रह स्वीकार कए लेल गेल अछि। पुस्तक-प्राप्तिक विधिक आऽ पोथीक मूल्यक सूचना एहि पृष्ठ पर शीघ्र देल जायत।१.मैथिली-अंग्रेजी शब्दकोश, २.अंग्रेजी-मैथिली शब्दकोश आऽ ३.पञ्जी-प्रबन्ध (डिजिटल इमेजिंग आऽ मिथिलाक्षरसँ देवनागरी लिप्यांतरण) (तीनू पोथीक संकलन-सम्पादन-लिप्यांतरण गजेन्द्र ठाकुर, नागेन्द्र कुमार झा एवं पञ्जीकार विद्यानन्द झा  द्वारा)

<u>महत्त्वपूर्ण सूचना:(5)</u> 'विदेह' द्वारा धारावाहिक रूपे ई-प्रकाशित कएल जा' रहल गजेन्द्र ठाकुरक 'सहस्रबाढ़नि'(उपन्यास), 'गल्प-गुच्छ'(कथा संग्रह) , 'भालसरि' (पद्य संग्रह), 'बालानां कृते', 'एकाङ्की संग्रह', 'महाभारत' 'बुद्ध चरित' (महाकाव्य)आऽ 'यात्रा वृत्तांत' विदेहमे संपूर्ण ई-प्रकाशनक बाद - कुरुक्षेत्रम् <u>अन्तर्</u>मनक,

खण्ड-१ आऽ २ (लेखकक छिड़िआयल पद्य, उपन्यास, गल्प-कथा, नाटक-एकाङ्की, बालानां कृते, महाकाव्य, शोध-निबन्ध आदिक समग्र संकलन)- **गजेन्द्र ठाकुर**

महत्त्वपूर्ण सूचना (6): महत्त्वपूर्ण सूचना: श्रीमान् नचिकेताजीक नाटक "नो एंट्री: मा प्रविश" केर 'विदेह' मे ई-प्रकाशित रूप देखि कए एकर प्रिंट रूपमे प्रकाशनक लेल 'विदेह' केर समक्ष "श्रुति प्रकाशन" केर प्रस्ताव आयल छल। श्री नचिकेता जी एकर प्रिंट रूप करबाक स्वीकृति दए देलन्हि। प्रिंट रूप हार्डबाउन्ड (ISBN NO.978-81-907729-0-7 मूल्य रु.१२५/- यू.एस. डॉलर ४०) आऽ पेपरबैक (ISBN No.978-81-907729-1-4 मूल्य रु. ७५/- यूएस.डॉलर २५/-) मे श्रुति प्रकाशन, १/७, द्वितीय तल, पटेल नगर (प.) नई दिल्ली-११०००८ द्वारा छापल गेल अछि। e-mail: shruti.publication@shruti-publication.com website: http://www.shruti-publication.com

महत्त्वपूर्ण सूचना (7): "विदेह" केर २५म अंक १ जनवरी २००९, ई-प्रकाशित तँ होएबे करत, संगमे एकर प्रिंट संस्करण सेहो निकलत जाहिमे पुरान २४ अंकक चुनल रचना सम्मिलित कएल जाएत।

एहि अंकमे अछि:-15 अप्रैल 2008वर्ष 1 मास 4 अंक 8

1.मैथिली मंथन  श्री गंगेश गुंजन

2.नो एंट्री: मा प्रविश*श्री उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'*

मैथिली साहित्यक सुप्रसिद्ध प्रयोगधर्मी नाटककार श्री नचिकेताजीक टटका नाटक, जे विगत 25 वर्षक मौनभंगक पश्चात् पाठकक सम्मुख प्रस्तुत भ' रहल अछि।**सर्वप्रथम विदेहमे एकरा धारावाहिक रूपेँ ई-प्रकाशित कएल जा रहल अछि।पढ़ू नाटकक प्रथम कल्लोलक पहिल खेप।**

3. शोध लेख: मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (आगाँ)

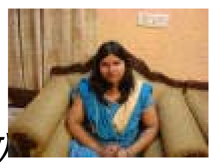
4. उपन्यास सहस्त्रबाढ़नि *गजेन्द्र ठाकुर (आगाँ)*

5. महाकाव्य महाभारत गजेन्द्र ठाकुर(आगाँ) 6. कथा(भैयारी बिसरब नहि)-गजेन्द्र ठाकुर

7. पद्य *ज्योति झा चौधरीक पद्य आधुनिक जीवन-दर्शन*

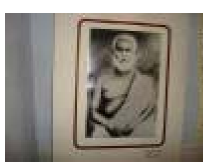
गजेन्द्र ठाकुर- मिथिलाक ध्वज गीत

8. संस्कृत शिक्षा(आँगा)-गजेन्द्र ठाकुर

9. मिथिला कला(आँगा) 

10. संगीत शिक्षा-गजेन्द्र ठाकुर *11. बालानां कृते-* गजेन्द्र ठाकुर ज्योति *पँजियार-लोकगाथा*

12. पञ्जी प्रबंध गजेन्द्र ठाकुर (आगाँ)  *पञ्जी-संग्राहक श्री विद्यानंद झा पञ्जीकार (प्रसिद्ध मोहनजी)*

13. संस्कृत मिथिला बच्चा झा(भाग-3)

-गजेन्द्र ठाकुर

14.मैथिली भाषापाक गजेन्द्र ठाकुर *15. रचना लेखन*-गजेन्द्र ठाकुर*(आगाँ)*

16. VIDEHA FOR NON RESIDENT MAITHILS . VIDEHA MITHILA TIRBHUKTI TIRHUT...

17.मिथिला आ' मैथिलीसँ संबंधित किछु मुख्य साइट18. मिथिला रत्न19.मिथिलाक खोज

विदेह (दिनांक 15 अपैल 2008)

संपादकीय

वर्ष: 1 मास: 4 अंक:8

मान्यवर,

विदेहक नव अंक (अंक 8 दिनांक 15 अप्रैल 2008) ई पब्लिश भ' रहल अछि। एहि हेतु लॉग ऑन करू http://www.videha.co.in |

एहि अंकमे नचिकेता अपन 25 सालक चुप्पी तोड़ि नो एंट्री: मा प्रविश नाटक मैथिलीक पाठकक समक्ष विदेह ई-पत्रिकाक माध्यमसँ पहुँचा रहल छथि।धारावाहिक रूँपे ई नाटक विदेहमे ई-प्रकाशित भ' रहल अछि।

श्री गंगेश गुंजन जीक वैचारिक मंथन एहि बेर पाठकक समक्ष अछि। अगिला अंकसँ पाठक हुनकर कविताक वैचारिक रस ल' सकताह।बालानां कृतेमे ज्योति पँजियारक लोकगाथा प्रस्तुत कएल गेल अछि। हमर कथा 'भैयारी बिसरब नहि' नव पीढ़ीक विजयक प्रति लगावकेँ दर्शा रहल अछि।शेष सभ स्तंभ वर्त्तमान अछि।

मिथिलाक रत्न स्तंभकेँ नाम आ' वर्षसँ जतय तक संभव भ' सकल विभूषित कएल गेल अछि। एकर परिवर्द्धनक हेतु सुझाव आमंत्रित अछि।

अपनेक रचना आ' प्रतिक्रियाक प्रतीक्षामे।वरिष्ठ रचनाकार अपन रचना हस्तलिखित रूपमे सेहो नीचाँ लिखल पता पर पठा सकैत छथि।

गजेन्द्र ठाकुर 15 अप्रैल 2008

389,पॉकेट-सी, सेक्टर-ए, बसन्तकुंज,नव देहली-110070.

फैक्स:011-41771725

http://www.videha.co.in

ggajendra@videha.co.in

ggajendra@yahoo.co.in

विदेह (पाक्षिक) संपादक- गजेन्द्र ठाकुर। एतय प्रकाशित रचना सभक कॉपीराइट लेखक लोकनिक लगमे रहतन्हि, मात्र एकर प्रथम प्रकाशनक/ आर्काइवक/ अंग्रेजी-संस्कृत अनुवादक ई-प्रकाशन/ आर्काइवक अधिकार एहि ई पत्रिकाकेँ छैक। रचनाकार अपन मौलिक आऽ अप्रकाशित रचना (जकर मौलिकताक संपूर्ण उत्तरदायित्व लेखक गणक मध्य छन्हि) ggajendra@yahoo.co.in आकि ggajendra@videha.com केँ मेल अटैचमेण्टक रूपमेँ .doc, .docx, .rtf वा .txt फॉर्मेटमे पठा सकैत छथि। रचनाक संग रचनाकार अपन संक्षिप्त परिचय आ' अपन स्कैन कएल गेल फोटो पठेताह, से आशा करैत छी। रचनाक अंतमे टाइप रहय, जे ई रचना मौलिक अछि, आऽ पहिल प्रकाशनक हेतु विदेह (पाक्षिक) ई पत्रिकाकेँ देल जा रहल अछि। मेल प्राप्त होयबाक बाद यथासंभव शीघ्र (सात दिनक भीतर) एकर प्रकाशनक अंकक सूचना देल जायत। एहि ई पत्रिकाकेँ श्रीमति लक्ष्मी ठाकुर द्वारा मासक 1 आ' 15 तिथिकेँ ई प्रकाशित कएल जाइत अछि।

२.संदेश

[विदेह ई-पत्रिका, विदेह:सदेह मिथिलाक्षर आ देवनागरी आ गजेन्द्र ठाकुरक सात खण्डक- निबन्ध-प्रबन्ध-समीक्षा,उपन्यास (सहस्रबाढ़नि) , पद्य-संग्रह (सहस्राब्दीक चौपड़पर), कथा-गल्प (गल्प गुच्छ), नाटक (संकर्षण), महाकाव्य (त्वञ्चाहञ्च आ असञ्जाति मन) आ बाल-मंडली-किशोर जगत- संग्रह *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक*मादेँ।]

१.श्री गोविन्द झा- विदेहकेँ तरंगजालपर उतारि विश्वभरिमे मातृभाषा मैथिलीक लहरि जगाओल, खेद जे अपनेक एहि महाभियानमे हम एखन धरि संग नहि दए सकलहुँ। सुनैत छी अपनेकेँ सुझाओ आ रचनात्मक आलोचना प्रिय लगैत अछि तेँ किछु लिखक मोन भेल। हमर सहायता आ सहयोग अपनेकेँ सदा उपलब्ध रहत।

२.श्री रमानन्द रेणु- मैथिलीमे ई-पत्रिका पाक्षिक रूपेँ चला कऽ जे अपन मातृभाषाक प्रचार कऽ रहल छी, से धन्यवाद । आगाँ अपनेक समस्त मैथिलीक कार्यक हेतु हम हृदयसँ शुभकामना दऽ रहल छी।

३.श्री विद्यानाथ झा "विदित"- संचार आ प्रौद्योगिकीक एहि प्रतिस्पर्धी ग्लोबल युगमे अपन महिमामय "विदेह"केँ अपना देहमे प्रकट देखि जतबा प्रसन्नता आ संतोष भेल, तकरा कोनो उपलब्ध "मीटर"सँ नहि नापल जा सकैछ? ..एकर ऐतिहासिक मूल्यांकन आ सांस्कृतिक प्रतिफलन एहि शताब्दीक अंत धरि लोकक नजरिमे आश्चर्यजनक रूपसँ प्रकट हैत।

४. प्रो. उदय नारायण सिंह "नचिकेता"- जे काज अहाँ कए रहल छी तकर चरचा एक दिन मैथिली भाषाक इतिहासमे होएत। आनन्द भए रहल अछि, ई जानि कए जे एतेक गोट मैथिल "विदेह" ई जर्नलकेँ पढ़ि रहल छथि।...विदेहक चालीसम अंक पुरबाक लेल अभिनन्दन।

५. डॉ. गंगेश गुंजन- एहि विदेह-कर्ममे लागि रहल अहाँक सम्वेदनशील मन, मैथिलीक प्रति समर्पित मेहनतिक अमृत रंग, इतिहास मे एक टा विशिष्ट फराक अध्याय आरंभ करत, हमरा विश्वास अछि। अशेष शुभकामना आ बधाइक सङ्ग, सस्नेह...अहाँक पोथी *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* प्रथम दृष्टया बहुत भव्य तथा उपयोगी बुझाइछ। मैथिलीमे तँ अपना स्वरूपक प्रायः ई पहिले एहन भव्य अवतारक पोथी थिक। हर्षपूर्ण हमर हार्दिक बधाई स्वीकार करी।

६. श्री रामाश्रय झा "रामरंग"(आब स्वर्गीय)- "अपना" मिथिलासँ संबंधित...विषय वस्तुसँ अवगत भेलहुँ।...शेष सभ कुशल अछि।

७. श्री ब्रजेन्द्र त्रिपाठी- साहित्य अकादमी- इंटरनेट पर प्रथम मैथिली पाक्षिक पत्रिका "विदेह" केर लेल बधाई आ शुभकामना स्वीकार करू।

८. श्री प्रफुल्लकुमार सिंह "मौन"- प्रथम मैथिली पाक्षिक पत्रिका "विदेह" क प्रकाशनक समाचार जानि कनेक चकित मुदा बेसी आह्लादित भेलहुँ। कालचक्रकेँ पकड़ि जाहि दूरदृष्टिक परिचय देलहुँ, ओहि लेल हमर मंगलकामना।

९.डॉ. शिवप्रसाद यादव- ई जानि अपार हर्ष भए रहल अछि, जे नव सूचना-क्रान्तिक क्षेत्रमे मैथिली पत्रकारिताकेँ प्रवेश दिअएबाक साहसिक कदम उठाओल अछि। पत्रकारितामे एहि प्रकारक नव प्रयोगक हम स्वागत करैत छी, संगहि "विदेह"क सफलताक शुभकामना।

१०. श्री आद्याचरण झा- कोनो पत्र-पत्रिकाक प्रकाशन- ताहूमे मैथिली पत्रिकाक प्रकाशनमे के कतेक सहयोग करताह- ई तऽ भविष्य कहत। ई हमर ८८ वर्षमे ७५ वर्षक अनुभव रहल। एतेक पैघ महान यज्ञमे हमर श्रद्धापूर्ण आहुति प्राप्त होयत- यावत ठीक-ठाक छी/ रहब।

११. श्री विजय ठाकुर- मिशिगन विश्वविद्यालय- "विदेह" पत्रिकाक अंक देखलहुँ, सम्पूर्ण टीम बधाईक पात्र अछि। पत्रिकाक मंगल भविष्य हेतु हमर शुभकामना स्वीकार कएल जाओ।

१२. श्री सुभाषचन्द्र यादव- ई-पत्रिका "विदेह" क बारेमे जानि प्रसन्नता भेल। 'विदेह' निरन्तर पल्लवित-पुष्पित हो आ चतुर्दिक अपन सुगंध पसारय से कामना अछि।

१३. श्री मैथिलीपुत्र प्रदीप- ई-पत्रिका "विदेह" केर सफलताक भगवतीसँ कामना। हमर पूर्ण सहयोग रहत।

१४. डॉ. श्री भीमनाथ झा- "विदेह" इन्टरनेट पर अछि तँ "विदेह" नाम उचित आर कतेक रूपेँ एकर विवरण भए सकैत अछि। आइ-काल्हि मोनमे उद्वेग रहैत अछि, मुदा शीघ्र पूर्ण सहयोग देब।*कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक* देखि अति प्रसन्नता भेल। मैथिलीक लेल ई घटना छी।

१५. श्री रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"- जनकपुरधाम- "विदेह" ऑनलाइन देखि रहल छी। मैथिलीकेँ अन्तर्राष्ट्रीय जगतमे पहुँचेलहुँ तकरा लेल हार्दिक बधाई। मिथिला रत्न सभक संकलन अपूर्व। नेपालोक सहयोग भेटत, से विश्वास करी।

१६. श्री राजनन्दन लालदास- "विदेह" ई-पत्रिकाक माध्यमसँ बड़ नीक काज कए रहल छी, नातिक अहिठाम देखलहुँ। एकर वार्षिक अंक जखन प्रिंट निकालब तँ हमरा पठायब। कलकत्तामे बहुत गोटेकेँ हम साइटक पता लिखाए देने छियन्हि। मोन तँ होइत अछि जे दिल्ली आबि कए आशीर्वाद दैतहुँ, मुदा उमर आब बेशी भए गेल। शुभकामना देश-विदेशक मैथिलकेँ जोड़बाक लेल।.. उत्कृष्ट प्रकाशन *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* लेल बधाइ। अद्भुत काज कएल अछि, नीक प्रस्तुति अछि सात खण्डमे। ..सुभाष चन्द्र यादवक कथापर अहाँक आमुखक पहिल दस पंक्तिमे आ आगाँ हिन्दी, उर्दू तथा अंग्रेजी शब्द अछि (बेबाक, आद्योपान्त, फोकलोर..)..लोक नहि कहत जे *चालनि दुशलनि बाढ़निकेँ जिनका अपना बहत्तरि टा भूरा*..(स्पष्टीकरण- अहाँ द्वारा उद्धृत अंश यादवजीक कथा संग्रह बनैत-बिगड़ैतक आमुख १ जे कैलास कुमार मिश्रजी द्वारा लिखल गेल अछि-हमरा द्वारा नहि- केँ संबोधित करैत अछि। कैलासजीक सम्पूर्ण आमुख हम पढ़ने छी आ ओ अपन विषयक विशेषज्ञ छथि आ हुनका प्रति कएल अपशब्दक प्रयोग अनुचित- गजेन्द्र ठाकुर)...अहाँक मंतव्य *क्यो चित्रगुप्त सभा खोलि मणिपद्मकेँ बेचि रहल छथि तँ क्यो मैथिल (ब्राह्मण) सभा खोलि सुमनजीक व्यापारमे लागल छथि-मणिपद्म आ सुमनजीक आरिमे अपन धंधा चमका रहल छथि आ मणिपद्म आ सुमनजीकेँ अपमानित कए रहल छथि*।..तखन लोक तँ कहबे करत जे *अपन घेघ नहि सुझैत छन्हि, लोकक टेटर आ से बिना देखनहि, अधलाह लागैत छनि*....ओना अहाँ तँ अपनहुँ बड़ पैघ धंधा कऽ रहल छी। मात्र सेवा आ से निःस्वार्थ तखन बूझल जाइत जँ अहाँ द्वारा प्रकाशित पोथी सभपर दाम लिखल नहि रहितैक। ओहिना सभकेँ विलहि देल जइतैक। (स्पष्टीकरण- श्रीमान्, अहाँक सूचनार्थ विदेह द्वारा ई-प्रकाशित कएल सभटा सामग्री आर्काइवमे http://www.videha.co.in/ पर बिना मूल्यक डाउनलोड लेल उपलब्ध छै आ भविष्यमे सेहो रहतैक। एहि आर्काइवकेँ जे कियो प्रकाशक अनुमति लऽ कऽ प्रिंट रूपमे प्रकाशित कएने छथि आ तकर ओ दाम रखने छथि आ किएक रखने छथि वा आगाँसँ दाम नहि राखथु- ई सभटा परामर्श अहाँ प्रकाशककेँ पत्र/ ई-पत्र द्वारा पठा सकै छियन्हि।- गजेन्द्र ठाकुर)... अहाँक प्रति अशेष शुभकामनाक संग।

१७. डॉ. प्रेमशंकर सिंह- अहाँ मैथिलीमे इंटरनेटपर पहिल पत्रिका "विदेह" प्रकाशित कए अपन अद्भुत मातृभाषानुरागक परिचय देल अछि, अहाँक निःस्वार्थ मातृभाषानुरागसँ प्रेरित छी, एकर निमित्त जे हमर सेवाक प्रयोजन हो, तँ सूचित करी। इंटरनेटपर आद्योपांत पत्रिका देखल, मन प्रफुल्लित भऽ गेल।

१८.श्रीमती शेफालिका वर्मा- विदेह ई-पत्रिका देखि मोन उल्लाससँ भरि गेल। विज्ञान कतेक प्रगति कऽ रहल अछि...अहाँ सभ अनन्त आकाशकेँ भेदि दियौ, समस्त विस्तारक रहस्यकेँ तार-तार कऽ दियौक...। अपनेक अद्भुत पुस्तक कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक विषयवस्तुक दृष्टिसँ गागरमे सागर अछि। बधाई।

१९.श्री हेतुकर झा, पटना-जाहि समर्पण भावसँ अपने मिथिला-मैथिलीक सेवामे तत्पर छी से स्तुत्य अछि। देशक राजधानीसँ भय रहल मैथिलीक शंखनाद मिथिलाक गाम-गाममे मैथिली चेतनाक विकास अवश्य करत।

२०. श्री योगानन्द झा, कबिलपुर, लहेरियासराय- *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* पोथीकेँ निकटसँ देखबाक अवसर भेटल अछि आ मैथिली जगतक एकटा उद्भट ओ समसामयिक दृष्टिसम्पन्न हस्ताक्षरक कलमबन्द परिचयसँ आह्लादित छी। "विदेह"क देवनागरी सँस्करण पटनामे रु. 80/- मे उपलब्ध भऽ सकल जे विभिन्न लेखक लोकनिक छायाचित्र, परिचय पत्रक ओ रचनावलीक सम्यक प्रकाशनसँ ऐतिहासिक कहल जा सकैछ।

२१. श्री किशोरीकान्त मिश्र- कोलकाता- जय मैथिली, विदेहमे बहुत रास कविता, कथा, रिपोर्ट आदिक सचित्र संग्रह देखि आ आर अधिक प्रसन्नता मिथिलाक्षर देखि- बधाई स्वीकार कएल जाओ।

२२.श्री जीवकान्त- विदेहक मुद्रित अंक पढ़ल- अद्भुत मेहनति। चाबस-चाबस। किछु समालोचना मरखाह..मुदा सत्य।

२३. श्री भालचन्द्र झा- अपनेक *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* देखि बुझाएल जेना हम अपने छपलहुँ अछि। एकर विशालकाय आकृति अपनेक सर्वसमावेशताक परिचायक अछि। अपनेक रचना सामर्थ्यमे उत्तरोत्तर वृद्धि हो, एहि शुभकामनाक संग हार्दिक बधाई।

२४.श्रीमती डॉ नीता झा- अहाँक *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* पढ़लहुँ। ज्योतिरीश्वर शब्दावली, कृषि मत्स्य शब्दावली आ सीत बसन्त आ सभ कथा, कविता, उपन्यास, बाल-किशोर साहित्य सभ उत्तम छल। मैथिलीक उत्तरोत्तर विकासक लक्ष्य दृष्टिगोचर होइत अछि।

२५.श्री मायानन्द मिश्र- *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* मे हमर उपन्यास *स्त्रीधनक* जे विरोध कएल गेल अछि तकर हम विरोध करैत छी।... *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* पोथीक लेल शुभकामना।(श्रीमान् समालोचनाकेँ विरोधक रूपमे नहि लेल जाए।-गजेन्द्र ठाकुर)

२६.श्री महेन्द्र हजारी- सम्पादक *श्रीमिथिला- कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* पढ़ि मोन हर्षित भऽ गेल..एखन पूरा पढ़यमे बहुत समय लागत, मुदा जतेक पढ़लहुँ से आह्लादित कएलक।

२७.श्री केदारनाथ चौधरी- *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* अद्भुत लागल, मैथिली साहित्य लेल ई पोथी एकटा प्रतिमान बनत।

२८.श्री सत्यानन्द पाठक- विदेहक हम नियमित पाठक छी। ओकर स्वरूपक प्रशंसक छलहुँ। एम्हर अहाँक लिखल - *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* देखलहुँ। मोन आह्लादित भऽ उठल। कोनो रचना तरा-उपरी।

२९.श्रीमती रमा झा-सम्पादक मिथिला दर्पण। *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* प्रिंट फॉर्म पढ़ि आ एकर गुणवत्ता देखि मोन प्रसन्न भऽ गेल, अद्भुत शब्द एकरा लेल प्रयुक्त कऽ रहल छी। विदेहक उत्तरोत्तर प्रगतिक शुभकामना।

३०.श्री नरेन्द्र झा, पटना- विदेह नियमित देखैत रहैत छी। मैथिली लेल अद्भुत काज कऽ रहल छी।

३१.श्री रामलोचन ठाकुर- कोलकाता- मिथिलाक्षर विदेह देखि मोन प्रसन्नतासँ भरि उठल, अंकक विशाल परिदृश्य आस्वस्तकारी अछि।

३२.श्री तारानन्द वियोगी- विदेह आ *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* देखि चकबिदोर लागि गेल। आश्चर्य। शुभकामना आ बधाई।

३३.श्रीमती प्रेमलता मिश्र ''प्रेम''- *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* पढ़लहुँ। सभ रचना उच्चकोटिक लागल। बधाई।

३४.श्री कीर्तिनारायण मिश्र- बेगूसराय- *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* बड्ड नीक लागल, आगांक सभ काज लेल बधाई।

३५.श्री महाप्रकाश-सहरसा- *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* नीक लागल, विशालकाय संगहि उत्तमकोटिक।

३६.श्री अग्निपुष्प- मिथिलाक्षर आ देवाक्षर विदेह पढ़ल..ई प्रथम तँ अछि एकरा प्रशंसामे मुदा हम एकरा दुस्साहसिक कहब। मिथिला चित्रकलाक स्तम्भकेँ मुदा अगिला अंकमे आर विस्तृत बनाऊ।

३७.श्री मंजर सुलेमान-दरभंगा- विदेहक जतेक प्रशंसा कएल जाए कम होएत। सभ चीज उत्तम।

३८.श्रीमती प्रोफेसर वीणा ठाकुर- *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* उत्तम, पठनीय, विचारनीय। जे क्यो देखैत छथि पोथी प्राप्त करबाक उपाय पुछैत छथि। शुभकामना।

३९.श्री छत्रानन्द सिंह झा- *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* पढ़लहुँ, बड्ड नीक सभ तरहेँ।

४०.श्री ताराकान्त झा- सम्पादक मैथिली दैनिक मिथिला समाद- विदेह तँ कन्टेन्ट प्रोवाइडरक काज कऽ रहल अछि। कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक अद्भुत लागल।

४१.डॉ रवीन्द्र कुमार चौधरी- कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक बहुत नीक, बहुत मेहनतिक परिणाम। बधाई।

४२.श्री अमरनाथ- कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक आ विदेह दुनू स्मरणीय घटना अछि, मैथिली साहित्य मध्य।

४३.श्री पंचानन मिश्र- विदेहक वैविध्य आ निरन्तरता प्रभावित करैत अछि, शुभकामना।

४४.श्री केदार कानन- कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल अनेक धन्यवाद, शुभकामना आ बधाइ स्वीकार करी। आ नचिकेताक भूमिका पढ़लहुँ। शुरूमे तँ लागल जेना कोनो उपन्यास अहाँ द्वारा सृजित भेल अछि मुदा पोथी उनटौला पर ज्ञात भेल जे एहिमे तँ सभ विधा समाहित अछि।

४५.श्री धनाकर ठाकुर- अहाँ नीक काज कऽ रहल छी। फोटो गैलरीमे चित्र एहि शताब्दीक जन्मतिथिक अनुसार रहैत तऽ नीक।

४६.श्री आशीष झा- अहाँक पुस्तकक संबंधमे एतबा लिखबा सँ अपना कए नहि रोकि सकलहुँ जे ई किताब मात्र किताब नहि थीक, ई एकटा उम्मीद छी जे मैथिली अहाँ सन पुत्रक सेवा सँ निरंतर समृद्ध होइत चिरजीवन कए प्राप्त करत।

४७.श्री शम्भु कुमार सिंह- विदेहक तत्परता आ क्रियाशीलता देखि आह्लादित भऽ रहल छी। निश्चितरूपेण कहल जा सकैछ जे समकालीन मैथिली पत्रिकाक इतिहासमे विदेहक नाम स्वर्णाक्षरमे लिखल जाएत। ओहि कुरुक्षेत्रक घटना सभ तँ अठारहे दिनमे खतम भऽ गेल रहए मुदा अहाँक *कुरुक्षेत्रम्* तँ अशेष अछि।

४८.डॉ. अजीत मिश्र- अपनेक प्रयासक कतबो प्रशंसा कएल जाए कमे होएतैक। मैथिली साहित्यमे अहाँ द्वारा कएल गेल काज युग-युगान्तर धरि पूजनीय रहत।

४९.श्री बीरेन्द्र मल्लिक- अहाँक *कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक* आ *विदेह:सदेह* पढ़ि अति प्रसन्नता भेल। अहाँक स्वास्थ्य ठीक रहए आ उत्साह बनल रहए से कामना।

५०.श्री कुमार राधारमण- अहाँक दिशा-निर्देशमे *विदेह* पहिल मैथिली ई-जर्नल देखि अति प्रसन्नता भेल। हमर शुभकामना।

५१.श्री फूलचन्द्र झा *प्रवीण*-विदेह:सदेह पढ़ने रही मुदा *कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक* देखि बढ़ाई देबा लेल बाध्य भऽ गेलहुँ। आब विश्वास भऽ गेल जे मैथिली नहि मरत। अशेष शुभकामना।

५२.श्री विभूति आनन्द- विदेह:सदेह देखि, ओकर विस्तार देखि अति प्रसन्नता भेल।

५३.श्री मानेश्वर मनुज-*कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक* एकर भव्यता देखि अति प्रसन्नता भेल, एतेक विशाल ग्रन्थ मैथिलीमे आइ धरि नहि देखने रही। एहिना भविष्यमे काज करैत रही, शुभकामना।

५४.श्री विद्यानन्द झा- आइ.आइ.एम.कोलकाता- *कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक* विस्तार, छपाईक संग गुणवत्ता देखि अति प्रसन्नता भेल।

५५.श्री अरविन्द ठाकुर-*कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक* मैथिली साहित्यमे कएल गेल एहि तरहक पहिल प्रयोग अछि, शुभकामना।

५६.श्री कुमार पवन-*कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक* पढ़ि रहल छी। किछु लघुकथा पढ़ल अछि, बहुत मार्मिक छल।

५७. श्री प्रदीप बिहारी-*कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक* देखल, बधाई।

५८.डॉ मणिकान्त ठाकुर-कैलिफोर्निया- अपन विलक्षण नियमित सेवासँ हमरा लोकनिक हृदयमे विदेह सदेह भऽ गेल अछि।

५९.श्री धीरेन्द्र प्रेमर्षि- अहाँक समस्त प्रयास सराहनीय। दुख होइत अछि जखन अहाँक प्रयासमे अपेक्षित सहयोग नहि कऽ पबैत छी।

६०.श्री देवशंकर नवीन- विदेहक निरन्तरता आ विशाल स्वरूप- विशाल पाठक वर्ग, एकरा ऐतिहासिक बनबैत अछि।

६१.श्री मोहन भारद्वाज- अहाँक समस्त कार्य देखल, बहुत नीक। एखन किछु परेशानीमे छी, मुदा शीघ्र सहयोग देब।

६२.श्री फजलुर रहमान हाशमी-*कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक* मे एतेक मेहनतक लेल अहाँ साधुवादक अधिकारी छी।

६३.श्री लक्ष्मण झा "सागर"- मैथिलीमे चमत्कारिक रूपेँ अहाँक प्रवेश आह्लादकारी अछि।..अहाँकेँ एखन आर..दूर..बहुत दूरधरि जेबाक अछि। स्वस्थ आ प्रसन्न रही।

६४.श्री जगदीश प्रसाद मंडल-*कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक* पढ़लहुँ । कथा सभ आ उपन्यास *सहस्रबाढ़नि* पूर्णरूपेँ पढ़ि गेल छी। गाम-घरक भौगोलिक विवरणक जे सूक्ष्म वर्णन सहस्रबाढ़निमे अछि, से चकित कएलक, एहि संग्रहक कथा-उपन्यास मैथिली लेखनमे विविधता अनलक अछि। समालोचना शास्त्रमे अहाँक दृष्टि वैयक्तिक नहि वरन् सामाजिक आ कल्याणकारी अछि, से प्रशंसनीय।

६५.श्री अशोक झा-अध्यक्ष मिथिला विकास परिषद- *कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक* लेल बधाई आ आगाँ लेल शुभकामना।

६६.श्री ठाकुर प्रसाद मुर्मु- अद्भुत प्रयास। धन्यवादक संग प्रार्थना जे अपन माटि-पानिकेँ ध्यानमे राखि अंकक समायोजन कएल जाए। नव अंक धरि प्रयास सराहनीय। विदेहकेँ बहुत-बहुत धन्यवाद जे एहेन सुन्दर-सुन्दर सचार (आलेख) लगा रहल छथि। सभटा ग्रहणीय- पठनीय।

६७.बुद्धिनाथ मिश्र- प्रिय गजेन्द्र जी,अहाँक सम्पादन मे प्रकाशित 'विदेह'आ 'कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक' विलक्षण पत्रिका आ विलक्षण पोथी! की नहि अछि अहाँक सम्पादनमे? एहि प्रयत्न सँ मैथिली क विकास होयत,निस्संदेह।

६८.श्री बृखेश चन्द्र लाल- गजेन्द्रजी, अपनेक पुस्तक *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* पढ़ि मोन गदगद भय गेल , हृदयसँ अनुगृहित छी । हार्दिक शुभकामना ।

६९.श्री परमेश्वर कापड़ि - श्री गजेन्द्र जी । *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* पढ़ि गदगद आ नेहाल भेलहुँ।

७०.श्री रवीन्द्रनाथ ठाकुर- विदेह पढ़ैत रहैत छी। धीरेन्द्र प्रेमर्षिक मैथिली गजलपर आलेख पढ़लहुँ। मैथिली गजल कत्तऽ सँ कत्तऽ चलि गेलैक आ ओ अपन आलेखमे मात्र अपन जानल-पहिचानल लोकक चर्च कएने छथि। जेना मैथिलीमे मठक परम्परा रहल अछि। (स्पष्टीकरण- श्रीमान्, प्रेमर्षि जी ओहि आलेखमे ई स्पष्ट लिखने छथि जे किनको नाम जे छुटि गेल छन्हि तँ से मात्र

आलेखक लेखकक जानकारी नहि रहबाक द्वारे, एहिमे आन कोनो कारण नहि देखल जाय। अहाँसँ एहि विषयपर विस्तृत आलेख सादर आमंत्रित अछि।-सम्पादक)

७१.श्री मंत्रेश्वर झा- विदेह पढ़ल आ संगहि अहाँक मैगनम ओपस *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* सेहो, अति उत्तम। मैथिलीक लेल कएल जा रहल अहाँक समस्त कार्य अतुलनीय अछि।

७२. श्री हरेकृष्ण झा- *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* मैथिलीमे अपन तरहक एकमात्र ग्रन्थ अछि, एहिमे लेखकक समग्र दृष्टि आ रचना कौशल देखबामे आएल जे लेखकक फील्डवर्कसँ जुड़ल रहबाक कारणसँ अछि।

७३.श्री सुकान्त सोम- *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* मे समाजक इतिहास आ वर्तमानसँ अहाँक जुड़ाव बड़ड नीक लागल, अहाँ एहि क्षेत्रमे आर आगाँ काज करब से आशा अछि।

७४.प्रोफेसर मदन मिश्र- *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* सन किताब मैथिलीमे पहिले अछि आ एतेक विशाल संग्रहपर शोध कएल जा सकैत अछि। भविष्यक लेल शुभकामना।

७५.प्रोफेसर कमला चौधरी- मैथिलीमे *कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक* सन पोथी आबए जे गुण आ रूप दुनूमे निस्सन होअए, से बहुत दिनसँ आकांक्षा छल, ओ आब जा कऽ पूर्ण भेल। पोथी एक हाथसँ दोसर हाथ घुमि रहल अछि, एहिना आगाँ सेहो अहाँसँ आशा अछि।

1.मैथिली मंथन



श्री गंगेश गुंजन(1942-)। जन्म स्थान- पिलखबाड़, मधुबनी। एम.ए. (हिन्दी), रेडियो नाटक पर पी.एच.डी.। कवि, कथाकार, नाटककार आ' उपन्यासकार। मैथिलीक प्रथम चौबटिया नाटक बुधिबधियाक लेखक। उचितवक्ता (कथा संग्रह) क लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार। एकर अतिरिक्त हम एकटा मिथ्या परिचय, लोक सुनू (कविता संग्रह), अन्हार- इजोत (कथा संग्रह), पहिल लोक (उपन्यास), आइ भोट (नाटक)प्रकाशित। हिन्दीमे मिथिलांचल की लोक कथाएँ, मणिपद्मक नैका- बनिजाराक मैथिलीसँ हिन्दी अनुवाद आ' शब्द तैयार है (कविता संग्रह)।

मैथिलीक उर्वर क्षेत्रमे कॉरपोरेट-जगत धाप

एम्हर आब मैथिलीकेँ ई अष्टम सूचीक मान्यता एकटा आओर नव वादक उपहार-दरभंगा-मधुबनी-सहरसा वादक उपहार बनि रहलए। नव बाजारी प्रवृत्तिक ई प्रच्छन्न बीज-वपन आरम्भ भ' चुकल अछि। सावधान। जे वर्ग

एहि नव प्रयोजन-सिद्धिक बाट पर चलि आ' चला रहलाह अछि, तनिकासँ संवाद होयबाक चाही। एखनहि-एही काल। अन्यथा मैथिलीक जतेक आ' जेहन हानि आइ धरि नहि भेल छलैक, ताहिसँ बहुत बेशी आ' खतरनाक नोकसान भ' जयतैक। देशमे प्रचलित तुच्छतावादी प्रवृत्तिक विरुद्ध रखबारी कर' पड़त। पूरवाग्रह मुक्त मन-प्राणसँ। अपना-अप्पी क' क' सुतारबाक, हथिययबाक अवसरवादी प्रवृत्तिसँ बाज अबै जाथि।

मैथिलीक विषयकेँ समग्रतामे -देखि-बूझि क'- जाहिमे सम्पूर्ण मिथिला, मैथिल आ' मैथिली अछि। छुछे दरभंगा-सहरसा-मधुबनी ए टा नहि। आ' ने छुच्छे सोति-ब्राह्मण-ब्राह्मणेतर मैथिली भाषा-संस्कृति। तहिना साहित्य कथा कि कविता कि उपन्यास कि नाटके टा नहि। ई सभटा समस्त मिथिलांचलक एक जातीय सांस्कृतिक समग्रता तथा लोक गरिमाक, मानवीय गुणवत्ता, जीवनमूल्यक दबाबमे करैत रचनाकर-विचारकक संघर्ष आ' आदर्शोन्मुख अभिव्यक्तिमे समस्त युग-यथार्थ बनैत अछि।

ओना अपना-अपना पीढ़ीक प्रति आग्रह-आवेश स्वाभाविक, तँ सभ दिना यथार्थ। मुदा वैह यदि कट्टरताक रूप ल' लिअय तँ सामाजिक जहर बनि जाइछ। दुःखद आ' चिन्तक विषय तँ ई जे एहन प्रवृत्ति मैथिली भाषा आ' साहित्यमे सृजनरत अधिकांश नव्यतम रचनाकारमे पर्यंत देखाइ पड़' लागलए। जनिकर लेखनसँ मैथिलीकेँ बड़-बड़ आशा छैक। से लोक सेहो।ई दुश्चिन्तेक विषय। एहन विभाजनकारी, विद्वेषोन्मुखी डेगकेँ रोकबाक चेतना जगाउ। आरम्भेमे-एखने।

एहन वेगमे संस्थामूल्य सभक क्षय होयबामे समकालीन लोकक नकारात्मक पहल केर मुख्य भूमिका रहैत आयल छैक। आइ तँ आर। संस्था समेत साहित्यक आकलन-मूल्यांकनसँ ल' साहित्य-सम्मान धरिक मानदण्ड-निकष-कसौटीक निष्पक्षता आ' ईमानदारी पर प्रश्न उठि रहल अछि। संस्था मूल्य सभक क्षरण आ' कठघरामे ठाढ़ कएल जयबाक घटना सभकेँ, हल्लुक क' नहि, बहुत गंभीरता आ' जिम्मेदारीसँ स्वीकार करबाक एखनहि अछि- बेर छैक। नहि तँ पछताय लेल तँ साँसे भविष्य धएल अछि। एहि परिस्थिति तथा एकर खतरनाक प्रवृत्ति पर लोकक ध्यान जयबाक चाही, जे कोना एन.आर.आइ. प्रकारक लोक सभ आइ एक-बएक अचानक मैथिलीक भाषा-सांस्कृतिक आँगनकेँ सेहो कब्जा क' रहल छथि। तेहन देशी एन.आर.आइ प्रकारक लोककेँ अवश्य चिन्हित कयल जयबाक चाही जे मिथिलांचल-मैथिली भाषा आ' लोकक प्रसँग कहियो किछु नहि कयलनि। कोनो योगदान नहि। परन्तु आइ मैथिलीक ओहू क्षेत्रक अवसर आ' संस्थाकेँ अपने अधीन क' लेबाक प्रबंधमे सक्रिय, लगातार सफल भ' रहल छथि। विडंबना तँ ई जे मैथिली-मिथिलांचलक विरुद्ध एहि गतिविधिमे बहुत रास तथाकथित मैथिलीक उच्चकोटिक लेखक-समालोचक-कवि (छद्म प्रातिशील रचनाकार समेत) सेहो कोनो आपत्ति वा विरोध दर्ज नहि क' रहल छथि। बल्कि मैथिलीक एहि नवोदयक-साम्राज्यवादक परोक्ष सहयोगे क' रहल छथि। सँभव जे भविष्यमे अपना लेल कोनो उत्पादक अवसरक वास्ते निवेश बुद्धिसँ, ई सभ क' रहल होथि, एकरे व्यावहारिक बाट मानि क' चुप बनल छथि। युवा पीढ़ीक सेहो। के पड़य एहि सभमे?

अद्यावधि प्राप्त इतिहासक जानकारीमे तत्काल यश-धनक अति-उताहुल , व्यग्र नव पीढ़ी! ई पराभव बजार आ' भूमंडलीकरण (प्रायः!) मिथिलांचलक एहि नव गणित आ' समाजशास्त्रकेँ की चीन्हओ? जा रहल लोक चीन्हओ कि आबि रहल लोक? ककर दायित्व।

हमरा जनैत अवसर आ' दूरगामी प्रभाव परिणतिकेँ दृष्टिमे राखि क', छुच्छे बौद्धिकताक, बुद्धिजीविताक संकीर्णताक नहि, सबजन मैथिल अर्थात् जनसाधारणक मंगलकेँ नजरि पर राखि, स्वच्छ हृदय, पारदर्शी व्यवहारवादक चलन अनै जाउ। यदि सत्ये मैथिली, मिथिलासँ अनुराग हो। पारम्परिक मैथिल कूटिचालि चोड़ै जाइ जाउ। अंततः मैथिली अपना सभक एकहि टा नाओ अछि। सभ गोटय एही नाओमे सवार छी। पार उतरब तँ सभ क्यो। तँ नाओमे भूर नहि हो। बीचहिमे डूबय ने कतहु। अन्हारोमे अनका टाटक भूर देखबाक आँखि आ' नेत बदल' पड़तैक।(अन्हारोमे अनका टाटक भूर देखबाक बिम्ब पूर्णियाक कवि-प्रशान्तजीक मन पड़ि गेलय 'सद्य मैथिल छी') जे ओ' आकश्ववाणी पटनाक मैथिली कार्यक्रम भारतीमे प्रसारित कयने रहथि)।

नकारात्मक-ध्वंसात्मक समझ आ' बुद्धिसँ परहेज करए जाइ जे क्यो से क' रह्ल होइ। चन्द्रमा पर नव प्रभुवर्गक प्लॉट-रजिस्ट्री जेकाँ सद्याः उपलब्ध मैथिलीक एहन ऐतिहासिक अवसरक उपयोग सोचै जाउ-उपभोग नहि। दरभंगा बनाम सहरसा बना क' मैथिलीक क्षेत्रीय रजिस्ट्री जुनि करबै जाउ। मनै छी, कहियो छल हेतै ई मनवाद। मुदा से मैथिलीक नितांत दोसर दौर छलैक। से ध्यान रखबाक थिक।

ई(वि)काल प्रायः सभ भाषा-साहित्यक इतिहासमे अबैत रहलैए। साहित्यिक सरोकार समाजसँ रहैत छैक, तथा समाज जीवन-यापन समेत जीवन-शैली आ' जीवन मूल्यक निर्मिति आ' निर्वहन तत्कालीन सत्ताक उपज होइत अछि। तँ जन साधारणे लोकटा नहि, बुद्धिजीवी आ' नेतृवर्ग सेहो ताही दबाबमे अपन प्राथमिकता तय क' क' अपन बाट बनबैत अछि आ' सुभीता चह' लगैत अछि। कालांतरमे जल्दीये तकर अभ्यस्त भ' जाइत अछि। मध्यम वर्ग बेशी आ' जल्दी।

ई सुविधावादी जीवन-शैली आ' जीवनदर्शन जन्मैत छैक- कहियो धर्म-सत्ता, कहियो राज-सत्ता, कहियो विकलांग लोकतंत्र वा कहियो अपरिपक्व लोक सत्ताक विचार-व्यवहारक संवेदनशील व्यवस्था शासनक अधीनतामे। बहुसंख्यक जनताक अशिक्षा दुआरे। तखन ओहि समयक जे बुधियार वर्ग रहैत अछि से सत्ताक अनुगमन करबाक सुभीतगर निष्कंटक बाट चुनैये। सुभीताकेँ अपन जीवन-मूल्य बना लैत अछि। जे बुधियार नहि अर्थात् जनसाधारण लोक, ताहि परिस्थितिकेँ अपन नियति वा प्रारब्ध मानि लैत अछि। एना अगिला कएक पीढ़ी धरि एहिना ओँघड़ाइत चलैत चलि जाइत छैक।

गुलामी खाली कोनो बाहरीये देश वा सम्राट-साम्राज्येक टा नहि होइत अछि। गतानुगतिकता आ' यथास्थितिवादी मानसिकता आ' युगक प्रगति-गतिकेँ नहि बूझि, मूड़ी निहुँरैने सभ किछु स्वीकार आ' सहैत चलि जाइक प्रवृत्ति सेहो गुलामियेक थिक। सत्ता तुष्ट लोकक ताबेदारी सेहो नव भाँग-गाँजाक अभ्यास

अर्थात् गुलामिये होइत अछि। से ई सभ प्रकारक गुलामी बहुत युग धरि चलैत रहि जाइत छैक- अगिला कोनो सामाजिक परिवर्त्तन- कोनो महाक्रांति अयबा धरि। एखन धरिक इतिहासक शिक्षा तँ यैह कहैत अछि।

उर्वर क्षेत्रक आविष्कारक बाद बजार ओकरा हथियबैत छैक। तेहन लोक से क' नहि गुजरय। निजी सम्पत्ति ने बना लिअय। एकर रजिस्ट्री-केबाला ने करबा ने करबा लिअय। मैथिलीकेँ मसोमातक जमीन जेकाँ अपना-अपना नामे लिखबाक व्योंतमे लागल तेहन लोक से क' नहि लिअय।

एहि प्रक्रियामे माफियो घुसपैठियो सभक गतिविधि अचानक तेज भ' जाइत छैक। कहबाक प्रयोजन नहि जे मैथिली एखन सैह उर्वर क्षेत्र बनल अछि। मैथिली माफियाक कॉरपोरेट सेक्टर जोशमे अछि। गतिविधि तेज केने अछि।

मैथिलीक विषयकेँ समग्रतामे -देखि-बूझि क'- जाहिमे सम्पूर्ण मिथिला, मैथिल आ' मैथिली अछि। छुच्छे दरभंगा-सहरसा-मधुबनी-ए टा नहि। आ' ने छुच्छे सोति-ब्राह्मण-ब्राह्मणेतर मैथिली भाषा, संस्कृति। तहिना साहित्य कथा कि कविता कि उपन्यास कि नाटके नहि। ई सभटा समस्त मिथिलांचलक एक जातीय सांस्कृतिक समग्रता तथा लोक गरिमा, मानवीय गुणवत्ता, जीवनमूल्यक दबाबमे करैत रचनाकार-विचारकक संघर्ष आ' तकरे आदर्शोन्मुख अभिव्यक्तिमे युग-यथार्थ बनैत अछि। सद्यः उपलब्ध मैथिलीक एहन ऐतिहासिक अवसरक उपयोग सोचै जाइ- उपभोग नहि। दरभंगा बनाम सहरसा बना क' मैथिलीक रजिस्ट्री-बन्दोबस्त नहि करबै जाइ जाय।

॥ किछु एहनो बात विषय॥

यद्यपि एहि बात 'सगर राति दीप जरय' पर हम सिद्धांततः प्रभासजीसँ सहमत नहि रहलौँ, परन्तु एम्हर पछिला दशकमे ई तिमाही-कथा गोष्ठी- 'सगर राति दीप जरय'- आजुक मैथिली कथा-विधामे की योगदान कएलक अछि, से तथ्य आब इतिहासमे दर्ज अछि। ई बात सही छैक जे एहन कोनो कार्य कोनो एक गोटेक नहि होइछ। मुदा सभ वर्त्तमानकेँ ओहि एक संस्थापना-कल्पक व्यक्ति-लेखककेँ अवसरोचित रूपेँ कृतज्ञतासँ स्मरण अवश्य कयल जयबाक चाही। से लेखकीय नैतिकता थिक। आ' हमरा जनतबे, से रहथि- स्व. प्रभास कुमार चौधरी।

हमरा तखन दुखद निराशा भेल जखन एहि बेरक मैथिली साहित्य अकादेमी पुरस्कार पओनिहार प्रदीप बिहारीजी साहित्य अकादेमी-सभागारमे लेखक-सम्मिलन-अवसर पर अपना वक्तव्यमे सगर राति दीप्प जरयक उपलब्धिक चर्चा तँ कएलन्हि, मुदा स्व. प्रभास जीक नामोल्लेखो नहि कयलखिन। एकरा हम साधारण घटना नहि मानि सकैत छी। गंभीर बात बुझैत छी। कारण हमरा लोकनि रचनाकार छी। औसत कोटिक कोनो

राजनीतिक नहि। संभव हो नाम अनावधानतामे छूटि गेल होनि। मुदा हमरा सभ लेखक छी तँ एहन असावधानी करबा लेल स्वाधीन नहि छी। यद्यपि अपन खेद हम हुनका प्रकट कयलियनि।

हमरा लगैये जे अपन-अपन सकारात्मक इतिहासक प्रति सभ पीढ़ीक मनमे कृतज्ञताक भाव अंततः लेखकक ऊर्जा आ' प्रेरणे बनैत रहैत छैक। बतौर कवि हम मैथिलीमे जाहि काल-बिन्दु पर ठाढ छी, तकर जड़ि विद्यापतिसँ ल' सुमन-किरण-मधुप- आ यात्रीएमे। ई सोचि क' मन कृतज्ञ होइत अछि! बल्कि गौरांवित। ओना, एकटा लेखक रूपमे हम एहिमे सँ क्यो नहि छी। जेना सभ, सभक कारयित्री प्रस्थान छथि, तहिना हमहुँ नागार्जुन-यात्रीक कारयात्री प्रस्थान छी। आ' ई भाव हमरा रचनाकर्ममे अग्रसर करबाक उत्तरदायित्व द' गेलय।

तर्पण तिल-कुश अंजलि बला कर्मकाण्डकेँ तँ हम नहि मानैत छी, मुदा पुरखाक तर्पण हमरा प्रिय अछि। अपना शैलीमे। अपन जीवन-मूल्यक एकटा अभिन्न तत्त्व बुझाइत अछि।

तकर बाट की हो? अवसर पर कृतज्ञ स्मृति! अवसर पर- तिथि पर नहि।

2. नाटक



श्री उदय नारायण सिंह 'नचिकेता' जन्म-1951 ई. कलकत्तामे।1966 मे 15 वर्षक उम्रमे पहिल काव्य संग्रह 'कवयो वदन्ति' | 1971 'अमृतस्य पुत्राः'(कविता संकलन) आ' 'नायकक नाम जीवन'(नाटक)| 1974 मे 'एक छल राजा'/'नाटकक लेल'(नाटक)। 1976-77 'प्रत्यावर्त्तन'/ 'रामलीला'(नाटक)। 1978मे जनक आ' अन्य एकांकी। 1981 'अनुत्तरण'(कविता-संकलन)। 1988 'प्रियंवदा' (नाटिका)। 1997-'रवीन्द्रनाथक बाल-साहित्य'(अनुवाद)। 1998 'अनुकृति'- आधुनिक मैथिली कविताक बंगलामे अनुवाद, संगहि बंगलामे दूटा कविता संकलन। 1999 'अश्रु ओ परिहास'। 2002 'खाम खेयाली'। 2006मे 'मध्यमपुरुष एकवचन'(कविता संग्रह। भाषा-विज्ञानक क्षेत्रमे दसटा पोथी आ' दू सयसँ बेशी शोध-पत्र प्रकाशित। 14 टा पी.एह.डी. आ' 29

टा एम.फिल. शोध-कर्मक दिशा निर्देश। बड़ौदा, सूरत, दिल्ली आ' हैदराबाद वि.वि.मे अध्यापन। संप्रति निदेशक, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर।

नो एंट्री : मा प्रविश

(चारि-अंकीय मैथिली नाटक)

नाटककार

उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'

निदेशक, केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर

(मैथिली साहित्यक सुप्रसिद्ध प्रयोगधर्मी नाटककार श्री नचिकेताजीक टटका नाटक, जे विगत 25 वर्षक मौनभंगक पश्चात् पाठकक सम्मुख प्रस्तुत भ' रहल अछि।)

पहिल अंक जारी....विदेहक एहि आठम अंक 15 अप्रैल 2008 सँ|

नो एंट्री : मा प्रविश

(चारि-अंकीय मैथिली नाटक)

पात्र परिचय

पर्दा उठितहि

ढोल पिपही, बाजा गाजा बजौनिहार सब

दूटा चोर, जाहि मे सँ एक गोटे पॉकिट मार आ

एकटा उचक्का

दू गोट भद्र व्यक्ति

प्रेमी

प्रेमिका

बाजार सँ घुरैत प्रौढ़ व्यक्ति

बीमा कंपनीक एजेंट

रद्दी किनै बेचैबला

भिख-मंगनी

रमणी-मोहन

नंदी भृंगी

कैकटा मृत सैनिक

बाद मे

नेता आ नेताक एक-दूटा चमचा/अनुयायी

अभिनेता

वाम-पंथी युवा

उच्च वंशीय महिला

अंत मे

यम

चित्रगुप्त

प्रथम कल्लोल

[एकटा बड़का टा दरबज्जा मंचक बीच मे देखल जाइछ। दरबज्जाक दुनू दिसि एकटा अदृश्य मुदा सक्कत देवार छैक, जे बुझि लेबाक अछि कखनहु अभिनेता लोकनिक अभिनय कुशलता सँ तथा कतेको वार्तालाप सँ से स्पष्ट भ' जाइछ। मंच परक प्रकाश व्यवस्था सँ ई पता नहि चलैत अछि जे दिन थिक अथवा राति, आलीक कनेक मद्धिम, सुर संगत होइत सेहो कने मरियल सन।

एकटा कतार मे दस बारह गोटे ठाढ़ छथि जाहि मे कैकटा चोर उचक्का, एक-दू गोटे भद्र व्यक्तित मुदा ई स्पष्ट जे हुनका लोकनिक निधन भ' चुकल छन्हि। एकटा प्रेमी युगल जे विष-पान क' कए आत्म-हत्या कैल अछि, मुदा एत' स्वर्गक (चाही त' नरकक सेहो कहि सकै छी) द्वार लग आबि कए कने विह्वल भ' गेल छथि जे आब की कैल जाइक। एकटा प्रौढ व्यक्तित जे बजारक झोरा ल' कए आबि गेल छथि बुझाइछ कोनो पथ दुर्घटनाक शिकार भेल छथि बाजार सँ घुरैत काल। एकटा बीमा कंपनीक एजेंट सेहो छथि, किछु परेशानी छनि सेहो स्पष्ट। एकटा रद्दीबला जे रद्दी कागजक खरीद बिक्री करैत छल, एकटा भिखमंगनी एकटा पुतलाकेँ अपन बौआ (भरिसक ई कहै चाहैत छल जे वैह छल ओकर मुइल बालक अथवा तकर प्रतिरूप) जकाँ काँख तर नेने, एक गोट अत्यंत बूढ़ व्यक्ति सेहो, जनिक रमणी प्रीति एखनहु कम नहि भेल छनि, हुनका हमसब रमणी मोहने कहबनि।

सब गोटे कतार मे त' छथि, मुदा धीरजक अभाव स्पष्ट भ' जाइछ। क्यो-क्यो अनकाकेँ लाँघि आगाँ जैबाक प्रयास करैत छथि, त' क्यो से देखि कए शोर करय लागैत छथि। मात्र तीन चारिटा मृत सैनिक जे कि सब सँ पाछाँ ठाढ़ छथि, हुनका सबमे ने कोनो विकृति लखा दैछ आ ने कोनो हड़बड़ी।

बजार-बला वृद्ध : हे हे हे देखै जाउ... देखि रहलछी कि नहि सबटा तमाशा... कोना कोना क' रहल छइ ई सब !

की ? त' कनीटा त' आगाँ बढ़ि जाई !

[एकटा चोर आ एकटा उचक्का कैँ देखा कए बाजि रहल छथि, जे सब ओना त' चारिम तथा पाँचम स्थान पर ढ़ाढ छैक, मुदा कतेको काल सँ अथक प्रयास क'

रहल अछि जे कोना दुनू भद्र व्यक्ति आ प्रेमी प्रेमिका युगलकेँ पार क' कए कतारक आगाँ पहुँचि जाई।]

बीमा एजेंट : *[नहि बूझि पबैत छथि जे ओ वृद्ध व्यक्ति हुनके सँ*

किछु कहि रहल छथि कि आन ककरहु सँ। बजार-

बला वृद्ध सँ आगाँ छल रद्दी बेचैबला आ तकरहु

सँ आगाँ छलाह बीमा बाबू।] हमरा किछु कहलहुँ ?

बाजारी : अहाँ ओम्हर देखब त' बूझि जायब हम की कहि

रहल छी आ ककरा दय...! *[अकस्मात् अत्यंत*

क्रोधक आवेश मे आबि] हे रौ! की बुझै छहीं...

क्यो नहि देखि रहल छौ ? *[बीमा बाबू केँ बजारक झोरा थम्हबैत -]* हे ई धरू त'! हम देखै छी।

[कहैत शोर करैत आगाँ बढ़ि कए एकटा चोर आ उचक्का केँ कॉलर पकड़ि कए घसीटैत पुनः पाछाँ चारिम-पाँचम स्थान पर ल' अबैत छथि, ओसब वाद प्रतिवाद कर' लगैत अछि -]

चोर : हमर कॉलर कियै धरै छी ?

उचक्का : हे बूढ़ौ ! हमर कमीज, फाड़ि देबैं की ?

बाजारी : कमीजे कियैक ? तोहर आँखि सेहो देबौ हम फोड़ि !

की बूझै छैं ? क्यो किछु कहै बाला नहि छौ एत'?

उचक्का : के छै हमरा टोकै बला एत'? देखा त' दिय' ?

चोर : आहि रे बा ! हम की कैल जे हमर टीक धैने छी?

दोसर चोर : *(जे कि असल मे पॉकिट मार छल)* हे हे,

टीक छोड़ि दी, नंगड़ी पकड़ि लियह सरबा क !

चोर : *(गोस्सा सँ)* तोँ चुप रह ! बदमाश नहितन !

पॉकिटमार : *(अकड़ि कए)* कियै ? हम कियै नहि बाजब ?

उचक्का : *(वृद्ध व्यक्तिक हाथ सँ अपना कँ छोड़बैत)* ओय खुदरा !

बेसी बड़बड़ैलें त'... *(हाथ सँ इशारा करैत अछि गरा काटि देबाक)*

पॉकिटमार : त' की करबें ?

उचक्का : *(भयंकर मुद्रामे आगाँ बढ़ैत)* त' देब धड़ सँ गरा कँ

अलगाय... रामपुरी देखने छह ? रामपुरी *? (कहैत एकटा चाकू बहार करैत अछि।)*

चोर : हे, की क' रहल छी... भाइजी, छोड़ि दियौक ने !

बच्चा छै... कखनहु कखनहु जोश मे आबि जाइ छै !

भद्र व्यक्ति 1 : *(पंक्तिक आगाँ सँ)* हँ, हँ... छोड़ि ने देल जाय !

उचक्का : *[भयंकर मुद्रा आ नाटकीयता कँ बरकरार रखैत पंक्तिक आगाँ दिसि जा कए... अपन रामपुरी चाकू कँ दोसर हाथ मे उस्तरा जकाँ घसैत]* छोड़ि

दियह की मजा चखा देल जाय ? *[एहन भाव*

भंगिमा देखि दुनू भद्र व्यक्ति डरै छथि प्रेमी

युगल अपनहिमे मगन छथि; हुनका दुनू कें

दुनियाक आर किछु सँ कोनो लेन-देन नहि...] की ?

[घुरि कए पॉकिट मार दिसि अबैत... तावत् ई

सब देखि बाजारी वृद्धक होश उड़ि जाइत छनि...

ओ चोरक टीक/कॉलर जे कही... छोड़ि दैत छथि

घबड़ा कए] की रौ ? दियौ भोंकि ? आ कि...?

चोर : उचकू भाइजी ! बच्चा छै... अपने बिरादरीक

बुझू...! *[आँखि सँ इशारा करै छथि।]*

उचक्का : *[अट्टहास् करैत]* ऐं ? अपने बिरादरीक थिकै ?

[हँसब बंद कए- पूछैत] की रौ ? कोन काज करै

छैं?

[पॉकिट-मार डरेँ किछु बाजि नहि पबैत अछि

मात्र दाहिना हाथक दूटा आङुर कें कैंची जकाँ चला

कए देखबैत छैक।]

उचक्का : पॉकिट-मार थिकैं रौ *? [पुनः हँस' लागै छथि-छूरी कें*

तह लगबैत']

चोर : कहलहुँ नहि भाईजी ? ने ई हमरा सन माँजल चोर

बनि सकल आ ने कहियो सपनहु मे सोचि सकल

जे अहाँ सन गुंडा आ बदमाशो बनि सकत !

उचक्का : बदमाश ? ककरा कहलैं बदमाश ? आँय !

पॉकिट-मार : हमरा, हुजूर ! ओकर बात जाय दियह ! गेल छल

गिरहथक घर मे सेंध देब'... जे आइ ने जानि कत्ते टका-पैसा-गहना भेटत ! त' पहिले बेरि मे

जागि गेल गिरहथ, आ तकर चारि चारिटा

जवान-जहान बालक आ सँगहि आठ आठटा

कुकुर... तेहन ने हल्ला मचा देलक जे पकड़ि कए

पीटैत पीटैत एत' पठा देलक ! *[हँसैत... उचक्का*

सेहो हँसि दैत अछि] आब बुझु ! ई केहन चोर थिक !

(मुँह दूसैत) हमरा कहैत छथि !

[कतारक आनो-आन लोक आ अंततः सब गोटे

हँसय लागैत छथि]

भद्र-व्यक्तित 1: आँय यौ,चोर थिकौं ? लागै त' नहि छी चोर

जकाँ...

चोर : किएक ? चोर देख' मे केहन होइत छैक ?

पॉकिट-मार : हमरा जकाँ...! *(कहैत, हँसैत अछि, आरो एक-दू*

गोटे हँसि दैत छथि।) चललाह भिखारी बौआ बन'... ?

की ? त' हम तस्कर-राज छी ! *[कतहु सँ एकटा*

टूल आनि ताहि पर ठाढ़ होइत... मंचक आन

दिसिसँ भाषणक भंगिमा मे] सुनू, सुनू, सुनू, भाई भगिनी! सुनू सब गोटे! श्रीमान्, श्रील 108

श्री श्री बुद्धि-शंकर महाराज तस्कर सम्राट आबि रहल छथि! सावधान, होशियार! *[एतबा कहैत टूल पर सँ उतरि अपन हाथ-मुँहक मूकाभिनयसँ एहन भंगिमा करैत छथि जेना कि भोंपू बजा रहल होथि... पाछाँ सँ भोंपू पिपहीक शब्द कनिये काल सुनल जाइछ, जाबत ओ 'मार्च' करैत चोर लग अबैत अछि...]*

चोर : *[कनेक लजबैत]* नहि तोरा हम साथ लितहुँ ओहि रातिकैँ, आ ने हमर पिटाइ देखबाक मौके तोरा भैटतिहौक! *[कहैत आँखि मे एक-दूइ बुन्न पानि आबि जाइत छैक।]*

पॉकिट-मार : आ-हा-हा! एहि मे लजबैक आ मोन दुखैक कोन गप्प?

[थम्हैत, लग आबि कए] देखह! आइ ने त' काल्हि-चोरि त' पकड़ले जाइछ। आ एकबेर जँ भंडा-फोड़ भ' जाइत अछि त' बज्जर त' माथ पर खसबे करत ! सैह भेल... एहि मे दुख कोन बातक ?

उचक्का : *(हँसैत)* हँ, दुखी कियै होइ छहक?

बाजारी : *[एतबा काल आश्चर्य भए सबटा सुनि रहल छलाह। आब रहल नहि गेलनि अगुआ कए बाजय*

लगलाह]

हे भगवान! हमर भाग मे छल स्वस्थहि शरीर मे

बिना कोनो रोग-शोक भेनहि स्वर्ग मे जायब... तैँ

हम एत' ऐलहुँ, आ स्वर्गक द्वार पर ठाढ छी

क्यू मे...! मुदा ई सब चोर उचक्का जँ

स्वर्गे मे जायत, तखन केहन हैत ओ स्वर्ग

रहबाक लेल ?

पॉकिट-मार : से कियै बाबा ? अहाँ की बूझै छी, स्वर्ग त' सभक

लेल होइत अछि ! एहि मे ककरहु बपौती त' नञि।

बाजारी : *[बीमा एजेंट केँ]* आब बूझू ! आब....

चोर सिखाबय गुण केर महिमा,

पॉकिट मारो करै बयान!

मार उचक्का झाड़ि लेलक अछि,

पाट कपाट त' जय सियाराम !

[चोर-उचक्का-पॉकिट-मार ताली दैत अछि, सुनि कए चौंकैत भिख-मंगनी आ प्रेमी-युगल बिनु किछु बुझनहि ताली बजाब' लागैत अछि।]

चोर : ई त' नीक फकरा बनि गेल यौ!

पॉकिट-मार : एम्हर तस्कर-राज त' ओम्हर कवि-राज!

बाजारी : *(खौंझैत')* कियै ? कोन गुण छह तोहर, जकर

बखान करै अयलह एत'?

पॉकिट-मार : *(इंगित करैत आ हँसैत)* हाथक सफाई... अपन

जेब मे त' देखू , किछुओ बाकी अछि वा नञि...

बाजारी : *[बाजारी तुरंत अपन जेब टटोलैत छथि त' हाथ*

पॉकिटक भूर देने बाहर आबि जाइत छनि। आश्चर्य

चकित भ' कए मुँह सँ मात्र विस्मयक आभास होइत छनि।] जा !

[बीमा बाबूकेँ आब रहल नञि गेलनि। ओ ठहक्का पाड़ि

कए हँस' लगलाह, हुनकर देखा देखी कैक गोटे बाजारी दिसि हाथ सँ इशारा करैत हँसि रहल छलाह।]

चोर : *[हाथ उठा कए सबकेँ थम्हबाक इशारा करैत]* हँसि त'

रहल छी खूब !

उचक्का : ई बात त' स्पष्ट जे मनोरंजनो खूब भेल हैतनि।

पॉकिट-मार : मुदा अपन-अपन पॉकिट मे त' हाथ ध' कए देखू !

[भिखमंगनी आ प्रेमी-युगल कैँ छोड़ि सब क्यो पॉकिट टेब' लागैत' छथि आ बैगक भीतर ताकि-झाँकि कए देख' लागैत छथि त' पता चलैत छनि जे सभक पाइ, आ नहि त' बटुआ गायब भ' गेल छनि। हुनका सबकेँ ई बात बुझिते देरी चोर, उचक्का, पॉकिट-मार आ भिख-मंगनी हँस' लागैत छथि। बाकी सब गोटे हतबुद्धि भए टुकुर-टुकुर ताकिते रहि जाइत छथि]

भिखमंगनी : नंगटाक कोन डर चोर की उचक्का ?

जेम्हरहि तकै छी लागै अछि धक्का !

धक्का खा कए नाचब त' नाचू ने !

खेल खेल हारि कए बाँचब त' बाँचू ने !

[चोर-उचक्का पॉकिट-मार, समवेत स्वर मे जेना धुन गाबि रहल होथि]

नंगटाक कोन डर चोर कि उचक्का !

आँखिएक सामने पलटल छक्का !

भिख-मंगनी : खेल खेल हारि कए सबटा फक्का !

समवेत-स्वर : नंगटाक कोन डर चोर कि उचक्का ?

[कहैत चारू गोटे गोल-गोल घुर' लागै छथि आ नाचि नाचि कए कहै छथि।]

सब गोटे : आब जायब, तब जायब, कत' ओ कक्का ?

पॉकिट मे हाथ दी त' सब किछु लक्खा !

नंगटाक कोन डर चोर कि उचक्का !

बीमा-बाबू : *(चीत्कार करैत)* हे थम्ह' ! बंद कर' ई तमाशा...

चोर : *(जेना बीमा-बाबूक चारू दिसि सपना मे भासि रहल होथि एहन भंगिमा मे)* तमाशा नञि... हताशा....!

उचक्का : *(ताहिना चलैत)* हताशा नञि... निराशा !

पॉकिट-मार : *[पॉकिट सँ छह-सातटा बटुआ बाहर क' कए देखा देखा कए]* ने हताशा आ ने निराशा, मात्र तमाशा...
ल' लैह बाबू छह आना, हरेक बटुआ छह आना!
[कहैत एक एकटा बटुआ बॉल जकाँ तकर मालिकक दिसि फेंकैत छथि आ हुनका लोकनि मे तकरा सबटाकेँ बटौर' लेल हड़बड़ी मचि जाइत छनि। एहि मौकाक फायदा उठबैत चोर उचक्का-पॉकिटमार आ भिख-मंगनी कतारक सब सँ आगाँ जा' कए ठाढ भ' जाइत छथि।]

रद्दी-बला : *[जकर कोनो नुकसान नहि भेल छल-ओ मात्र मस्ती क' रहल छल आ घटनासँ भरपूर आनन्द ल' रहल छल।]* हे बाबू भैया लोकनि ! एकर आनन्द नञि अछि कोनो जे "भूलल-भटकल कहुना क' कए घुरि आयल अछि हमर बटुआ"। *[कहैत दू डेग बढा' कए नाचिओ लैत' छथि।]* ई जे बुझै छी जे अहाँक धन अहीं कें घुरि आयल... से सबटा फूसि थिक !

बीमा-बाबू : *(आश्चर्य होइत)* आँय ? से की ?

बाजारी : *(गरा सँ गरा मिला कए)* सबटा फूसि ?

भद्र-व्यक्ति 1 : की कहै छी ?

भद्र-व्यक्ति 2 : माने बटुआ त' भेटल, मुदा भीतर ढन ढन !

रद्दी-बला : से हम कत' कहलहुँ ? बटुओ अहींक आ पाइयो छैहे! मुदा एखन ने बटुआक कोनो काज रहत' आ

ने पाइयेक!

बीमा-बाबू : माने ?

रद्दी-बला : माने नञि बुझलियैक ? औ बाबू ! आयल छी सब गोटे यमालय... ठाढ़ छी बन्द दरबज्जाक सामने... कतार सँ... एक दोसरा सँ जूझि रहल छी जे के पहिल ठाम मे रहत आ के रहत तकर बाद...? तखन ई पाइ आ बटुआक कोन काज ?

भद्र-व्यक्ति1 : सत्ये त'! भीतर गेलहुँ तखन त' ई पाइ कोनो काज मे नहि लागत !

बाजारी : आँय ?

भद्र-व्यक्ति2 : नहि बुझिलियैक ? दोसर देस मे जाइ छी त' थोड़े चलैत छैक अपन रुपैया ? *(आन लोग सँ सहमतिक अपेक्षा मे-)* छै कि नञि ?

रमणी-मोहन : *(जेना दीर्घ मौनता के तोड़ैत पहिल बेरि किछु ढंग केर बात बाजि रहल छथि एहन भंगिमा मे... एहि सँ पहिने ओ कखनहु प्रेमी-युगलक लग जाय प्रेमिका कें पियासल नजरि द' रहल छलाह त' कखनहु भिख-मंगनिये लग आबि आँखि सँ तकर शरीर कें जेना पीबि रहल छलाह...)* अपन प्रेमिका जखन अनकर बियाहल पत्नी बनि जाइत छथि

तखन तकरा सँ कोन लाभ ? *(कहैत दीर्घ-श्वास त्याग करैत छथि।)*

बीमा-बाबू : *(डाँटैत)* हे...अहाँ चुप्प रहू! क' रहल छी बात रुपैयाक, आ ई कहै छथि रूप दय...!

रमणी-मोहन : हाय! हम त' कहै छलहुँ रूपा दय! *(भिख-मंगनी रमणी-मोहन लग सटल चलि आबै छैक।)*

भिख-मंगनी : हाय! के थिकी रूपा ?

रमणी-मोहन : "कानि-कानि प्रवक्ष्यामि रूपक्यानि रमणी च... !

बाजारी : माने ?

रमणी-मोहन : एकर अर्थ अनेक गंभीर होइत छैक... अहाँ सन बाजारी नहि बूझत!

भिख-मंगनी : *[लास्य करैत]* हमरा बुझाउ ने!

[तावत भिख-मंगनीक भंगिमा देखि कने-कने बिहुँसैत' पॉकिट मार लग आबि जाइत अछि।]

भिख-मंगनी : *[कपट क्रोधेँ]* हँसै कियै छें ? हे... *(कोरा सँ पुतलाकेँ पॉकिट-मारकेँ थम्हबैत)* हे पकडू त' एकरा... *(कहैत रमणी-मोहन लग जा कए)* औ मोहन जी! अहाँ की ने कहलहुँ, एखनहु धरि भीतर मे एकटा छटपटी

मचल यै'! रमणी-धमनी कोन बात' कहलहुँ ?

रमणी-मोहन : धूर मूर्ख! हम त' करै छलहुँ शकुन्तलाक गप्प,

मन्दोदरीक व्यथा... तोँ की बुझबैं ?

भिख-मंगनी : सबटा व्यथा केर गप बुझै छी हम... भीख मांगि-

मांगि खाइ छी, तकर माने ई थोड़े, जे ने हमर शरीर

अछि आ ने कोनो व्यथा... ?

रमणी-मोहन : धुत् तोरी ! अपन व्यथा तथा छोड़, आ भीतर की

छैक, ताहि दय सोच ! *(कहैत बंद दरबज्जा दिसि*

देखबैत छथि-)

पॉकिट-मार : *(अवाक् भ' कए दरबज्जा दिसि देखैत)* भीतर ? की

छइ भीतरमे... ?

रमणी-मोहन : *(नृत्यक भंगिमा करैत ताल ठोकि- ठोकि कए)* भीतर?

"धा धिन धिन्ना... भरल तमन्ना !

तेरे-केरे-धिन-ता... आब नञि चिन्ता !"

भिख-मंगनी : *(आश्चर्य भए)* माने ? की छैक ई ?

रमणी-मोहन : *(गर्व सँ)* 'की' नञि... 'की' नञि... 'के' बोल !

बोल- भीतर 'के' छथि ? के, के छथि?

पॉकिट-मार : के, के छथि?

रमणी-मोहन : एक बेरि अहि द्वारकेँ पार कयलेँ त' भीतर भेटती

एक सँ एक सुर नारी,उर्वशी मेनका रम्भा... *(बाजैत- बाजैत जेना मुँहमे पानि आबि जाइत छनि--)*

भिख-मंगनी : ईः! रंभा...मेनका... ! *(मुँह दूसैत)* मुँह-झरकी

सब... बज्जर खसौ सबटा पर!

रमणी-मोहन : *(हँसैत)* कोना खसतैक बज्जर ? बज्र त' छनि देवराज

इन्द्र लग ! आ अप्सरा त' सबटा छथि हुनकहि

नृत्यांगना।

[भिख-मंगनीक प्रतिक्रिया देखि कैक गोटे हँस' लगैत छथि]

पॉकिट-मार : हे....एकटा बात हम कहि दैत छी ई नहि बूझू जे

दरबज्जा खोलितहि आनंदे आनंद !

बाजारी : तखन ?

बीमा-बाबू : अहू ठाम छै अशांति, तोड़-फोड़, बाढ़ि आ सूखार ?

आ कि चारू दिसि छइ हरियर, अकाससँ झहरैत

खुशी केर लहर आ माटिसँ उगलैत सोना ?

पॉकिट-मार : किएक ? जँ अशांति, तोड़-फोड़ होइत त' नीक... की

बूझै छी, एत्तहु अहाँ जीवन बीमा चलाब' चाहै छी की ?

चोर : *(एतबा काल उचक्का सँ फुसुर-फुसुर क' रहल*

छल आ ओत्तहि, दरबज्जा लग ठाढ़ छल एहि

बात पर हँसैत आगाँ आबि जाइत अछि) स्वर्गमे

जीवन-बीमा ? वाह ! ई त' बड्ड नीक गप्प !

पॉकिट-मार : देवराज इंद्रक बज्र.. बोलू कतेक बोली लगबै छी?

उचक्का : पन्द्रह करोड़!

चोर : सोलह!

पॉकिट-मार : साढे-बाईस!

बीमा-बाबू : पच्चीस करोड़!

रमणी-मोहन : हे हौ! तोँ सब बताह भेलह ? स्वर्गक राजा केर बज्र,

तकर बीमा हेतैक एक सय करोड़ सँ कम मे ? *[कतहु सँ एकटा स्टूलक जोगाड़ क' कए ताहि पर चट दय ठाढ़ भ' कए-]*

पॉकिट-मार : बोलू, बोलू भाई-सब ! सौ करोड़ !

बीमा-बाबू : सौ करोड़ एक !

चोर : सौ करोड़ दू ___

रमणी-मोहन : एक सौ दस !

भिख-मंगनी : सवा सौ करोड़ !

चोर : डेढ़सौ करोड़...

भिख-मंगनी : पचपन ___

चोर : साठि ___

भिख-मंगनी : एकसठि ___

[दूनूक आँखि मुँह पर 'टेनशन' क छाप स्पष्ट भ' जाइत छैक।]

चोर : *(खौंझैत)* एक सौ नब्बै...

[एतेक बड़का बोली पर भिख-मंगनी चुप भ' जाइत अछि।]

पॉकिट-मार : त' भाई-सब ! आब अंतिम घड़ी आबि गेल अछि ___

190 एक, 190 दू, 190...

[ठहक्का पाड़ि कए हँस' लगलाह बाजारी, दूनू भद्र व्यक्ति आ रद्दी-बला-]

पॉकिट-मार : की भेल ?

चोर : हँस्सीक मतलब ?

बाजारी : *(हँसैते कहैत छथि)* हौ बाबू ! एहन मजेदार मोल-

नीलामी हम कतहु नञि देखने छी !

भद्र-व्यक्ति 1 : एकटा चोर...

भद्र-व्यक्ति 2 : त' दोसर भिख-मंगनी...

बाजारी : आ चलबै बला पॉकिट-मार...

[कहैत तीनू गोटे हँस' लागै छथि]

बीमा-बाबू : त' एहि मे कोन अचरज?

भद्र-व्यक्ति 1 : आ कोन चीजक बीमाक मोल लागि रहल अछि___

त' बज्र केर !

भद्र-व्यक्ति 2 : बज्जर खसौ एहन नीलामी पर !

बाजारी : *(गीत गाब' लागै' छथि)*

चोर सिखाबय बीमा महिमा,

पॉकिट-मारो करै बयान !

मार उचक्का झाड़ि लेलक अछि,

पाट कपाट त' जय सियाराम !

दुनू भद्र-व्यक्ति : *(एक्कहि संगे)* जय सियाराम !

[पहिल खेप मे तीनू गोटे नाच'-गाब' लागै छथि। तकर बाद धीरे-धीरे बीमा बाबू आ रद्दी-बला सेहो संग दैत छथि।]

बाजारी : कौआ बजबै हंसक बाजा

भद्र-व्यक्ति 1 : हंस गबै अछि मोरक गीत

भद्र-व्यक्ति 2 : गीत की गाओत ? छल बदनाम !

बाजारी : नाट-विराटल जय सियाराम !

समवेत : मार उचक्का झाड़ि लेलक अछि।

पाट-कपाटक जय सियाराम !

[चोर-उचक्का-पॉकिट-मार ताली दैत अछि, सुनि कए चौंकैत भिख-मंगनी आ प्रेमी-युगल बिनु किछु बुझनहि ताली बजाब' लागैत अछि।]

(क्रमश:)

3.शोध लेख

मायानन्द मिश्रक इतिहास बोध (आँगा)

प्रथमं शैल पुत्री च/ मंत्रपुत्र/ /पुरोहित/ आ' स्त्री-धन केर संदर्भमे

श्री मायानान्द मिश्रक जन्म सहरसा जिलाक बनैनिया गाममे 17 अगस्त 1934 ई.कँ भेलन्हि। मैथिलीमे एम.ए. कएलाक बाद किछु दिन ई आकाशवानी पटनाक चौपाल सँ संबद्ध रहलाह । तकरा बाद सहरसा कॉलेजमे मैथिलीक व्याख्याता आ' विभागाध्यक्ष रहलाह। पहिने मायानन्द जी कविता लिखलन्हि,पछाति जा कय हिनक प्रतिभा आलोचनात्मक निबंध, उपन्यास आ' कथामे सेहो प्रकट भेलन्हि। भाङ्क लोटा, आगि मोम आ' पाथर आओर चन्द्र-बिन्दु- हिनकर कथा संग्रह सभ छन्हि। बिहाड़ि पात पाथर , मंत्र-पुत्र ,खोता आ' चिडै आ' सूर्यास्त हिनकर उपन्यास सभ अछि॥ दिशांतर हिनकर कविता संग्रह अछि। एकर अतिरिक्त सोने की नैय्या माटी के लोग, प्रथमं शैल पुत्री च,मंत्रपुत्र, पुरोहित आ' स्त्री-धन हिनकर हिन्दीक कृति अछि। मंत्रपुत्र हिन्दी आ' मैथिली दुनू भाषामे प्रकाशित भेल आ' एकर मैथिली संस्करणक हेतु हिनका साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित कएल गेलन्हि। श्री मायानन्द मिश्र प्रबोध सम्मानसँ सेहो पुरस्कृत छथि। पहिने मायानन्द जी कोमल पदावलीक रचना करैत छलाह , पाछाँ जा' कय प्रयोगवादी कविता सभ सेहो रचलन्हि।

प्रथमं शैल पुत्री च/ मंत्रपुत्र/ /पुरोहित/ आ' स्त्री-धन केर संदर्भमे

दोसर सहस्राब्दी ई.पूर्व अरायुक्त रथ , भारतीय देवनाम, भारतक धार, ऋगवेदिक तत्त्वचिंतन, अश्वविद्या, शिल्प-तकनीकी आ' पुरातन् कथा भारतसँ पच्छिम एशिया, क्रीट-यूनान दिशि जाय लागल। कालक्रमसँ मिश्र, सुमेर-बेबीलोन, आदि सभ्यता आ' मित्तनी आ' हित्ती सभ्यतासँ बहुत पहिनहि ऋगवेदक अधिकांश मंडलक रचना भ' गेल छल।

मायानन्दजीक एहि सीरीजक दोसर रचना मंत्रपुत्र अछि। एहिमे ऋगवैदिक आधार पर जीवन-दर्शनकेँ राखल गेल अछि।

ऋगवेद 10 मंडलमे (आ' आठ अष्टकमे सेहो) विभक्त अछि। मायानन्द मिश्रजी मंडलक आधार पर मंत्रपुत्रक विभाजन सेहो 10 मण्डलमे कएलन्हि अछि। एहि पुस्तकक भूमिकाक नाम अछि, ऋचालोक आ' ई पुस्तकक अंतमे 10म मण्डलक बाद देल गेल अछि।

प्रथम मण्डलमे काक्षसेनी पुत्री ऋजिश्वाक चर्च अछि, संगहि ऋतुर्वित पुत्री शाश्वतीक सेहो। जन सभा आ' जन-समिति द्वारा राजाकेँ च्युत करबाक/निर्वासन देबाक आ' दोसर राजाक निर्वाचन करबाक चर्चा सेहो अछि। नेत्रक नील रंग रहबाक बदला श्यामल भ' जयबाक चर्चा आ' एकर कारण खास तरहक विवाहक होयबाक चर्चा सेहो भेल अछि। वितस्ता तटसँ कृष्ण सभक निरन्तर उपद्रवक चर्चा सेहो अछि। सुवास्तु तटसँ रक्त मिश्रणक प्रक्रियाक वर्णन अछि। गोमेधकेँ वर्जित कएल जाय, ई विचार विमर्श कएल जाय लागल। दासक चर्चा सेहो अछि। हरिपूपियापतन आ' ओकर विभिन्न नगर सभ उजड़ि जयबाक चर्चा अछि आ' पश्चात् बल्बूथ द्वारा अनार्य सभक ध्वस्त वाणिज्य व्यवस्थाकेँ संगठित करबाक चर्चा अछि।

द्वितीय मण्डलमे

(अनुवर्तते)

4.उपन्यास

सहस्त्रबाढ़नि-गजेन्द्र ठाकुर



गणित आ' विज्ञानक अतिरिक्त कोनो आन विषयकेँ नहि तँ हम एक बेरसँ दोसर बेर पढ़ैत छलहुँ आ' नहिये एहि हेतु मास्टर साहेबे कहैत छलाह। कोनो विद्यार्थीकेँ मास्टर साहेब इतिहास आ' नागरिक शास्त्रक किताबकेँ एकसँ दोसर-तेसर बेर पढ़ैत देखि जाइत छलाह तखन तँ ओहि विद्यार्थीक नामे ओहि विषयसँ पड़ि जाइत छल। आब ओ' गणितो पढ़त तँ ओकरा सुनय पड़तैक जे बाबू ई इतिहास नहि छियैक, जे कंठस्थ कए रहल छी। सैया-निनानबे अनठानबे- सन्तानबे-छियानबे-पनचानबे कहैत-कहैत आ' बोराक आसनीकेँ बरषाक समयमे छत्ता बनओने पाँच चारि तीन दू एक-एक-एक करैत भागैत विद्यार्थी सभ। कहियो छुट्टीक दिन जौँ कबड्डी खेलाबय काल मास्टर साहेब साइकिल पर चढ़ल देखा पड़थि, तँ कबड्डी-कबड्डी, मास्टर साहेब प्रणाम कबड्डी-कबड्डी कहैत भागैत विद्यार्थी। आ' एहने एकटा घटनामे हम मास्टर साहेबकेँ ठाढ़ भ' कए साँस तोड़ि कए प्रणाम कएने रहियन्हि आ' एहि क्रममे विपक्षी पार्टी द्वारा लोकि लेल गेल छलहुँ, तँ एहि पर कोइलख बला मास्टर साहेब प्रसन्न भेल रहथि, आ' एकर चर्चा स्कूलमे सभक समक्ष कएने रहथि।

बुझु जे गामक प्रवास बादक समयमे एकटा पैघ संबल सिद्ध भेल छल।खड़ाम पहिरि कए गतिसँ दौगैत रही, फेर बर्षामे आरि पर पिच्छड़ पर खड़ाम पहिरि कए दौगैत रही।पिच्छड़ पर खड़ाम नहि पिछड़ैत छल। बादमे हवाइ चप्पलक आगमन भेलाक बाद कतेक गोटे खसि-खसि कए डाँर पर गरम पानिक भाप लैत छलाह। अगिलही, किरासन तेलक लाइन, रोशनाइक गोटी, लबनचूस, रबड़क बॉल, ओधिक गेंद, पसीधक रसक विषसँ पोखरिमे माछ मरलाक बाद भेल दू टोलक बीचमे बाझल मारि, बाढ़िक दृश्य देखबाक लेल जुटल भीड़,छोट-छोट गप पर होइत पंचैती, आमक मासक आमक जाबीसँ बहराइत गछपक्कू आमक छटा, ई सभ टा अलोपित तँ नहि भ' जायत।

(अनुवर्तते)

5.महाकाव्य

महाभारत गजेन्द्र ठाकुर(आँगा) ------

2.सभा पर्व

भय मदान्ध दुर्योधन कहल हे विदुर,

जाऊ समाचार ई द्रौपदीकेँ जाए सुनाऊ।

छथि ओ' हमर दासी झाड़ू-बहारू करथि,

महलमे आबि हमर ई आदेश सुनाऊ।

विदुर कहल औ' दुर्योधन घमण्ड छोड़ू,

स्त्रीक जुआरी अहाँ हमरा नहि बुझू।

देखि विदुरक ई रूप पठाओल विकर्णकेँ,

जाऊ दासी द्रौपदीकेँ जाय आनू गय,

विकर्ण ई द्रौपदी लग कहि सुनाओल।

चकित द्रौपदी कहल स्वयंकेँ जे हारल,

युधिष्ठिर कोनाकेँ अधिकार ई पाओल,

अपन हारिक बाद होयत क्यो सक्षम,

दोसरकेँ हेतु जुआमे लगाबए केहन।

ई प्रश्न जखन राखल विकर्ण सभा बीच आबि,

दुर्योधन कहल दुःशासन जाऊ पकड़िकेँ लाऊ।

बुझाओल द्रौपदी दुःशासनकेँ , जखन ने मानल,

भागलि गांधारीक भवन दिशि, दौगल दुःशासन,

खूजल केशकेँ पकड़ि घिसिअओने छल आनल।

सभा भवन महापुरुष नहि थोड़ जतय छल।

भीष्म, विदुर, द्रोण,कृपा लाजक लेल गौँतने,

गाड़ि माथ देखि रहल द्रौपदीक अश्रुपात।

सिंहनादमे भीम तखन ई बाजल,

सूर्य देवतागण रहब साक्षी अहाँ सभ,

हाथसँ दुःशासन केश द्रौपदीकेँ धएने,

उखाड़ि फेंकब हाथ ओकर ओ दूनू।

कौरव भय सँ भीत भेलाह नादसँ भीमक,

दुर्योधन देखल मुदा देखि ई छल बाजल,

जाँघ पर दैत थोपड़ी करैत घृणित इशारा,

द्रौपदीकेँ बैसबा लए ओतय कहैत छल।

गरजि कहल भीम अधम दुर्योधनसँ,

तोहर जाँघकेँ तोडब प्रचण्ड गदासँ।

खिसियाकेँ दुर्योधन देलक ई आज्ञा पुनः ई,

चीर-हरण करू दुःशासन द्रौपदी दासी छी।

द्रौपदी कएलन्हि नेहोरा श्रेष्ठ लोकनिसँ

विनय ई,लाज बचाऊ करैत छी विनती।

सभ क्यो झुका माथ अपन ओहि सभामे,

कृष्णा छोड़ल सभ आश सभ दिशासँ,

भक्त वत्सल अहाँसँ टा अछि ई आशा।

कोहुना राखू हमर ई लाज अछि प्रत्याशा।

आर्द्र-स्वरसँ छलि रहलि पुकारि द्रौपदी,

गोहाड़ि खसलि सभा-बिच, मूर्च्छित ।

लागल खीचय द्रौपदीक वस्त्र दुःशासन,

सभासद देखल चमत्कार ई प्रतिपल,

यावत रहल खिंचैत वस्त्रकेँ दुःशासन,

बढ़ैत रहल वस्त्र द्रौपदीक तावत खन।

थाकि-हाँफि बैसल जखन दुःशासन,

कहल भीम सुनू सभ एहि भवनमे,

यावत फाड़ि छाती दुःशासनक ऊष्म रुधिरकेँ,

पीयब, नहि पियास मेटत मृत्यु भेटत नहि।

सुनि प्रतिज्ञा ई सभ भयसँ थड़थड़ाय लागल छल।

धृतराष्ट्र देखि दुर्घटना द्रौपदीकेँ लगमे बजाओल,

सांत्वना दए शांत कएल युधिष्ठिरसँ छल बाजल,

बिसरि जाऊ इन्द्रप्रस्थ सुख-शांतिसँ रहए जाउ,

जे हाड़लहुँ,से बुझू देल हम ठामहि लौटायल ।

(अनुवर्तते)

6. कथा

8.भैयारी बिसरब नहि- गजेन्द्र ठाकुर

“कहलहुँ सुनैत छियैक। बेटी पैघ भ’ रहल अछि। बेटा सभक लेल किछु नहि कएलहुँ। अपन घरो नहि बनल। रिटायर भेलाक बाद कतय रहब।“

” बेटीक चिन्ता नहि करू। बेटा बला’ अपने चलि कए आयत।हमरा सभकेँ जतेक सुविधा भेटल छल, ताहिसँ बेशी सुविधा हिनका सभकेँ भेटि रहल छन्हि। तखन पढ़थु वा नहि से ई सभ जानथि। रिटायरमेन्टक बाद गाम जा’ कय रहब। सात जन्म शहर दिशि घुमि कए नहि आयब।“

” क्यो सर-कुटुम अबैत छथि तँ हुनका सत्कार करबा लेल घरमे इंतजामो नहि रहैत अछि।“

” इंतजाम करबाक की जरूरति अछि। एक पैली बेशी लगा’ दियौक अदहनमे।“

आरुणि मायबापक एहि तरहक वार्त्तालाप सुनि पैघ भेलथि। एक बेर हॉस्पीटलमे पिताजीकेँ देखय लेल एक गोट कुटुम्ब आयल रहथि। हुनकर गप सेहो किछु एहने बुझा पड़लन्हि।

” की क’ लेलहुँ शरीरकेँ। ई बच्चा सभकेँ देखि कए मोहो नहि भेल। कतय पढ़ैत जाइत ई सभ। आ’ कोनो टा सुविधा, नहिये कोनो टा चिन्ते छल अहाँकेँ।अपनो आ’ एकरो सभक जिनगी बर्बाद कएलहुँ।“

"आरुणि। एकटा पैघ राजनीति चलि रहल अछि ऑफिसमे। अहाँक विरुद्ध षड्यंत्र चलि रहल अछि। अहाँकेँ चेतेनाइ हमर काज छल। मुदा अहाँ तँ कोनो तरहक प्रतिक्रिया दैते नहि छी।" फोन पर एक गोट हितैषीक आवाज सुनि रहल छलाह आरुणि।

"आरुणि। की भ' गेल। बाबूजी जेकाँ डरायल रहब।किछु दिनुका बाद हारि मानि ऋषि भ' जायब। आकि दुष्टक संहार करब। एहि दुनूमे की चुनब अहाँ।"

"चिन्ता नहि करू। " हँसैत बजलाह आरुणि फोन पर, आ' फोन राखि देलन्हि।

ऑफिसक एकटा लॉबी आरुणिक पाँछा पड़ि गेल छल। ट्रांसफर-पोस्टिंग केर बाद आरुणिक ऊपर दवाब आबि गेल छल।किछु गोटे हुनकर विरुद्ध बिना-कोनो आधारक किछु कम्प्लेन कए देने छलन्हि। एकटा ऑफिसर शशांक केर हाथ छलैक एहिमे। ओकर खास-खास आदमीक पोस्टिंग मोन-मुताबिक नहि भेल रहय आ' ओ' प्रोमोशनमे आरुणिकेँ पाँछा करए चाहैत छल।एहि बीचमे आरुणिक फोन किछु दिन डेड छलन्हि। तकरा बाद हुनकर फोनसँ अबुधाबी आ' दुबइ फोन कएल गेल छल। मुदा ओहि समयमे सरकारी फोनमे आइ.एस.डी. केर सुविधाक हेतु टेलीफोन विभागकेँ सूचित करए पड़ैत छल। हुनकर ऑफिसक एकटा प्रशासनिक अधिकारी टेलीफोन विभागकेँ चिट्ठी लिखि कए ई सुविधा आरुणिक जानकारीक बिना करबाए देने छल। विजीलेंसक जाँचमे ओ' बयान देने छल जे आरुणि एहि ऑफिसक मुख्य छथि, आ' हुनकर मौखिक आदेशोक पालन करए पड़ैत छन्हि हुनका। से आइ. एस.डी. केर सुविधाक लेल टेलीफोन विभागकेँ ओ' आरुणिक मौखिक आदेश पर चिट्ठी लिखने छलाह।माफिया ओकरा तोड़ि लेने छल आ' ओहिमे ओ' प्रशासनिक अधिकारी अपनाकेँ सेहो फँसा लेने छल।

सोम दिन फैक्स आयल आ' आरुणिक ट्रांसफर भ' गेल।

"रिप्रेसेंट करू एहि आदेशक विरुद्ध"। वैह चिरपरिचित स्वर, मणीन्द्रक।

"अहूँ कोन झमेलामे पड़ल छी। सभ ठीक भ' जायत"। बजलाह आरुणि फोन पर।

शशांकक घर पर पार्टी भेल।

"मिस्टर आरुणि रिप्रेसेन्ट तक नहि कएलन्हि। रिलीव भ' कए चलि गेलाह। बुझू सरेन्डर कए देलन्हि अपनाकेँ"।

"प्रोमोशन बुझू जे दस साल धरि रुकल रहतन्हि। सीनियरिटी मारल जएतन्हि। बदनामी भेलन्हि से अलग। सुनैत छी जे फोन पर दुबइक स्मगलर सभसँ गप करैत छलाह"।

ओम्हर आरुणिकेँ अपन बाबूजीक ट्रांसफर, ईमानदारीक संग कएल संघर्ष, संघर्षक विफलता आ' तकर बाद हुनकर तंत्र-विद्या आ' पूजा-पाठक दिशि अपनाकेँ ओझरायब आ' घर-द्वार,ऑफिस आ' सांसारिकतासँ विरक्ति मोन पड़ि गेलन्हि। एहि सभ घटनाक्रमक बाद हुनकर मुँह पर जे चिन्ताक रेखा आयल छलन्हि,से बेशी दिन धरि नहि रहलन्हि आरुणिक मोन पर। हारिकेँ जीतमे कतोक बेर बदलने छलाह ओ'। पढ़ाइक ग्राफ पिताक मोनक संग बनैत-बिगड़ैत रहैत छलन्हि। मुदा घुरि कए पुनः लक्ष्य प्राप्त करैत छलाह। नोकरीमे रहितहु ई घटना एक बेर भेल छल। एकटा सरकारी यात्राक बाद भेल एक्सीडेन्ट, 15 दिन धरि वेंटीलेटर पर,फेर एक साल धरि बैशाखी पर रहलाक बाद, पुनः अपन पैर पर ठाढ़ भ' गेलाह। मृत्यु पर विजय कएलन्हि।मुदा डेढ़ साल बाद जखन ऑफिस अएलाह तखन लोककेँ विश्वासे नहि भेलैक।मुख पर वैह चिरपरिचित हँसी।लोक सभ तँ ईहो कहैत छल जे ई एक्सीडेंट भेल नहि छल वरन् करबाओल गेल छल।

" की यौ मणीन्द्र। कोनो फोन-फान नहि। स्टेटसँ बाहर ट्रांसफर भ' गेल तँ अहाँ सभ तँ बिसरिये गेलहुँ"।

" हम की सभ क्यो बिसरि गेल अहाँकेँ एतय।

"अहाँ की बुझलहुँ। जे हम सेहो बिसरि गेल छी। अहाँकेँ मोन अछि। हम जखन इंटरक बाद बाबूजीक इच्छाक विरुद्ध विज्ञान छोड़ि कए कला विषय लेने छलहुँ। विज्ञानक सभटा किताब 11 बजे रातिमे पोखड़िमे फेंकि देने छलियैक। कोनोटा अवशेषो नहि छोड़ने छलहुँ ओहि विषयक अपन घरमे। आ' जखन कला विषयमे प्रथम श्रेणी आयल छल तखन गेल छलहुँ गाम। तकरा पहिने कतेक बरियाती छोड़ने छलहुँ, कतेक जन्म-मृत्यु। मुदा गाम नहि गेल छलहुँ"।

" एह भाई। अहाँकेँ तँ सभटा मोन अछि। हमरा तँ भेल जे अहूँ काका जेकाँ भ' गेलहुँ। ई सभ क्षमाक योग्य नहि अछि। कनेक देखा' दियौक। आब हमरा विश्वास भ' गेल जे किछु होयत"।

" फेर वैह गप। जखन अहाँ नहि बदललहुँ तखन हम कोना बदलब। चोड़ने छलहुँ किछु दिन अपनाकेँ। आब सुनू। जे कहैत छी से टा करू। बेशी बाजब जुनि। जाहि समयक कॉल हमर टेलीफोनसँ बाहरी देश कएल गेल छल, ओहि समयमे तँ हमर टेलीफोन खराब छल, ई तँ अहाँकेँ बुझले अछि।घरसँ टेलीफोन विभागकेँ कम्प्लेन सेहो लिखबाओल गेल छल। मुदा से टेलीफोने पर लिखबाओल गेल छल। कोनो लिखित पत्र आ' ओकर प्राप्ति रशीद तँ अछि नहि। मुदा ई पता करू जे एहि तरहक कम्प्लेनक कोनो रेकार्ड टेलीफोन विभागक लग रहैत छैक की नहि।"

मणीन्द्रक फोन आयल किछु दिनुका बाद जे फोन विभाग एक महीनाक बाद कम्प्लेन नंबर फेरसँ एक सँ देब शुरू कए दैत छैक। से ई काज नहि भेल।

" बेश तखन ई पता करू, जे हमर नंबरसँ ककरा-ककरा कोन-कोन नंबर पर विदेश फोन कएल गेल छल। आ' ओहि विदेशीक फोन कोन-कोन नंबर पर आयल अछि"।

"हँ। एहि गपक तँ हमरा सुरते नहि रहल"।

आब मणीन्द्र जे टेलीफोन नंबरक सूची अनलन्हि, से सभटा टेलीफोन बूथ सभक छल। मुदा कोनो टा कॉल आरुणिक नंबर पर नहि आयल छल।

विजीलेंसक सुनबाहीमे ई सभ वर्णन जखन आरुणि कएलन्हि, तखन शशांक हतप्रभ रहि गेलाह। ई तँ नीक भेल जे हुनकर आदमी सभ बूथ बलासँ संपर्क रखने छल, नहि तँ ओहो सभ फण्सैत आ' संगहि शशांकोक नाम अबैत एहि सभमे। अस्तु आरुणि जाँचसँ बाहर निकलि गेलाह।

" भाइ। हम मणीन्द्र। ओकरा सभकेँ तँ किछु नहि भेलैक।"

"हमर ट्रांसफर दिल्ली भेल अछि। देखैत छी। अहाँ निश्चिंत रहू।"

"हम तँ ओहि दिन निश्चिंत भ' गेलहुँ जहिया अहाँ पुरनका गप सभ सुनेलहुँ। काकाक अपमानक बदला अहाँकेँ लेबाक अछि। मात्र व्यक्ति सभ बदलल अछि। चरित्र सभ वैह अछि"।

दिल्लीमे आरुणि विजीलेंस विभागक सूचना-प्रौद्योगिकी शाखामे पदस्थापित भेलाह। एहि विभागकेँ शंटिंग पोस्टिंग मानल जाइत छल। विजीलेंसक एनक्वायरीसँ बाहर निकललाक बादो आरुणि एहि पोस्टिंगके चुनलन्हि, से एहिसँ तँ ईएह सिद्ध होइत अछि, जे आरुणि थाकि गेलाह। पाँच साल कोनमे बैसल रहताह। शशांकक ग्रुप प्रफुल्ल छल।

एम्हर आरुणि अपन विज्ञानक छोड़ल पाठ फेरसँ शुरू कएलन्हि। भरि दिन कम्प्युटर आ' ओकर तकनीकी विशेषज्ञ सभसँ भिड़ल रहथि। ओहो लोकनि बहुत दिनक बाद एहन अधिकारी देखनी छलाह जे भिड़ल अछि, काजसँ। दोसरि लोकनि तँ कोहुना टर्म पूर्ण कए भागैत छथि।

ओना देखल जाय तँ ई विभाग बड्ड संवेदनशील छल। आब आरुणिक अपन विभागक सभ कर्मचारीसँ बेश निकटता भ' गेल छलन्हि। सभक आवेदन समयसँ आगू बढ़ैत छल। सभटा ऑफिसक इक्विपमेंट नव आबय लागल। पहिलुका ऑफिसर सभ तँ समय काटि भागय केर फेरमे रहैत छल आ' ऑफिसक आवश्यक आवश्यकता सेहो पूर्ण नहि करैत छल।

ऑफिसमे एकटा इक्विपमेन्ट आयल छल, एन्टी करप्शन रोकय लेल। एहिमे स्मगलर सभक फोन टेप करबाक सुविधा छल।

किछु दिन समय व्यतीत होइत रहल।

"मणीन्द्र। कोनो फोन-फान नहि"।

"हम आब निश्चिन्त छी"।

"हँ समय आबि गेल अछि। एकटा काज करू स्मग्लरक संग शशांकक संबंधक संबंधमे एकटा न्यूज निकलबा दिऔक अखबारमे।आगाँ सभ चीज तैयार अछि"।

ओम्हर अखबारमे खबरि निकलल, आ' मंत्रीक जन संपर्क पदाधिकारी जकर काज विभागक खबरिकेँ अखबारसँ काटि कए मंत्री धरि पहुँचायब छल, ओ' क्लिपिंग मंत्रीजी लग पहुँचाय देलन्हि। समय समीचीन छल कारण विभागीय मंत्रीजी पर ढेर आरोप ओहि समय आयल छलन्हि,संसदक सत्र चलि रहल छल, से ओ' कोनो तरहक रिस्क नहि लेलन्हि। इंक्वायरीक ऑर्डर दय देलन्हि।

विजिलेंस विभागमे केश आयल। ओकर आंतरिक बैठकी होइत छल, जाहिमे प्रौद्योगिकी विभागकेँ सेहो बजाओल जाइत छल। सभ केशमे मोटा-मोटी प्रौद्योगिकी विभाग अनाधिकार प्रामाण पत्र दए दैत छल।आ' केश इंक्वायरीक बाद समाप्त भ' जाइत छल।

मीटिंगक तिथि तय भेल। मीटिंगमे आरुणि विजिलेंस कमेटीक सदस्यक रूपमे शामिल भेलाह।

"शशांक पर कोनो तरहक कोनो आरोप सिद्ध नहि होइत छन्हि। आरुणि अहाँक विभागकेँ टेलीफोन टैपिंगक उपकरण उपलब्ध करबाओल गेल छल। मुदा अपन ऑफिसमे तँ फैक्स मशीनो 6 मास किनाकय राखल रहलाक बाद लगाओल जाइत अछि, तखन ई मशीन एखनो राखले होयत आकि किछु कंवर्शेशन रेकार्डो भेल अछि"।

"श्रीमान। ई मशीन एहि मासक पहिल तिथिकेँ आएल आ' ओहि तिथिसँ एकर उपयोग शुरू भ' गेल। एहि केशमे जहि स्मगलरक नाम आयल अछि, ओकर नाम ओहि सूचीमे अछि, जकर कॉल रेकॉर्ड करबाक आदेश

हमरा भेटल छल। शशांकक कंवर्शेशन एहि व्यक्तिसँ नहि केर बराबड़ अछि।आध-आध मिनटक दू टा कंवर्शेशन।दोसर कंवर्शेशन नौ बजे रातिक छी आ' एहि कंवर्शेशनक बाद ओहि स्मगलरक फोन अपन कर्मचारीकेँ जाइत छैक, आ' ताहूमे मात्र आध मिनट ओ' लगबैत अछि''।

'' ई कोन तारीखक अछि''।

''पाँच तारीखक''।

'' छह तारीखक भोरमे एहि स्मगलरक ओहिठाम रेड भेल छल, आ' किछु नहि भेटल छल। ई सभ फोनक डिटेल दिअ आरुणि'।

''पहिल कॉलमे शशांक कहैत छथि, जे साढ़े आठ बजे घर पर आबि कए भेंट करू।बड़ड जरूरी गप अछि। दोसर कंवर्शेशनमे ओ' नौ बजे तमसाइत कहैत छथि, जे नौ बाजि गेल आ' अहाँ एखन धरि नहि अएलहुँ। एहिमे उत्तर सेहो भेटैत अछि, जे ओ' शशांकक गेट पर ठाढ़ अछि''।

'' तेसर फोनमे की वार्त्तालाप अछि''।

'' तेसर फोन ओ' स्मगलर अपन ऑफिस स्टाफकेँ साढ़े नौ बजे करैत अछि। ओ' कर्मचारीकेँ आदेश दैत अछि, जे तुरत ऑफिस आऊ, हमहुँ पहुँचैत छी। बस एकर अतिरिक्त किछु नहि। कोनो एवीडेंस नहि भेटि सकल एहि केसमे। कहू तँ हम नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट दए दिअ''।

''आरुणि। की कहैत छी अहाँ। अहाँक विभाग तँ आइ तक कोनो काज नहि कएने छल, मुदा आइ तँ सभटा कड़ी जोड़ि देलहुँ अहाँ। शशांक फोन कएलक जे भेंट करू। दोसर फोन पर ओ' व्यक्ति ओकर गेट पर ठाढ़ छल। तेसर फोनमे ओकर कर्मचारी ऑफिस ओतेक रातिमे की करए जाइत अछि। रेडक खबड़ि शशांक लीक कएलन्हि। ओ' कर्मचारी सभटा कागज हटा देलक, आ' हमर विभागक ऑफिसर भोरमे छुच्छ हाथ घुरि कए आबि गेलाह। आब एकटा फोन आर करू। शशांकक नंबर टेप तँ नहि भ' सकल छल, मुदा प्रक्रियाक अनुसार ओकर आवाजक सैंपल मैच करबाक चाही। ओ' फोन उठायत तँ गलत नंबर कहि काटि दियौक''।

''सैह होयत''।

तखने ई प्रक्रिया कएल गेल।

"ई तँ ओपन आ' शट केस अछि''। विजीलेंस कमेटीक अध्यक्ष महानिदेशककेँ बतओलन्हि। महानिदेशक शशांककेँ बजबओलन्हि आ' ओकरा दू टा विकल्प देलन्हि।

''शशांक एहि सभ घटनाक बाद अहाँ लग दू टा विकल्प अछि। विभागसँ कंपलसरी सेवा निवृत्ति लेबय पडत अहाँकेँ। नहि तँ इंक्वायरी आगाँ बढ़त''।

शशांक कंपलसरी सेवानिवृत्ति लए लेलन्हि। विभाग छोड़ि कए चलि गेलाह।

'' भाइ मणीन्द्र। कोनो फोन-फान नहि''।

''भजार। हम तँ ओहि दिन निश्चिंत भ' गेल छलहुँ जाहि दिन हमरा बुझबामे आओल, जे अहाँकेँ बच्चाक सभटा गप मोन अछि। काका आ' अहाँमे कोनो अंतर नहि। मार्ग मात्र दू तरहक रहल। एहि विजयक मार्ग पर अहाँ चली ताहि हेतु, कतेक भरकाबैत छलहुँ अहाँकेँ से मोन अछि ने। मुदा ओहि दिन जखन हमरा अहाँ बच्चाक गप सभ कहए लगलहुँ तहिये निश्चिन्त भ' गेल छलहुँ हम''।

(अनुवर्तते)

7. पद्य



नाम - ज्योति झा चौधरी ;जन्म तिथि -३० दिसम्बर १९७८;जन्म स्थान -बेल्हवार,मधुबनी ;शिक्षा - स्वामी विवेकानन्द मिडिल स्कूल टिस्को साकची गर्ल्स हाई स्कूल,मिसेज के एम पी एम इन्टर कालेज़,इन्दिरा गान्धी ओपन यूनिवर्सिटी, आइ सी डबल्यू ए आइ (कॉस्ट एकाउण्टेन्सी);;निवास स्थान - लन्दन, यू के ;पिता -श्री शुभंकर झा,ज़मशेदपुर ;माता -श्रीमती सुधा झा,शिवीपट्टी ; ।''मैथिली लिखबाक अभ्यास हम अपन दादी नानी भाई बहिन सबकेँ पत्र लिखबामे केने छी।।बचपनसँ मैथिली सँ लगाव रहल अछि।-ज्योति

आधुनिक_जीवनदर्शन

अतिशयोक्ति सँ विरक्ति अछि
जाबे ओ' दोसरक प्रशंसा में होय
परञ्च निंदामे किएक कंजूसी
जखन अनकर करबाक होय ।

असभ्य तऽ ओकरा बुझब
जे हमर प्रशंसकके रोकयए,
ने हम्मर कियो प्रशंसक अछि
ने समाजमे कियो असभ्य बुझाइए ।

परोपकार करनिहारके आशिष
जे हमर काज बना गेल
अन्यथा ओ सब बेरोजगार
जे आनक काजमे लागि गेल ।

मिथिलाक ध्वज गीत- गजेन्द्र ठाकुर

मिथिलाक ध्वज फहरायत जगतमे,

माँ रूषलि,भूषलि,दूषलि, देखल हम,

अकुलाइत छी, भँसियाइत अछि मन।

छी विद्याक उद्योगक कर्मभूमि   सँ,

पछाड़ि आयत सन्तति अहाँक पुनि,

बुद्धि, चातुर्यक आ' शौर्यक   करसँ,

विजयक प्रति करू अहँ शंका जुनि।

मैथिली छथि अल्पप्राण भेल जौँ,

सन्ध्यक्षर बाजि करब हम न्योरा,

वर्ण स्फोटक बनत स्पर्शसँ हमर,

ध्वज खसत नहि हे मातु मिथिला।

Music Notation

राग वैदेही भैरव त्रिताल(मध्य लय)

स्थाई

सां

म

धसां धप म (-) रे सा सा सा रे म प ध प म

सां

प ध ध सां सां धसां रें सां सां धसां धप म, ध

सां धप म (-)

अन्तरा

प ध सां ध सां सां सां ध रें मं रें सां सां

सां ध प म - - प म रे सा रे सा सा

- रे म - प ध ध सां ध सां- सां रें रें सां सां

मप धसां धसां रेंसां धसां धप म,सां

8. संस्कृत शिक्षा

(आँगा)

गीतम्

-गजेन्द्र ठाकुर

पथिकः चलितुं गच्छति दूरे,

तत्र आगमिष्यति लक्ष्यम् एकम्।

किमपि न चलितुमं शक्नोमि मम,

इति चिन्तयति सः पथिकः भीते।

तत्र आगच्छति साहसम् एकम्,

पृच्छति वत्स चिन्तयति किम हृदयम्।

मस्तिष्के चिन्तयतु प्राप्नुम लक्ष्यम्,

पथिकः चलति गच्छति अग्रे शीघ्रम्,

प्राप्यते लक्ष्यं सिद्धयति स्वप्नम्।

सुभाषितम्

वयम् इदानीम् एकं सुभाषितं श्रुण्वः।

उपकारिषु यः साधुः साधुत्वे तस्य को गुणः।

आरिषु यः साधुः स सादुरिति कीर्तितः॥

वयम् इदानीम यत सुभाषितं श्रुतवन्तः तस्य अर्थः एवम् अस्ति। लोके केचन् जनाः अस्माकम् उपकारं कुर्वन्ति, अन्य केचन् अपकारं कुर्वन्ति। ये उपकारं कुर्वन्ति तेषां विष्ये सर्वे संतुष्टाः भवन्ति, तेषां विषये साधुत्वं दर्शयन्ति एव, किन्तु यः अपकारं करोति तस्य विषये अपि यः साधुत्वं दर्शयन्ति यः तस्यापि उपकारं करोति सः वस्तुतः साधुः। अन्यथा यः मम उपकारं करोति तस्य अहम् उपकारं करोमि चेत् तत्र साधुत्वं किमपि नास्ति। यः अपकारं करोति तस्यापि यः उपकारं करोति सः वस्तुतः साधुः।

<u>कथा</u>

अहम् इदानीम् एकं लघु कथां वदामि।

कश्चन् ग्रामः आसीत्। तस्मिन् ग्रामे एकः पण्डितः आसीत्। सः महान् विद्वान्, अनेकेषु शास्त्रेषु निष्णातः आसीत्। सः प्रतिदिनम् अध्ययनं करोति, प्रतिदिनम् अध्यापनम् अपि करोति, प्रतिदिनं पाठं करोति। दूर-दूरतः अपि छात्राः प्रतिदिनं तस्य समीपम् आगत्य शिक्षणं प्राप्तवन्ति।, प्रतिदिनं पाठार्थम् आगछन्ति। तस्य पण्डितस्य एकः पुत्रः आसीत्। पुत्रस्य विषये पण्डितस्य महती प्रीतिः आसीत्। सः पुत्रः अपि सम्यक पठति स्म। एकस्मिन् दिने छात्राः यथापूर्वं गुरोः समीपम् आगतवन्तः। गुरुः तान् सर्वान् यथापूर्वं पाठितवान्। व्याकरण वा न्यायशास्त्रं वा किंचित्

शास्त्रं सः सर्वान् छात्राण् यथापूर्वं पाठितवान्। छात्राः सर्वे पाठं श्रुत्वा सन्तुष्टाः स्व ग्रामम् अन्नतरं गतवन्तः। सायांकालः अभवत्।

तस्मिन् दिने अकस्मात् तस्य पण्डितस्य पुत्रस्य महान् ज्वरः आगच्छ। सः औषिधम् आनीतवान्। परन्तु प्रयोजनं न भवथ। रात्रि समये सः बालकः मृतः एव अभवत्। पण्डितस्य एकः एव पुत्रः। सः पुत्रः अपि मृतः अभवत्। पण्डितस्य महत् दुःखं जातम्। सहजं सः बहुदुःखेन् एव पुत्रस्य कार्याणि याणि करिणियानि तानि सर्वानि कृतवान्। तस्य शिष्याः सर्वे अन्य ग्रामेषु निवसन्तु। ते एतां वार्त्तां न जानन्तु। अनन्तर दिने प्रातः काले ते सर्वे यथा पूर्वं पाठार्थम् आगतवन्तः। गुरुः दृष्टवान्। सर्वे छात्राः पाठार्थम् आगतवन्तः। गुरुः स्वस्थाने उपविष्टवान्। सर्वानापि पाठितवान्। प्रतिदिनम् यथा पाठयति तथैव एक घण्टा पर्यन्तं पाठनं कृतवान्।

पाठः समाप्ता छात्राः सर्वे गुरोः पुत्रं न दृष्टवन्तः। अद्य पुत्रः न दृश्यते। कुत्र इति तेषां संशयाः भवन्ति। ते गुरुं पृष्टवन्तः।

भवतः पुत्रः कुत्र।

तदा गुरुः सर्वम् उक्तवान्।

छात्राः उक्तवन्तः- कीदृशः भवान्।

किमर्थम् अस्मान् पूर्वमेव न उक्तवान्। तदा गुरुः उक्तवान्- भवन्तः सर्वे दूर-दूर ग्रामतः पाठं श्रोतुम् आगतवंटः। एतावंटः शिष्याःदूरतः पाठं श्रोतुम्

आगतवन्तः। अहं पाठं न करोति चेत्, भवताम् सर्वेषाम् समयः व्यर्थः न भवति ? अतः पाठनं मम् धर्मम्।

<u>सम्भाषणम्</u>

वयम् आरम्भे पूर्वतन् पठस्य किंचित् स्मरण कुर्मः।

ददाति ददामि दापयामि दापयति

पठति पठामि पाठयामि पाठयति

अत्र बहूनि वस्तूनि सन्ति।

करदीपः अस्ति।

अहं करदीपं स्वीकरोमि।

अहं उपनेत्रं ददामि।

स्वीकरोतु।

करदीपं ददामि।

तथा वाक्यानि वदामः।

इदानीं भवन्तः एकम् एकं वाक्यं वदन्ति एव, किम् किम् ददति।

वदन्तु।

भवती फलं ददाति।

अहं लेखनीं ददामि।

कृपया उपनेत्रं ददातु।

मम् समीपे बहूनि वस्तूनि सन्ति।

अहम् एकम् एकं वस्तु दर्शयामि।

करदीपः- कृपया करदीपं ददातु।

दंतकूर्चः- कृपया दंतकूर्चं ददातु।

ध्वनिमुद्रिकाम्

सान्द्रमुद्रिकाम्

-अन्यम् एकम् अभ्यासम् कुर्मः।

-अहम् एकम् वाक्यं लिखामि।

मयूरः पठति।

अहम् अन्नं खादामि।

चिन्तयन्तु। अहल्याः मम् अतिथिः अस्ति। सा मम् गृहम् आगच्छति। अहं कथं सम्भाषणं करोमि । श्रुणवन्तु।

भोः। आगच्छतु। उपविशतु।

कुशलं वा। आम् सर्वं कुशलम्।

अत्रापि सर्वं कुशलं।

गृहे सर्वं कुशलम्।

माता कुशलिनी अस्ति।

किंचित् पानीयं ददामि।

संकोचं मास्तु।

मास्तु।

किंचित् स्वीकरोतु।

किंचित्।

चायं ददामि।

सम्यक् अस्ति।

किंचित् स्वीकरोतु। मास्तु।

किंचित् शर्करा आवश्यकी।

किंचित् न आवश्यकम्।

सावधानं स्वीकरोतु।

कः विशेषः।

मम् गृहे श्वः पूजा अस्ति।

कस्मिन् समये पूजा।

भगिनी नास्ति वा।

सर्वे आगच्छन्तु।

आगच्छामः।

पुनर्मिलामः।

आगच्छतु।

धन्यवादः।

कुशलम् वा।

आम कुशलम्।

कः विशेषः।

विशेषः कोपि नास्ति।

गृहे सर्वं कुशलम्।

आम् कुशलम्।

पिता कार्यालयं गतवान्।

अनुजस्य परीक्षा समाप्ता।

भो विस्मृतवान्।

किमपि।

पानीयं किम् स्वीकरोति। मास्तु।

संकोचः मास्तु।

किंचित् किंचित् ददातु।

स्वीकरोतु भोः।

किम् ददामि।

फलरसम् ददातु।

अस्तु ददामि।

अन्य विशेषः कः।

कोपि नास्ति।

अस्तु अहं गच्छामि।

किंचित् कालं तिष्ठतु।

न गच्छामि।

अस्तु धन्यवादः।

आसन्दः मम् पुरतः अस्ति।

उत्पीठिका मम् पृष्ठतः अस्ति।

संगणकं पुरतः अस्ति।

कूपी पृष्ठतः अस्ति।

प्रिया मेघायाः पुरतः अस्ति।

अहल्या मेघायाः पृष्ठतः अस्ति।

विजयः पुरतः आगच्छतु।

न न पृष्ठतः गच्छतु।

प्रसन्नः दक्षिणतः अस्ति।

प्रिया मम् वामतः अस्ति।

मम् दक्षिणतः कः अस्ति।

मम् वामतः कः अस्ति।

स्वर्गः आकाशः उपरि अस्ति।

पातालं भूमिः अधः अस्ति।

रघुवंशः रामायणस्य उपरि अस्ति।

ब्रह्मसूत्रं महाभारतस्य उपरि/अधः अस्ति।

रामायणं महाभारतस्य अधः अस्ति।

पुरतः/पृष्ठतः/वामतः/दक्षिणतः/उपरि/अधः/

अहं पठयामि।

एवं तिष्ठतु।

पुरतः/पृष्ठतः/दक्षिणतः/वामतः/

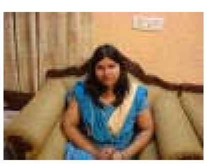
हस्तम् एवं करोतु।

पुरतः/पृष्ठतः/दक्षिणतः/वामतः।

(अनुवर्तते)

9. मिथिला कला

(आँगा)



चित्रकार- प्रीति, गाम-जगेली(जिला पूर्णिया),बिहार, भारत)।

दशपात अरिपन

पछिला अंकमे स्त्रीगणक दशिपात अरिपन देल गेल छल। एहि बेर पुरुषक दशिपात अरिपन देल गेल अछि।

एकर नाम दसकर्मक बोध करएबाक कारण दशपात अछि, आ' ई पुरुषक सभ संस्कारक अवसर पर लिखल जाइत अछि।

ऊपरी भागमे दू टा मयूर,कमलक फूल,शुभ मत्स्य,भीतरमे 12 टा माँछक चित्र आ' दसटा डाढ़िक चित्र देल गेल अछि,आ', बीचमे अष्टदल कमल।



10. संगीत शिक्षा-गजेन्द्र ठाकुर

वर्णसँ रागक रूप-भाव प्रगट कएल जाइत छैक। एकर चारिटा प्रकार छैक।

1.स्थायी-जखन एकटा स्वर बेर-बेर अबैत अछि।ओकर अवृत्ति होइत अछि।

2.अवरोही- ऊपरसँ नीचाँ होइत स्वर समूह, एकरा अवरोही वर्ण कहल जाइत अछि।

3.आरोही- नीचाँसँ ऊपर होइत स्वर समूह, एकरा आरोही वर्ण कहल जाइत अछि।

4.संचारी-जाहिमे ऊपरका तीनू रूप लयमे होय।

लक्षण गीत: रचना जाहिमे बादी, सम्बादी,जाति आ' गायनक समय केर निर्देशक रागक लक्षण स्पष्ट भ' जाय।

स्थायी: कोनो गीतक पहिल भाग, जे सभ अन्तराक बाद दोहराओल जाइत अछि।

अन्तरा: जकरा एकहि बेर स्थायीक बाद गाओल जाइत अछि।

अलंकार/पलटा: स्वर समुदायक नियमबद्ध गायन/वादन भेल अलंकार।

आलाप: कोनो विशेष रागक अन्तर्गत प्रयुक्त भेल स्वर समुदायक विस्तारपूर्ण गायन/वादन भेल आलाप।

तान: रागमे प्रयुक्त भेल स्वरक त्वरित गायन/वादन भेल तान।

(अनुवर्तते)

11. बालानां कृते-गजेन्द्र ठाकुर

ज्योति पँजियार

ज्योति पँजियार छलाह सिद्ध।पम्पीपुर गामक। तंत्र-मंत्र जानएबला।धर्मराज रहथि हुनकर कुलदेवता। ज्योति पँजियारक पत्नी छलीह लखिमा।

एक बेर साधुक वेष धय धर्मराज भिक्षाक हेतु अएलाह। ज्योति पँजियार लखिमाक संग गहबर बना रहल छलाह। माय सूपमे अन्न लए क' अयलीह। मुदा साधु कहलखिन्ह जे हम तँ भीख लेब ज्योति पँजियारक हाथेटा सँ। ज्योति पँजियार मना कए देलखिन्ह जे हम गहबर बनायब छोड़ि कए नहि आयब।साधु श्राप दए देलखिन्ह जे निर्धन भ' जयताह ज्योति पँजियार, कुष्ठ फूटि जएतन्हि हुनका।

आस्ते-आस्ते ई घटित होमय लागल। ज्योति पँजियार बहिनिक ओहिठाम चलि गेलाह। मुदा ओतय अवहेलना भेटलन्हि। ज्योति ओतय सँ निकलि गेलाह। ओइटदल गाम पहुँचि गेलाह अपन संगी लगवारक लग। एकटा त्तंत्रिक अएलाह। कहल- बारह वर्ष धरि कदलीवनमे रहए पड़त। धर्मराजक आराधना करए पड़त। गहबड़ बनाए करची रोपी ओतए। बाँसक घर बनाऊ धर्मराजक हेतु। धर्मराज दर्शन देताह, अहाँ ठीक भ' जायब। पँजियार चललाह, रस्तामे सैनी गाछ भेटलन्हि, ओकर छहमे सुस्तेलाह पँजियार, मुदा ओ' गाछ सुखा गेल, अरड़ा कए खसि पड़ल।कोइलीकेँ कहलन्हि जे पानि आनि दिअ, ओ' उड़ल तँ बिहाड़ आबि गेल। कोइली मरि गेल।पँजियार उड़ि कए पहुँचि गेलाह कदली वनमे। एकटा महिसबार कहलकन्हि जे अछमितपुर गाम जाऊ। महिसबार छलाह धर्मराज, बनि गेलाह भेम-भौरा। एकटा व्यक्ति भेटलन्हि। ओ' कहलकन्हि जे आगू वरक गाछ भेटत, ओकर पात तोडू।ओहि पर अहाँक सभ प्रश्नक उत्तर रहत। ई कहि ओ' परबा बनि गेल। वरक पात तोड़लन्हि ज्योति तँ ओहि पर लिखल छल, यैह छी अछमितपुर। ओतुक्का राजाकेँ बच्चा नहि छलन्हि। ज्योति आशीर्वाद देलन्हि। कहलन्हि, एकटा छगर ओहि दिन पोसब जाहि दिन गर्भ ठहरि जाय। हम कदली वनसँ आयब तँ ई छगर स्वयं खुट्टसँ खुजि जायत। 12 बरखक बाद ज्योति कदली वनसँ चललाह। कोइलीकेँ जीवित कए देलन्हि। सुखायल धारमे पानि आबि गेल। सैनीक गाछ हरियर कचोर भ' जीबि उठल। अछमितपुर गाममे राजा कहलन्हि जे छागर आ' पुत्र दुनू एकहि दिन मरि गेल। पँजियार पाठाकेँ जिआ देलन्हि, कहलन्हि जो तोँ कदलीवनक धारमे नाओ पर चढ़ि जो, मनुक्ख रूप भेटि जयतौक। तावत राजाक पुत्र सेहो कदलीवनसँ शिकार खेला' कए घोड़ा पर चढ़ि कए आबि गेल। ज्योति पँजियार गाम पहुँचि गेलाह गमछामे गहबर लेने।

बच्चा लोकनि द्वारा स्मरणीय श्लोक

१.प्रातः काल ब्रह्ममुहूर्त्त (सूर्योदयक एक घंटा पहिने) सर्वप्रथम अपन दुनू हाथ देखबाक चाही, आ' ई श्लोक बजबाक चाही।

कराग्रे वसते लक्ष्मीः करमध्ये सरस्वती।

करमूले स्थितो ब्रह्मा प्रभाते करदर्शनम्॥

करक आगाँ लक्ष्मी बसैत छथि, करक मध्यमे सरस्वती, करक मूलमे ब्रह्मा स्थित छथि। भोरमे ताहि द्वारे करक दर्शन करबाक थीक।

२.संध्या काल दीप लेसबाक काल-

दीपमूले स्थितो ब्रह्मा दीपमध्ये जनार्दनः।

दीपाग्रे शङ्करः प्रोक्तः सन्ध्याज्योतिर्नमोऽस्तुते॥

दीपक मूल भागमे ब्रह्मा, दीपक मध्यभागमे जनार्दन (विष्णु) आऽ दीपक अग्र भागमे शङ्कर स्थित छथि। हे संध्याज्योति! अहाँकेँ नमस्कार।

३.सुतबाक काल-

रामं स्कन्दं हनूमन्तं वैनतेयं वृकोदरम्।

शयने यः स्मरेन्नित्यं दुःस्वप्नस्तस्य नश्यति॥

जे सभ दिन सुतबासँ पहिने राम, कुमारस्वामी, हनूमान्, गरुड़ आऽ भीमक स्मरण करैत छथि, हुनकर दुःस्वप्न नष्ट भऽ जाइत छन्हि।

४. नहेबाक समय-

गङ्गे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति।

नर्मदे सिन्धु कावेरि जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरू॥

हे गंगा, यमुना, गोदावरी, सरस्वती, नर्मदा, सिन्धु आऽ कावेरी धार। एहि जलमे अपन सान्निध्य दिअ।

५.उत्तरं यत्समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्।

वर्षं तत् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः॥

समुद्रक उत्तरमे आऽ हिमालयक दक्षिणमे भारत अछि आऽ ओतुका सन्तति भारती कहबैत छथि।

६.अहल्या द्रौपदी सीता तारा मण्डोदरी तथा।

पञ्चकं ना स्मरेन्नित्यं महापातकनाशकम्॥

जे सभ दिन अहल्या, द्रौपदी, सीता, तारा आऽ मण्दोदरी, एहि पाँच साध्वी-स्त्रीक स्मरण करैत छथि, हुनकर सभ पाप नष्ट भऽ जाइत छन्हि।

७.अश्वत्थामा बलिर्व्यासो हनूमांश्च विभीषणः।

कृपः परशुरामश्च सप्तैते चिरञ्जीविनः॥

अश्वत्थामा, बलि, व्यास, हनूमान्, विभीषण, कृपाचार्य आऽ परशुराम- ई सात टा चिरञ्जीवी कहबैत छथि।

८.साते भवतु सुप्रीता देवी शिखर वासिनी

उग्रेन तपसा लब्धो यया पशुपतिः पतिः।

सिद्धिः साध्ये सतामस्तु प्रसादान्तस्य धूर्जटेः

जाह्नवीफेनलेखेव यन्यूधि शशिनः कला॥

९. बालोऽहं जगदानन्द न मे बाला सरस्वती।

अपूर्णे पंचमे वर्षे वर्णयामि जगत्त्रयम् ॥

१०. दूर्वाक्षत मंत्र (शुक्ल यजुर्वेद अध्याय 22, मंत्र 22) डाउनलोड करू।

विश्वक प्रथम देशभक्ति गीत

(शुक्ल यजुर्वेद अध्याय २२, मंत्र २२)

आ ब्रह्मन्नित्यस्य प्रजापतिर्ऋृषिः। लिंभोक्ता देवताः। स्वराडुत्कृतिश्छन्दः। षड्जः स्वरः॥

आ ब्रह्मन् ब्राह्मणो ब्रह्मवर्चसी जायतामा राष्ट्रे राजन्यः शुरेऽइषव्योऽतिव्याधी महारथो जायतां दोग्ध्रीं धेनुर्वोढानड्वानाशुः सप्तिः पुरन्धिर्योवा जिष्णू रथेष्ठाः सभेयो युवास्य यजमानस्य वीरो जायतां निकामे-निकामे नः पर्जन्यों वर्षतु फलवत्यो नऽओषधयः पच्यन्तां योगेक्षमो नः कल्पताम्॥२२॥

मन्त्रार्थाः सिद्धयः सन्तु पूर्णाः सन्तु मनोरथाः। शत्रूणां बुद्धिनाशोऽस्तु मित्राणामुदयस्तव।

ॐ दीर्घायुर्भव। ॐ सौभाग्यवती भव।

हे भगवान्। अपन देशमे सुयोग्य आ' सर्वज्ञ विद्यार्थी उत्पन्न होथि, आ' शुत्रुकेँ नाश कएनिहार सैनिक उत्पन्न होथि। अपन देशक गाय खूब दूध दय बाली, बरद भार वहन करएमे सक्षम होथि आ' घोड़ा त्वरित रूपेँ दौगय बला होए। स्त्रीगण नगरक नेतृत्व करबामे सक्षम होथि आ' युवक सभामे ओजपूर्ण भाषण देबयबला आ' नेतृत्व देबामे सक्षम होथि। अपन देशमे जखन आवश्यक होय वर्षा होए आ' औषधिक-बूटी सर्वदा परिपक्व होइत रहए। एवं क्रमे सभ तरहेँ हमरा सभक कल्याण होए। शत्रुक बुद्धिक नाश होए आ' मित्रक उदय होए॥

मनुष्यकें कोन वस्तुक इच्छा करबाक चाही तकर वर्णन एहि मंत्रमे कएल गेल अछि।

एहिमे वाचकलुप्तोपमालङ्कार अछि।

अन्वय-

ब्रह्मंन् - विद्या आदि गुणसँ परिपूर्ण ब्रह्म

राष्ट्रे - देशमे

ब्रंह्मवर्चसी-ब्रह्म विद्याक तेजसँ युक्त

आ जांयतां- उत्पन्न होए

रांजन्यः-राजा

शुरेँऽ बिना डर बला

इषव्यो- बाण चलेबामे निपुण

ऽतिव्याधी-शत्रुकेँ तारण दय बला

मंहारथो-पैघ रथ बला वीर

दोग्ध्रीं-कामना(दूध पूर्ण करए बाली)

धेनुर्वोढांनड्वानाशुः धेनु-गौ वा वाणी वोंढांनड्वा- पैघ बरद नाशुः-आशुः-त्वरित

सप्तिः-घोड़ा

पुरंन्धिर्योवां- पुरंन्धि- व्यवहारकेँ धारण करए बाली योंवां-स्त्री

जिष्णू-शत्रुकेँ जीतए बला

रंथेष्ठाः-रथ पर स्थिर

सभेयो-उत्तम सभामे

युवास्य-युवा जेहन

यजमानस्य-राजाक राज्यमे

वीरो-शत्रुकेँ पराजित करएबला

निकामे-निंकामे-निश्चययुक्त कार्यमे

नः-हमर सभक

पर्जन्यों-मेघ

वर्षतु-वर्षा होए

फलवत्यो-उत्तम फल बला

ओषधयः-औषधिः

पच्यन्तां- पाकए

योगेक्षमो-अलभ्य लभ्य करेबाक हेतु कएल गेल योगक रक्षा

नः-हमरा सभक हेतु

कल्पताम्-समर्थ होए

ग्रिफिथक अनुवाद- हे ब्रह्मण, हमर राज्यमे ब्राह्मण नीक धार्मिक विद्या बला, राजन्य-वीर,तीरंदाज, दूध दए बाली गाय, दौगय बला जन्तु, उद्यमी नारी होथि। पार्जन्य आवश्यकता पड़ला पर वर्षा देथि, फल देय बला गाछ पाकए, हम सभ संपत्ति अर्जित/संरक्षित करी।

अहाँक बच्चा ऋ केँ री आ' ज्ञ केँ ग्य उच्चारित करैत छथि? तखन शुद्ध उच्चारणक हेतु नीचाँ लिखल फाइल डाउनलोड करू।

अ सँ ज्ञ

विद्यापतिक बड़ सुखसार डाउनलोड करू।

बड़ सुख सार

12. पञ्जी प्रबंध-गजेन्द्र ठाकुर



पंजी-संग्राहक- श्री विद्यानंद झा पञ्जीकार (प्रसिद्ध मोहनजी)

श्री विद्यानन्द झा पञीकार (प्रसिद्ध मोहनजी) जन्म-09.04.1957,पण्डुआ, ततैल, ककरौड़(मधुबनी), रशाढ़य(पूर्णिया), शिवनगर (अररिया) आ' सम्प्रति पूर्णिया। पिता लब्ध धौत पञ्जीशास्त्र मार्त्तण्ड पञ्जीकार मोदानन्द झा, शिवनगर, अररिया, पूर्णिया|पितामह-स्व. श्री भिखिया झा | पञ्जीशास्त्रक दस वर्ष धरि 1970 ई.सँ 1979 ई. धरि अध्ययन,32 वर्षक वयससँ पञ्जी-प्रबंधक संवर्द्धन आ' संरक्षणमे संल्गन। कृति- पञ्जी शाखा पुस्तकक लिप्यांतरण आ' संवर्द्धन- 800 पृष्ठसँ अधिक अंकन सहित। पञ्जी नगरमिक लिप्यान्तरण ओ' संवर्द्धन- लगभग 600 पृष्ठसँ ऊपर(तिरहुता लिपिसँ देवनागरी लिपिमे)। गुरु- पञ्जीकार मोदानन्द झा। गुरुक गुरु- पञ्जीकार भिखिया झा, पञ्जीकार निरसू झा प्रसिद्ध विश्वनाथ झा- सौराठ, पञ्जीकार लूटन झा, सौराठ। गुरुक शास्त्रार्थ परीक्षा- दरभंगा महाराज कुमार जीवेश्वर सिंहक यज्ञोपवीत संस्कारक अवसर पर महाराजाधिराज(दरभंगा) कामेश्वर सिंह द्वारा आयोजित परीक्षा-1937 ई. जाहिमे मौखिक परीक्षाक मुख्य परीक्षक म.म. डॉ. सर गंगानाथ झा छलाह।

पछिला अंकमे देल गेल श्रोत्रियक सातक बदलामे आठ श्रेणीमे ओ लोकनि क्रमबद्ध छथि- आ' पञ्जीक कुल संख्या 185 अछि, जाहिमे 32 टा श्रोत्रिय आ' 153 टा आन ब्राह्मणक श्रेणी अछि। जातुकर्ण गोत्र त्रिप्रवर जातुकर्ण/आंगीरस/भारद्वाज छथि। पहिने सभ क्यो अपन-अपन पुरखाक, आ' वैवाहिक संबंधक लेखा स्वयं रखैत रहथि। हरसिंहदेवजी एहि हेतु एक गोट संस्थाक प्रारम्भ कलन्हि। मैथिल ब्राह्मणक हेतु गुणाकर झा, कर्ण कायस्थक लेल शंकरदत्त, आ' क्षत्रियक हेतु विजयदत्त एहि हेतु प्रथमतया नियुक्त भेलाह। हरसिंहदेवक पंजी वैज्ञानिक आधार बला छल आ' शुद्ध रूपेँ वंशावली परिचय छल। सभ ब्राह्मण कायस्थ आ' क्षत्रिय एहिमे बराबर छलाह। मुदा महाराज माधव सिंहक समयमे शाखा पञ्जीक प्रारम्भ भेल आ' श्रोत्रिय आदि विभाजन आ' क्रमानुसारे छोट-पैघक आ' ओहिसँ उपजल सामाजिक कुरीतिक प्रारम्भ भेल।

कर्ण कायस्थमे एकेटा गोत्र काश्यप अछि। मात्र मूलक अनुसारेँ उतेढ़ होइत अछि, मझौला दर्जाक गृहस्थ कहल जाइत अछि।

मूलसँ गोत्र सामान्यतः पता चलि जाइत अछि। किछु अपवादो छैक। जेना: ब्रह्मपुरा मूल, काश्यप/गौतम/वत्स/वशिष्ठ।(7टा)

करमहा- शाण्डिल्य (गौल शाखा)/ बाकी सभ वत्स गोत्री।

दुनू करमहामे विवाह संभव।

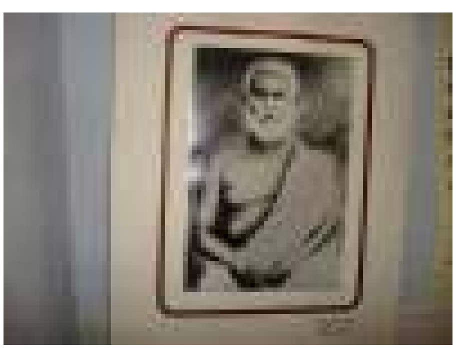
चैतन्य महाप्रभु: रमापति उपाध्याय करमहे तरौनी मूलक छलाह। ओ' बंगाल चलि गेलाह, हुकर शिष्य रहथि चैतन्य महाप्रभु।

श्रोत्रियकेँ पुबारिपार आ' शेषकेँ पछ्बारिपार सेहो कहल जाइत अछि।श्रोत्रियक पाँजिकेँ चौगाला(श्रेणी) मे विभक्त अछि। श्रोत्रिय पंझीकेँ *लौकित* कहल जाइत अछि। कुल 8 टा चौगोल श्रेणी अछि।32 टा पञ्ही अछि। पञ्ही आ' पानि अधोगामी होइत अछि। विवाह संबंधक कारणे समय बीतला पर उच्च श्रेणी समाप्त होइत जाइत अछि। प्रथम श्रेणी ताहि कारणसँ समाप्त भ' गेल अछि।

शेष ब्राह्मण पछ्बारिपार कहबैत छथि। एहि मे 15 गोट श्रेणी अछि।153 टा पञ्ही अछि। एकरा नामसँ जेना महादेव झा पाँजि इत्यादि संबोधित कएल जाइत अछि।

(अनुवर्तते)

13. संस्कृत मिथिला गजेन्द्र ठाकुर



सर्वतंत्र स्वतंत्र श्री धर्मदत्त झा(बच्चा झा) (1860 ई.-1921 ई.)

(भाग-3)

पं. रत्नपाणि झाक पुत्र कें बच्चा झाकेँ अपर गङ्गेश उपाध्याय सेहो कहल जाइत अछि। हिनकर प्रारम्भिक अध्ययन गामे पर भेलन्हि। तकरा बाद ओ' विश्वनाथ झासँ अध्ययनक हेतु 'ठाढ़ी' गाम चलि गेलाह। फेर बबुजन झा आ' ऋद्धि झासँ न्यायदर्शनक विधिवत अध्ययन कएलन्हि। फेर धर्मदत्त झा प्रसिद्ध बच्चा झा काशी गेलाह। ओतय स्वामी विशुद्धानन्द सरस्वतीसँ मीमांसा, वेदान्तक अध्ययन कएलन्हि।

सन् 1886 ई. केर गप छी। एकटा पुष्करिणीक उद्घाटनक उत्सवमे दामोदर शास्त्री जी काशीसँ मिथिलाक राघोपुर ग्राममे निमंत्रित भेल छलाह। ओतय हुनकर शास्त्रार्थ परम्परानुसार बच्चा झाक विद्यागुरु ऋद्धि झासँ भेल छलन्हि। एहिमे ऋद्धि झा परास्त भेल छलाह। गुरुक पराजयक प्रतिशोध लेबाक हेतु सन् 1889 मे बच्चा झा काशी गेलाह। बच्चा झाक उम्र ओहि समयमे 29 वर्ष मात्र छलन्हि। ओ' प्रायः दामोदर शास्त्रीकेँ लक्ष्य करैत छलाह, जे काशीक वैय्याकरणिक पण्डित लोकनिकेँ शब्द-खण्डक कोनो ज्ञान नहि छन्हि।बच्चा झा समस्त काशीक विद्वान् लोकनिकेँ शास्त्रार्थक हेतु ललकारा देलन्हि। दामोदर शास्त्रीसँ भेल शास्त्रार्थक वर्णन पछिला अंकमे कएल जा' चुकल अछि। शास्त्रार्थ तीन दिन धरि चलल। ई शास्त्रार्थ सन्ध्यासँ शुरू होइत छल, आ' मध्य रात्रि धरि चलैत छल।शास्त्रार्थक तेसर दिन दामोदर शास्त्री तर्क कएनाइ बन्न कए देलन्हि, आ' श्रोताक रूपमे बच्चा झाक तर्क सुनैत रहलाह। पं शिवकुमार शास्त्री आ' कैलाशचन्द्र शिरोमणि दू टा निर्णायक छलाह। शिरोमणिजीक दृष्टिमे वादी श्री बच्चा झाक पक्ष न्यायशास्त्रक दृष्टिसँ समुचित छल। शिवकुमारजीक सम्मतिमे प्रतिवादी श्री दामोदरशास्त्रीक पक्ष व्याकरणक मंतव्यानुसार औचित्यसम्पन्न छलन्हि।दुनू पण्डितक शास्त्रार्थ कलाक संस्तुति कएल गेल आ' दुनू गोटेकेँ अपन सिद्धान्तक उत्कृष्ट व्यवस्थापनक लेल विजयी मानल गेल।

बच्चा झा गामेमे रहि कए अध्यापन करैत छलाह। मुदा महाराजाधिराज दरभंगा नरेश श्री रमेश्वरसिंहक अकाट्य आग्रहक कारणसँ मुजफ्फरपुरक धर्म समाज संस्कृत कॉलेजक प्रधानाचार्यक पद स्वीकार कएलन्हि।

मुदा एकर एकहि वर्षमे ओ' शरीर त्याग कए देलन्हि। बच्चा झाजीकेँ समालोचकगण किछु उदण्ड आ' अभिमानी मनबाक गलती करैत रहलाह अछि। मुदा एकटा उदाहरण हमरा लगमे एहन अछि, जाहिसँ ई गलत सिद्ध होइत अछि।

ई घटना एहन सन अछि। मुजफ्फरपुर धर्मसमाज संस्कृत विद्यालयमे बच्चा झा प्रधानाचार्य/अध्यक्ष पद पर छलाह, आ' हुनकर शिष्य पं बालकृष्ण मिश्र ओतय प्रध्यापक छलाह। ओहि समय काशीक पण्डित-पत्रमे गंगाधर शास्त्रीक एकटा श्लोकक विषयमे बच्चा झा कहलन्हि, जे एहि श्लोकमे एकहि पदर्थ वारिधर एक बेर

मृदंग बजबय बला चेतन व्यक्तिक रूपमे आ' दोसर बेर वैह अम्बुद- जवनिकारूपी अचेतन रूपमे वर्णित अछि। एतय पदार्थाशुद्धि अछि।

एहि पर हुनकर शिष्य बालकृष्ण टोकलखिन्ह- गुरुजी! एहिमे कोनो दोष नहि अछि। किएक तँ वारिकेँ धारण करए बला मेघ(वारिधर) केर स्थिति आकाशमे ऊपर होइत अछि, आ' अम्बु(जल) कें देबय बला मेघ (अम्बुद)

केर स्थिति नीचाँ होइत अछि।अतः दुनूमे स्थानक भिन्नता अछि। वारिधर आ' वारिद एहि दुनू शब्दसँ दू भिन्न अर्थ ज्ञात होइत अछि। ताहि हेतु एतय पदार्थक अशुद्धि नहि अछि।

ई श्लोक निम्न प्रकारे छल:-

मृदुमृदङ्गनिनादमनोहरे, ध्वनित वारिधरे चपला नटी।

वियति नृत्यति रङ्ग इवाम्बुदे, जवनिकामनुकुर्वति सम्प्रति॥

14. *<u>मैथिली भाषापाक</u> (1)- गजेन्द्र ठाकुर* विदेहक मैथिली-अंग्रेजी आ अंग्रेजी मैथिली कोष (इंटरनेटपर पहिल बेर सर्च-डिक्शनरी) एम.एस. एस.क्यू.एल. सर्वर आधारित -Based on ms-sql server Maithili-English and English-Maithili Dictionary at http://www.videha.co.in/ **विदेहक भाषापाक-रचनालेखन स्तंभमे।**

<u>मूल्यांकन</u>

<u>अत्युत्तम- 14-15</u>

<u>उत्तम- 12-13</u>

<u>बड़-बढ़िया- 09-11</u>

*1.*अरिया-दुर्भिक्ष: *क.* दाही *ख.* रौदी. *ग.* आरिक एक दिशि अकाल एक दिशि नहि *घ.* एहिमे सँ कोनो नहि।

2. कोलपति: *क.* चोकटल *ख.* फूलल *ग.* मसुआयल. *घ.* बसिया।

3. दकचब: क. यत्र-तत्र काटब ख. तोड़ब ग.फोड़ब घ. घँसब।

4. थकुचब: क. आघात पहुँचायब. ख.फेकब, ग. लोकब. घ. खसब।

5. निहुछल: क. फेकल. ख. राखल. ग. देवताकेँ पूजब. घ. देवताक प्रदानार्थ अलगसँ राखब।

6. ओड़हा: क. बदाम भूजल(घूरमे) ख. सुखायल दाना. ग. तरल दाना. घ. भीजल दाना।

7.खखड़ी: क. दानाविहीन धान ख.दाना सहित धान. ग. उसनल धान घ. भुस्सा।

8. गोजू: क. डंटाकेँ पानिमे भेसू. ख. डंटाकेँ जमीनमे भेसू. ग. डंटाकेँ हवामे भेसू. घ. डंटाकेँ आगिमे भेसू।

9. बर्जब: क. त्यागब. ख. आनब. ग. सहब. घ. हँसब।

10. सिटब: क. फेँकब ख. आनि कए राखब. ग. आनि कए फेंकब. घ. विन्यासयुक्त करब।

11. खुटब: क. लटकायब. ख. सुखायब. ग. खुट्टा गाड़ि नापब. घ.एहिमे सँ कोनो नहि।

12. गैँटब: क. एम्हर-ओम्हर एकत्र करब ख. तराउपड़ी एकत्र करब.ग. एक पंत्तिमे राखब. घ. एहिमे सँ कोनो नहि।

13. डपटब: क. हँसब. ख. कानब. ग. तमसायब घ. दुलार करब।

14. खटब: क. आलस्य करब. ख. फुर्ती करब. ग. अनवरत कार्य करब. घ. एहिमे सँ कोनो नहि।

15. हँटब: क. भागब. ख. दूर जायब. ग. दबाड़ब. घ. हँसायब।

उत्तर

मैथिली भाषापाक (1) केर उत्तर:

1. ग. (खेतक आरिक एक दिशि नीक खेती एक दिशि नहि)।

2. क. चोकटल आम।

3. क. यत्र-तत्र काटब।

4. क. आघात पहुँचायब.

5. घ. देवताक प्रदानार्थ अलगसँ राखब।

6. क. बदाम भूजल(घूरमे)-खेतमे।

7. क. दानाविहीन धान(दुद्धा धान बाढ़िक पानिमे पूराडूबि गेलाक परिणाम)।

8. क. डंटाकेँ पानिमे भेसू।

9. क. त्यागब।

10. घ. विन्यासयुक्त करब।

11. ग. खुट्टा गाड़ि नापब।

12. ख. तराउपड़ी एकत्र करब।

13. ग. तमसायब।

14. ग. अनवरत कार्य करब।

15. ग. दबाड़ब।

मूल्यांकन

अत्युत्तम- 14-15

उत्तम- 12-13

बड़-बढ़िया- 09-11

15. रचना लेखन-गजेन्द्र ठाकुर विदेहक मैथिली-अंग्रेजी आ अंग्रेजी मैथिली कोष (इंटरनेटपर पहिल बेर सर्च-डिक्शनरी) एम.एस. एस.क्यू.एल. सर्वर आधारित -Based on ms-sql server Maithili-English and English-Maithili Dictionary at http://www.videha.co.in/ **विदेहक भाषापाक- रचनालेखन स्तंभमे।**

मात्रिक छन्दक प्रयोग वेदमे नहि अछि, वरन् वर्णवृत्तक प्रयोग अछि। मुख्य छन्द गायत्री, एकर प्रयोग सभसँ बेशी अछि। तकर बाद त्रिष्टुप आ' जगतीक प्रयोग अछि।

1. गायत्री- 8-8 केर तीन पाद।

2. त्रिष्टुप- 11-11 केर 4 पाद।

3. जगती- 12-12 केर 4 पाद।

4. उष्णिक- 8-8 केर दू तकर बाद 12 वर्ण-संख्याक पाद।

5. अनुष्टुप- 8-8 केर चारि पाद। एकर प्रयोग वेदक अपेक्षा संस्कृत साहित्यमे बेशी अछि।

6. बृहती- 8-8 केर दू आ' तकरा बाद 12 आ' 8 मात्राक दू पाद।

7. पंक्ति- 8-8 केर पाँच। प्रथम दू पदक बाद विराम अबैछ।

यदि अक्षर पूरा नहि होइत अछि, तँ एक वा दू अक्षर निम्न प्रकारेँ घटा-बढ़ा लेल जाइत अछि।

(अ) वरेण्यम् केँ वरेणियम् स्वः केँ सुवः।

(आ) गुण वृद्धिकेँ अलग कए लेल जाइत अछि।

'ए' केँ 'अ', 'इ'।

'ओ' केँ 'अ', 'उ'।

'ऐ' केँ 'अ', 'आ'।

'ए' 'औ' कँ 'अ', वा 'आ' आ' 'ओ'।

एहू प्रकारेँ नहि भेलासँ अन्य विराडादि नामसँ एकर नामकरण होइत अछि।

यथा- गायत्री(24), विराट् (22), निचृत्(23), शुद्धा(24),मुरिक् (25), स्वराट्(26) आदि।

वैदिक ऋषि स्वयंकेँ आ' देवताकेँ सेहो कवि कहैत छथि। स्म्पूर्ण वैदिक साहित्य एहि कवि चेतनाक वाङ्मय मूर्त्ति अछि। ओतय आध्यात्म चेतना, अधिदैवत्मे उत्तीर्ण भेल अछि, एवम् ओकरा आधिभूतिक भाषामे रूप देल गेल अछि।

(अनुवर्तते)

इंग्लिश-मैथिली-कोष / मैथिली-इंग्लिश-कोष प्रोजेक्टकेँ आगू बढ़ाऊ, अपन सुझाव आ योगदान ई-मेल द्वारा ggajendra@videha.com पर पठाऊ।

विदेहक मैथिली-अंग्रेजी आ अंग्रेजी मैथिली कोष (इंटरनेटपर पहिल बेर सर्च-डिक्शनरी) एम.एस. एस.क्यू.एल. सर्वर आधारित - Based on ms-sql server Maithili-English and English-Maithili Dictionary.

१.भारत आ नेपालक मैथिली भाषा-वैज्ञानिक लोकनि द्वारा बनाओल मानक शैली आ २.मैथिलीमे भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

१.नेपाल आ भारतक मैथिली भाषा-वैज्ञानिक लोकनि द्वारा बनाओल मानक शैली

अ.नेपालक मैथिली भाषा वैज्ञानिक लोकनि द्वारा बनाओल मानक उच्चारण आ लेखन शैली

(भाषाशास्त्री डा. रामावतार यादवक धारणाकेँ पूर्ण रूपसँ सङ्ग लऽ निर्धारित)

मैथिलीमे उच्चारण तथा लेखन

१.*पञ्चमाक्षर आ अनुस्वार*: पञ्चमाक्षरान्तर्गत ङ, ञ, ण, न एवं म अबैत अछि। संस्कृत भाषाक अनुसार शब्दक अन्तमे जाहि वर्गक अक्षर रहैत अछि ओही वर्गक पञ्चमाक्षर अबैत अछि। जेना-

अङ्क (क वर्गक रहबाक कारणे अन्तमे ङ् आएल अछि।)

पञ्च (च वर्गक रहबाक कारणे अन्तमे ञ् आएल अछि।)

खण्ड (ट वर्गक रहबाक कारणे अन्तमे ण् आएल अछि।)

सन्धि (त वर्गक रहबाक कारणे अन्तमे न् आएल अछि।)

खम्भ (प वर्गक रहबाक कारणे अन्तमे म् आएल अछि।)

उपर्युक्त बात मैथिलीमे कम देखल जाइत अछि। पञ्चमाक्षरक बदलामे अधिकांश जगहपर अनुस्वारक प्रयोग देखल जाइछ। जेना- अंक, पंच, खंड, संधि, खंभ आदि। व्याकरणविद पण्डित गोविन्द झाक कहब छनि जे कवर्ग, चवर्ग आ टवर्गसँ पूर्व अनुस्वार लिखल जाए तथा तवर्ग आ पवर्गसँ पूर्व पञ्चमाक्षरे लिखल जाए। जेना- अंक, चंचल, अंडा, अन्त तथा कम्पन। मुदा हिन्दीक निकट रहल आधुनिक लेखक एहि बातकेँ नहि मानैत छथि। ओ लोकनि अन्त आ कम्पनक जगहपर सेहो अंत आ कंपन लिखैत देखल जाइत छथि।

नवीन पद्धति किछु सुविधाजनक अवश्य छैक। किएक तँ एहिमे समय आ स्थानक बचत होइत छैक। मुदा कतोक बेर हस्तलेखन वा मुद्रणमे अनुस्वारक छोट सन बिन्दु स्पष्ट नहि भेलासँ अर्थक अनर्थ होइत सेहो देखल जाइत अछि। अनुस्वारक प्रयोगमे उच्चारण-दोषक सम्भावना सेहो ततबए देखल जाइत अछि। एतदर्थ कसँ लऽ कऽ पवर्ग धरि पञ्चमाक्षरेक प्रयोग करब उचित अछि। यसँ लऽ कऽ ज्ञ धरिक अक्षरक सङ्ग अनुस्वारक प्रयोग करबामे कतहु कोनो विवाद नहि देखल जाइछ।

२.*ढ आ ढ़* : ढ़क उच्चारण “र् ह”जकाँ होइत अछि। अतः जतऽ “र् ह”क उच्चारण हो ओतऽ मात्र ढ़ लिखल जाए। आन ठाम खाली ढ लिखल जएबाक चाही। जेना-

ढ = ढाकी, ढेकी, ढीठ, ढेउआ, ढङ्ग, ढेरी, ढाकनि, ढाठ आदि।

ढ़ = पढ़ाइ, बढ़ब, गढ़ब, मढ़ब, बुढ़बा, साँढ़, गाढ़, रीढ़, चाँढ़, सीढ़ी, पीढ़ी आदि।

उपर्युक्त शब्द सभकेँ देखलासँ ई स्पष्ट होइत अछि जे साधारणतया शब्दक शुरूमे ढ आ मध्य तथा अन्तमे ढ़ अबैत अछि। इएह नियम ड आ ड़क सन्दर्भ सेहो लागू होइत अछि।

३.*व आ ब* : मैथिलीमे ''व''क उच्चारण ब कएल जाइत अछि, मुदा ओकरा ब रूपमे नहि लिखल जएबाक चाही। जेना- उच्चारण : बैद्यनाथ, बिद्या, नब, देबता, बिष्णु, बंश, बन्दना आदि। एहि सभक स्थानपर क्रमशः वैद्यनाथ, विद्या, नव, देवता, विष्णु, वंश, वन्दना लिखबाक चाही। सामान्यतया व उच्चारणक लेल ओ प्रयोग कएल जाइत अछि। जेना- ओकील, ओजह आदि।

४.*य आ ज* : कतहु-कतहु ''य''क उच्चारण ''ज''जकाँ करैत देखल जाइत अछि, मुदा ओकरा ज नहि लिखबाक चाही। उच्चारणमे यज्ञ, जदि, जमुना, जुग, जाबत, जोगी, जदु, जम आदि कहल जाएबला शब्द सभकेँ क्रमशः यज्ञ, यदि, यमुना, युग, यावत, योगी, यदु, यम लिखबाक चाही।

५.*ए आ य* : मैथिलीक वर्तनीमे ए आ य दुनू लिखल जाइत अछि।

प्राचीन वर्तनी- कएल, जाए, होएत, माए, भाए, गाए आदि।

नवीन वर्तनी- कयल, जाय, होयत, माय, भाय, गाय आदि।

सामान्यतया शब्दक शुरूमे ए मात्र अबैत अछि। जेना एहि, एना, एकर, एहन आदि। एहि शब्द सभक स्थानपर यहि, यना, यकर, यहन आदिक प्रयोग नहि करबाक चाही। यद्यपि मैथिलीभाषी थारू सहित किछु जातिमे शब्दक आरम्भोमे ''ए''केँ य कहि उच्चारण कएल जाइत अछि।

ए आ ''य''क प्रयोगक सन्दर्भमे प्राचीने पद्धतिक अनुसरण करब उपयुक्त मानि एहि पुस्तकमे ओकरे प्रयोग कएल गेल अछि। किएक तँ दुनूक लेखनमे कोनो सहजता आ दुरूहताक बात नहि अछि। आ मैथिलीक सर्वसाधारणक उच्चारण-शैली यक अपेक्षा एसँ बेसी निकट छैक। खास कऽ कएल, हएब आदि कतिपय शब्दकेँ कैल, हैब आदि रूपमे कतहु-कतहु लिखल जाएब सेहो ''ए''क प्रयोगकेँ बेसी समीचीन प्रमाणित करैत अछि।

६.*हि, हु तथा एकार, ओकार* : मैथिलीक प्राचीन लेखन-परम्परामे कोनो बातपर बल दैत काल शब्दक पाछाँ हि, हु लगाओल जाइत छैक। जेना- हुनकहि, अपनहु, ओकरहु, तत्कालहि, चोट्टहि, आनहु आदि। मुदा आधुनिक लेखनमे हिक स्थानपर एकार एवं हुक स्थानपर ओकारक प्रयोग करैत देखल जाइत अछि। जेना- हुनके, अपनो, तत्काले, चोट्टे, आनो आदि।

७.*ष तथा ख* : मैथिली भाषामे अधिकांशतः षक उच्चारण ख होइत अछि। जेना- षड़यन्त्र (खड़यन्त्र), षोडशी (खोड़शी), षट्कोण (खटकोण), वृषेश (वृखेश), सन्तोष (सन्तोख) आदि।

८.*ध्वनि-लोप* : निम्नलिखित अवस्थामे शब्दसँ ध्वनि-लोप भऽ जाइत अछि:

(क) क्रियान्वयी प्रत्यय अयमे य वा ए लुप्त भऽ जाइत अछि। ओहिमे सँ पहिने अक उच्चारण दीर्घ भऽ जाइत अछि। ओकर आगाँ लोप-सूचक चिह्न वा विकारी (' / ऽ) लगाओल जाइछ। जेना-

पूर्ण रूप : पढ़ए (पढ़य) गेलाह, कए (कय) लेल, उठए (उठय) पड़तौक।

अपूर्ण रूप : पढ़' गेलाह, क' लेल, उठ' पड़तौक।

पढ़ऽ गेलाह, कऽ लेल, उठऽ पड़तौक।

(ख) पूर्वकालिक कृत आय (आए) प्रत्ययमे य (ए) लुप्त भऽ जाइछ, मुदा लोप-सूचक विकारी नहि लगाओल जाइछ। जेना-

पूर्ण रूप : खाए (य) गेल, पठाय (ए) देब, नहाए (य) अएलाह।

अपूर्ण रूप : खा गेल, पठा देब, नहा अएलाह।

(ग) स्त्री प्रत्यय इक उच्चारण क्रियापद, संज्ञा, ओ विशेषण तीनूमे लुप्त भऽ जाइत अछि। जेना-

पूर्ण रूप : दोसरि मालिनि चलि गेलि।

अपूर्ण रूप : दोसर मालिन चलि गेल।

(घ) वर्तमान कृदन्तक अन्तिम त लुप्त भऽ जाइत अछि। जेना-

पूर्ण रूप : पढ़ैत अछि, बजैत अछि, गबैत अछि।

अपूर्ण रूप : पढ़ै अछि, बजै अछि, गबै अछि।

(ङ) क्रियापदक अवसान इक, उक, ऐक तथा हीकमे लुप्त भऽ जाइत अछि। जेना-

पूर्ण रूप: छियौक, छियैक, छहीक, छौक, छैक, अबितैक, होइक।

अपूर्ण रूप : छियौ, छियै, छही, छौ, छै, अबितै, होइ।

(च) क्रियापदीय प्रत्यय न्ह, हु तथा हकारक लोप भऽ जाइछ। जेना-

पूर्ण रूप : छन्हि, कहलन्हि, कहलहुँ, गेलह, नहि।

अपूर्ण रूप : छनि, कहलनि, कहलौँ, गेलऽ, नइ, नञि, नै।

९.*ध्वनि स्थानान्तरण* : कोनो-कोनो स्वर-ध्वनि अपना जगहसँ हटि कऽ दोसर ठाम चलि जाइत अछि। खास कऽ ह्रस्व इ आ उक सम्बन्धमे ई बात लागू होइत अछि। मैथिलीकरण भऽ गेल शब्दक मध्य वा अन्तमे जँ ह्रस्व इ वा उ आबए तँ ओकर ध्वनि स्थानान्तरित भऽ एक अक्षर आगाँ आबि जाइत अछि। जेना- शनि (शइन), पानि (पाइन), दालि (दाइल), माटि (माइट), काछु (काउछ), मासु (माउस) आदि। मुदा तत्सम शब्द सभमे ई निअम लागू नहि होइत अछि। जेना- रश्मिकेँ रइश्म आ सुधांशुकेँ सुधाउंस नहि कहल जा सकैत अछि।

१०.*हलन्त()क प्रयोग* : मैथिली भाषामे सामान्यतया हलन्त ()क आवश्यकता नहि होइत अछि। कारण जे शब्दक अन्तमे अ उच्चारण नहि होइत अछि। मुदा संस्कृत भाषासँ जहिनाक तहिना मैथिलीमे आएल (तत्सम) शब्द सभमे हलन्त प्रयोग कएल जाइत अछि। एहि पोथीमे सामान्यतया सम्पूर्ण शब्दकेँ मैथिली भाषा सम्बन्धी निअम अनुसार हलन्तविहीन राखल गेल अछि। मुदा व्याकरण सम्बन्धी प्रयोजनक लेल अत्यावश्यक स्थानपर कतहु-कतहु हलन्त देल गेल अछि। प्रस्तुत पोथीमे मथिली लेखनक प्राचीन आ नवीन दुनू शैलीक सरल आ समीचीन पक्ष सभकेँ समेटि कऽ वर्ण-विन्यास कएल गेल अछि। स्थान आ समयमे बचतक सङ्गहि हस्त-लेखन तथा तकनीकी दृष्टिसँ सेहो सरल होबऽबला हिसाबसँ वर्ण-विन्यास मिलाओल गेल अछि। वर्तमान समयमे मैथिली मातृभाषी पर्यन्तकेँ आन भाषाक माध्यमसँ मैथिलीक ज्ञान लेबऽ पड़ि रहल परिप्रेक्ष्यमे लेखनमे सहजता तथा एकरूपतापर ध्यान देल गेल अछि। तखन मैथिली भाषाक मूल विशेषता सभ कुण्ठित नहि होइक, ताहू दिस लेखक-मण्डल सचेत अछि। प्रसिद्ध भाषाशास्त्री डा. रामावतार यादवक कहब छनि जे सरलताक अनुसन्धानमे एहन अवस्था किन्नहु ने आबऽ देबाक चाही जे भाषाक विशेषता छाँहमे पडि जाए।

-(भाषाशास्त्री डा. रामावतार यादवक धारणाकेँ पूर्ण रूपसँ सङ्ग लऽ निर्धारित)

आ. मैथिली अकादमी, पटना द्वारा निर्धारित मैथिली लेखन-शैली

१. जे शब्द मैथिली-साहित्यक प्राचीन कालसँ आइ धरि जाहि वर्त्तनीमे प्रचलित अछि, से सामान्यतः ताहि वर्त्तनीमे लिखल जाय- उदाहरणार्थ-

ग्राह्य

एखन
ठाम
जकर, तकर
तनिकर
अछि

अग्राह्य
अखन, अखनि, एखेन, अखनी
ठिमा, ठिना, ठमा
जेकर, तेकर
तिनकर। (वैकल्पिक रूपेँ ग्राह्य)
ऐछ, अहि, ए।

२. निम्नलिखित तीन प्रकारक रूप वैकल्पिकतया अपनाओल जाय: भऽ गेल, भय गेल वा भए गेल। जा रहल अछि, जाय रहल अछि, जाए रहल अछि। कर' गेलाह, वा करय गेलाह वा करए गेलाह।

३. प्राचीन मैथिलीक 'न्ह' ध्वनिक स्थानमे 'न' लिखल जाय सकैत अछि यथा कहलनि वा कहलन्हि।

४. 'ऐ' तथा 'औ' ततय लिखल जाय जत' स्पष्टतः 'अइ' तथा 'अउ' सदृश उच्चारण इष्ट हो। यथा- देखैत, छलैक, बौआ, छौक इत्यादि।

५. मैथिलीक निम्नलिखित शब्द एहि रूपे प्रयुक्त होयत: जैह, सैह, इएह, ओऐह, लैह तथा दैह।

६. ह्रस्व इकारांत शब्दमे 'इ' के लुप्त करब सामान्यतः अग्राह्य थिक। यथा- ग्राह्य देखि आबह, मालिनि गेलि (मनुष्य मात्रमे)।

७. स्वतंत्र ह्रस्व 'ए' वा 'य' प्राचीन मैथिलीक उद्धरण आदिमे तँ यथावत राखल जाय, किंतु आधुनिक प्रयोगमे

वैकल्पिक रूपेँ 'ए' वा 'य' लिखल जाय। यथा:- कयल वा कएल, अयलाह वा अएलाह, जाय वा जाए इत्यादि।

८. उच्चारणमे दू स्वरक बीच जे 'य' ध्वनि स्वतः आबि जाइत अछि तकरा लेखमे स्थान वैकल्पिक रूपेँ देल जाय। यथा- धीआ, अढ़ैआ, विआह, वा धीया, अढ़ैया, बियाह।

९. सानुनासिक स्वतंत्र स्वरक स्थान यथासंभव 'ञ' लिखल जाय वा सानुनासिक स्वर। यथा:- मैञा, कनिञा, किरतनिञा वा मैआँ, कनिआँ, किरतनिआँ।

१०. कारकक विभक्तिक निम्नलिखित रूप ग्राह्य:- हाथकेँ, हाथसँ, हाथेँ, हाथक, हाथमे। 'मे' मे अनुस्वार सर्वथा त्याज्य थिक। 'क' क वैकल्पिक रूप 'केर' राखल जा सकैत अछि।

११. पूर्वकालिक क्रियापदक बाद 'कय' वा 'कए' अव्यय वैकल्पिक रूपेँ लगाओल जा सकैत अछि। यथा:- देखि कय वा देखि कए।

१२. माँग, भाँग आदिक स्थानमे माङ, भाङ इत्यादि लिखल जाय।

१३. अर्द्ध 'न' ओ अर्द्ध 'म' क बदला अनुसार नहि लिखल जाय, किंतु छापाक सुविधार्थ अर्द्ध 'ङ' , 'ञ', तथा 'ण' क बदला अनुस्वारो लिखल जा सकैत अछि। यथा:- अङ्क, वा अंक, अञ्चल वा अंचल, कण्ठ वा कंठ।

१४. हलंत चिह्न निअमतः लगाओल जाय, किंतु विभक्तिक संग अकारांत प्रयोग कएल जाय। यथा:- श्रीमान्, किंतु श्रीमानक।

१५. सभ एकल कारक चिह्न शब्दमे सटा क' लिखल जाय, हटा क' नहि, संयुक्त विभक्तिक हेतु फराक लिखल जाय, यथा घर परक।

१६. अनुनासिककेँ चन्द्रबिन्दु द्वारा व्यक्त कयल जाय। परंतु मुद्रणक सुविधार्थ हि समान जटिल मात्रापर अनुस्वारक प्रयोग चन्द्रबिन्दुक बदला कयल जा सकैत अछि। यथा- हिँ केर बदला हिं।

१७. पूर्ण विराम पासीसँ (।) सूचित कयल जाय।

१८. समस्त पद सटा क' लिखल जाय, वा हाइफेनसँ जोड़ि क' , हटा क' नहि।

१९. लिअ तथा दिअ शब्दमे बिकारी (ऽ) नहि लगाओल जाय।

२०. अंक देवनागरी रूपमे राखल जाय।

२१.किछु ध्वनिक लेल नवीन चिन्ह बनबाओल जाय। जा' ई नहि बनल अछि ताबत एहि दुनू ध्वनिक बदला पूर्ववत् अय/ आय/ अए/ आए/ आओ/ अओ लिखल जाय। आकि ऎ वा ऒ सँ व्यक्त कएल जाय।

ह./- गोविन्द झा ११/८/७६ श्रीकान्त ठाकुर ११/८/७६ सुरेन्द्र झा "सुमन" ११/०८/७६

२.मैथिलीमे भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

नीचाँक सूचीमे देल विकल्पमेसँ लैंगुएज एडीटर द्वारा कोन रूप चुनल जएबाक चाही:

वर्ड फाइलमे बोल्ड कएल रूप:

*१.होयबला/ होबयबला/ होमयबला/ हेब'बला, हेम'बला/ होयबाक/**होबएबला /होएबाक***
*२. आ'/आऽ **आ***
*३. क' लेने/**कऽ लेने/कए लेने**/कय लेने/ल'/**लऽ**/लय/**लए***
*४. भ' गेल/भऽ **गेल**/भय गेल/**भए गेल***
*५. कर' गेलाह/करऽ **गेलह/करए गेलाह**/करय गेलाह*
*६. **लिअ/दिअ** लिय',दिय',लिअ',दिय'/*
*७. कर' बला/**करऽ बला**/ करय बला करै बला/क'र' बला / **करए बला***
*८. **बला** वला*
*९. **आङ्ल** आंग्ल*
*१०. **प्रायः** प्रायह*
*११. **दुःख** दुख*
*१२. चलि गेल **चल गेल**/चैल गेल*
*१३. **देलखिन्ह** देलकिन्ह, देलखिन*
*१४. **देखलन्हि** देखलनि/ देखलैन्ह*
*१५. **छथिन्ह/ छलन्हि** छथिन/ छलैन/ छलनि*
*१६. **चलैत/दैत** चलति/दैति*
*१७. **एखनो** अखनो*
*१८. **बढ़न्हि** बढन्हि*
*१९. ओ'/ओऽ(सर्वनाम) **ओ***
*२०. **ओ** (संयोजक) ओ'/ओऽ*
*२१. **फाँगि**/फाङ्गि फाइंग/फाइङ*
*२२. **जे** जे'/जेऽ*

२३. **ना-नुकुर** ना-नुकर

२४. केलन्हि/**कएलन्हि**/कयलन्हि

२५. तखन तँ/ **तखन तँ**

२६. जा' रहल/जाय रहल/**जाए रहल**

२७. निकलय/**निकलए लागल** बहराय/ **बहराए लागल** निकल'/बहरै लागल

२८. ओतय/जतय जत'/ओत'/ **जतए/ ओतए**

२९. **की फूरल जे** कि फूरल जे

३०. **जे** जे'/जेऽ

३१. **कूदि**/यादि(मोन पारब) कूइद/याइद/कूद/याद/ **यादि (मोन)**

३२. **इहो/ ओहो**

३३. **हँसए**/ हँसय **हँसऽ**

३४. **नौ आकि दस**/नौ किंवा दस/ नौ वा दस

३५. **सासु-ससुर** सास-ससुर

३६. **छह/ सात** छ/छः/सात

३७. **की** की'/कीऽ (दीर्घीकारान्तमे ऽ वर्जित)

३८. **जबाब** जवाब

३९. **करएताह**/ करयताह करेताह

४०. दलान दिशि दलान दिश/**दलान दिस**

४१. **गेलाह** गएलाह/गयलाह

४२. **किछु आर**/ किछु और

४३. **जाइत छल** जाति छल/जैत छल

४४. **पहुँचि/ भेटि जाइत छल** पहुँच/भेट जाइत छल

४५. **जबान** (युवा)/ **जवान**(फौजी)

४६. लय/**लए क'/कऽ/लए कए/ लऽ कऽ/ लऽ कए**

४७. ल'/**लऽ** कय/ **कए**

४८. **एखन**/अखने अखन/**एखने**

४९. **अहींकेँ** अहींकेँ

५०. **गहींर** गहींर

५१. **धार पार केनाइ** धार पार केनाय/केनाए

५२. जेकाँ जेँकाँ/ **जकाँ**

५३. **तहिना** तेहिना

५४. **एकर** अकर

५५. बहिनउ **बहनोइ**

५६. **बहिन** बहिनि

५७. **बहिन-बहिनोइ** बहिन-बहनउ

५८. **नहि/ नै**

५९. **करबा** / करबाय/ **करबाए**

६०. **तँ**/ त ऽ तय/**तए**

६१. भाय भै/**भाए**

६२. **भाँय**

६३. यावत **जावत**
६४. माय मै / **माए**
६५. **देन्हि**/दएन्हि/ दयन्हि **दन्हि**/ दैन्हि
६६. द'/ **दऽ**/ **दए**
६७. **ओ** (संयोजक) ओऽ (सर्वनाम)
६८. **तका** कए तकाय **तकाए**
६९. पैरे (on foot) **पएरे**
७०. **ताहुमे ताहूमे**

७१. **पुत्रीक**
७२. **बजा** कय/ **कए**
७३. बननाय/**बननाइ**
७४. **कोला**
७५. **दिनुका** दिनका
७६. **ततहिसँ**
७७. **गरबओलन्हि गरबेलन्हि**
७८. **बालु** बालू
७९. **चेन्ह** चिन्ह(अशुद्ध)
८०. **जे** जे'
८१. **से/ के** से'/के'
८२. **एखुनका** अखनुका
८३. भुमिहार **भूमिहार**
८४. सुगर **सूगर**
८५. झठहाक **झटहाक**
८६. **छूबि**
८७. करइयो/ओ करैयो/**करिऔ-करइयौ**
८८. **पुबारि** पुबाइ
८९. झगड़ा-झाँटी **झगड़ा-झाँटि**
९०. **पएरे-पएरे** पैरे-पैरे
९१. **खेलएबाक**
९२. **खेलेबाक**
९३. **लगा**
९४. **होए- हो**
९५. **बुझल** बूझल
९६. **बूझल** (संबोधन अर्थमे)
९७. **यैह** यएह / **इएह**
९८. **तातिल**
९९. अयनाय- अयनाइ/ **अएनाइ**
१००. **निन्न**- निन्द
१०१. **बिनु** बिन

१०२. **जाए** जाइ
१०३. **जाइ** (in different sense)-last word of sentence
१०४. **छत पर आबि जाइ**
१०५. **ने**
१०६. **खेलाए** (play) **खेलाइ**
१०७. **शिकाइत**- शिकायत
१०८. **ढप**- ढ़प
१०९. **पढ़- पढ**
११०. कनिए/ **कनिये** कनिञे
१११. **राकस**- राकश
११२. **होए**/ होय **होइ**
११३. अउरदा- **औरदा**
११४. **बुझेलन्हि** (different meaning- got understand)
११५. **बुझएलन्हि**/ बुझयलन्हि (understood himself)
११६. चलि- **चल**
११७. **खधाइ**- खधाय
११८. **मोन पाड़लखिन्ह** मोन पारलखिन्ह
११९. **कैक**- कएक- **कइएक**
१२०. **लग** ल'ग
१२१. **जरेनाइ**
१२२. **जरओनाइ- जरएनाइ**/जरयनाइ
१२३. **होइत**
१२४. **गरबेलन्हि/ गरबओलन्हि**
१२५. **चिखैत**- (to test)चिखइत
१२६. **करइयो** (willing to do) करैयो
१२७. जेकरा- **जकरा**
१२८. **तकरा**- तेकरा
१२९. **बिदेसर स्थानेमे/ बिदेसरे स्थानमे**
१३०. करबयलहुँ/ **करबएलहुँ**/ करबेलहुँ
१३१. **हारिक** (उच्चारण हाइरक)
१३२. **ओजन** वजन
१३३. **आधे भाग/ आध-भागे**
१३४. **पिचा** / पिचाय/**पिचाए**
१३५. नञ/ **ने**
१३६. **बच्चा** नञ **(ने) पिचा जाय**
१३७. **तखन ने** (नञ) **कहैत अछि।**
१३८. **कतेक गोटे**/ कताक गोटे
१३९. **कमाइ- धमाइ** कमाई- धमाई
१४०. **लग** ल'ग
१४१. **खेलाइ** (for playing)

१४२. **छथिन्ह** छथिन
१४३. **होइत** होइ
१४४. क्यो कियो / **केओ**
१४५. **केश** (hair)
१४६. **केस** (court-case)
१४७. **बननाइ**/ बननाय/ बननाए
१४८. **जरेनाइ**
१४९. **कुरसी** कुर्सी
१५०. **चरचा** चर्चा
१५१. **कर्म** करम
१५२. **डुबाबए**/ डुमाबय/ डुमाबए
१५३. **एखुनका**/ अखुनका
१५४. **लय** (वाक्यक अतिम शब्द)- **लऽ**
१५५. **कएलक** केलक
१५६. **गरमी** गर्मी
१५७. **बरदी** वर्दी
१५८. **सुना गेलाह** सुना'/सुनाऽ
१५९. **एनाइ-गेनाइ**
१६०. **तेना ने घेरलन्हि**
१६१. नञि
१६२. **डरो** ड'रो
१६३. **कतहु**- कहीं
१६४. **उमरिगर**- उमरगर
१६५. **भरिगर**
१६६. धोल/**धोअल** धोएल
१६७. गप/**गप्प**
१६८. **के** के'
१६९. **दरबज्जा**/ दरबजा
१७०. **ठाम**
१७१. **धरि** तक
१७२. **घूरि** लौटि
१७३. **थोरबेक**
१७४. **बड्ड**
१७५. **तोँ**/ **तूँ**
१७६. **तोँहि**(पद्यमे ग्राह्य)
१७७. **तोँही** / **तोँहि**
१७८. **करबाइए** करबाइये
१७९. **एकेटा**
१८०. **करितथि** करतथि

१८१. **पहुँचि** पहुँच

१८२. राखलन्हि **रखलन्हि**
१८३. **लगलन्हि** लागलन्हि
१८४. **सुनि** (उच्चारण सुइन)
१८५. **अछि** (उच्चारण अइछ)
१८६. **एलथि गेलथि**
१८७. **बितओने** बितेने
१८८. **करबओलन्हि/ करेलखिन्ह**
१८९. **करएलन्हि**
१९०. **आकि** कि
१९१. **पहुँचि** पहुँच
१९२. जराय/ **जराए जरा** (आगि लगा)
१९३. **से** से'
१९४. **हाँ मे हाँ** (हाँमे हाँ विभक्तिमे हटा कए)
१९५. **फेल** फैल
१९६. **फइल**(spacious) फैल
१९७. होयतन्हि/ **होएतन्हि** हेतन्हि
१९८. हाथ मटिआयब/ हाथ मटियाबय/**हाथ मटिआएब**
१९९. **फेका** फेंका
२००. **देखाए देखा**
२०१. **देखाबए**
२०२. **सत्तरि** सत्तर
२०३. **साहेब** साहब
२०४.गेलैन्ह/ **गेलन्हि**
२०५.हेबाक/ **होएबाक**
२०६.केलो/ **कएलहुँ**
२०७. किछु न किछु/ **किछु ने किछु**
२०८.घुमेलहुँ/ **घुमओलहुँ**
२०९. एलाक/ **अएलाक**
२१०. **अः**/ अह
२११.लय/ **लए** (अर्थ-परिवर्त्तन)
२१२.कनीक/ **कनेक**
२१३.सबहक/ **सभक**
२१४.मिलाऽ/ **मिला**
२१५.**कऽ**/ क
२१६.जाऽ/ **जा**
२१७.आऽ/ **आ**
२१८.**भऽ**/भ' (' फॉन्टक कमीक द्योतक)

२१९.**निअम**/ नियम
२२०.**हेक्टेअर**/ हेक्टेयर
२२१.**पहिल अक्षर ढ/ बादक/बीचक ढ़**

२२२.तहिं/**तहिँ**/ तञि/ तैं

२२३.कहिं/ **कहीं**

२२४.तँइ/ **तइँ**

२२५.नँइ/ नइँ/ नञि/ **नहि**

२२६.है/ **हए**

२२७.छञि/ **छै**/ **छैक**/छइ

२२८.**दृष्टिएँ**/ दृष्टियेँ

२२९.**आ** (come)/ आऽ(conjunction)

२३०. **आ** (conjunction)/ आऽ(come)

२३१.कुनो/ **कोनो**

२३२.गेलैन्ह-**गेलन्हि**

२३३.हेबाक- **होएबाक**

२३४.केलौँ- कएलौँ- **कएलहुँ**

२३५.किछु न किछ- **किछु ने किछु**

२३६.केहेन- **केहन**

२३७.आऽ (come)-**आ** (conjunction-and)/**आ**

२३८. **हएत**-हैत

२३९.घुमेलहुँ-**घुमएलहुँ**

२४०.एलाक- **अएलाक**

२४१.होनि- होइन/**होन्हि**

२४२.**ओ**-राम ओ श्यामक बीच(conjunction), ओऽ कहलक (he said)/**ओ**

२४३.**की हए**/ **कोसी अएली हए**/ की है। की हइ

२४४.**दृष्टिएँ**/ दृष्टियेँ

२४५.**शामिल**/ सामेल

२४६.तैँ / **तँए**/ तञि/ तहिं

२४७.**जौँ**/ ज्योँ

२४८.**सभ**/ सब

२४९.सभक/ **सबहक**

२५०.कहिं/ **कहीं**

२५१.कुनो/ **कोनो**

२५२.**फारकती भऽ गेल**/ **भए गेल**/ भय गेल

२५३.कुनो/ **कोनो**

२५४.**अः**/ अह

२५५.**जनै**/ जनञ

२५६.**गेलन्हि/ गेलाह** (अर्थ परिवर्तन)

२५७.केलन्हि/ **कएलन्हि**

२५८.लय/ **लए** (अर्थ परिवर्तन)

२५९.कनीक/ **कनेक**

२६०.**पठेलन्हि/ पठओलन्हि**

२६१.**निअम**/ नियम

२६२.**हेक्टेअर**/ हेक्टेयर

२६३.पहिल अक्षर रहने ढ/ बीचमे रहने ढ़

२६४.आकारान्तमे बिकारीक प्रयोग उचित नहि/ अपोस्ट्रोफीक प्रयोग फान्टक तकनीकी न्यूनताक परिचायक ओकर बदला अवग्रह (बिकारी) क प्रयोग उचित

२६५.केर/-**क**/ कऽ/ के

२६६.छैन्हि- **छन्हि**

२६७.**लगैए**/ लगैये

२६८.**होएत**/ **हएत**

२६९.जाएत/ जएत

२७०.आएत/ अएत/ आओत

२७१.खाएत/ खएत/ खैत

२७२.पिअएबाक/ पिएबाक

२७३.शुरु/ शुरुह

२७४.शुरुहे/ शुरुए

२७५.अएताह/अओताह/ एताह

२७६.जाहि/ जाइ/ जै

२७७.जाइत/ जैतए/ जइतए

२७८.आएल/ अएल

२७९.कैक/ कएक

२८०.आयल/ अएल/ आएल

२८१. जाए/ जै/ जए

२८२. नुकएल/ नुकाएल

२८३. कतुआएल/ कतुअएल

२८४. ताहि/ तै

२८५. गायब/ गाएब/ गएब

२८६. सकै/ सकए/ सकय

२८७.सेरा/सरा/ सराए (भात सेरा गेल)

२८८.कहैत रही/देखैत रही/ कहैत छलहुँ/ कहै छलहुँ- एहिना चलैत/ पढ़ैत (पढ़ै-पढ़ैत अर्थ कखनो काल परिवर्तित)-आर बुझै/ बुझैत (बुझै/ बुझैत छी, मुदा बुझैत-बुझैत)/ सकैत/ सकै। करैत/ करै। दै/ दैत। छैक/ छै। बचलै/ बचलैक। रखबा/ रखबाक । बिनु/ बिन। रातिक/ रातुक

२८९. दुआरे/ द्वारे

२९०.भेटि/ **भेट**

२९१. **खन/ खुना** (भोर खन/ भोर खुना)

२९२.तक/ **धरि**

२९३.**गऽ/गै** (meaning different-जनबै गऽ)

२९४.सऽ/ **सँ** (मुदा दऽ, लऽ)

२९५.त्त्व,(तीन अक्षरक मेल बदला पुनरुक्तिक एक आ एकटा दोसरक उपयोग) आदिक बदला त्व आदि। महत्त्व/ **महत्व/ कर्ता/** कर्त्ता आदिमे त्त संयुक्तक कोनो आवश्यकता मैथिलीमे नहि अछि। **वक्तव्य**

२९६.**बेसी**/ बेशी

२९७.बाला/वाला **बला**/ वला (रहैबला)

२९८.**वाली**/ (बदलएवाली)

२९९.वार्त्ता/ **वार्ता**

३००. **अन्तर्राष्ट्रिय**/ अन्तर्राष्ट्रीय

३०१. **लेमए/ लेबए**

३०२.**लमछुरका, नमछुरका**

३०२.**लागै/ लगै** (भेटैत/ भेटै)

३०३.**लागल/ लगल**

३०४.हबा/ **हवा**

३०५.**राखलक/ रखलक**

३०६.**आ** (come)/ **आ** (and)

३०७. **पश्चाताप**/ पश्चात्ताप

३०८. ऽ केर व्यवहार शब्दक अन्तमे मात्र, यथासंभव बीचमे नहि।

३०९.**कहैत/ कहै**

३१०. **रहए (छल)/ रहै (छलै)** (meaning different)

३११.**तागति/ ताकति**

३१२.**खराप**/ खराब

३१३.**बोइन**/ बोनि/ बोइनि

३१४.जाठि/ **जाइठ**

३१५.कागज/ **कागच**

३१६.**गिरै** (meaning different- swallow)/ **गिरए** (खसए)

३१७.**राष्ट्रिय**/ राष्ट्रीय

उच्चारण निर्देश:

दन्त न क उच्चारणमे दाँतमे जीह सटत- जेना बाजू नाम , मुदा ण क उच्चारणमे जीह मूर्धामे सटत (नहि सटैए तँ उच्चारण दोष अछि)- जेना बाजू गणेश। तालव्य **श**मे जीह तालुसँ , **ष**मे मूर्धासँ आ दन्त **स**मे दाँतसँ सटत। निशाँ, सभ आ शोषण बाजि कऽ देखू। मैथिलीमे **ष** केँ वैदिक संस्कृत जेकाँ **ख** सेहो उच्चरित कएल जाइत अछि, जेना वर्षा, दोष। य अनेको स्थानपर ज जेकाँ उच्चरित होइत अछि आ ण ड़ जेकाँ (यथा संयोग आ गणेश **संजोग** आ **गड़ेस** उच्चरित होइत अछि)। मैथिलीमे व क उच्चारण ब, श क उच्चारण स आ य क उच्चारण ज सेहो होइत अछि।

ओहिना ह्रस्व इ बेशीकाल मैथिलीमे पहिने बाजल जाइत अछि कारण देवनागरीमे आ मिथिलाक्षरमे ह्रस्व इ अक्षरक पहिने लिखलो जाइत आ बाजलो जएबाक चाही। कारण जे हिन्दीमे एकर दोषपूर्ण उच्चारण होइत अछि (लिखल तँ पहिने जाइत अछि मुदा बाजल बादमे जाइत अछि), से शिक्षा पद्धतिक दोषक कारण हम सभ ओकर उच्चारण दोषपूर्ण ढंगसँ कऽ रहल छी।

अछि- अ इ छ **ऐछ**

छथि- छ इ थ छैथ

पहुँचि- प हुँ इ च

आब अ आ इ ई ए ऐ ओ औ अं अः ऋ एहि सभ लेल मात्रा सेहो अछि, मुदा एहिमे ई ऐ ओ औ अं अः ऋ केँ संयुक्ताक्षर रूपमे गलत रूपमे प्रयुक्त आ उच्चरित कएल जाइत अछि। जेना ऋ केँ री रूपमे उच्चरित करब। आ देखियौ- एहि लेल देखिऔ क प्रयोग अनुचित। मुदा देखिऐ लेल देखियै अनुचित। क् सँ ह् धरि अ सम्मिलित भेलासँ क सँ ह बनैत अछि, मुदा उच्चारण काल हलन्त युक्त शब्दक अन्तक उच्चारणक प्रवृत्ति बढ़ल अछि, मुदा हम जखन मनोजमे ज् अन्तमे बजैत छी, तखनो पुरनका लोककेँ बजैत सुनबन्हि- मनोजऽ, वास्तवमे ओ अ युक्त ज् = ज बजै छथि।

फेर ज्ञ अछि ज् आ ञ क संयुक्त मुदा गलत उच्चारण होइत अछि- ग्य। ओहिना क्ष अछि क् आ ष क संयुक्त मुदा उच्चारण होइत अछि छ। फेर श् आ र क संयुक्त अछि श्र (जेना श्रमिक) आ स् आ र क संयुक्त अछि स्र (जेना मिस्र)। त्र भेल त+र।

*उच्चारणक ऑडियो फाइल विदेह आर्काइव http://www.videha.co.in/ पर उपलब्ध अछि। फेर **कँ** / **सँ** / **पर** पूर्व अक्षरसँ सटा कऽ लिखू मुदा **तँ/ के/ कऽ** हटा कऽ। **एहिमे सँ** मे पहिल सटा कऽ लिखू आ बादबला हटा कऽ। अंकक बाद टा लिखू सटा कऽ मुदा अन्य ठाम टा लिखू हटा कऽ जेना **छहटा** मुदा **सभ टा**। फेर ६अ म सातम लिखू- छठम सातम नहि। घरबलामे **बला** मुदा घरवालीमे **वाली** प्रयुक्त करू।*

*रहए- **रहै** मुदा सकैए (उच्चारण सकै-ए)।*

*मुदा कखनो काल रहए आ रहै मे अर्थ भिन्नता सेहो, जेना से कम्मो जगहमे पार्किंग करबाक अभ्यास **रहै** ओकरा। पुछलापर पता लागल जे ढुनढुन नाम्ना ई ड्राइवर कनाट प्लेसक पार्किंगमे काज करैत **रहए**।*

छलै, छलए मे सेहो एहि तरहक भेल। छलए क उच्चारण छल-ए सेहो।

*संयोगने- (उच्चारण **संजोगने**)*

कँ/ के / कऽ

*केर- **क** (**केर** क प्रयोग नहि करू)*

*क (जेना रामक) **रामक** आ संगे (उच्चारण **राम के** / **राम कऽ** सेहो)*

***सँ**- सऽ*

चन्द्रबिन्दु आ अनुस्वार- अनुस्वारमे कंठ धरिक प्रयोग होइत अछि मुदा चन्द्रबिन्दुमे नहि। चन्द्रबिन्दुमे कनेक एकारक सेहो उच्चारण होइत अछि- जेना रामसँ- (उच्चारण राम सऽ) रामकँ- (उच्चारण राम कऽ/ राम के सेहो)।

कँ जेना रामकँ भेल हिन्दीक को (राम को)- राम को= रामकँ

क जेना रामक भेल हिन्दीक का (राम का) राम का= रामक

कऽ जेना जा कऽ भेल हिन्दीक कर (जा कर) जा कर= जा कऽ

सँ भेल हिन्दीक से (राम से) राम से= रामसँ

सऽ तऽ त केर एहि सभक प्रयोग अवांछित।

के दोसर अर्थें प्रयुक्त भऽ सकैए- जेना के कहलक?

नञि, नहि, नै, नइ, नँइ, नइँ एहि सभक उच्चारण- नै

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८) http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

त्त्व क बदलामे त्व जेना महत्वपूर्ण (महत्त्वपूर्ण नहि) जतए अर्थ बदलि जाए ओतहि मात्र तीन अक्षरक संयुक्ताक्षरक प्रयोग उचित। सम्पति- उच्चारण स म्प इ त (सम्पत्ति नहि- कारण सही उच्चारण आसानीसँ सम्भव नहि)। मुदा सर्वोत्तम (सर्वोतम नहि)।

राष्ट्रिय (राष्ट्रीय नहि)

सकैए/ सकै (अर्थ परिवर्तन)

पोछैले/

पोछैए/ पोछए/ (अर्थ परिवर्तन)

पोछए/ पोछै

ओ लोकनि (हटा कऽ, ओ मे बिकारी नहि)

ओइ/ ओहि

ओहिले/ ओहि लेल

जएबैँ/ बैसबैँ

पँचभइयाँ

देखियौक (देखिऔक बहि- तहिना अ मे ह्रस्व आ दीर्घक मात्राक प्रयोग अनुचित)

जकाँ/ जेकाँ

तँइ/ **तैँ**

होएत/ हएत

नञि/ **नहि/** नँइ/ नइँ

साँसे

बड़/ बड़ी (झोराओल)

गाए (गाइ नहि)

रहलैँ/ पहिरतैँ

हमहीँ/ अहीँ

सब - ***सभ***

सबहक - *सभहक*

धरि - *तक*

गप- *बात*

बूझब - *समझब*

बुझलहुँ - *समझलहुँ*

हमरा आर - ***हम सभ***

आकि- *आ कि*

सकैछ/ करैछ (गद्यमे प्रयोगक आवश्यकता नहि)

मे कें सँ पर (शब्दसँ सटा कऽ) तँ कऽ धऽ दऽ (शब्दसँ हटा कऽ) मुदा दूटा वा बेशी विभक्ति संग रहलापर पहिल विभक्ति टाकेँ सटाऊ।

एकटा दूटा (मुदा कैक टा)

बिकारीक प्रयोग शब्दक अन्तमे, बीचमे अनावश्यक रूपेँ नहि। आकारान्त आ अन्तमे अ क बाद बिकारीक प्रयोग नहि (जेना दिअ, आ)

अपोस्ट्रोफीक प्रयोग बिकारीक बदलामे करब अनुचित आ मात्र फॉन्टक तकनीकी न्यूनताक परिचायक)- ओना बिकारीक संस्कृत रूप ऽ अवग्रह कहल जाइत अछि आ वर्तनी आ उच्चारण दुनू ठाम एकर लोप रहैत अछि/ रहि सकैत अछि (उच्चारणमे लोप रहिते अछि)। मुदा अपोस्ट्रोफी सेहो अंग्रेजीमे पसेसिव केसमे होइत अछि आ फ्रेंचमे शब्दमे जतए एकर प्रयोग होइत अछि जेना raison d'etre एतए सेहो एकर उच्चारण रैजौन डेटर होइत अछि, माने अपोस्ट्रॉफी अवकाश नहि दैत अछि वरन जोड़ैत अछि, से एकर प्रयोग बिकारीक बदला देनाइ तकनीकी रूपेँ सेहो अनुचित)।

अइमे, एहिमे

जइमे, जाहिमे

एखन/ *अखन/ अइखन*

कें *(के नहि)* ***मे*** *(अनुस्वार रहित)*

भऽ

मे

दऽ

तँ (तऽ त नहि)

सँ (सऽ स नहि)

गाछ तर

गाछ लग

साँझ खन

जो (जो go, करै जो do)

16. VIDEHA FOR NON RESIDENT MAITHILS

Marriage dates as per KSD Samskrit University Panchang- 2008-09

november 2008 19,20,23,24,27,28,30, december 2008 1,3 february 2009 26,27, march 2009 4,9,11,12 april 2009 16,17 19,20,22,23,27,29, may 2009 3,4,6,7,8,17,20,21,24,25,31, june 20091,3,4,5,7,8,12,17,21,26,28,29 july 2009 1,2

YEAR 2008-09 FESTIVALS OF MITHILAमिथिलाक पाबनि-तिहार			
Year 2008 ashunyashayan vrat- 19 july अशून्यशयन व्रत	mauna panchmi- 23 july मौना पंचमी	madhusravani vrat samapt 4 august मधुश्रावनी व्रत समाप्त	nag panchmi 6 august नाग पंचमी
raksha bandhan/	kajli tritiya 19 august कजली	sri krishna janmashtami-	srikrishnashtami 24 august

sravani poornima 16 august रक्षा बन्धन श्रावनी पूर्णिमा	त्रितीया	23 august श्रीकृष्ण जन्माष्टमी	श्रीकृष्णाष्टमी
kushotpatan/ kushi amavasya 30 august कुशोत्पाटन / कुशी अमावस्या	haritalika vrat 2 september हरितालिका व्रत	chauth chandra 3 september चौठ चन्द्र	Rishi panchmi 4 september ऋषि पंचमी
karma dharma ekadasi vrat 11 september कर्मा धर्मा एकादशी व्रत	indrapooja arambh 12 september इन्द्रपूजा आरम्भ	anant pooja 14 september अनंत पूजा	agastya ardhdanam 15 september अगस्त्य अर्धदानम
pitripaksh aarambh 16 september पितृपक्ष आरम्भ	vishvakarma pooja 17 september विश्वकर्मा पूजा	indr visarjan 18 september इन्द्र विसर्जन	srijimootvahan vrat 22 september श्री जीमूतवाहन व्रत
matrinavmi 23 september मातृनवमी	somaavatee amavasya 29 september सोमावती अमावस्या	kalashsthaapana 30 september कलशस्थापन	vilvabhimantra/ belnauti 5 october विल्वाभिमंत्र/ बेलनौति
patrika pravesh 6 october पत्रिका प्रवेश	mahashtami 7 october महाष्टमी	mahanavmi 8 october महानवमी	vijayadasmi 9 october विजयादशमी
kojagra 14 october कोजगरा	dhanteras 26 october धनतेरस	deepavali-diyabati-shyamapooj a 28 october दीयाबाती/ श्यामापूजा/	annakuta-govardhan pooja 29 october अन्नकूट गोवर्धन पूजा

		दीयाबाती	
bratridvitiya/ chitragupt pooja 30 october भ्रातृद्वितीया	khashthi kharna 3 november षष्ठी खरना	chhathi sayankalika arghya 4 navamber छठि सायंकालिक अर्घ्य	samaa pooja arambh- chhathi vratak parana 5 november सामा पूजा आरम्भ/ छठि वृतक पारना
akshaya navmi 7 november अक्षय नवमी	devotthan ekadasi 9 november देवोत्थान एकादशी	vidyapati smriti parv11 november विद्यापति स्मृति पर्व कार्तिक धवल त्रयोदशी	kaartik poornima 13 november कार्तिक पूर्णिमा
shanmasik ravi vratarambh 30 november षाणमासिक रवि वृतारम्भ	navan parvan 4 dec. नवान पार्वन	vivah panchmi 2 december विवाह पंचमी	
<u>Year 2009</u> makar sankranti 14 january मकर संक्रांति	narak nivaran chaturdasi 24 january नरक निवारण चतुर्दशी	mauni amavasya 26 january मौनी अमावस्या	sarasvati pooja 31 january सरस्वती पूजा
achla saptmi- 2 february अचला सप्तमी	mahashivratri vrat 23 february	janakpur parikrama 26 february जनकपुर	holika dahan 10 march होलिका दहन

	महाशिवरात्रि व्रत	परिक्रमा	
holi/ saptadora11 march होली सप्ताडोरा	varuni yog 24 march वारुणि योग	vasant/ navratrarambh 27 march वसंत नवरात्रारम्भ	basant sooryashashthi/ chhathi vrat 1 april बसंत सूर्यषष्ठी/ छठि व्रत
ramnavmi 3 april रामनवमी	mesh sankranti 14 april मेष संक्रांति	jurisital 15 april जूड़िशीतल	akshya tritiya 27 april अक्षय तृतिया
shanmasik ravivrat samapt 3 may षणमासिक रविव्रत समाप्त	janki navmi 3 may vatsavitri 24 may जानकी नवमी	gangadashhara 2 june गंगादशहरा	somavati amavasya 22 june सोमवती अमावस्या
jagannath rath yatra 24 june जगन्नाथ रथयात्रा	saurath sabha arambh 24 june सौराठ सभा आरम्भ	saurath sabha samapti 2 july सौराठ सभा समाप्ति	harishayan ekadashi 3 july हरिशयन एकादशी
aashadhi guru poornima 7 july आषाढ़ी गुरु पूर्णिमा			

DATE-LIST (year-2009-10)

(१४१७ साल)

Marriage Days:

Nov.2009 - 19, 22, 23, 27

May 2010- 28, 30

June 2010- 2, 3, 6, 7, 9, 13, 17, 18, 20, 21,23, 24, 25, 27, 28, 30

July 2010- 1, 8, 9, 14

Upanayana Days: June 2010- 21,22

Dviragaman Din:

November 2009- 18, 19, 23, 27, 29

December 2009- 2, 4, 6

Feb 2010- 15, 18, 19, 21, 22, 24, 25

March 2010- 1, 4, 5

Mundan Din:

November 2009- 18, 19, 23

December 2009- 3

Jan 2010- 18, 22

Feb 2010- 3, 15, 25, 26

March 2010- 3, 5

June 2010- 2, 21

July 2010- 1

FESTIVALS OF MITHILA

Mauna Panchami-12 July

Madhushravani-24 July

Nag Panchami-26 Jul

Raksha Bandhan-5 Aug

Krishnastami-13-14 Aug

Kushi Amavasya- 20 August

Hartalika Teej- 23 Aug

ChauthChandra-23 Aug

Karma Dharma Ekadashi-31 August

Indra Pooja Aarambh- 1 September

Anant Caturdashi- 3 Sep

Pitri Paksha begins- 5 Sep

Jimootavahan Vrata/ Jitia-11 Sep

Matri Navami- 13 Sep

Vishwakarma Pooja-17Sep

Kalashsthapan-19 Sep

Belnauti- 24 September

Mahastami- 26 Sep

Maha Navami - 27 September

Vijaya Dashami- 28 September

Kojagara- 3 Oct

Dhanteras- 15 Oct

Chaturdashi-27 Oct

Diyabati/Deepavali/Shyama Pooja-17 Oct

Annakoota/ Govardhana Pooja-18 Oct

Bhratridwitiya/ Chitragupta Pooja-20 Oct

Chhathi- -24 Oct

Akshyay Navami- 27 Oct

Devotthan Ekadashi- 29 Oct

Kartik Poornima/ Sama Bisarjan- 2 Nov

Somvari Amavasya Vrata-16 Nov

Vivaha Panchami- 21 Nov

Ravi vrat arambh-22 Nov

Navanna Parvana-25 Nov

Naraknivaran chaturdashi-13 Jan

Makara/ Teela Sankranti-14 Jan

Basant Panchami/ Saraswati Pooja- 20 Jan

Mahashivaratri-12 Feb

Fagua-28 Feb

Holi-1 Mar

Ram Navami-24 March

Mesha Sankranti-Satuani-14 April

Jurishital-15 April

Ravi Brat Ant-25 April

Akshaya Tritiya-16 May

Janaki Navami- 22 May

Vat Savitri-barasait-12 June

Ganga Dashhara-21 June

Hari Sayan Ekadashi- 21 Jul

Guru Poornima-25 Jul

DATE-LIST (year- 2009-10)

(१४१७ साल)

Marriage Days:

Nov.2009- 19, 22, 23, 27

May 2010- 28, 30

June 2010- 2, 3, 6, 7, 9, 13, 17, 18, 20, 21,23, 24, 25, 27, 28, 30

July 2010- 1, 8, 9, 14

Upanayana Days: June 2010- 21,22

Dviragaman Din:

November 2009- 18, 19, 23, 27, 29

December 2009- 2, 4, 6

Feb 2010- 15, 18, 19, 21, 22, 24, 25

March 2010- 1, 4, 5

Mundan Din:

November 2009- 18, 19, 23

December 2009- 3

Jan 2010- 18, 22

Feb 2010- 3, 15, 25, 26

March 2010- 3, 5

June 2010- 2, 21

July 2010- 1

FESTIVALS OF MITHILA

Mauna Panchami-12 July

Madhushravani-24 July

Nag Panchami-26 Jul

Raksha Bandhan-5 Aug

Krishnastami-13-14 Aug

Kushi Amavasya- 20 August

Hartalika Teej- 23 Aug

ChauthChandra-23 Aug

Karma Dharma Ekadashi-31 August

Indra Pooja Aarambh- 1 September

Anant Caturdashi- 3 Sep

Pitri Paksha begins- 5 Sep

Jimootavahan Vrata/ Jitia-11 Sep

Matri Navami- 13 Sep

Vishwakarma Pooja-17Sep

Kalashsthapan-19 Sep

Belnauti- 24 September

Mahastami- 26 Sep

Maha Navami - 27 September

Vijaya Dashami- 28 September

Kojagara- 3 Oct

Dhanteras- 15 Oct

Chaturdashi-27 Oct

Diyabati/Deepavali/Shyama Pooja-17 Oct

Annakoota/ Govardhana Pooja-18 Oct

Bhratridwitiya/ Chitragupta Pooja-20 Oct

Chhathi- -24 Oct

Akshyay Navami- 27 Oct

Devotthan Ekadashi- 29 Oct

Kartik Poornima/ Sama Bisarjan- 2 Nov

Somvari Amavasya Vrata-16 Nov

Vivaha Panchami- 21 Nov

Ravi vrat arambh-22 Nov

Navanna Parvana-25 Nov

Naraknivaran chaturdashi-13 Jan

Makara/ Teela Sankranti-14 Jan

Basant Panchami/ Saraswati Pooja- 20 Jan

Mahashivaratri-12 Feb

Fagua-28 Feb

Holi-1 Mar

Ram Navami-24 March

Mesha Sankranti-Satuani-14 April

Jurishital-15 April

Ravi Brat Ant-25 April

Akshaya Tritiya-16 May

Janaki Navami- 22 May

Vat Savitri-barasait-12 June

Ganga Dashhara-21 June

Hari Sayan Ekadashi- 21 Jul

Guru Poornima-25 Jul

VIDEHA,MITHILA,TIRBHUKTI,TIRHUT… …

Mahabharata mentions King of Videha as a very pious king engaged in discussing with the sage Vasistha on some philosophical doctrines. Nimi Jataka says that Kalara Janaka renounced the world and brought his line to an end. On the other hand Arthasastra and Buddha Charita give a different story. In the Arthasastra it is stated that Bhoja, known by the name of Dundakya, making a lascivious attempt on a Brahmana maiden, perished along with his kingdom and relations; so also Karala, the Vaideha. The Jayamangala commentary of Bhikshu Prabhamati on the same passage of the Arthasastra further explains that the king

Karala Vaideha on his pilgrimage to Yogesvara, seeing the crowd with curiosity, glanced a young and beautiful wife of a Brahmana, and being struck with passion, he took her forcibly to the city. The Brahmana went to the city crying angrily "Why does that town not crack where such an evil soul resides ?" Consequently the earth cracked and the king perished in it along with his whole family. Buddha Charita of Asvaghoshaalso says ' Karala Janaka took away a Brahmana maiden and gained nothing but ruin; still he did not give up passion.The Mahabharata refers to the old story of a great battle between Pratardana, king of Kasi according to the Ramayana, and Janaka, king of Mithila. In the time of the great Janaka, Ajatashatru, king of Kasi, could hardly conceal his jealousy of the Videhan king's fame. The list of the kings of Videha of Mithila found in the Dipavamsa later on seems to refer to kings of Varanasi, having mentioned the first and last kings of the Videha . Ajatasatru of Kasi was a rival of Janaka Vaideha on a spiritual level. He wanted to give a thousand cows to the describer of Brahma and be called by the people as a Janaka.

The heroes of -Kasi and Videha were expert bowmen. Lichchhavis had some blood relationship with the royal family of the Kasi. It is,however, nowhere , Lichchhavis put an end to the royal line of Videha.Much amity was there between Videha and Kasi,particularly in the post Bharata War period. In the pre-Bharata war period also the kings of Kasi, Vaisali and Videha had fought against their common enemies, the Haihayas and the Nagas. The use of Kali cloth by the Brahmanas of Videha shows that brisk trade was going on between these two territories. At Takshasila, princes of both the kingdoms went for completing their higher education. Nami (Nimi II), king of Videha, accepted Jainism according to the Jaina tradition and accepted the religion propagated by Parsvanatha,formerly a prince of Kasi. The compound name Kasi-Videha occurs in the Kaushitaki-Upanishad. The Sankhayana SrautaSutra mentions one Purohita as acting for the kings of Kosala, Kasi and Videha. Kasi people had a share in the overthrow of the Janaka dynasty.The centre of gravity in North Bihar shifts from Mithila to Vaisali. Ramayana refers to Siradhvaja Janaka's father going to the forest after giving the throne to his elder son.

There were frequent renunciations by the kings of Mithila. The most celebrated

among the post-Bharata War kings of Videha was the ruler Janaka Vaideha, whose reign saw an unusual outburst of learning, sacrificial cult and intellectual activity. This attitude of non attachment is most prominently reflected in the famous royal utterances about the burning of Mithila. "My wealth is boundless, yet I have nothing. If the whole of Mithila were burnt to ashes, nothing of mine will be burnt.

There were ten kingly duties in Jatakas."Alms, morals, charity, justice, penitence, peace, mildness, mercy, meekness, patience."

Mahajanaka II was sixteen years oldwhen he had learned the three Vedas and all the sciences.A Videhan princess used to go to Takshsila for higher education and it was usual for the princess to get married after their return from Takshsila. If there were two princes, the elder became Uparaja and the younger was given the post of Senapati. After the death of the King elder ascended to the throne as a king and the younger was appointed Uparaja.

The palaces of Mithila has been magnificently described in literature.The king rode on chariot drawn by four milkwhite thoroughbreds when making circuit of the capital city.The Videhan king had a Samiti, helped in administration by the Uparaja, the Purohita, the Ministers, Senapati and the Chief Judges, there was a treasurer, cashier, keeper of the umbrella,sword-bearer, female-attendants, noblemen, policemen, chariot-driver and village-heads.The army was under the Senapati having fourfold divisions, the chariots, elephants, horse-men and footmen. The people of Videha and Kasi used bows and arrows against their enemies. Right conduct was the only way to bliss.A thousand Vedas will not bring safety. When Uddalaka put forth the character of a Brahmana as he apparently sees in real life,i.e., as one who rejects all worldly thoughts, takes the fire with him, sprinkles water, offers sacrifices and sets up the sacrificial post, his father replies in his own way. A principal landowner of Mithila, Alara by name, becoming an ascetic. Sivah, a queen of Mithila, also adopted the ascetic life of a rishi.

The father was the first teacher. Direct contact between the teacher and the taught was emphasised. The period required for study was generally twelve years. Brahmanas did not hesitate to receive instruction from Kshatriya princess. The Brahmin of Mithila town are shown as dressed in Kasi cloth. The story of Mahajanaka II going to Suvarnabhumi (Myanmar) for trade purposes and lost his ship.There was availability of beautiful stone pieces in the Gandak river which were much later worshipped as Salagrama (a form of Vishnu). Videh contained 16000 villages, 16000 store-houses and 16000 dancing girls.Mithila city has four gates and there existed four market-towns.

B R E A K the Language Barrier - Read in your own script

Roman(Eng) Gujarati Bangla Oriya Gurmukhi Telugu Tamil Kannada Malayalam Hindi

नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

सूचना: विदेहक मैथिली-अंग्रेजी आ अंग्रेजी मैथिली कोष (इंटरनेटपर पहिल बेर सर्च-डिक्शनरी) एम.एस. एस.क्यू.एल. सर्वर आधारित -Based on ms-sql server Maithili-English and English-Maithili Dictionary at http://www.videha.co.in/ **विदेहक भाषापाक- रचनालेखन स्तंभमे।**

विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक (ब्रेल, तिरहुता आ देवनागरी मे) पी.डी.एफ. डाउनलोडक लेल नीचाँक लिंकपर उपलब्ध अछि। All the old issues of Videha e journal (in Braille, Tirhuta and Devanagari versions) are available for pdf download at the following link.

विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक ब्रेल, तिरहुता आ देवनागरी रूपमे

Videha e journal's all old issues in Braille Tirhuta and Devanagari versions

विदेह आर.एस.एस.फीड।

"विदेह" ई-पत्रिका ई-पत्रसँ प्राप्त करू।

अपन मित्रकेँ विदेहक विषयमे सूचित करू।

विदेह आर.एस.एस.फीड एनीमेटरकेँ अपन साइट/ ब्लॉगपर लगाऊ।

ब्लॉग "लेआउट" पर "एड गाडजेट" मे "फीड" सेलेक्ट कए "फीड यू.आर.एल." मे http://www.videha.co.in/index.xml टाइप केलासँ सेहो विदेह फीड प्राप्त कए सकैत छी। गूगल रीडरमे पढ़बा लेल http://reader.google.com/ पर जा कऽ Add a Subscription बटन क्लिक करू आ खाली स्थानमे http://www.videha.co.in/index.xml पेस्ट करू आ Add बटन दबाऊ।

मैथिली देवनागरी वा मिथिलाक्षरमे नहि देखि/ लिखि पाबि रहल छी, (cannot see/write Maithili in Devanagari/ Mithilakshara follow links below or contact at ggajendra@videha.com) तँ एहि हेतु नीचाँक लिंक सभ पर जाऊ। संगहि विदेहक स्तंभ मैथिली भाषापाक/ रचना लेखनक नव-पुरान अंक पढ़ू।
http://devanaagarii.net/

http://kaulonline.com/uninagari/ (एतए बॉक्समे ऑनलाइन देवनागरी टाइप करू, बॉक्ससँ कॉपी करू आ वर्ड डॉक्युमेन्टमे पेस्ट कए वर्ड फाइलकेँ सेव करू। विशेष जानकारीक लेल ggajendra@videha.com पर सम्पर्क करू।)(Use Firefox 3.0 (from WWW.MOZILLA.COM)/ Opera/ Safari/ Internet Explorer 8.0/ Flock 2.0/ Google Chrome for best view of 'Videha' Maithili e-journal at http://www.videha.co.in/ .)

Videha e journal's all old issues in Braille, Tirhuta and Devanagari versions at http://sites.google.com/a/videha.com/videha/

१.*विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक ब्रेल, तिरहुता आ देवनागरी रूपमे Videha e journal's all old issues in Braille Tirhuta and Devanagari versions*

२.मैथिली पोथी डाउनलोड Maithili Books Download,

३.*मैथिली ऑडियो संकलन Maithili Audio Downloads*,

४.मैथिली वीडियोक संकलन Maithili Videos

५.मिथिला चित्रकला/ आधुनिक चित्रकला आ चित्र Mithila Painting/ Modern Art and Photos

"विदेह"क एहि सभ सहयोगी लिंकपर सेहो एक बेर जाऊ।

६.विदेह मैथिली क्विज :
http://videhaquiz.blogspot.com/

७.विदेह मैथिली जालवृत्त एग्रीगेटर :

http://videha-aggregator.blogspot.com/

८.विदेह मैथिली साहित्य अंग्रेजीमे अनूदित :

http://madhubani-art.blogspot.com/

९.विदेहक पूर्व-रूप "भालसरिक गाछ" :

http://gajendrathakur.blogspot.com/

१०.विदेह इंडेक्स :

http://videha123.blogspot.com/

११.विदेह फाइल :

http://videha123.wordpress.com/

१२. विदेह: सदेह : पहिल तिरहुता (मिथिलाक्षर) जालवृत्त (ब्लॉग)

http://videha-sadeha.blogspot.com/

१३. विदेह:ब्रेल: मैथिली ब्रेलमे: पहिल बेर विदेह द्वारा

http://videha-braille.blogspot.com/

१४.VIDEHA"IST MAITHILI FORTNIGHTLY EJOURNAL ARCHIVE

http://videha-archive.blogspot.com/

१५.'विदेह' प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका मैथिली पोथीक आर्काइव

http://videha-pothi.blogspot.com/

१६.'विदेह' प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका ऑडियो आर्काइव

http://videha-audio.blogspot.com/

१७.'विदेह' प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका वीडियो आर्काइव

http://videha-video.blogspot.com/

१८.'विदेह' प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका मिथिला चित्रकला, आधुनिक कला आ चित्रकला

http://videha-paintings-photos.blogspot.com/

१९.मैथिल आर मिथिला (मैथिलीक सभसँ लोकप्रिय जालवृत्त)

http://maithilaurmithila.blogspot.com/

२०.श्रुति प्रकाशन

http://www.shruti-publication.com/

२१.http://groups.google.com/group/videha

Google समूह

VIDEHA केर सदस्यता लिअ

ईमेल : ???? ???

एहि समूहपर जाऊ

२२.http://groups.yahoo.com/group/VIDEHA/

Subscribe to VIDEHA

enter email address

Powered by us.groups.yahoo.com

२३.गजेन्द्र ठाकुर इडेक्स

http://gajendrathakur123.blogspot.com

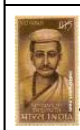
२४.विदेह रेडियो:मैथिली कथा-कविता आदिक पहिल पोडकास्ट साइटhttp://videha123radio.wordpress.com/

२५. नेना भुटका

http://mangan-khabas.blogspot.com/

Go to the link below for download of old issues of VIDEHA Maithili e magazine in .pdf format and Maithili Audio/ Video/Book/ paintings/ photo files. विदेहक पुरान अंक आ ऑडियो/ वीडियो/ पोथी/ चित्रकला/ फोटो सभक फाइल सभ (उच्चारण, बड़ सुख सार आ दूर्वाक्षत मंत्र सहित) डाउनलोड करबाक हेतु नीचाँक लिंक पर जाऊ।

VIDEHA ARCHIVE विदेह आर्काइव http://www.videha.co.in/new_page_15.htm

भारतीय डाक विभाग द्वारा जारी कवि, नाटककार आऽ धर्मशास्त्री विद्यापतिक स्टाम्प। भारत आऽ नेपालक माटिमे पसरल मिथिलाक धरती प्राचीन कालहिसँ महान पुरुष ओऽ महिला लोकनिक कर्मभूमि रहल अछि। मिथिलाक महान पुरुष ओऽ महिला लोकनिक चित्र 'मिथिला रत्न' मे देखू। http://www.videha.co.in/photo.htm

गौरी-शंकरक पालवंश कालक मूर्त्ति, एहिमे मिथिलाक्षरमे (१२०० वर्ष पूर्वक) अभिलेख अंकित अछि। मिथिलाक भारत आऽ नेपालक माटिमे पसरल एहि तरहक अन्यान्य प्राचीन आऽ नव स्थापत्य, चित्र, अभिलेख आऽ मूर्त्तिकलाक़ हेतु देखू 'मिथिलाक खोज'। http://www.videha.co.in/favorite.htm

मिथिला, मैथिल आ मैथिलीसँ सम्बन्धित सूचना, सम्पर्क, अन्वेषण संगहि विदेहक सर्च-इंजन आ न्यूज सर्विस आ मिथिला, मैथिल आ मैथिलीसँ सम्बन्धित वेबसाइट सभक समग्र संकलनक लेल देखू "विदेह सूचना संपर्क अन्वेषण" । http://www.videha.co.in/feedback.htm

VIDEHA MITHILA MAITHIL MAITHILI NEWS SERVICE

Maithili AcademyRadhika JhaMithila SanskritNyayaNavya NyayaJnanapithaYajnavalkyaLalitKarpooriKarpuriVaidehiVidehSitaJhaKanthKarnLabh VaisaliAngaPanjikarMithilaSaptariMaithiliPurniaSaharsaPurneaBhagalpurJanakpurDarbhangaJhanjharpurMadubaniJhanjharpurkantipurBiharSamastipurBegusaraiMonghyr MungerMaithilBiratnagarMadhepuraSitamarhiRajbirajSupaulMithila PaintingMadhubani PaintingChamparanMuzaffarpurCiil MysoreSahitya AkademiSahitya AcademyBaghmatiGandakBagmatiKosiKamlaBalanMaithilaKarn KayasthaMaithil BrahminChamparanKhagariaVidyapatiChetna SamitiMuzaffarpurVidehaTirbhuktiTirhutRohtaraSarlahiMobitarimohitariSaptariMotihari MorangMadheshDhanushDhanushaBanailiMadhepurTamuriaMonghyrAndhra TharhiThadhiGonghardihaNirmaliLaukhaJaynagarLokhiVidyapati NagarKatiharRohataraSarilahiMohitariSaptariMorang

Pressweb (press release) - Čeští vědci publikovali trojrozměrnou strukturu dálkového stříhače ...

powered by

Google™

मैथिली देवनागरी वा मिथिलाक्षरमे नहि देखि/ लिखि पाबि रहल छी, (cannot see/write Maithili in Devanagari/ Mithilakshara follow links below or contact at ggajendra@videha.com) तँ एहि हेतु नीचाँक लिंक सभ पर जाऊ। संगहि विदेहक स्तंभ मैथिली भाषापाक/ रचना लेखनक नव-पुरान अंक पढ़ू।
http://devanaagarii.net/

http://kaulonline.com/uninagari/ (एतए बॉक्समे ऑनलाइन देवनागरी टाइप करू, बॉक्ससँ कॉपी करू आ वर्ड डॉक्युमेन्टमे पेस्ट कए वर्ड फाइलकेँ सेव करू। विशेष जानकारीक लेल ggajendra@videha.com पर सम्पर्क करू।)(Use Firefox 3.0 (from WWW.MOZILLA.COM)/ Opera/ Safari/ Internet Explorer 8.0/ Flock 2.0/ Google Chrome for best view of 'Videha' Maithili e-journal at http://www.videha.co.in/ .)

विदेहक नव-पुरान अंकमे ताकू (कोष्ठकमे देवनागरी, मिथिलाक्षर किंवा रोमनमे टाइप करू)।

एहि पृष्ठ पर देल गेल मिथिला आ मैथिलीसँ संबंधित साइट सभमे ताकू (कोष्ठकमे देवनागरी, मिथिलाक्षर किंवा रोमनमे टाइप करू)।

"VIDEHA" Ist Maithili Fortnightly ejournal ARCHIVE OF OLD ISSUES
'विदेह' प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका पुरान अंकक आर्काइव



वि दे ह *विदेह Videha विदेह* *http://www.videha.co.in विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly e Magazine विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका* नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू। Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.
Read in your own script
Roman(Eng) Gujarati Bangla Oriya Gurmukhi Telugu Tamil Kannada Malayalam Hin

VIDEHA ARCHIVE OF OLD ISSUES *विदेह* पुरान अंकक आर्काइव

(पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल)

विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक ब्रेल, तिरहुता आ देवनागरी मे पी.डी.एफ. डाउनलोड लेल क्रमानुसार नीचाँक लिंकपर उपलब्ध अछि। All the old issues of Videha e journal is available in Braille, Tirhuta and Devanagari versions for pdf download at the respective links below.

विदेह ई-पत्रिकाक पहिल ५० अंक

विदेह ई-पत्रिकाक ५०म सँ आगाँक अंक

विदेहक आठम अंक (१५.०४.२००८)मे मिथिलाक खोज (स्थान विवरण सहित), मिथिला रत्न, संपर्क-सूचना-खोजक मिथिला-मैथिलीसँ संबंधी साइटक संग्रह, मानक मैथिली, दूर्वाक्षत मंत्र (अर्थ सहित) आ बाल लोकनि द्वारा स्मरणीय श्लोक, ई सभ देल गेल अछि। किएक तँ ई-सभ सभ अंकमे समान अछि, ताहि द्वारे आठम अंकक अतिरिक्त विदेहक दोसर आर्काइव अंकमे ई नहि देल गेल अछि। आठम अंकके समय-समय पर साइटक चित्र-सूचना-श्लोक-साइट-संग्रहमे परिवर्त्तनक स्थितिमे अपडेट सेहो कएल जाइत अछि।

8th issue of VIDEHA (15.04.2008) includes Discovery of Mithila, Mithila Ratn and other common parts of e journal. As these topics are common, in other issues these have not been included. Therefore, in the event of any change in those common topics, 8th issue of Videha is updated accordingly.

विदेहक पुरान अंक डाउनलोड करबाक लेल :-

१. इन्टरनेट एक्सप्लोररमे :- लिंक पर 'सिंगल लेफ्ट क्लिक'' करू आ कनेक काल पी.डी.एफ. फाइल खुजबाक बाट ताकू। पी.डी.एफ. फाइल खुजलाक अनन्तर "फाइल, सेव ए कॉपी" कए पुरान अंक डाउनलोड करू। वा लिंक पर "राइट क्लिक" आ "सेव टारगेट एज" क्लिक करू।
२. मोजिला इंजन जेना, फायरफॉक्स ३.० आ फ्लॉक २.० मे :- लिंक पर "राइट क्लिक" आ "सेव लिंक एज" क्लिक करू।
३. ओपेरा हेतु :- लिंक पर "राइट क्लिक" आ "सेव लिंक्ड कन्टेन्ट एज" क्लिक करू।
४. सफारी हेतु :- लिंक पर "राइट क्लिक" आ "डाउनलोड लिंक्ड फाइल एज" क्लिक करू।
५. गूगल क्रोम हेतु:- लिंक पर "राइट क्लिक" आ "सेव लिंक एज" क्लिक करू।

'विदेह' प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका

विदेहक नूतन अंक http://www.videha.co.in/

'विदेह' (पाक्षिक) संपादक- गजेन्द्र ठाकुर। एतय प्रकाशित रचना सभक कॉपीराइट लेखक/संग्रहकर्त्ता लोकनिक लगमे रहतन्हि, मात्र एकर प्रथम प्रकाशनक/आर्काइवक/अंग्रेजी-संस्कृत अनुवादक ई-प्रकाशन/ आर्काइवक अधिकार एहि ई पत्रिकाकेँ छैक। रचनाकार अपन मौलिक आ अप्रकाशित रचना (जकर मौलिकताक संपूर्ण उत्तरदायित्व लेखक गणक मध्य छन्हि) ggajendra@videha.com केँ मेल अटैचमेण्टक रूपमेँ .doc, .docx, .rtf वा .txt फॉर्मेटमे पठा सकैत छथि। रचनाक संग रचनाकार अपन संक्षिप्त परिचय

आ अपन स्कैन कएल गेल फोटो पठेताह, से आशा करैत छी। रचनाक अंतमे टाइप रहय, जे ई रचना मौलिक अछि, आ पहिल प्रकाशनक हेतु विदेह (पाक्षिक) ई पत्रिकाकेँ देल जा रहल अछि। मेल प्राप्त होयबाक बाद यथासंभव शीघ्र (सात दिनक भीतर) एकर प्रकाशनक अंकक सूचना देल जायत। एहि ई पत्रिकाकेँ श्रीमती लक्ष्मी ठाकुर द्वारा मासक १ आ १५ तिथिकेँ ई प्रकाशित कएल जाइत अछि।

Attachments (220)

- 08.pdf - on Jan 18, 2010 11:54 AM by Gajendra Thakur (version 5 / earlier versions)
  1143k View Download
- 1.pdf - on Mar 3, 2009 10:38 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  370k View Download
- 10.pdf - on Mar 3, 2009 10:35 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  245k View Download
- 11.pdf - on Mar 3, 2009 10:35 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  235k View Download
- 12.pdf - on Mar 3, 2009 10:34 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  326k View Download
- 13.pdf - on Mar 3, 2009 10:34 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  317k View Download
- 14.pdf - on Mar 3, 2009 10:34 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  357k View Download
- 15.pdf - on Mar 3, 2009 10:33 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  557k View Download
- 16.pdf - on Mar 3, 2009 10:33 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  430k View Download
- 17.pdf - on Mar 3, 2009 10:32 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  795k View Download
- 18.pdf - on Mar 3, 2009 10:32 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  857k View Download
- 19.pdf - on Mar 3, 2009 10:31 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  556k View Download
- 2.pdf - on Mar 3, 2009 10:38 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  358k View Download
- 20.pdf - on Mar 3, 2009 10:31 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  575k View Download
- 21.pdf - on Mar 3, 2009 10:30 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  654k View Download

- 22.pdf - on Mar 3, 2009 10:30 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  811k View Download
- 23.pdf - on Mar 3, 2009 10:29 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  647k View Download
- 24.pdf - on Mar 3, 2009 10:29 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  666k View Download
- 25.pdf - on Mar 3, 2009 10:28 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  943k View Download
- 26.pdf - on Mar 3, 2009 10:28 AM by Gajendra Thakur (version 3 / earlier versions)
  543k View Download
- 27.pdf - on Mar 3, 2009 10:27 AM by Gajendra Thakur (version 3 / earlier versions)
  697k View Download
- 28.pdf - on Mar 3, 2009 10:27 AM by Gajendra Thakur (version 3 / earlier versions)
  509k View Download
- 29.pdf - on Mar 3, 2009 10:26 AM by Gajendra Thakur (version 3 / earlier versions)
  455k View Download
- 3.pdf - on Mar 3, 2009 10:38 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  314k View Download
- 30.pdf - on Mar 31, 2009 8:48 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  814k View Download
- 31.pdf - on Apr 5, 2009 7:48 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  964k View Download
- 32.pdf - on Apr 30, 2009 6:38 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  636k View Download
- 33.pdf - on May 14, 2009 12:04 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  629k View Download
- 34.pdf - on May 31, 2009 1:13 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  709k View Download
- 35.pdf - on Jun 14, 2009 3:55 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  654k View Download
- 36.pdf - on Jun 29, 2009 9:24 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  597k View Download

- 37.pdf - on Jul 12, 2009 9:49 AM by Gajendra Thakur (version 1) 603k View Download
- 38.pdf - on Jul 30, 2009 8:06 PM by Gajendra Thakur (version 1) 763k View Download
- 39.pdf - on Aug 14, 2009 9:45 AM by Gajendra Thakur (version 1) 543k View Download
- 4.pdf - on Mar 3, 2009 10:37 AM by Gajendra Thakur (version 1) 287k View Download
- 40.pdf - on Aug 30, 2009 2:45 AM by Gajendra Thakur (version 1) 521k View Download
- 41.pdf - on Sep 13, 2009 7:27 AM by Gajendra Thakur (version 1) 558k View Download
- 42.pdf - on Sep 29, 2009 3:13 AM by Gajendra Thakur (version 1) 677k View Download
- 43.pdf - on Oct 14, 2009 7:09 AM by Gajendra Thakur (version 1) 757k View Download
- 44.pdf - on Oct 30, 2009 7:06 AM by Gajendra Thakur (version 1) 957k View Download
- 45.pdf - on Nov 14, 2009 3:40 AM by Gajendra Thakur (version 1) 773k View Download
- 46.pdf - on Nov 30, 2009 7:22 AM by Gajendra Thakur (version 1) 1645k View Download
- 47.pdf - on Dec 14, 2009 9:26 AM by Gajendra Thakur (version 1) 926k View Download
- 49.pdf - on Dec 30, 2009 11:55 PM by Gajendra Thakur (version 1) 1970k View Download
- 49_2.pdf - on Dec 31, 2009 9:06 PM by Gajendra Thakur (version 1) 2699k View Download
- 5.pdf - on Mar 3, 2009 10:37 AM by Gajendra Thakur (version 1) 218k View Download
- 50.pdf - on Jan 30, 2010 12:55 AM by Gajendra Thakur (version 1) 1523k View Download
- 51.pdf - on Feb 14, 2010 11:44 PM by Gajendra Thakur (version 1) 1093k View Download
- 52.pdf - on Feb 26, 2010 10:47 PM by Gajendra Thakur (version 1) 1345k View Download

- 53.pdf - on Mar 13, 2010 7:05 AM by Gajendra Thakur (version 1) 1210k View Download
- 54.pdf - on Mar 29, 2010 7:28 AM by Gajendra Thakur (version 1) 782k View Download
- 55.pdf - on Apr 14, 2010 3:58 AM by Gajendra Thakur (version 1) 1121k View Download
- 56.pdf - on Apr 30, 2010 5:54 AM by Gajendra Thakur (version 1) 784k View Download
- 57.pdf - on May 13, 2010 8:26 AM by Gajendra Thakur (version 1) 892k View Download
- 58.pdf - on May 31, 2010 12:09 AM by Gajendra Thakur (version 1) 874k View Download
- 59.pdf - on Jul 4, 2010 2:26 AM by Gajendra Thakur (version 1) 946k View Download
- 6.pdf - on Mar 3, 2009 10:37 AM by Gajendra Thakur (version 1) 221k View Download
- 60.pdf - on Jul 4, 2010 2:39 AM by Gajendra Thakur (version 1) 1197k View Download
- 61.pdf - on Jul 13, 2010 10:36 PM by Gajendra Thakur (version 1) 1071k View Download
- 62.pdf - on Jul 31, 2010 7:30 AM by Gajendra Thakur (version 1) 721k View Download
- 63.pdf - on Aug 12, 2010 11:05 PM by Gajendra Thakur (version 1) 887k View Download
- 64.pdf - on Aug 30, 2010 9:36 AM by Gajendra Thakur (version 1) 954k View Download
- 65.pdf - on Sep 13, 2010 2:14 AM by Gajendra Thakur (version 1) 1121k View Download
- 66.pdf - on Sep 30, 2010 12:21 AM by Gajendra Thakur (version 1) 1031k View Download
- 67.pdf - on Oct 3, 2010 6:38 AM by Gajendra Thakur (version 1) 1173k View Download
- 68.pdf - on Oct 31, 2010 12:14 AM by Gajendra Thakur (version 1) 787k View Download
- 69.pdf - on Nov 9, 2010 4:20 AM by Gajendra Thakur (version 1) 1176k View Download

- 7.pdf - on Mar 3, 2009 10:36 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  221k View Download
- 70.pdf - on Nov 29, 2010 12:45 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1536k View Download
- 71.pdf - on Dec 13, 2010 2:10 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1704k View Download
- 9.pdf - on Mar 3, 2009 10:36 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  336k View Download
- KuruKshetramAntarmanak_GajendraThakur.pdf - on Jun 29, 2009 8:12 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2755k View Download
- KuruKshetramAntarmanak_GajendraThakur_Tirhuta.pdf - on Jun 29, 2009 8:49 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  3764k View Download
- ParasharsIntellectualTheft.pdf - on Jan 29, 2010 7:35 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2145k View Download
- SADEHA_VIDEHA_DEVNAGARIVERSION_PART_1.pdf - on May 12, 2009 1:14 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  5298k View Download
- SADEHA_VIDEHA_DEVNAGARIVERSION_PART_2.pdf - on May 12, 2009 1:21 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  5319k View Download
- SADEHA_VIDEHA_TIRHUTAVERSION_PART_1.pdf - on May 12, 2009 1:31 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  6165k View Download
- SADEHA_VIDEHA_TIRHUTAVERSION_PART_2.pdf - on May 12, 2009 1:42 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  6146k View Download
- Videha_01_01_08.pdf - on Jan 17, 2009 11:20 AM by Gajendra Thakur (version 5 / earlier versions)
  1830k View Download
- Videha_01_01_08_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 11:21 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1943k View Download

- Videha_01_01_2009.pdf - on Jan 14, 2009 9:37 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  3632k View Download
- Videha_01_01_2009_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 10:36 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2003k View Download
- Videha_01_01_2010.pdf - on Dec 31, 2009 9:08 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  3642k View Download
- Videha_01_01_2010_Tirhuta.pdf - on Dec 31, 2009 9:11 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  4245k View Download
- Videha_01_02_08.pdf - on Nov 14, 2008 9:30 AM by Gajendra Thakur (version 5 / earlier versions)
  477k View Download
- Videha_01_02_08_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 10:38 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  635k View Download
- Videha_01_02_2009.pdf - on Feb 28, 2009 6:41 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1284k View Download
- Videha_01_02_2009_Tirhuta.pdf - on Feb 28, 2009 6:38 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1528k View Download
- Videha_01_02_2010.pdf - on Feb 14, 2010 11:40 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  2090k View Download
- Videha_01_02_2010_Tirhuta.pdf - on Feb 14, 2010 11:42 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  2365k View Download
- Videha_01_03_08.pdf - on Jul 4, 2008 4:00 AM by Gajendra Thakur (version 3 / earlier versions)
  511k View Download
- Videha_01_03_08_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 10:49 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  646k View Download

- Videha_01_03_2009.pdf - on Mar 3, 2009 10:53 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  684k View Download
- Videha_01_03_2009_Tirhuta.pdf - on Mar 3, 2009 10:52 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  866k View Download
- Videha_01_03_2010.pdf - on Mar 13, 2010 6:49 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1992k View Download
- Videha_01_03_2010_Tirhuta.pdf - on Mar 13, 2010 6:51 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2361k View Download
- Videha_01_04_2008.pdf - on Jul 4, 2008 3:49 AM by Gajendra Thakur (version 3 / earlier versions)
  853k View Download
- Videha_01_04_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 10:54 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  950k View Download
- Videha_01_04_2009.pdf - on Apr 5, 2009 7:46 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1434k View Download
- Videha_01_04_2009_Tirhuta.pdf - on Apr 5, 2009 7:47 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1789k View Download
- Videha_01_04_2010.pdf - on Apr 14, 2010 3:54 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1581k View Download
- Videha_01_04_2010_Tirhuta.pdf - on Apr 14, 2010 3:57 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1921k View Download
- Videha_01_05_2008.pdf - on Jul 4, 2008 3:42 AM by Gajendra Thakur (version 3 / earlier versions)
  937k View Download
- Videha_01_05_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 10:56 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1116k View Download

- Videha_01_05_2009.pdf - on May 14, 2009 12:02 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1242k View Download
- Videha_01_05_2009_Tirhuta.pdf - on May 14, 2009 12:04 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1477k View Download
- Videha_01_05_2010.pdf - on May 13, 2010 8:23 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1319k View Download
- Videha_01_05_2010_Tirhuta.pdf - on May 13, 2010 8:25 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1498k View Download
- Videha_01_06_2008.pdf - on Jan 17, 2009 6:32 AM by Gajendra Thakur (version 5 / earlier versions)
  1687k View Download
- Videha_01_06_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 10:57 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  886k View Download
- Videha_01_06_2009.pdf - on Jun 14, 2009 3:41 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1532k View Download
- Videha_01_06_2009_Tirhuta.pdf - on Jun 14, 2009 3:54 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1734k View Download
- Videha_01_06_2010.pdf - on Jul 4, 2010 2:23 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1602k View Download
- Videha_01_06_2010_Tirhuta.pdf - on Jul 4, 2010 2:24 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1813k View Download
- Videha_01_07_2008.pdf - on Jan 17, 2009 6:33 AM by Gajendra Thakur (version 7 / earlier versions)
  2314k View Download
- Videha_01_07_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 10:58 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1059k View Download

- Videha_01_07_2009.pdf - on Jul 12, 2009 9:45 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1487k View Download
- Videha_01_07_2009_Tirhuta.pdf - on Jul 12, 2009 9:46 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1733k View Download
- Videha_01_07_2010.pdf - on Jul 13, 2010 10:34 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  1706k View Download
- Videha_01_07_2010_Tirhuta.pdf - on Jul 13, 2010 10:36 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  1928k View Download
- Videha_01_08_2008.pdf - on Aug 17, 2008 1:23 AM by Gajendra Thakur (version 7 / earlier versions)
  2508k View Download
- Videha_01_08_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 11:00 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2750k View Download
- Videha_01_08_2009.pdf - on Aug 14, 2009 9:10 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1215k View Download
- Videha_01_08_2009_Tirhuta.pdf - on Aug 14, 2009 9:47 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1392k View Download
- Videha_01_08_2010.pdf - on Aug 12, 2010 11:03 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  1823k View Download
- Videha_01_08_2010_Tirhuta.pdf - on Aug 12, 2010 11:04 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  1979k View Download
- Videha_01_09_2008.pdf - on Sep 30, 2008 9:19 AM by Gajendra Thakur (version 5 / earlier versions)
  2774k View Download
- Videha_01_09_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 11:03 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  3097k View Download

- Videha_01_09_2009.pdf - on Sep 13, 2009 7:31 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1462k View Download
- Videha_01_09_2009_Tirhuta.pdf - on Sep 13, 2009 7:29 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1616k View Download
- Videha_01_09_2010.pdf - on Sep 13, 2010 2:11 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2577k View Download
- Videha_01_09_2010_Tirhuta.pdf - on Sep 13, 2010 2:13 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2879k View Download
- Videha_01_10_2008.pdf - on Oct 14, 2008 10:11 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2018k View Download
- Videha_01_10_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 11:05 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2201k View Download
- Videha_01_10_2009.pdf - on Oct 14, 2009 7:07 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1475k View Download
- Videha_01_10_2009_Tirhuta.pdf - on Oct 14, 2009 7:08 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1730k View Download
- Videha_01_10_2010.pdf - on Oct 3, 2010 6:36 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2978k View Download
- Videha_01_10_2010_Tirhuta.pdf - on Oct 3, 2010 6:38 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  3295k View Download
- Videha_01_11_2008.pdf - on Nov 14, 2008 10:17 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1869k View Download
- Videha_01_11_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 11:06 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1849k View Download

- Videha_01_11_2009.pdf - on Nov 14, 2009 3:38 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1210k View Download
- Videha_01_11_2009_Tirhuta.pdf - on Nov 14, 2009 3:39 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1441k View Download
- Videha_01_11_2010.pdf - on Nov 9, 2010 4:17 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2235k View Download
- Videha_01_11_2010_Tirhuta.pdf - on Nov 9, 2010 4:20 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2596k View Download
- Videha_01_12_2008.pdf - on Jan 17, 2009 11:09 AM by Gajendra Thakur (version 2 / earlier versions)
  1647k View Download
- Videha_01_12_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 10:41 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1698k View Download
- Videha_01_12_2009.pdf - on Dec 14, 2009 9:26 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1333k View Download
- Videha_01_12_2009_Tirhuta.pdf - on Dec 14, 2009 9:29 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1570k View Download
- Videha_01_12_2010.pdf - on Dec 13, 2010 2:07 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1956k View Download
- Videha_01_12_2010_Tirhuta.pdf - on Dec 13, 2010 2:09 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2352k View Download
- Videha_15_01_08.pdf - on Nov 14, 2008 9:28 AM by Gajendra Thakur (version 5 / earlier versions)
  745k View Download
- Videha_15_01_08_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 10:43 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  908k View Download

- Videha_15_01_2009.pdf - on Jan 31, 2009 5:55 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  928k View Download
- Videha_15_01_2009_Tirhuta.pdf - on Jan 31, 2009 5:57 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1203k View Download
- Videha_15_01_2010.pdf - on Jan 30, 2010 12:59 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2480k View Download
- Videha_15_01_2010_Tirhuta.pdf - on Jan 30, 2010 1:01 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2829k View Download
- Videha_15_02_08.pdf - on Oct 15, 2008 10:26 AM by Gajendra Thakur (version 5 / earlier versions)
  522k View Download
- Videha_15_02_08_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 11:22 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  645k View Download
- Videha_15_02_2009.pdf - on Feb 28, 2009 6:34 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  893k View Download
- Videha_15_02_2009_Tirhuta.pdf - on Feb 28, 2009 6:36 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1077k View Download
- Videha_15_02_2010.pdf - on Feb 26, 2010 10:44 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  1960k View Download
- Videha_15_02_2010_Tirhuta.pdf - on Feb 26, 2010 10:46 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  2296k View Download
- Videha_15_03_08.pdf - on Jul 4, 2008 5:21 AM by Gajendra Thakur (version 6 / earlier versions)
  700k View Download
- Videha_15_03_08_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 11:23 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  853k View Download

- Videha_15_03_2009.pdf - on Mar 31, 2009 8:45 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1511k View Download
- Videha_15_03_2009_Tirhuta.pdf - on Mar 31, 2009 8:43 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1531k View Download
- Videha_15_03_2010.pdf - on Mar 29, 2010 7:25 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1260k View Download
- Videha_15_03_2010_Tirhuta.pdf - on Mar 29, 2010 7:27 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1480k View Download
- Videha_15_04_2008.pdf - on Jan 18, 2010 11:46 AM by Gajendra Thakur (version 46 / earlier versions)
  3780k View Download
- Videha_15_04_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 18, 2010 11:51 AM by Gajendra Thakur (version 17 / earlier versions)
  4071k View Download
- Videha_15_04_2009.pdf - on Apr 30, 2009 6:34 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1532k View Download
- Videha_15_04_2009_Tirhuta.pdf - on Apr 30, 2009 6:37 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1786k View Download
- Videha_15_04_2010.pdf - on Apr 30, 2010 5:52 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1167k View Download
- Videha_15_04_2010_Tirhuta.pdf - on Apr 30, 2010 5:54 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1379k View Download
- Videha_15_05_2008.pdf - on Jul 4, 2008 3:39 AM by Gajendra Thakur (version 3 / earlier versions)
  770k View Download
- Videha_15_05_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 11:23 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  984k View Download

- Videha_15_05_2009.pdf - on May 31, 2009 1:29 AM by Gajendra Thakur (version 3 / earlier versions)
  1795k View Download
- Videha_15_05_2009_Tirhuta.pdf - on May 31, 2009 1:22 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2053k View Download
- Videha_15_05_2010.pdf - on Jun 28, 2010 10:36 AM by Gajendra Thakur (version 3 / earlier versions)
  1361k View Download
- Videha_15_05_2010_Tirhuta.pdf - on Jun 28, 2010 10:36 AM by Gajendra Thakur (version 3 / earlier versions)
  1604k View Download
- Videha_15_06_2008.pdf - on Jan 17, 2009 6:38 AM by Gajendra Thakur (version 5 / earlier versions)
  1962k View Download
- Videha_15_06_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 11:24 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  944k View Download
- Videha_15_06_2009.pdf - on Jun 29, 2009 9:18 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  2342k View Download
- Videha_15_06_2009_Tirhuta.pdf - on Jun 29, 2009 9:23 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  2488k View Download
- Videha_15_06_2010.pdf - on Jul 4, 2010 2:35 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  3627k View Download
- Videha_15_06_2010_Tirhuta.pdf - on Jul 4, 2010 2:38 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  4044k View Download
- Videha_15_07_2008.pdf - on Jan 17, 2009 6:40 AM by Gajendra Thakur (version 5 / earlier versions)
  3267k View Download
- Videha_15_07_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 11:25 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1248k View Download

- Videha_15_07_2009.pdf - on Jul 30, 2009 7:57 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  1879k View Download
- Videha_15_07_2009_Tirhuta.pdf - on Jul 30, 2009 8:05 PM by Gajendra Thakur (version 1)
  2205k View Download
- Videha_15_07_2010.pdf - on Jul 31, 2010 7:28 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1996k View Download
- Videha_15_07_2010_Tirhuta.pdf - on Jul 31, 2010 7:29 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2162k View Download
- Videha_15_08_2008.pdf - on Sep 28, 2008 5:40 AM by Gajendra Thakur (version 3 / earlier versions)
  1298k View Download
- Videha_15_08_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 11:26 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1496k View Download
- Videha_15_08_2009.pdf - on Aug 30, 2009 2:35 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1228k View Download
- Videha_15_08_2009_Tirhuta.pdf - on Aug 30, 2009 2:30 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1371k View Download
- Videha_15_08_2010.pdf - on Aug 30, 2010 9:34 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2042k View Download
- Videha_15_08_2010_Tirhuta.pdf - on Aug 30, 2010 9:35 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2332k View Download
- Videha_15_09_2008.pdf - on Oct 14, 2008 10:08 AM by Gajendra Thakur (version 3 / earlier versions)
  2286k View Download
- Videha_15_09_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 11:28 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2626k View Download

- Videha_15_09_2009.pdf - on Sep 29, 2009 3:23 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1399k View Download
- Videha_15_09_2009_Tirhuta.pdf - on Sep 29, 2009 3:15 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1674k View Download
- Videha_15_09_2010.pdf - on Sep 30, 2010 12:20 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1962k View Download
- Videha_15_09_2010_Tirhuta.pdf - on Sep 30, 2010 12:20 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2229k View Download
- Videha_15_10_2008.pdf - on Oct 31, 2008 8:53 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1365k View Download
- Videha_15_10_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 11:29 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1569k View Download
- Videha_15_10_2009.pdf - on Oct 30, 2009 7:00 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1367k View Download
- Videha_15_10_2009_Tirhuta.pdf - on Oct 30, 2009 7:01 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1631k View Download
- Videha_15_10_2010.pdf - on Oct 31, 2010 12:11 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  3959k View Download
- Videha_15_10_2010_Tirhuta.pdf - on Oct 31, 2010 12:13 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  4145k View Download
- Videha_15_11_2008.pdf - on Nov 30, 2008 11:47 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1999k View Download
- Videha_15_11_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 10:49 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1972k View Download

- Videha_15_11_2009.pdf - on Nov 30, 2009 7:29 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2182k View Download
- Videha_15_11_2009_Tirhuta.pdf - on Nov 30, 2009 7:34 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2557k View Download
- Videha_15_11_2010.pdf - on Nov 29, 2010 12:41 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2717k View Download
- Videha_15_11_2010_Tirhuta.pdf - on Nov 29, 2010 12:44 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2926k View Download
- Videha_15_12_2008.pdf - on Jan 2, 2009 2:02 AM by Gajendra Thakur (version 5 / earlier versions)
  1077k View Download
- Videha_15_12_2008_Tirhuta.pdf - on Jan 17, 2009 11:29 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  1377k View Download
- Videha_15_12_2009.pdf - on Dec 31, 2009 12:12 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  2591k View Download
- Videha_15_12_2009_Tirhuta.pdf - on Dec 31, 2009 12:15 AM by Gajendra Thakur (version 1)
  3078k View Download
- *VIDEHA* ARCHIVE OF OLD ISSUES *विदेह* पुरान अंकक आर्काइव
-
- (पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल)
- *विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक ब्रेल, तिरहुता आ देवनागरी मे पी.डी.एफ. डाउनलोड लेल क्रमानुसार नीचाँक लिंकपर उपलब्ध अछि। डाउनलोड करबाक लेल* लिंक पर "राइट क्लिक" कए "सेव टारगेट एज" करू।
- *All the old issues of Videha e journal is available in Braille, Tirhuta and Devanagari versions for pdf download at the respective links below. For download "right click" the link and select "save target as".*
- Devanagari Mithilakshara Braille

विदेह ई-पत्रिकाक ५०म सँ आगाँक अंक (एहि लिंककेँ क्लिक करू।)

विदेह ई-पत्रिकाक ५०म सँ आगाँक अंक (नीचाँ)

Devanagari Mithilakshara Braille

VIDEHA 71st issue विदेहक एकहत्तैरम अंक

Videha_01_12_2010 Videha_01_12_2010_Tirhuta 71

VIDEHA 70th issue विदेहक सत्तैरम अंक

Videha_15_11_2010 Videha_15_11_2010_Tirhuta 70

VIDEHA 69th issue विदेहक उनहत्तैरम अंक

Videha_01_11_2010 Videha_01_11_2010_Tirhuta 69

VIDEHA 68th issue विदेहक अरसइठम अंक

Videha_15_10_2010 Videha_15_10_2010_Tirhuta 68

VIDEHA 67th issue विदेहक सरसइठम अंक

Videha_01_10_2010 Videha_01_10_2010_Tirhuta 67

VIDEHA 66th issue विदेहक छियासइठम अंक

Videha_15_09_2010 Videha_15_09_2010_Tirhuta 66

VIDEHA 65th issue विदेहक पैसइठम अंक

Videha_01_09_2010 Videha_01_09_2010_Tirhuta 65

VIDEHA 64th issue विदेहक चौंसइठम अंक

Videha_15_08_2010 Videha_15_08_2010_Tirhuta 64

VIDEHA 63rd issue विदेहक तिरसइठम अंक

Videha_01_08_2010 Videha_01_08_2010_Tirhuta 63

VIDEHA 62nd issue विदेहक बासइठम अंक

Videha_15_07_2010 Videha_15_07_2010_Tirhuta 62

VIDEHA 61st issue विदेहक एकसइठम अंक

Videha_01_07_2010 Videha_01_07_2010_Tirhuta 61

VIDEHA 60th issue विदेहक साइठम अंक

Videha_15_06_2010 Videha_15_06_2010_Tirhuta 60

VIDEHA 59th issue विदेहक उनसैठम अंक

Videha_01_06_2010 Videha_01_06_2010_Tirhuta 59

VIDEHA 58th issue विदेहक अनठावनम अंक

Videha_15_05_2010 Videha_15_05_2010_Tirhuta 58

VIDEHA 57th issue विदेहक सनतावनम अंक

Videha_01_05_2010.pdf Videha_01_05_2010_Tirhuta.pdf 57.pdf

VIDEHA 56th issue विदेहक छप्पनम अंक

Videha_15_04_2010.pdf Videha_15_04_2010_Tirhuta.pdf 56.pdf

VIDEHA 55th issue विदेहक पचपनम अंक

Videha_01_04_2010.pdf Videha_01_04_2010_Tirhuta.pdf 55.pdf

VIDEHA 54th issue विदेहक चौबनम अंक

Videha_15_03_2010.pdf Videha_15_03_2010_Tirhuta.pdf 54.pdf

VIDEHA 53rd issue विदेहक तिरपनम अंक

Videha_01_03_2010.pdf Videha_01_03_2010_Tirhuta.pdf 53.pdf

VIDEHA 52nd issue विदेहक बावनम अंक

Videha_15_02_2010.pdf Videha_15_02_2010_Tirhuta.pdf 52.pdf

VIDEHA 51st issue विदेहक एकाबनम अंक

Videha_01_02_2010.pdf Videha_01_02_2010_Tirhuta.pdf 51.pdf

- *विदेह ई-पत्रिकाक पहिल ५० अंक* (नीचाँ)

  विदेह:सदेह *२६ म सँ ५० म अंकक बीछल रचनाक संग*

  VIDEHA print form- containing matter from 26th to 50th issue of e-magazine

- विदेह:सदेह:२ (मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना २००९-१०)
- विदेह:सदेह:३ (मैथिली पद्य २००९-१०)

  विदेह:सदेह:४ (मैथिली कथा २००९-१०)

  VIDEHA 50th issue विदेहक पचासम अंक

- Videha_15_01_2010.pdf Videha_15_01_2010_Tirhuta.pdf 50.pdf
- VIDEHA 49th issue विदेहक उनचासम अंक
- Videha_01_01_2010.pdf Videha_01_01_2010_Tirhuta.pdf 49.pdf

- VIDEHA 48th issue विदेहक अड़तालीसम अंक
- Videha_15_12_2009.pdf Videha_15_12_2009_Tirhuta.pdf 48.pdf
- VIDEHA 47th issue विदेहक सैंतालीसम अंक
- Videha_01_12_2009.pdf Videha_01_12_2009_Tirhuta.pdf 47.pdf
- VIDEHA 46th issue विदेहक छियालीसम अंक
- Videha_15_11_2009.pdf Videha_15_11_2009_Tirhuta.pdf 46.pdf
- VIDEHA 45th issue विदेहक पैंतालीसम अंक
- Videha_01_11_2009.pdf Videha_01_11_2009_Tirhuta.pdf 45.pdf
- VIDEHA 44th issue विदेहक चौवालीसम अंक
- Videha_15_10_2009.pdf Videha_15_10_2009_Tirhuta.pdf 44.pdf
- VIDEHA 43rd issue विदेहक तैंतालीसम अंक
- Videha_01_10_2009.pdf Videha_01_10_2009_Tirhuta.pdf 43.pdf
- VIDEHA 42nd issue विदेहक बियालीसम अंक
- Videha_15_09_2009.pdf Videha_15_09_2009_Tirhuta.pdf 42.pdf
- VIDEHA 41st issue विदेहक एकतालीसम अंक
- Videha_01_09_2009.pdf Videha_01_09_2009_Tirhuta.pdf 41.pdf
- VIDEHA 40th issue विदेहक चालीसम अंक
- Videha_15_08_2009.pdf Videha_15_08_2009_Tirhuta.pdf 40.pdf
- VIDEHA 39th issue विदेहक उनचालीसम अंक
- Videha_01_08_2009.pdf Videha_01_08_2009_Tirhuta.pdf 39.pdf
- VIDEHA 38th issue विदेहक अड़तीसम अंक
- Videha_15_07_2009.pdf Videha_15_07_2009_Tirhuta.pdf 38.pdf
- VIDEHA 37th issue विदेहक सैतीसम अंक
- Videha_01_07_2009.pdf Videha_01_07_2009_Tirhuta.pdf 37.pdf

- VIDEHA 36th issue विदेहक छत्तीसम अंक
- Videha_15_06_2009.pdf Videha_15_06_2009_Tirhuta.pdf 36.pdf
- VIDEHA 35th issue विदेहक पैंतीसम अंक
- Videha_01_06_2009.pdf Videha_01_06_2009_Tirhuta.pdf 35.pdf
- VIDEHA 34th issue विदेहक चौतीसम अंक
- Videha_15_05_2009.pdf Videha_15_05_2009_Tirhuta.pdf 34.pdf
- VIDEHA 33rd issue विदेहक तैंतीसम अंक
- Videha_01_05_2009.pdf Videha_01_05_2009_Tirhuta.pdf 33.pdf
- VIDEHA 32nd issue विदेहक बत्तीसम अंक
- Videha_15_04_2009.pdf Videha_15_04_2009_Tirhuta.pdf 32.pdf
- VIDEHA 31st issue विदेहक एकतीसम अंक
- Videha_01_04_2009.pdf Videha_01_04_2009_Tirhuta.pdf 31.pdf
- VIDEHA 30th issue विदेहक तीसम अंक
- Videha_15_03_2009.pdf Videha_15_03_2009_Tirhuta.pdf 30.pdf
- VIDEHA 29th issue विदेहक उनतीसम अंक
- Videha_01_03_2009.pdf Videha_01_03_2009_Tirhuta.pdf 29.pdf
- VIDEHA 28th issue विदेहक अट्ठाइसम अंक
- Videha_15_02_2009.pdf Videha_15_02_2009_Tirhuta.pdf 28.pdf
- VIDEHA 27th issue विदेहक सत्ताइसम अंक
- Videha_01_02_2009.pdf Videha_01_02_2009_Tirhuta.pdf 27.pdf
- VIDEHA 26th issue विदेहक छब्बीसम अंक
- Videha_15_01_2009.pdf Videha_15_01_2009_Tirhuta.pdf 26.pdf
-

- *विदेहक सदेह (प्रिंट) अंक ई-पत्रिकाक पहिल 25 अंकक रचनाक संग*
- *VIDEHA print form- containing matter from first 25 issues of e-magazine*
- *देवनागरी वर्सन*
- SADEHA_VIDEHA_DEVNAGARIVERSION_PART_1.pdf
  SADEHA_VIDEHA_DEVNAGARIVERSION_PART_2.pdf
-

तिरहुता वर्सन

- SADEHA_VIDEHA_TIRHUTAVERSION_PART_1.pdf
- SADEHA_VIDEHA_TIRHUTAVERSION_PART_2.pdf
-

कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक- गजेन्द्र ठाकुर

-
- देवनागरी वर्सन KuruKshetramAntarmanak_GajendraThakur.pdf
- तिरहुता वर्सन KuruKshetramAntarmanak_GajendraThakur_Tirhuta.pdf
- ब्रेल वर्सन KuruKshetramAntarmanak_GajendraThakur_Braille.pdf
-
- तिरहुता (मिथिलाक्षर) सीखू
-
- Learn_MithilakShara_GajendraThakur.pdf
-

- ब्रेल सीखू
-
- LearnBraille_through_Mithilakshara.pdf
-
- अन्तर्राष्ट्रीय ध्वन्यात्मक वर्णमाला सीखू
-
- Learn_International_Phonetic_Alphabet_through_Mithilakshara.pdf
-
- VIDEHA 25th issue विदेहक पचीसम अंक
- Videha_01_01_2009.pdf Videha_01_01_2009_Tirhuta.pdf 25.pdf
- VIDEHA 24th issue विदेहक चौबीसम अंक
- Videha_15_12_2008.pdf Videha_15_12_2008_Tirhuta.pdf 24.pdf
- VIDEHA 23rd issue विदेहक तेइसम अंक
- Videha_01_12_2008.pdf Videha_01_12_2008_Tirhuta.pdf 23.pdf
- VIDEHA 22nd issue विदेहक बाइसम अंक
- Videha_15_11_2008.pdf Videha_15_11_2008_Tirhuta.pdf 22.pdf
- VIDEHA 21st issue विदेहक एकैसम अंक
- Videha_01_11_2008.pdf Videha_01_11_2008_Tirhuta.pdf 21.pdf
- VIDEHA 20th issue विदेहक बीसम अंक
- Videha_15_10_2008.pdf Videha_15_10_2008_Tirhuta.pdf 20.pdf
- VIDEHA 19th issue विदेहक उन्नैसम अंक
- Videha_01_10_2008.pdf Videha_01_10_2008_Tirhuta.pdf 19.pdf

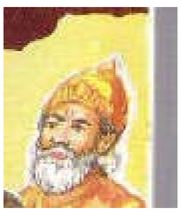
- VIDEHA 18th issue विदेहक अठारहम अंक
- Videha_15_09_2008.pdf Videha_15_09_2008_Tirhuta.pdf 18.pdf
- VIDEHA 17th issue विदेहक सत्रहम अंक
- Videha_01_09_2008.pdf Videha_01_09_2008_Tirhuta.pdf 17.pdf
- VIDEHA 16th issue विदेहक सोलहम अंक
- Videha_15_08_2008.pdf Videha_15_08_2008_Tirhuta.pdf 16.pdf
- VIDEHA 15th issue विदेहक पन्द्रहम अंक
- Videha_01_08_2008.pdf Videha_01_08_2008_Tirhuta.pdf 15.pdf
- VIDEHA 14th issue विदेहक चौदहम अंक
- Videha_15_07_2008.pdf Videha_15_07_2008_Tirhuta.pdf 14.pdf
- VIDEHA 13th issue विदेहक तेरहम अंक
- Videha_01_07_2008.pdf Videha_01_07_2008_Tirhuta.pdf 13.pdf
- VIDEHA 12th issue विदेहक बारहम अंक
- Videha_15_06_2008.pdf Videha_15_06_2008_Tirhuta.pdf 12.pdf
- VIDEHA 11th issue विदेहक एगारहम अंक
- Videha_01_06_2008.pdf Videha_01_06_2008_Tirhuta.pdf 11.pdf
- VIDEHA 10th issue विदेहक दसम अंक
- Videha_15_05_2008.pdf Videha_15_05_2008_Tirhuta.pdf 10.pdf
- VIDEHA 9th issue विदेहक नवम अंक
- Videha_01_05_2008.pdf Videha_01_05_2008_Tirhuta.pdf 9.pdf
- VIDEHA 8th issue विदेहक आठम अंक
- Videha_15_04_2008.pdf Videha_15_04_2008_Tirhuta.pdf 08.pdf

- VIDEHA 7th issue विदेहक सातम अंक
- Videha_01_04_2008.pdf Videha_01_04_2008_Tirhuta.pdf 7.pdf
- VIDEHA 6th issue विदेहक छठम अंक
- Videha_15_03_08.pdf Videha_15_03_08_Tirhuta.pdf 6.pdf
- VIDEHA 5th issue विदेहक पाँचम अंक
- Videha_01_03_08.pdf Videha_01_03_08_Tirhuta.pdf 5.pdf
- VIDEHA 4th issue विदेहक चारिम अंक
- Videha_15_02_08.pdf Videha_15_02_08_Tirhuta.pdf 4.pdf
- VIDEHA 3rd issue विदेहक तेसर अंक
- Videha_01_02_08.pdf Videha_01_02_08_Tirhuta.pdf 3.pdf
- VIDEHA 2nd issue विदेहक दोसर अंक
- Videha_15_01_08.pdf Videha_15_01_08_Tirhuta.pdf 2.pdf
- VIDEHA Ist issue विदेहक पहिल अंक
- Videha_01_01_08.pdf Videha_01_01_08_Tirhuta.pdf 1.pdf
- Home विदेह नूतन अंक संपादकीय संदेश विदेह नूतन अंक गद्य विदेह नूतन अंक पद्य विदेह नूतन अंक मिथिला कला संगीत
- विदेह नूतन अंक गद्य-पद्य भारती विदेह नूतन अंक बालानां कृते विदेह नूतन अंक भाषापाक रचना लेखन VIDEHA NON RESIDENT MAITHILS VIDEHA MAITHILI SAMSKRIT TUTOR VIDEHA ARCHIVE
- विदेह मिथिला रत्न विदेह मिथिलाक खोज विदेह सूचना संपर्क अन्वेषण
-
- विदेह पुरान अंक विदेह मैथिली पोथी विदेह मैथिली ऑडियो विदेह मैथिली वीडियो विदेह चित्र-चित्रकला
-

- अपन टीका-टिप्पणी दिअ। SUBMIT YOUR COMMENTS

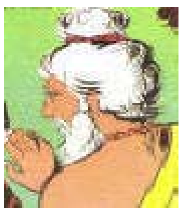
विदेह मिथिला रत्न

भारत आ नेपालक माटिमे पसरल मिथिलाक धरती प्राचीन कालहिसँ महान पुरुष ओ महिला लोकनिक कर्मभूमि रहल अछि। प्रस्तुत अछि मिथिला रत्नक एकटा छोट संग्रह। एहि संग्रहकेँ पूर्ण करबाक हेतु अपन बहुमूल्य संग्रहकेँ ggajendra@videha.com केँ पठाऊ। आर्काइवक सर्वाधिकार रचनाकार, सम्बन्धित फोटोग्राफर आ संग्रहकर्त्ताक लगमे छन्हि। फोटो सभ पठएबाक लेल धन्यवाद पाठकगण। साभार। पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल।



वैदिक जनक

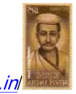
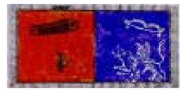
'वैदेह राजा' ऋगवेदिक कालक नमी सप्याक नामसँ छलाह, यज्ञ करैत सदेह स्वर्ग गेलाह, ऋगवेदमे वर्णन अछि। ओ इन्द्रक संग देलन्हि असुर नमुचीक विरुद्ध आ ताहिमे इन्द्र हुनका बचओलन्हि।शतपथ ब्राह्मणक विदेघमाथव आ पुराणक निमि दुनू गोटेक पुरोहित गौतम छथि से दुनू एके छथि आ एतएसँ विदेह राज्यक प्रारम्भ। माथवक पुरहित गौतम मित्रविन्द यज्ञक/ बलिक प्रारम्भ कएलन्हि आ पुनः एकर पुनःस्थापना भेल महाजनक-२ क समयमे याज्ञवल्क्य द्वारा। निमि गौतमक आश्रमक लग **जयन्त** आ मिथि - जिनका मिथिला नामसँ सेहो सोर कएल जाइत छन्हि, **मिथिला** नगरक निर्माण कएलन्हि। निमीक जयन्तपुर वर्तमान जनकपुरमे छल, मिथीक मिथिलानगरीक स्थान एखन धरि निर्धारित नहि भए सकल अछि, अनुमानित अछि जनकपुरक लग। 'सीरध्वज जनक' सीताक पिता छथि आ एतयसँ मिथिलाक



वाल्मीकि



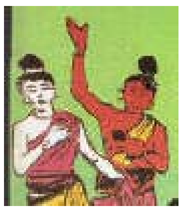
सीतापति राम

राजाक सुदृढ़ परम्परा देखबामे अबैत अछि। 'कृति जनक' सीरध्वजक बादक 18म पुस्तमे भेल छलाह। कृति हिरण्यनाभक पुत्र छलाह आ जनक बहुलाश्वक पुत्र छलाह। याज्ञवल्क्य हिरण्याभक शिष्य छलाह, हुनकासँ योगक शिक्षा लेने छलाह। कराल जनक द्वारा एकटा ब्राह्मण युवतीक शील-अपहरणक प्रयास भेल आ जनक राजवंश समाप्त भए गेल (संदर्भ अश्वघोष-बुद्धचरित आ कौटिल्य-अर्थशास्त्र)।



वैदेही सीता

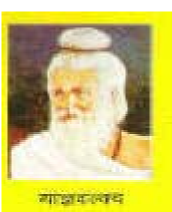


लव कुश



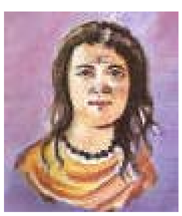
विदेघमाथव

शतपथ ब्राह्मणक विदेघमाथव आ पुराणक निमि दुनू गोटेक पुरोहित गौतम छथि से दुनू एके छथि आ एतएसँ विदेह राज्यक प्रारम्भ।



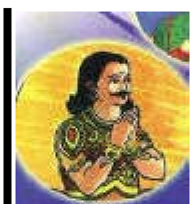
वाजसनेयी याज्ञवल्क्य

याज्ञवल्क्य मिथिलाक दार्शनिक राजा कृति जनकक दरबारमे छलाह। हुनकर माताक वा पिताक नाम सम्भवतः वाजसनी छलन्हि। ओना हुनकर पिता देवरातकेँ मानल जाइत छन्हि। याज्ञवल्क्य १. शुक्ल यजुरवेद, २. शतपथ ब्राह्मण, ३.बृहदारण्यक उपनिषद आ



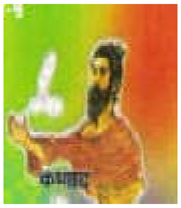
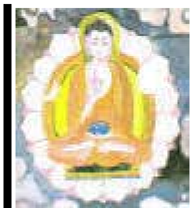
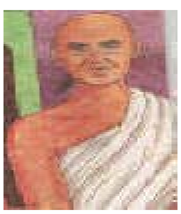
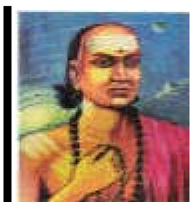
याज्ञवल्क्य पत्नी मैत्रेयी

याज्ञवल्क्यक दू टा पत्नी छलथिन्ह पहिल कात्यायनी आ दोसर मैत्रेयी। मैत्रेयी ब्रह्मवादिनी छलीह। कात्यायनीसँ हुनका तीनटा पुत्र छलन्हि- चन्द्रकान्ता, महामेघ आ विजय।



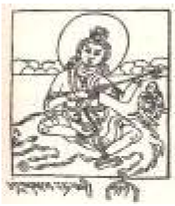
अंगराज कर्ण

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

४.याज्ञवल्क्य स्मृतिक दृष्टा/लेखक छथि।		
 वैशेषिक दर्शन कणाद	 महावीर जैन 599-527 महावीर विदेहमे छह टा बस्सावास बितेलन्हि।	 गौतम बुद्ध BC 563-483 ओना तँ महावीर विदेहमे छह टा बस्सावास बितेलन्हि मुदा बुद्ध एकोटा नै मुदा मिथिलामे बौद्ध धर्मक प्रभाव पछाति बढ़ल। बुद्ध वैशाली नगरीमे आम्रपालीक उद्यानमे लिच्छवीगणकेँ सन्देश देने छलाह।
 चाणक्य BC 350-283 धर्म आ विधिक क्षेत्रमे कौटिल्यक अर्थशास्त्र आ याज्ञवल्क्य स्मृतिमे बड़ड समानता अछि जे चाणक्यक मिथिलावासी होयबाक प्रमाण अछि। अर्थशास्त्रमे(१.६ विनयाधिकारिके प्रथमाधिकरणे षडोऽध्यायः इन्द्रियजये अरिषड्वर्गत्यागः) कराल जनकक पतनक सेहो चर्चा अछि। तद्विरुद्धवृत्तिरवश्येन्द्रियश्चातुरन्तोऽपि राजा सद्यो विनश्यति- यथा दाण्डक्यो नाम भोजः कामाद्	 चन्द्रगुप्त मौर्य चाणक्यक शिष्य BC 340-293	 आर्यभट्ट वैज्ञानिक 476-550 पञ्जीमे आर्यभट्टक विवरण- (२७) (३४/०८) महिपतिय: मंगरौनी माण्डैर सै पीताम्ब र सुत दामू दौ माण्ड्र सै वीजी त्रिनयनभट्ट: ए सुतो ***आर्यभट्ट:*** ए सुतो उदयभट्ट: ए सुतो विजयभट्ट ए सुतो सुलोचनभट (सुनयनभट्ट) ए सुतो भट्ट ए सुतो धर्मजटीमिश्र ए सुतो धाराजटी मिश्र ए सुतोब्रह्मजरी मिश्र ए सुतो त्रिपुरजटी मिश्र ए सुत विघुजटी मिश्र ए सुतो अजयसिंह: ए सुतो विजयसिंह: ए सुतो ए सुतो आदिवराह: ए

ब्राह्मण कन्यायमभिमन्यमानः सबन्धराष्ट्रो विननाश करालश्च वैदेहः,...।

सुतो महोवराह: ए सुतो दुर्योधन सिंह: ए सुतो सोढ़र जयसिंहर्काचार्यास्त्रस महास्त्र विद्या पारङगत महामहोपाध्या य: नरसिंह:।।

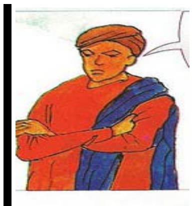


सिद्ध सरहपाद 700-780

सरहपाद-"सिद्धिरत्थु मइ पढ़मे पढ़िअउ ,मण्ड पिबन्तों बिसरउ एमइउ"।मिथिलामे अक्षरारम्भ सिद्धिरस्तु जकर पूर्वमे सिद्धिरस्तु, गणेशजीक अंकुश आँजी, लिखल जाइत अछि। मिथिलामे ई धारणा जे माँड़ पिलासँ स्मरण शक्ति क्षीण होइत अछि; ई सरहपादक मिथिलावासी होएबाक प्रमाण अछि।

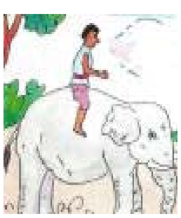


आदि शंकराचार्य 788-820 मंडन मिश्रसँ शास्त्रार्थ



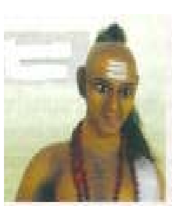
म.म.गोनू झा 1050-1150

करमहे सोनकरियाम गोनू झाक वर्णन पञ्जीमे अछि-महामहोपाध्याय धूर्तराज गोनू। पञ्जीक अनुसार पीढ़ीक गणना कएलासँ गोनूक जन्म (गोनूक सोनकरियाम करमहे-वत्समे २४म पीढ़ी चलि रहल अछि) *आर्यभट्टक बाद (आर्यभट्टक माण्डर-काश्यपमे ३१ म पीढ़ी चलि रहल अछि) आ विद्यापतिक पहिने (विद्यापतिक विषएवार बिस्फी-काश्यपमे १४म पीढ़ी चलि रहल अछि)* लगभग १०५० ई.मे सिद्ध होइत अछि। कारण एहि तरहेँ एक पीढ़ीकेँ ४० सँ गुणा केला सँ आर्यभट्टक जन्म लगभग ४७६ ई. आ विद्यापतिक जन्म लगभग १३५० ई. अबैत अछि जे इतिहाससम्मत अछि।

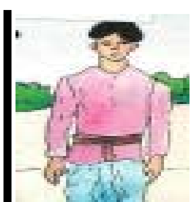


कृष्णाराम आ हाथी सुबरन

मिथिलाक यादव (गुआर) जातिक

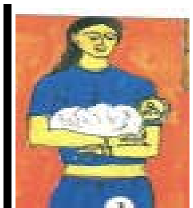
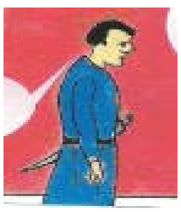
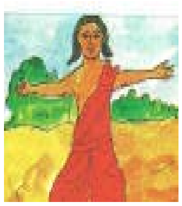
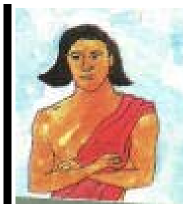
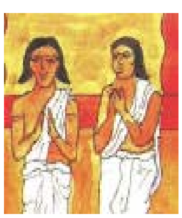
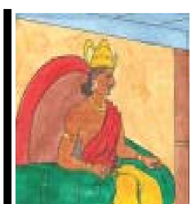


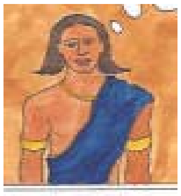
वंशीधर ब्राह्मण



छेछन महराज

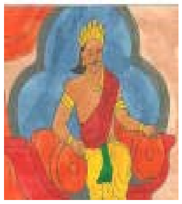
मिथिलाक डोम जातिक लोकदेवता

लोकदेवता कृष्णाराम अपन हाथी सुबरनपर सवार।		
 दीना- भदरी मिथिलाक मुसहर जातिक लोकदेवता	 ज्योति पँजियार	 मोतीदाइ मिथिलाक रजक (धोबि) जातिक लोकदेवता
 राजा सलहेस मिथिलाक दूधवंशी (दुसाध) जातिक लोकदेवता	 दुलरा दयाल गोनू झाक गाम भरौड़ाक राजकुमार, "बहुरा गोढिन नटुआ दयाल" लोककथाक मलाह कथानायक। भरौड़ामे एखनो हिनकर गहबर छन्हि।	 कालिदास
 बोधि कायस्थ	 राधाकृष्ण आ करताराम मल्लिक मिथिलाक अमता घरेनक प्रारम्भिक गबैय्या	 महाराज नान्यदेव मिथिलाक कर्णाट वंशक 1097 ई. मे स्थापना। 1147 ई. मे मृत्यु।



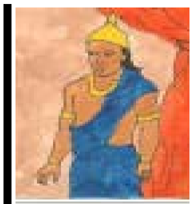
मल्लदेव

मिथिलाक कर्णाट वंशक संस्थापक नान्यदेवक पुत्र। मिथिलाक गंधवरिया राजपूत मल्लदेवकेँ अपन बीजीपुरुष मानैत छथि।



महाराज हरसिंहदेव

मिथिलाक कर्णाट वंशक। ज्योतिरीश्वर ठाकुरक वर्ण-रत्नाकरमे हरसिंहदेव नायक आकि राजा छलाह। 1294 ई. मे जन्म आ 1307 ई. मे राजसिंहासन। घियासुद्दीन तुगलकसँ 1324-25 ई. मे हारिक बाद नेपाल पलायन। मिथिलाक पञ्जी-प्रबन्धक ब्राह्मण, कायस्थ आ क्षत्रिय मध्य आधिकारिक स्थापक, मैथिल ब्राह्मणक हेतु गुणाकर झा, कर्ण कायस्थक लेल शंकरदत्त, आ क्षत्रियक हेतु विजयदत्त एहि हेतु प्रथमतया नियुक्त भेलाह। हरसिंहदेवक प्रेरणासँ- आ ई हरसिंहदेव नान्यदेवक वंशज छलाह, जे नान्यदेव कार्णाट वंशक १००९ शाकेमे स्थापना केने रहथि- नन्दैद शुन्यं शशि शाक वर्षे (१०१९ शाके)... मिथिलाक पण्डित लोकनि शाके १२४८ तदनुसार १३२६ ई. मे पञ्जी-प्रबन्धक वर्तमान स्वरूपक प्रारम्भक निर्णय कएलन्हि। पुनः वर्तमान स्वरूपमे थोडे बुद्धि विलासी लोकनि मिथिलेश महाराज माधव सिंहसँ १७६० ई. मे आदेश करबाए पञ्जीकारसँ शाखा पुस्तकक प्रणयन करबओलन्हि। ओकर बाद पाँजिमे (कखनो काल वर्णित १६०० शाके माने १६७८ ई. वास्तवमे माधव सिंहक बादमे १८०० ई.क आसपास) *श्रोत्रिय* नामक एकटा नव ब्राह्मण उपजातिक मिथिलामे उत्पत्ति भेल।



मंत्री गणेश्वर

मिथिलाक कर्णाट वंशक नरेश हरसिंहदेवक मंत्री। *सुगतिसोपान*मे मिथिलाक सांवैधानिक इतिहासक वर्णन।

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA



बिहुला

चम्पानगरक बिहुला।



गांगो देवी

मिथिलाक मलाह जातिक लोकदेवता। गांगोदेवीक भगता अखनो मिथिलाक मलाह लोकनिमे प्रचलित अछि।



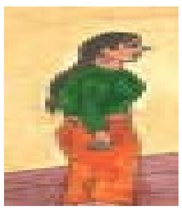
गरीबन बाबा

मिथिलाक धोबि जातिक लोकदेवता।

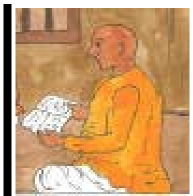


लालबन बाबा

मिथिलाक चर्मकार जातिक लोकदेवता।

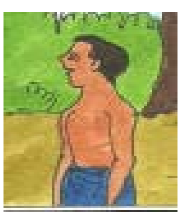


मोरंगक मोतीसायर



अयाची मिश्र

पन्द्रहम शताब्दीक भवनाथ मिश्र बड पैघ नैय्यायिक छलाह आ कहियो ककरोसँ कोनो वस्तुक याचना नहि कएलन्हि, ताहि लेल सभ हुनका अयाची मिश्र कहए लगलन्हि।



शंकर मिश्र

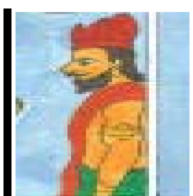
"बालोऽहं जगदानन्द न मे बाला सरस्वती।

अपूर्णे पंचमे वर्षे वर्णयामि जगत्त्रयम् ॥" क वक्ता। पन्द्रहम शताब्दीमे भवनाथ मिश्रक घरमे मधुबनी जिलाक सरिसव ग्राममे शंकर मिश्रक जन्म



पक्षधर मिश्र

विद्यापतिक समकालीन जयदेव मिश्र, जे अपन अकाट्य तर्कक कारण पक्षधर मिश्रक नामसँ जान्ल गेलाह।



महाराज शिव सिंह

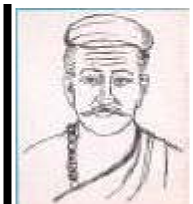
मिथिला नरेश विद्यापतिक आश्रयदाता ओइनवार वंशक महाराज शिव सिंह।

भेल।शंकर मिश्र महाराज भैरव सिंहक कनिष्ठ पुत्र राजा पुरुषोत्तमदेवक आश्रित छलाह। एकर वर्णन रसार्णव ग्रंथमे भेटैत अछि। शंकर मिश्र कवि, नाटककार, धर्मशास्त्री आ न्याय-वैशेषिकक व्याख्याकार रहथि।शंकर मिश्र ग्रंथावली-१.गौरी दिगम्बर प्रहसन २.कृष्ण विनोद नाटक ३.मनोभवपराभव नाटक४.रसार्णव५.दुर्गा-टीका६.वादिविनोद७.वैशेषिक सूत्र पर उपस्कार८.कुसुमांजलि पर आमोद९.खण्डनखण्ड-खाद्य टीका १०.छन्दोगाह्निकोद्धार ११.श्राद्ध प्रदीप १२.प्रायश्चित प्रदीप।



उगना महादेव

माहादेव विद्यापतिक अहिठाम गीत सुनबा लेल उगना नोकर बनि रहैत छलाह।

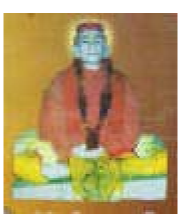


महाकवि विद्यापति ठाकुर 1350-1450

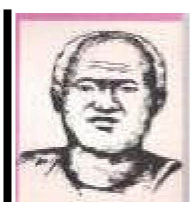
मैथिली भाषाक आदि कवि। अनेक गद्यग्रन्थहुक प्रणेता । कालजयी पद रचनाक अमर कवि । कीर्तिलता, कीर्तिपताका, पुरुष परीक्षा, गोरक्षविजय, लिखनावली आदि ग्रंथ समेत विपुल संख्यामे कालजयी मैथिली पदक रचयिता ।



शंकरदेव 1449-1569



लक्ष्मीनाथ गोसाई 1793-1872



कवि चन्दा झा

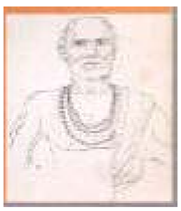


सर जी. ए. ग्रियर्सन मैथिली प्रेमी 1851-1941

1831-1907

मूलनाम चन्द्रनाथ झा, ग्राम- पिण्डारुछ, दरभंगा। कवीश्वर, कविचन्द्र नामसँ विभूषित। ग्रिएर्सनकेँ मैथिलीक प्रसंगमे मुख्य सहायता केनिहार।

कृति- मिथिला भाषा रामायण, गीति-सुधा, महेशवाणी संग्रह, चन्द्र पदावली, लक्ष्मीश्वर विलास, अहिल्याचरित आऽ विद्यापति रचित संस्कृत पुरुष-परीक्षाक गद्य-पद्यमय अनुवाद।



महाकवि लालदास 1856-1921

हिनक जन्म खड़ौआ ग्राममे १८५६ ई. मे तथा मृत्यु १९२१ ई. मे भेलन्हि । हिनक अनेक रचना उपलब्ध होइत अछि, यथा–रमेश्वर चरित रामायाण,' स्त्री शिक्षा,' 'सावित्री-सत्यवान,' 'चण्डी चरित,' 'विरुदावली,' 'दुर्गा सप्तशती,' तन्त्रोक्त मिथिला माहात्म्य' आदि । मैथिलीक अतिरिक्त ई संस्कृत, हिन्दी तथा फारसीक ज्ञाता छलाह । कविताक अतिरिक्त गद्यमे सेहो ई रचना कएल । रमेश्वर चरित रामायण हिनक सभसँ विशिष्ट ग्रन्थ अछि । राम-कथाक उल्लेखमे सीताक महिमाक महत्त्व दए मिथिला तथा मैथिलीक प्रति ई अपन श्रद्धा तथा भक्तिकेँ व्यक्त कएल अछि ।



म. म. परमेश्वर झा 1856-1924

जन्म 1856 ई. मे तरौनी ग्राम (दरभंगा) जिलामे भेल छलन्हि तथा निधन 1924 ई. मे । संस्कृत व्याकरणक ई दिग्गज विद्वान् छलाह तथा 'वैयाकरण केशरी' क उपाधिसँ विभूषित छलाह । मैथिली साहित्यमे अपन कृति 'मिथिलातत्त्व विमर्श' तथा 'सीमंतिनी आख्यायिका'क कारणे महत्त्वपूर्ण स्थान रखैत छथि । ई महाराज रमेश्वर सिंहक दरवारमे राज-पंडितक पदपर अनेको वर्ष धरि सुप्रतिष्ठित छलाह ।

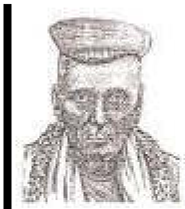


अवधबिहारी प्रसाद शाही 1859-1929

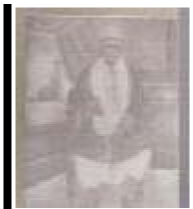


सर्वतंत्र स्वतंत्र बच्चा झा 1860-1921

मधुबनी जिलांतर्गत लवाणी(नवानी) गाममे हिनकर जन्म भेलन्हि।हिनक कृति सभ अछि। 1. सुलोचन-माधव चम्पू काव्य, 2.न्यायवार्त्तिक तात्पर्य व्याख्यान, 3.गूढ़ार्थ तत्त्वलोक(श्री मदभागवतगीता व्याख्याभूत मधुसूदनी टीका पर) 4.व्याप्तिपंचक टीका 5.अवच्छदकत्व निरुक्ति विवेचन 6.सव्यभिचार टिप्पण 7.सतप्रतिपक्ष टिप्पण 8.व्याप्तनुगन विवेचन 9.सिद्धांत लक्षण विवेक 10.व्युत्पत्तिवाद गूढार्थ तत्वालोक 11.शक्तिवाद टिप्पण 12.खण्डन-खण्ड खाद्य टिप्पण 13. अद्वैत सिद्धि चन्द्रिका टिप्पण 14.कुकुकाञ्जलि प्रकाश टिप्पण।

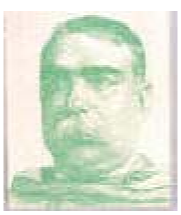


म. म. शशिनाथ झा 1860-1930



मुंशी रघुनन्दन दास 1860-1945

गाम-सखबार, ज़िला-मधुबनी। "मिथिला नाटक" आ "दूतांगद व्यायोग"क लेखक।



डॉ. सर आशुतोष मुखर्जी मैथिली प्रेमी 1864-1924



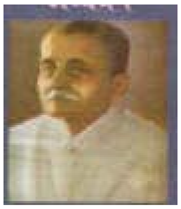
मधुसूदन ओझा 1866-1939



मुकुन्द झा "बख्शी" 1869-1936

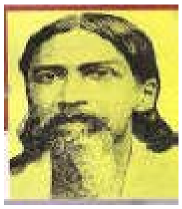
जन्म हरिपुर बख्शी टोल ग्राम (मधुबनी जिला) मे 1869 ई. मे भेल तथा हिनक निधन काशीमे 1937 ई. मे भेलन्हि । हिनक लिखल संस्कृत मे अनेक ग्रंथ अछि । मैथिलीमे हिनक महत्त्वपूर्ण कृति अछि 'मिथिला भाषामय इतिहास' । एकर अतिरिक्त मैथिलीमे हिनक स्फुट

निबन्ध सभ सेहो प्रकाशित भेल । मिथिलाक ऐतिहासिक वर्णन सभसँ पहिने हिनके प्रकाशित भेल । एहि इतिहासमे मिथिलाक सर्वतोमुखी परिचय प्रस्तुत कएल गेल अछि ।

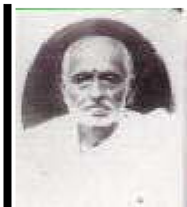


डॉ. सर गंगानाथ झा 1871-1941

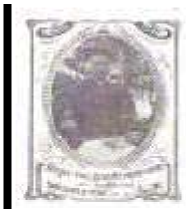
जन्म मधुबनी जिलाक सरिसब-पाही ग्राममे 1871 ई. मे भेल तथा निधन प्रयागमे 1941 ई. मे । ई अपना समयक संस्कृतक प्रकाण्ड विद्वान म. म. चित्रधर मिश्र, म. म. जयदेव मिश्र तथा म. म. शिवकुमार शास्त्रीसँ मीमांसा एवं दर्शनक अध्ययन कएलन्हि तथा दर्शनक विभित्र दुरूह ग्रंथक अङरेजीमे अनुवाद कए पाश्चात्य संसारक ध्यान आकृष्ट कएलन्हि । ई गवर्नमेन्ट संस्कृत कॉलेज बनारसमे 1917 सँ 1923 धरि प्रिंसिपल छलाह तथा एलाहाबाद विश्वविद्यालयक 1923 सँ 1932 पर्यन्त कुलपति रहलाह । मैथिलीमे हिनक सम्पादित चन्दा झाक 'महेशवाणी संग्रह' तथा 'गणनाथ-विन्ध्यनाथ पदावली' प्रकाशित अछि । मैथिली साहित्य परिषद् द्वारा प्रकाशित हिनक 'वेदान्त दीपक' (दर्शन) विषयक अपूर्व ग्रंथ अछि । एहिसँ भिन्न हिनक निबंध सभ सामयिक मैथिली पत्र-पत्रिकामे प्रकाशित अछि ।



अरविन्द घोष मैथिली प्रेमी 1872-1950



जनार्दन झा जनसीदन 1872-1951



रासबिहारी लालदास 1872-1940

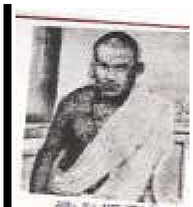
"मिथिला दर्पण" क लेखक।



रामचन्द्र मिश्र "चन्द्र" 1873-1937 मैथिल प्रभा

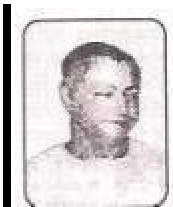


महावैय्याकरणाचार्य पं दीनबन्धु झा 1878-1955



भवनाथ मिश्र 1879-1933

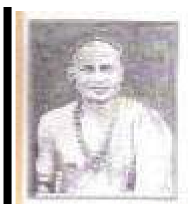
मैथिली शब्दकोष "मिथिला शब्द प्रकाश"क लेखक।



कीर्त्यानन्द सिंह



टंकनाथ चौधरी 1884-1928

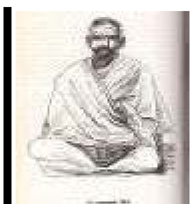


भवप्रीतानन्द ओझा 1886-1970

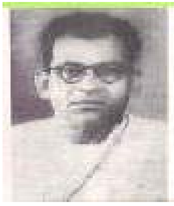


कपिलेश्वर मिश्र 1887-1987

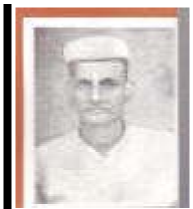
गाम सलेमपुर, थाना-उजियारपुर, जिला समस्तीपुर। "सीतादाइ" पुस्तक भंडारसँ प्रकाशित।



बालकृष्ण मिश्र 1888-1948

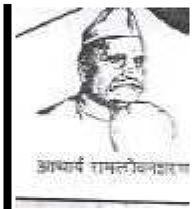


सुनीति कुमार चटर्जी मैथिली प्रेमी 1890-1977



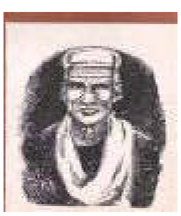
बलदेव मिश्र 1890-1975

हिनक जन्म सहरसा जिलाक वनगाँव ग्राममे 1890 ई. मे एवं निधन फरवरी, 1975मे भेलन्हि । प्रारम्भमे पं. गेनालाल चौधरीसँ ज्यौतिष पढ़ि ई काशीमे पं. सुधाकर द्विवेदीजीक शिष्य भेलाह । बहुत वर्ष धरि सरस्वती भवन (वाराणसी) मे हस्तलिखित विभागमे कार्य कएल । पश्चात् पटनाक काशीप्रसाद जयसवाल रिसर्च संस्थानमे अनेक प्राचीन तिब्बती हस्तलिपिकेँ देवनारीमे लिप्यन्तरित कएल। 'मिथिलामोद' प्रकाशन एवं म.म. मुरलीधर झाक प्रोत्साहनसँ ज्यौतिषीजी १९१० ई.सँ 'मोद'मे लिखए लगलाह। हिनक प्रकाशित रचना अछि–'रामायण शिक्षा', 'चन्दा झा', 'संस्कृति', 'भारत शिक्षा', 'गप्प-सप्प विवेक', 'समाज' आदि । पण्डितजी यावत् धरि पटना रहलाह बराबरि 'मिहिर'मे लिखैत रहलाह ।



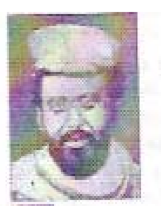
आचार्य रामलोचन शरण 1890-1971

"मैथिली रामचरित मानस"क लेखक।



सीताराम झा 1891-1975

जन्म चौगामा ग्राममे १८९१ ई.मे तथा निधन १९७५ ई. मे भेलन्हि । संस्कृतमे ज्योतिष शास्त्रक अनेक रचनाक .अतिरिक्त मैथिलीमे हिनक 'अम्ब



ताराचरण झा 1892-1928

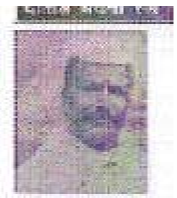


बद्रीनाथ झा 1893-1973

जन्म मधुबनी जिलाक सरिसव ग्राममे १८९३ ई. मे भेलन्हि तथा १९९४ ई. मे ई काशी लाभ कएलिन्ह । बहुत दिन धरि ई मुजफ्फरपुरक धर्म

चरित' (महाकाव्य), 'सूक्ति सुधा,' लोक लक्षण,' 'पद्धआचरित,' 'पूर्वापर व्यवहार,' उनटा बसात,' 'अलंकार दर्पण', 'भूकम्प वर्णन', 'काव्य षट-रस', 'मैथिली काव्योपवन', आदि ग्रन्थ उपलब्ध अछि । हिनक गीताक मैथिली अनुवाद सेहो उपलब्ध अछि । मिथिला मोदक सम्पादन १९२० ई.सँ १९२७ ई. धरि ई कएल ।

समाज संस्कृत कॉलेजमे साहित्यक अध्यापक छलाह । मैथिलीक विख्यात कवि लोकनि यथा सुमनजी, मधुपजी, मोहनजी आदि हिनक शिष्य छथिन्ह । संस्कृत साहित्यमे हिनक अनेक रचना अछि । जाहिमे राधा परिणय' (महाकाव्य) क स्थान विशिष्ट अछि । मैथिलीमे हिनक 'एकावली परिणय' (महाकाव्य) एक नवीन कीर्तिमान स्थापित कएलक। कोनो अलंकारक दृष्टान्त तकबाक हेतु 'एकावली परिणय' पर्याप्त अछि ।

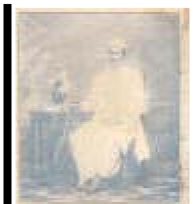


जीवनाथ राय 1893-1964



उमेश मिश्र 1895-1967

जन्म मधुबनी जिलाक गजहरा ग्राममे 1895 ई. मे भेल छलन्हि । ई एकहतरि वर्षक आयुमे १९६७ ई. मे प्रयागमे स्वर्गवासी भेलाह । ई अपन स्वनाम-धन्य पिता म. म. जयदेव मिश्र तथा म. म. डा. गंगानाथ झाक सान्निध्यमे विद्यार्जन कएल। १९२३ सँ १९५९ धरि मिश्रजी एलाहाबाद विश्वविद्यालयमे संस्कृतक प्राध्यापक छलाह । दरभंगा 'मिथिला शोध संस्थान'क निदेशक पदपर किछु समय कार्य कए १९६२ सँ ६५ धरि कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालयक कुलपति रहलाह ।म. म. मुरलीधर झासँ प्रभावित भए 'मिथिलामोद'मे ई लिखब प्रारम्भ कएलन्हि तथा अपन विविध प्रकारक रचनासँ मैथिलीक गद्यकेँ समृद्ध कएलन्हि । मैथिलीमे हिनक प्रसिद्ध ग्रन्थ अछि–'कमला' (शेक्सपीयरक 'टेम्पेस्ट'क भावानुवाद), 'नलोपाख्यान', 'मैथिली-संस्कृति' तथा अनेक वर्णनात्मक एवं



बाबू धनुषधारी लाल दास 1895-1965

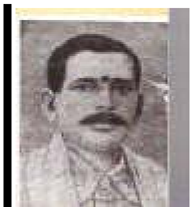
मैथिलीमे बिहारी कविक अनुवाद प्रकाशित।

आलोचनात्मक निबन्ध; मनबोधक कृष्णजन्मक सम्पादन, विद्यापतिक कीर्तिलता, कीर्तिपताका, गोरक्ष विजय आदिक अनुवाद-सम्पादन सेहो कएल।



अमरनाथ झा 1897-1955

सरिसब पाहीटोल ग्राममे १८९७ ई. मे भेल । हिनक निधन पटनामे जखन ई बिहार लोक सेवा आयोगक अध्यक्ष छलाह, १९५५ मे भेलन्हि । ई एलाहाबाद विश्वविद्यालयक नओ वर्ष धरि कुलपति रहि पश्चात् हिन्दू विश्वविद्यालयक सेहो कुलपतिक पदकेँ सुशोभित कएलन्हि । ई अंगरेजीक प्रकाण्ड विद्वान् छलाह, ताहि संग हिन्दी, उर्दू, फारसी, संस्कृत, बङला एवं मैथिलीक सेहो अद्भुत विद्वान् छलाह ।मैथिलीमे हिनका द्वारा सम्पादित 'हर्षनाथ काव्य ग्रन्थावली' तथा 'गोविन्ददासक श्रृग्ङारभजन' महत्त्वपूर्ण अछि । एहिसँ भिन्न हिनक मैथिली साहित्य परिषदक अध्यक्षीय भाषण तथा अन्य लेख प्रकाशित अछि ।



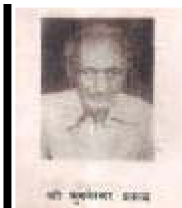
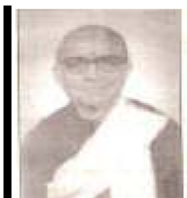
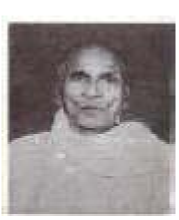
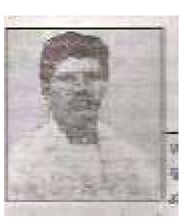
भोलालाल दास 1897-1977

हिनक जन्म दरभंगा जिलाक कसरौर मे भेलन्हि । साहित्य सर्जनाक अतिरिक्त अपन संगठन क्षमता तथा मैथिली साहित्यक सर्वतोमुखी विकासक हेतु सतत तत्पर रहबाक कारणेँ भोला बाबू मैथिली संसारक एक स्तम्भक रूपमे रहलाह । हिनक निधन 1977 ई. मे भेल । मैथिलीक प्रचार-प्रसारमे ई अपन जीवन समपित कएने छलाह। पाठ्यक्रममे मैथिलीकेँ स्थान हो ताहि हेतु ई बीड़ा उठओलन्हि । विद्यालय स्तरक अनेक पोथीक निर्माण कएल । मैथिली साहित्य परिषदक ई संस्थापक मण्डलक सदस्य छलाह । 1931 सँ 1940 ई. पर्यन्त ओकर प्रधान मन्त्री रहलाह । हिनक मन्त्रित्वकालमे 'भारती' नामक मासिक पत्रक प्रकाशन भेल । एहिसँ पूर्व (१९२९-३१) कुशेश्वर कुमरजीक संग संयुक्त सम्पादनमे 'मिथिला' नामक पत्र चलाओल । ई नवीन एवं प्रगतिशील विचारक लोक छलाह । नवव लेखककेँ प्रोत्साहित करब, शैलीमे एकरूपता आनब, नव प्रकाशनसँ मैथिलीक साहित्य भंडारक पूर्त्ति करब हिनक कर्त्तव्य बनि गेल छल । हिनक लिखल 'मैथिली व्याकरण' तथा हिनकहि द्वारा सम्पादित 'गद्यकुसुमांजलि बहुत दिन धरि



कुमार गंगानन्द सिंह 1898-1971

जन्म–बनैली राजपरिवारमे 24-9-1898, मृत्यु:-श्रीनगर पूर्णिञा 17-1-1970 । भूतपूर्व शिक्षामंत्री, बिहार एवं कुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय ।रचना–अगिलही (अपूर्ण उपन्यास) तथा अनेक कथा एवं एकांकी । युगक अनुरूप सामाजिक कुरीति आदिकेँ आधार बनाए सुधारवादी दृष्टिएँ कथा सभहिक रचना ।

	विद्यालयमे पढ़ाओल जाइत रहल । हिनक लिखल अनेक निबन्ध समालोचना, कविता, संस्मरण, जीवनी-साहित्य मैथिलीक पत्र-पत्रिकामे छिड़िआएल अछि ।	
 ब्रजमोहन ठाकुर 1899-1977	 रामवृक्ष बेनीपुरी 1899-1967	 भुवनेश्वर प्रसाद 1902- दरभंगा जिलाक बनौली गाम, निवास रायसाहेब पोखरि लहेरियासराय। सरस्वती स्कूल लहेरियासरायमे १९३०-१९६४ ई. धरि अध्यापन। मैथिलीमे "बाल रामायण" प्रकाशित।
 जयनारायण झा 'विनीत' 1902-1991	 सुधाकर झा "शास्त्री" 1904-1974	 दामोदर लाल दास विशारद 1904-1981
 बबुआजी झा 'अज्ञात' 1904-	 श्रीवल्लभ झा हाटी 1905-1940	 रमानाथ झा 1906-

 ISSN 2229-547X VIDEHA

1996

२००१- बबुआजी झा "अज्ञात" (प्रतिज्ञा पाण्डव, महाकाव्य)लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।

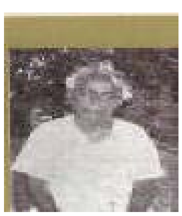
1971

जन्म दरभंगा जिलाक उजान (धर्मपुर) ग्राममे 1906 ई. मे एवं हिनक निधन दरभंगामे १९७१ ई. मे भेलन्हि । 1930 ई. मे अङरेजीमे एम. ए. कएलाक बाद ई कतोक वर्ष धरि मधेपुर उच्च विद्यालयक प्रधानाध्यापक छलाह, तकरा बाद दरभग्ङा-राज-लाइब्रेरीक पुस्तकालयाध्यक्षक रूपमे 1936 सँ अन्तिम समय धरि रहलाह । 1952 सँ 62 चन्द्रधारी मिथिला कॉलेजमे प्रो. झा अङरेजीक प्राध्यापक रूपेँ काजka पश्चात् ओही कॉलेजमे मैथिली विभागाध्यक्ष बनाओल गेलाह । 1965 मे रमानाथ बाबू साहित्य अकादमीक मैथिलीक प्रतिनिधि निर्वाचित भेलाह जाहि पद पर ओ जीवनक अन्त समय तक रहलाह ।

हिनक रचनाक क्षेत्र बहुत व्यापक छल । हिनक अनुसंधानात्मक निबंक दू गोट संग्रह 'निबन्धमाला' तथा 'प्रबंध संग्रह' प्रकाशित अछि । संकलित सम्पादित पुस्तक सभमे 'मैथिली पद्य-संग्रह', 'मैथिली गद्य-संग्रह', 'प्राचीन गीत', 'कथा काव्य', 'नवीन गीत', 'कविता कुसुम', 'कथा संग्रह' आदि अछि । 'कथासरित्सागर'क आधार पर प्राञ्जल गद्य शैलीमे हिनक 'उदयन-कथा' तथा 'बररुचि-कथा' बेश ख्याति पओलक । व्याकरणक 'मिथिला भाषा प्रकाश', 'अलक्ङारप्रवेश' आदि अनेक ग्रन्थ प्रकाशित अछि । 'मैथिली साहित्य पत्र' त्रैमासिक पत्रिकाक संपादक।



काशीकान्त मिश्र "मधुप"



कांञ्चीनाथ झा "किरण"



1906-1987

१९७०- काशीकान्त मिश्र "मधुप" (राधा विरह, महाकाव्य) पर साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्राप्त मैथिलीक प्रशस्त कवि आ मैथिलीक प्रचार-प्रसारक समर्पित कार्यकर्ता 'झंकार' कवितासँ क्रान्ति गीतक आह्वान कएलनि । प्रकृति प्रेमक विलक्षण कवि । 'घसल अठन्नी कविताक लेल कथ्य आ शिल्प-संवेदना–दुहू स्तर पर चरम लोकप्रियता भेटलनि।

1906-1988

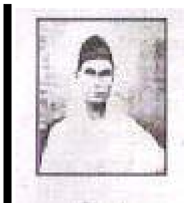
जन्म स्थान-धर्मपुर,लोहना रोड, दरभंगा बिहार । मैथिली भाषा आंदोलनमे महत्वपूर्ण भूमिका। 'पराशर' महाकाव्य लेल साहित्य अकादमी ओ 'कथा किरण' लेल वैदेही पुरस्कारसँ सम्मानित । प्रकाशित कृति: चंद्रग्रहण (उपन्यास), वीर-प्रसून (बालकथा), जय जन्मभूमि (एकांकी), विजेता विद्यापति (नाटक), कथा-किरण (कथा-संग्रह), किरण-कवितावली, कतेक दिनक बाद (कविता-संग्रह), पराशर (महाकाव्य) ओ किरण-निबंधावली (निबंध-संग्रह) आदि।१९८९- काञ्चीनाथ झा "किरण" (पराशर, महाकाव्य)पर मैथिली मे साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित।

श्यामानन्द झा

1906-1949







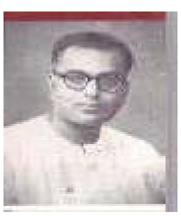
रमाकांत झा, नेपाल 1907-1971

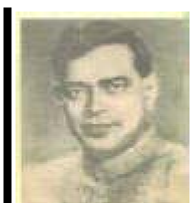
ईशनाथ झा 1907-1965

बहुमुखी प्रतिभाक कवि । प्राचीन आ नवीन पद्धतिक काव्य-रचनाक विलक्षण संयोग हिनकर कवितामे भेटैत अछि । दलित वर्ग, शोषणक समस्या, स्वदेश प्रेमक यथार्थवादी रचनाक संग संग व्यक्तिनिष्ठ कल्पनाक अनेक विशिष्ट कविता मैथिलीमे लिखलनि ।

भुवनेश्वर सिंह 'भुवन' 1907-1944

अपन खाढ़ीक बहुमुखी प्रतिभाक कवि । प्राचीन आ नवीन रीतिक कविताक रचना विपुल संख्यामे कएलनि । 'भुवन भारती' कविता संकलन प्रकाशनसँ मैथिली ओज आ नव चेतनाक शंख फुकलनि।







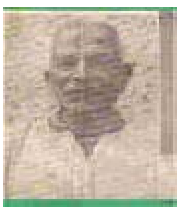
हरिमोहन झा 1908-1984

हिनकर मैथिली कृति १९३३ मे "कन्यादान" (उपन्यास), १९४३ मे "द्विरागमन"(उपन्यास), १९४५ मे "प्रणम्य देवता" (कथा-संग्रह), १९४९ मे "रंगशाला"(कथा-संग्रह), १९६० मे "चर्चरी"(कथा-संग्रह) आऽ १९४८ ई. मे "खट्टर ककाक तरंग" (व्यंग्य) अछि। मृत्योपरांत १९८५मे (जीवन यात्रा, आत्मकथा)पर मैथिलीक साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित।

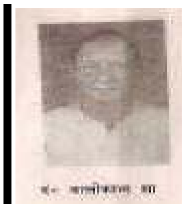
रामधारी सिंह 'दिनकर' मिथिला रत्न 1908-1974

माँगनि खबास 1908-1943 संगीतज्ञ

नौगछियामे जन्म। अल्प बएसमे मृत्यु।







सुभद्र झा 1909-2000

"फॉर्मेशन ऑफ मैथिली लैंगुएज"क लेखक। १९८६- सुभद्र झा (नातिक पत्रक उत्तर, निबन्ध)पर मैथिलीक साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित।

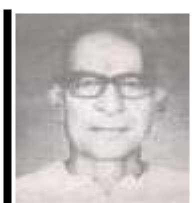
स्नेहलता 1909-1993

कालीकान्त झा 1909-

मूल गाम ढंगा (हरिपुर), मधुबनी। फेर मातृक बरदबट्टा,पो. उरलाहा, भाया-मदनपुर, जिला-पूर्णियामे बसि गेलाह। सतघरा (मधुबनी), मदनपुर आ काशीमे पाणिनी व्याकरणक अध्ययन। "हनुमान चरित"क लेखक।







तंत्रनाथ झा 1909-1984

जन्म १९०९ ई मे दरभंगा

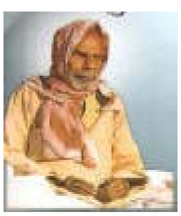
जीवनाथ झा 1910-1977

सुरेन्द्र झा 'सुमन' 1910-2002

जन्म: ग्राम : बल्लीपुर, जिला-

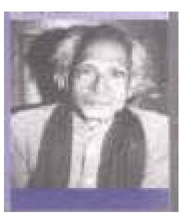
जिलाक धर्मपुर ग्राममे भेलन्हि मृत्यु ४-५-'८४,चन्द्रधारी मिथिला कॉलेजमे अर्थशास्त्रक प्राध्यापक छलाह । अवकाश ग्रहण क काव्य साधनामे लागल रहलाह । महाकाव्य, मुक्तक, एकांकी सभ विधामे ई सिद्ध हस्त छलाह । हिनक 'कीचक वंध' महाकाव्य अङरेजीक 'ब्लैक्ड भर्स' (अमित्राक्षर छन्द) म लिखल अछि । मैथिलीमे 'सौनेट' एवं ब्लैक्ड भर्स'क ई प्रथम प्रयोक्ता थिकाह । संस्कृत परम्परामे काव्य रचना करितहुँ पाश्चात्य शैलीक नवीनता हिनका रचनामे भेल । हिनक 'कीचक वध' ओ 'कृष्ण चरित' महाकाव्य–'मङ्गल-पञ्चाशिका' एवं 'नमस्या' मैथिली साहित्यमे अपन विशिष्ट स्थान रखैछ । तकर अतिरिक्त मुक्तक काव्यमे विषय वस्तुक व्यापकता एवं शिल्प शैलिक प्रचुरता अबैत अछि । एक दिश यदि प्राचीन ढंगक ईश्बर वन्दनाक रचना कएलन्हि तँ दोसर दिस 'सौनेट' (चतुर्दशपदी) 'बैलेड' आदि लिखबामे पूर्ण सफलता प्राप्त कएलन्हि ।'कृष्ण चरित' महाकाव्य पर हिनका 1979 ई क साहित्यक अकादमी पुरस्कार भेटलन्हि । 1980 ई. मे हिनका अभिनन्दन ग्रन्थसमर्पित कएल गेलन्हि ।

समस्तीपुर । प्रकाशित कृति: प्रतिपदा, अर्चना,साओन-भादव,अंकावली, अन्तर्नाद, पयस्विनी, उत्तरा आदि तीससँ अधिक मौलिक कविता-पुस्तक;पुरुष-परीक्षा, अनुगीतांजलि, ऋतु श्रृंगार तथा वर्णरत्नाकर, पारिजात-हरण, कृष्णजन्म, आनन्द-विजय आदि कतिपय ग्रन्थक अनुवाद-संपादन; 'मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव' नामक समीक्षा-ग्रंथ। 'पयस्विनी' लेल १९७१ मे साहित्य अकादेमी पुरस्कार तथा 'उत्तरा' पर १९१८ मे मैथिली अकादेमीक विद्यापति पुरस्कार प्राप्त । मैथिलीक प्रथम दैनिक पत्र 'स्वदेश'क लब्धप्रतिष्ठ सम्पादक।१९९५- सुरेन्द्र झा ''सुमन'' (रवीन्द्र नाटकावली-रवीन्द्रनाथ टैगोर, बांग्ला)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार। २००० ई.- पं.सुरेन्द्र झा ''सुमन'', दरभंगा;यात्री-चेतना पुरस्कार।



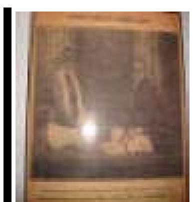
'नागार्जुन' वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' 1911-1998

जन्म अपन मामागाम सतलखामे भेलन्हि, जे हुनकर गाम तरौनीक समीपहिमे अछि, जिला-दरभ्गा । मूल नाम: वैद्यनाथ मिश्र । हिन्दीमे नागार्जुन नामे प्रख्यात । प्रकाशित कृति: चित्रा, पत्रहीन



आरसीप्रसाद सिंह 1911-1996

जन्म: ग्राम-एरौत, जिला-समस्तीपुर । प्रकाशित कृति: माटिक दीप, पूजाक फूल, सूर्यमुखी (कविता-संग्रह), मेघदूत (अनुवाद), आरसी, नन्ददास,



गुरु जयदेव मिश्र 1911-1991 शिष्य गंगानाथ झा

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

नग्न गाछ (मैथिली कविता-संग्रह); पारो, बलचनमा, नवतुरिया (मैथिली उपन्यास); युगधारा, सतरंगे पंखोंवाली, प्यासी पथराई आंखें, खिचड़ी विप्लव देखा हमने, तुमने कहा था, हजार हजार बाहो वाली, पुरानी जूतियो का कोरस, रत्नगर्भा, ऐसे भी हम क्या ! ऐसे भी तुम क्या ! (हिन्दी कविता-संग्रह); रतिनाथ की चाची, बलचनमा, नई पौध, बाबा बटेसरनाथ, वरुण के बेटे, दुखमोचन, कुम्भीपाक, अभिनन्दन, उग्रतारा, इमरतिया (हिन्दी उपन्यास); आसमान में चन्दा तैरे (कहानी संग्रह); भस्मांकुर (हिन्दी खण्ड काव्य); अन्नहीनम् क्रियाहीनम् (निबन्ध-संग्रह); गीत गोविन्द; मेघदूत; विद्यापति के गीत, विद्यापति की कहानियां (अनुवाद) । 'पत्रहीन नग्न गाछ' लेल १९६८ मे साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्राप्त । यायावरी जीवन । मैथिली प्रतिनिधिक रूपमे रूस भ्रमण । नागार्जुन (**स्व. श्री वैद्यनाथ मिश्र "यात्री"**), हिन्दी आ मैथिली कवि, १९९४ ई.मे **साहित्य अकादेमीक फेलो** (भारत देशक सर्वोच्च साहित्यक पुरस्कार)।

संजीवनी (हिन्दी काव्य संग्रह)। 'सूर्यमुखी' लेल १९८४ मे साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्राप्त ।



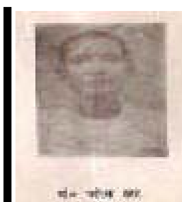
यशोधर झा

मिथिला वैभव, दर्शन मैथिली पोथीपर 1966 मे पहिल साहित्य अकादमी पुरस्कार मैथिली लेल प्राप्त।



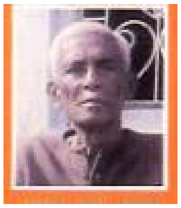
वैद्यनाथ मल्लिक 'विधु' 1912-1987

१९७६- वैद्यनाथ मल्लिक "विधु" (सीतायन, महाकाव्य) लेल मैथिलीक साहित्य अकादमी पुरस्कार।

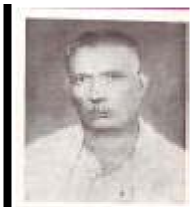


भीम झा 1912-

पूर्णिया जिलाक मदनपुर गामक। जन्म ५ नवम्बर १९१२ ई.। बनैलीक श्री श्यामानन्द सिंहक अध्यक्षतामे "नारायण संकीर्तन महामण्डली"क स्थापना।



राधानाथ दास १९१२-



उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' 1913-1980

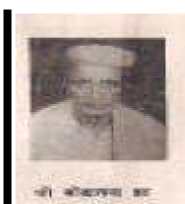
जन्म १९१३ ई. मे दरभंगा जिलाक चतरिया ग्राममे भेलन्हि । मृत्यु २४-५-१९८० । संस्कृत शिक्षामे साहित्याचार्य ओ बड़ौदा राजक विद्वत्-परीक्षासँ 'साहित्य-रत्न'क उपाधिसँ विभूषित भेलाह । दैनिक आर्यावर्तमे आदिअहिसँ, पश्चात् १९६० सँ मिथिला मिहिरक उप-सम्पादक एवं सह-सम्पादक रूपैं कार्य करैत १९७७ मे सेवा निवृत भेलाह ।मोहनजी करीब पचास वर्ष साहित्य साधनामे लागल रहलाह । विजयानन्द, कुंजरंजन, सुदर्शन, पुण्डरीक, शास्त्री, बामन आदि छद्म नामसँ पत्र-पत्रिकामे विविध विषयपर हिनक लेख सभ प्रकाशित भेल अछि ।मोहन जीक 'बाजि उठल मुरली'मे १०१ गोट कविताक संकलन अछि जाहिमे हिनक सुदीर्घ काव्य-आराधनाक विभित्र विचारधाराक ओ विभित्र अनुभूतिक सामग्री उपलब्ध अछि । एहि पुस्तकपर मोहन'जीकेँ १९७८ मे साहित्य अकादम् पुरस्कार भेटलन्हि। एहिसँ बहुत पूर्व हिनक 'फुलडाली' नामक कविता संग्रह सेहो प्रकाशित भेल छल ।



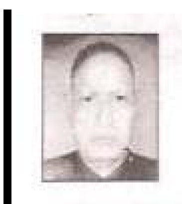
जयनाथ मिश्र 1913-1985



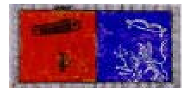
श्रीकांत ठाकुर

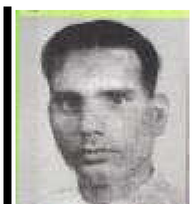
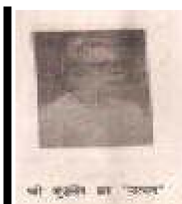


पञ्जीकार मोदानन्द



आनन्द झा 1914-

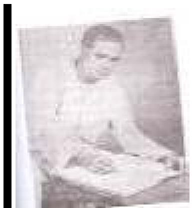
"विद्यालंकार"	झा 1914-1998 लब्ध धौत पञ्जीशास्त्र मार्त्तण्ड पञ्जीकार मोदानन्द झा, शिवनगर, अररिया, पूर्णिया। पिता-स्व. श्री भिखिया झा। गुरु- पञ्जीकार भिखिया झा। पूर्णिया जिलाक बनैली लगक शिवनगर गामक। जन्म २२ सितम्बर १९१४ ई.।सौराठमे अपन मौसा स्व. लूटनझा सँ पंजीशास्त्रक अध्ययन। १९४८-१९५१ ई. धरि दरभंगामे रहि आचार्य रमानाथ झाकेँ पाँजि पढ़ओलनि।शास्त्रार्थ परीक्षा- दरभंगा महाराज कुमार जीवेश्वर सिंहक यज्ञोपवीत संस्कारक अवसर पर महाराजाधिराज(दरभंगा) कामेश्वर सिंह द्वारा आयोजित परीक्षा- 1937 ई. जाहिमे मौखिक परीक्षाक मुख्य परीक्षक म.म. डॉ. सर गंगानाथ झा छलाह।	1988
 बाबू साहेब चौधरी 1916-1998 दरभंगा जिलाक दुलारपुर गामक। १९४३ ई. मे जीविकार्थ कलकत्ता अएलाह। नवम कक्षामे स्वराज्य आन्दोलनमे बाझि कए शिक्षाक इतिश्री। कलकत्तामे स्थानीत मैथिल संघमे प्रवेश। कलकक्तामे मैथिली आर्ट प्रेस. ९/१, खिलात घोष लेन, कलकत्ता-७०००० सँ मैथिली-मिथिला आन्दोलनमे सक्रिय। "कूहेस" आ "चाणक्य" दूटा नाटक। १९७१-७९ धरि "मिथिला दर्शन" आ "मैथिली दर्शन" मैथिली मासिकक सम्पादन।	 लक्ष्मण झा 1916-2000	 शुद्धदेव झा 'उत्पल' 1916- गोड्डा जिलाक अलखदत्त-महेनपुरक निवासी। जन्म १६ अक्टूबर १९१६ ई.।



संगीत भाष्कर राजकुमार श्यामानन्द सिंह १९१६-१९९४



रामचरित्र पाण्डेय "अणु" १९१७-२०१०



लक्ष्मीनाथ झा मिथिला चित्रकला 1917-1990



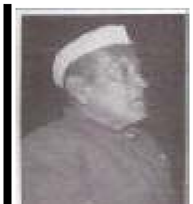
उपेन्द्र नाथ झा 'व्यास' 1917-2002

जन्म स्थान-हरिपुर वकशीटोल, मधुबनी, बिहार । १९६९- उपेन्द्रनाथ झा "व्यास" (दू पत्र, उपन्यास) लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित । साहित्य अकादेमीक अनुवाद पुरस्कार प्राप्त । प्रकाशित कृति: कुमार, दू पत्र (उपन्यास), विडंबना, भजना भजले (कथा-संग्रह), पतन संन्यासी, प्रतीक (काव्य), महाभारत (पहिल दू पर्व) आदि।



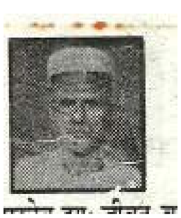
मनमोहन झा 1918-2009

जन्म सरिसबमे, अश्रुकण, वीरभोग्या, मिथिलाक निशापुरमे।२००९- स्व.मनमोहन झा (गंगापुत्र, कथासंग्रह)पर मृत्योपरांत साहित्य अकादमी पुरस्कार।



ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' 1918-1986

जन्म स्थान-बहेड़ा, दरभंगा बिहार । १९७३- ब्रजकिशोर वर्मा "मणिपद्म" (नैका बनिजारा, उपन्यास) लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित । उपन्यासकार, कथाकार ओ कवि । प्रकाशित कृति: कोब्रागर्ल, कनकी, अर्द्धनारीश्वर, लोरिक विजय, नैका-बनिजारा, लवहरि-कुशहरि, राय रणपाल, आदिम गुलाम आदि उपन्यास ओ कंठहार (नाटक) आदि।





स्वर्गीय विन्ध्येश्वरी प्रसाद मंडल,



बुद्धिधारी सिंह

पं. सहदेव झा १९१९-

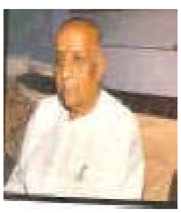
"मिथिला की धरोहर" पोथी प्रकाशित।

राजनेता 1919-1982

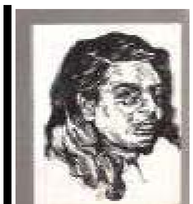
जन्म २५ अगस्त १९१९, मृत्यु १३ अप्रैल १९८२

रमाकर 1919-1991

जन्म मधुबनीमे 1919 ई. मे भेल । अपन पिता स्व. क्षेमधारी सिंहसँ विभित्र विषयक शिक्षा ग्रहण कएलन्हि । ई रामकृष्ण कॉलेज, मधुबनीक मैथिली विभागाध्यक्ष छलाह । जतएसँ अवकाश प्राप्त कएलन्हि । बाल्या-वस्थहिसँ ई कविकार्यमे लागल रहलाह अछि । संस्कृत तथा मैथिली दुनू भाषामे हिनक रचना प्रकाशित अछि । यथा–मैथिलीमे 'प्रयास' (कथा-संग्रह), 'मधुमती', 'अमरबापू' (कविता-संग्रह), 'शरशय्या' (खंड-काव्य) 'स्मृति साहस्री' (महाकाव्य) आदि ।



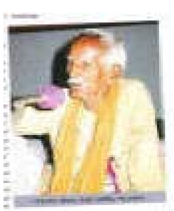
आद्याचरण झा 1920-



फणीश्वर नाथ 'रेणु' मिथिला रत्न 1921-1977

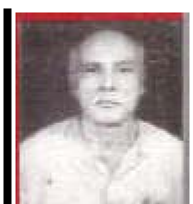


जयकान्त मिश्र, पुत्रीक संग आ' नेहरूक संग 1922-2009



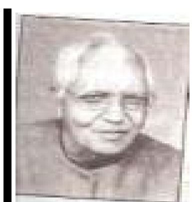
चन्द्र भानु सिंह 1922-

२००४- चन्द्रभानु सिंह (शकुन्तला, महाकाव्य)लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।



सुधांशु शेखर चौधरी 1922-1990

जन्म दरभंगाक मिश्रटोलामे 1922 ई. मे भेलन्हि तथा मृत्यु 1990 ई. मे भेलन्हि । किछु दिन विभिन्न जीविकामे रहि पश्चात् साहित्यकारक जीवन प्रारम्भ कएल । किछु दिन



गोविन्द झा 1923-

जन्मस्थान- इसहपुर, सरिसब पाही, मधुबनी, बिहार । सिद्ध कथाकार, उपन्यासकार, नाटककार, भाषा वैज्ञानिक ओ अनुवादक। साहित्य अकादेमी पुरस्कार, साहित्य अकादेमी अनुवाद पुरस्कारसँ सम्मानित।

'बैदेही'क सम्पादन श्री सुमनजी एवं श्री कृष्णकान्त मिश्रजीक संग कएल तत्पश्चात् 1960 ई. सँ 1982 ई. धरि पटनामे 'मिथिला मिहिर''क सफल सम्पादन कएल ।हिनक दू गोट नाट्यकृति- 'भफाइत चाहक जिनगी', लेटाइत आँचर', तथा 'पहिल साँझ' हिनक नाटकक नीक व्यावहारिक अनुभवक परिचायक अछि ।छद्मनामसँ हिनक दू गोट उपन्यास मिहिर' मे प्रकाशित भेल अछि । हिनक उपन्यास ई वतहा संसार' जे मैथिली अकादमी द्वारा प्रकाशित भेल आ जाहि पर 1980 क साहित्य अकादमीक पुरस्कार देल गेल ।

बिहार सरकारसँ कामिल बुल्के पुरस्कार, ग्रियर्सन पुरस्कार आदिसँ सम्मानित । प्रकाशित कृति: उपन्यास, नाटक, कथा, कविता, भाषा विज्ञान आदि विभिन्न विधामे अड़तीस टा पोथी प्रकाशित । प्रकाशन: सामाक पौती,नेपाली साहित्यक इतिहास (अनु) आदि । १९९३- गोविन्द झा (सामाक पौती, कथा)पुस्तक लेल सहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित ।१९९३- गोविन्द झा (नेपाली साहित्यक इतिहास- कुमार प्रधान, अंग्रेजी) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार। प्रबोध सम्मान 2006 सँ सम्मानित।



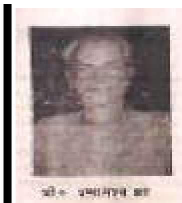
योगानन्द झा
1923-1986

हिनक जन्म मधुबनी जिलाक कोइलख ग्राममे 1923 ई. मे भेलन्हि । मृत्यु 1986 मे भेलनि । अग्रेजीमे एम. ए. कएलाक पश्चात् ई किछु दिन चन्द्रधरी मिथिला कॉलेजमे प्राध्यापक रहलाह । बिहार प्रशासनिक सेवामे 1981 धरि विभिन्न पदपर कार्य कएल । तत्पश्चात्मैथिली अकादमीक निदेशक '84 धरि ।योगानन्द झाजी मैथिली साहित्यमे अपन उपन्यास 'भलमानुस' एवं 'पवित्रा'क हेतु ख्यात छथि । हिनक नाटक 'मुनिक मतिभ्रम' एवं कथा संग्रह 'उड़ैत वंशी' यथेष्ट प्रतिष्ठा प्राप्त कएने अछि । एकर अतिरिक्त ई महात्मा गान्धीक आत्मकथाक अनुवाद एवं 'आमक जलखरी' नामक एक कथा संग्रहक सम्पादन सेहो कएने छथि ।



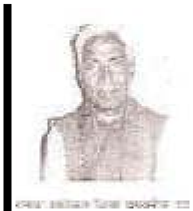
रामकृष्ण झा 'किसुन'
1923-1970

आधुनिक धाराक विशिष्ट कवि, कथाकार, चिन्तक । प्रकाशित कृति: आत्मनेपद (कविता संग्रह), मैथिली नवकविता (सम्पादन)। मृतयुपरान्त 'किसुन रचनावली' तीन खण्डमे प्रकाशित ।



उमानाथ झा
1923-2009

जन्म:-01-01-1923, मृत्यु 07-12-2009 महरैल, मधुबनी ।भूतपूर्व अङरेजी विभागाध्यक्ष एवं प्रति-कुलपति मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा । रचना:- रेखाचित्र, अतीत (कथा संग्रह); मैथिली नवीन साहित्य, इन्द्र धनुष, विद्यापति गीतशती (सम्पादन)।१९८७- उमानाथ झा (अतीत, कथा) पर मैथिलीक साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित।



ज़टाशंकर दास 1923-2006

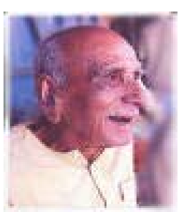


प्रबोध नारायण सिंह 1924-2005

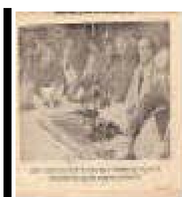
हिन्दी, संस्कृत, मैथिली, पाली एवं फारसीक विद्वान्। मिथिला, मैथिल एवं मैथिलीक ई अनन्य भक्त छथि । कलकत्ता रहि मिथिला दर्शन', मैथिली कविता', मैथिली रंगमंच' आदि पत्रिकाक प्रकाशनक माध्यमसँ श्री प्रबोधजी मैथिलीक जे सेवा कएल अछि तकर वर्णन थोड़मे सम्भव नहि । अनेक बङला कृतिक ई अनुवाद सेहो कएल अछि ।हिन्दीमे सेहो हिनक 'कविता संग्रह' प्रकाशित अछि ।कलकत्ता विश्वविद्यालयमे हिन्दीक पूर्व अध्यक्ष। २००२- डॉ. प्रबोध नारायण सिंह (पतझड़क स्वर- कुर्तुल ऐन हैदर, उर्दू) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



मदनेश्वर मिश्र 1924-2004



अमोघ नारायण झा "अमोघ" 1924-



मुरलीधर सिंह, ब्रजमोहन ठाकुर, शुभंकर झा, मदनेश्वर मिश्र 1924-2004, ललित नारायण मिश्र, देवनाथ राय



मतिनाथ मिश्र मतंग 1924-



आनन्द मिश्र 1924-2007



डॉ. जयमन्त मिश्र १९२५-२०१०

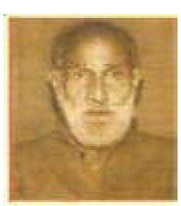
जन्म १५-१०-१९२५ मृत्यु ०७-०९-२०१०, गाम-ढंगा-हरिपुर-मजरही।

१९९५- जयमन्त मिश्र (कविता कुसुमांजलि, पद्य) लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कार- मैथिली।



चन्द्रनाथ मिश्र अमर 1925-

जन्म: खोजपुर, मधुबनी । वरिष्ठ कवि, कथाकार-उपन्यासकार । हास्य-व्यंग्यक कवितामे बेजोड़। मैथिलीक लेल समर्पित व्यक्तित्व । पांच दर्जनसं बेसी कथा आ विदागरी, वीरकन्या (उपन्यास) जल समाधि (कथा संग्रह) प्रकाशित ।१९८३- चन्द्रनाथ मिश्र “अमर” (मैथिली पत्रकारिताक इतिहास) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित। एम. एल. एकेडमी, लहेरिरियासरायसं शिक्षकक रूपमे अवकाश प्राप्त। आशा दिशा, गुदगुदी, युगचक्र, उनटा पाल आदि कविता संग्रह प्रकाशित। १९९८- चन्द्रनाथ मिश्र “अमर” (परशुरामक बीछल बेरायल कथा- राजशेखर बसु, बांग्ला) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार। चन्द्रनाथ मिश्र अमर २०१० मे मैथिली साहित्य लेल **साहित्य अकादेमीक फेलो** (भारत देशक सर्वोच्च साहित्यक पुरस्कार)।



मुक्तिनाथ झा (1926-2009)



शुभंकर झा 1926-

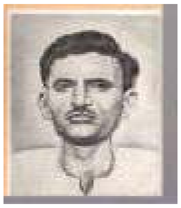


डॉ. हरिवंश तरुण 1927-2009

जन्म 21 जून 1927 ई.। गाम- चकसलेम, पो.- पटोरी, जिला- समस्तीपुर। तीन दर्जन

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

सँ बेशी हिन्दी पोथी जाहिमे काव्य-कथा-प्रबन्ध सम्मिलित अछि।



दीनानाथ पाठक 'बन्धु' 1928-1962

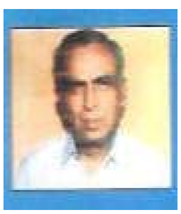


बुचन भगत, संत 1928-1991



अनंत बिहारी लाल दास "इन्दु" 1928-2010

२००७- अनन्त बिहारी लाल दास "इन्दु" (युद्ध आ योद्धा- अगम सिंह गिरि, नेपाली)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



जगदानन्द झा 1928-



दुर्गानाथ झा "श्रीश"

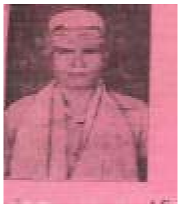
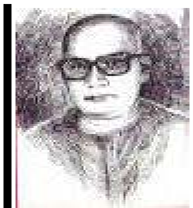
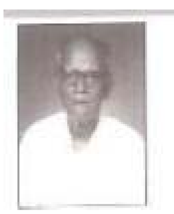
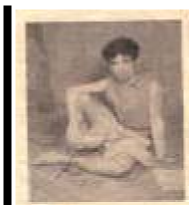
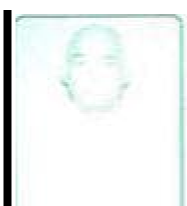
हिनकर जन्म मधुबनी जिलाक विट्ठो गाममे १९२९ ई. मे भेलन्हि। हिन्दी आ मैथिलीमे एम.ए. आ बी.एड. केलाक बाद किछु दिन स्कूलमे अध्यापन, फेर मिल्लत कॉलेज, लहेरियासरायमे मैथिली आ हिन्दी विभागक अध्यक्ष। मैथिली भाषामे पहिल पी.एच. डी.। "श्रीश" जीक मैथिलीमे प्रकाशित रचना अछि- "मैथिली साहित्यक इतिहास", "भुवन भारती" (सम्पादन), "महामत्स्य ओ मनु" (कविता), "नाट्य कथा सार"(सम्पादन), "पुरुषार्थ"(पद्य नाटक) आ अनेक कविता, एकांकी आ आलोचनात्मक



राजकमल चौधरी 1929-1967

महिषी, सहरसा। रचना:- आदि कथा, आन्दोलन, पाथर फूल (उपन्यास), स्वरगंधा (कविता संग्रह), ललका पाग (कथा संग्रह), कथा पराग (कथा संग्रह सम्पादन)। हिन्दीमे अनेक उपन्यास, कविताक रचना, चौरङ्गी (बङला उपन्यासक हिन्दी रूपान्तर) अत्यन्त प्रसिद्ध।

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

	निबन्ध।	
		
विश्वनाथ झा "विषपायी" 1929-2005 "राम सुयश सागर" (मैथिली रामायण) १९८० ई. मे प्रकाशित। २५ जनवरी २००५ कैं मृत्यु।	जयधारी सिंह 1929-2007 समीक्षक, कवि । प्रकाशन: बौद्धगानमे तांत्रिक सिद्धांत, समीक्षा शास्त्रा अदि । रामकृष्ण कॉलेज, मधुबनीमै मैथिली विभागक पूर्व अध्यक्ष ।	शैलेन्द्र मोहन झा 1929-1994 १९९२- शैलेन्द्र मोहन झा (शरतचन्द्र व्यक्ति आ कलाकार- सुबोधचन्द्र सेन, अंग्रेजी)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।
		
विजयनाथ ठाकुर 1929-2008	सुन्दर झा "शास्त्री" 1930-1998 जनकपुर, नेपाल, युवावस्थाक जेलक दुर्लभ फोटो।	रमेशचन्द्र वर्मा 1930-
		
गोपालजी झा 'गोपेश' 1931-2008 जन्म मधुबनी जिलाक मेहथ	विवेकानन्द ठाकुर 1931- २००५- विवेकानन्द ठाकुर (चानन घन गछिया, पद्य)मैथिली	ताराकांत मिश्र 1931-

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

गाममे १९३१ ई.मे भेलन्हि। हिनकर रचित ''सोन दाइक चिट्ठी'', ''गुम भेल ठाढ़ छी'', ''एलबम'' ''आब कहू मन केहन लगैए'', "मखानक पात" प्रकाशित भेल जाहिमे सोनदाइक चिट्ठी बेश लोकप्रिय भेल। २००६ ई.-श्री गोपालजी झा गोपेश, मेंहथ, मधुबनी;यात्री-चेतना पुरस्कार।

लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।



ललित 1932-1983

जन्म स्थान बसैठ चानपुरा मधुबनी, बिहार । प्रसिद्ध कथाकार ओ उपन्यासकार । प्रकाशित कृति: प्रतिनिधि, (कथा संग्रह), पृथ्वी-पुत्र (उपन्यास) आदि।



मुरारि मधुसूदन ठाकुर 1932-

ताराशंकर बंदोपाध्यायक बंगला उपन्यास "आरोग्य निकेतन"क मैथिली अनुवाद लेल साहित्य अकादमीक अनुवाद पुरस्कार 1999 भेटल छन्हि।

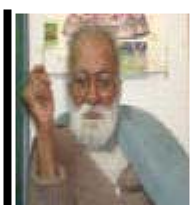


विद्यानारायण ठाकुर 1933-



धूमकेतु 1932-2000

जन्म स्थान कोइलख, मधुबनी, बिहार । प्रसिद्ध कथाकार, उपन्यासकार ओ कवि । प्रकाशित कृति : दू टा कथा संग्रह ओ एक टा उपन्यास ।



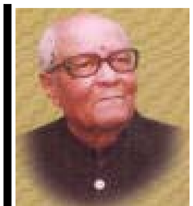
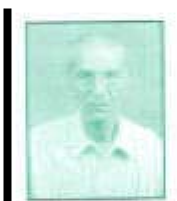
राजमोहन झा 1934-

जन्म स्थान कुमरबाजितपुर, वैशाली, बिहार । प्रख्यात कथाकार ओ संपादक । आइ काल्हि परसू (कथा-संग्रह) लेल १९९६ मे साहित्य अकादेमीसँ सम्मानित । प्रकाशित कृति :



डॉ. धीरेन्द्र 1934-2004

जन्म स्थान लोहन, सरिसब पाही, मधुबनी, बिहार । प्रसिद्ध कथाकार,उपन्यासकार ओ कवि । प्रकाशित कृति: कुहेस आ किरण, पझाइत घूरक आगि, शतरूपा ओ मनु अपन मन्दिर

	एक आदि एकांत, झूठ साँच, एकटा तेसर, अनुलग्नक, आइ काल्हि परसू (कथा संग्रह), गलतीनामा, भनहि विद्यापति, टीप्पणीत्यादि (आलोचना)। 'आरम्भ' पत्रिकाक संपादन।प्रबोध सम्मान 2009 सँ सम्मानित।	(कथासंग्रह) हैंगरमे टाँगल कोट, काल्हि ओ आइ (कविता संग्रह) सहित कैक विधामे विभिन्न पोथी।
 जमाहिरलाल जवाहरलाल नेहरू जयकान्त मिश्र बैद्यनाथ चौधरी	 हरिमोहन झा, मायानन्द मिश्र, स्वरूप दास	 मायानन्द मिश्र 1934- हिनक जन्म १७ अगस्त १९३४ ई. कें सुपौल जिलाक बनैनियाँ गाममे भेलनि।भाङ्क लोटा, आगि मोम आ' पाथर आओर चन्द्र- बिन्दु- हिनकर कथा संग्रह सभ छन्हि। बिहाड़ि पात पाथर , मंत्र-पुत्र ,खोता आ' चिडै आ' सूर्यास्त हिनकर उपन्यास सभ अछि॥ दिशांतर हिनकर कविता संग्रह अछि। एकर अतिरिक्त सोने की नैय्या माटी के लोग, प्रथमं शैल पुत्री च,मंत्रपुत्र, पुरोहित आ' स्त्री-धन हिनकर हिन्दीक कृति अछि।१९८८- मायानन्द मिश्र (मंत्रपुत्र, उपन्यास)पर मैथिलीक साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित। प्रबोध सम्मान 2007सँ सम्मानित।
 हरिशंकर श्रीवास्तव		 राजनन्दन लाल दास

"शलभ" 1934-

सोमदेव 1934-

उपन्यासकार ओ कवि । साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित । प्रकाशित कृति: चानोदाइ, होटल अनारकली (उपन्यास), काल ध्वनि (कविता संग्रह), चरैवेति (गीति नाट्य) सोम सतसइ (दोहा)।२००२- सोमदेव (सहस्त्रमुखी चौक पर, पद्य) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार। २००१ ई. - श्री सोमदेव, दरभंगा;यात्री-चेतना पुरस्कार।

1934-

"कर्णामृतक"क सम्पादन।
"चित्रा-विचित्रा" प्रकाशित।



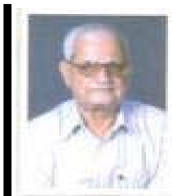
रमानन्द रेणु 1934-

जन्म स्थान उसमामठ, दरभंगा, बिहार । वरिष्ठ कवि, कथाकार ओ उपन्यासकार। साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित। प्रकाशित कृति: कचोट, त्रिकोण, अंतहीन आकाश (कथा-संग्रह), दूधफूल (उपन्यास), अंतत:, ओकरे नाम (कविता-संग्रह)। २०००- रमानन्द रेणु (कतेक रास बात, पद्य)लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।



रामभद्र, धनुषा, नेपाल 1935-

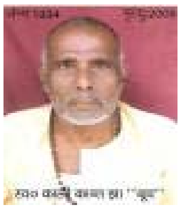
साहित्य तथा अन्यान्य क्षेत्रक कतोक सफल व्यक्तिसभ अपन प्रेरणास्त्रोत आ पथ-प्रदर्शक मानैत छथि । मैथिली साहित्य-क्षेत्रमे हिनक परिचयक मादे एतबाए कहब पर्याप्त होएत जे मैथिलीक मूर्द्धन्य साहित्यकार डा. धीरेन्द्र हिनका मैथिली साहित्यक सर्वश्रेष्ठ कथाकार मानैत छथि ।हिनक कथामे प्रतीकात्मकताक अदभुत प्रयोगहिटा नहि, अपितु एकटा आदर्श कथाक समस्त वैशिष्टसभविद्यमान रहैत अछि । कथाकारक अतिरिक्त ई उत्कृष्ट समालोचक, नाटककार आ कवि सेहो छथि । नेपालमे मैथिलीक पहिल मोनोड्रामा लिखबाक श्रेय सेहो हिनका जाइत छनि ।सामाजिक कुरीतिसभकँ कुशलतासँ चित्रण करबामे, चिन्तनीय बनएबामे आ मन-मस्तिष्कपर अमिट छाप छोड़बामे रामभद्र सिद्धहस्त छथि । धनुषा जिलाक कुर्था गाममे जनमल रामभद्रक पूर्ण नाम रामभद्र कर्ण



केदारनाथ चौधरी 1936-

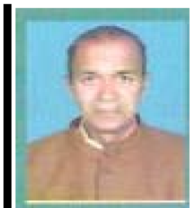
जन्म 3 जनवरी 1936 ई नेहरा, जिला दरभंगामे। 1958 ई.मे अर्थशास्त्रमे स्नातकोत्तर, 1959 ई.मे लॉ। 1969 ई.मे कैलिफोर्निया वि.वि.सँ अर्थस्थास्त्र मे स्नातकोत्तर, 1971 ई.मे सानफ्रांसिस्को वि.वि.सँ एम.बी.ए., 1978मे भारत आगमन। 1981-86क बीच तेहरान आ प्रैंकफ्रुर्तमे। फेर बम्बई, पुणे होइत 2000 सँ लहेरियासरायमे निवास। मैथिली फिल्म 'ममता गाबय गीत'क मदनमोहन दास आ उदयभानु सिंहक संग सह निर्माता। तीन टा उपन्यास 2004 मे चमेली रानी, 2006 मे करार, 2008 मे माहुर।

छनि । अग्डरेजी विषयक अवकाशप्राप्त शिक्षक रामभद्र व्याकरण, पाठयपुस्तक आ सहायक पुस्तकसभ लिखबाक काजमे निरन्तर सक्रिय छथि।



कालीकांत झा "बूच" 1934-2009

हिनक जन्म, महान दार्शनिक उदयनाचार्यक कर्मभूमि समस्तीपुर जिलाक करियन ग्राममे 1934 ई. मे भेलनि । पिता स्व. पंडित राजकिशोर झा गामक मध्य विद्यालयक प्रथम प्रधानाध्यापक छलाह । माता स्व. कला देवी गृहिणी छलीह । अंतरस्नातक समस्तीपुर कॉलेज, समस्तीपुरसँ कयलाक पश्चात् बिहार सरकारक प्रखंड कर्मचारीक रूपमे सेवा प्रारंभ कयलनि । बालहिं कालसँ कविता लेखनमे विषेश रूचि छल । मैथिली पत्रिका - मिथिला मिहिर, माटि - पानि, भाखा तथा मैथिली अकादमी पटना द्वारा प्रकाशित पत्रिकामे समय - समय पर हिनक रचना प्रकाशित होइत रहलनि । जीवनक विविध विधाकेँ अपन कविता एवं गीत प्रस्तुत कयलनि । साहित्य अकादमी दिल्ली द्वारा प्रकाशित मैथिली कथाक विकास (संपादक डॉ बासुकीनाथ झा) मे हास्य कथा कारक सूची मे डॉ विद्यापति झा हिनक रचना “धर्म शास्त्राचार्यक उल्लेख कयलनि । मैथिली एकादमी पटना एवं मिथिला मिहिर द्वारा समय - समय पर हिनका प्रशंसा पत्र भेजल जाइत छल ।श्रृंगाररस एवं हास्य रसक संग-संग विचार मूलक कविताक रचना सेहो कयलनि । डॉ दुर्गानाथ झा



श्याम चन्द्र 1934-

उपन्यास "रूपा दीदी" प्रकाशित। गाम मलंगिया, जिला- मधुबनी।



डोरीलाल शर्मा "श्रोत्रिय" १९३५-

"मिथिला की पाण्डित्य परम्परा" पोथी प्रकाशित।

श्रीश संकलित मैथिली साहित्यक इतिहासमे कविक रूपमे हिनक उल्लेख कएल गेल अछि ।



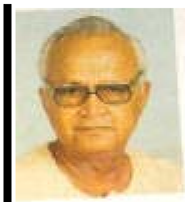
जीवकांत 1936-

नाम- जीवकान्त झा,पिता-गुणानन्द झा, माता-महेश्वरी देवी, जन्म-२५.०७.१९३६ अभुआढ़, जिला-सुपौल। नौकरी-विज्ञान शिक्षक (उ.वि.खजौली १९५७-८१), हिन्दी शिक्षक (उ.वि.डेओढ़ एवं उ.वि.पोखराम १९८१-९८)।पहिल रचना-इजोड़िया आ टिटही (कविता, जनवरी १९६५ मिथिला मिहिर)।पहिल छपल पोथी- दू कुहेसक बाट (उपन्यास १९६८)।नूतन पोथी-खिखिरक बीअरि (२००७ बाल पद्य कथा), अठन्नी खसलइ वनमे (पद्य-कथा संग्रह) आ पंजरि प्रेम प्रकासिया (जीवन-वृत्तक अंश)।पुरस्कार-साहित्य अकादेमी 1998 तकै अछि चिड़ै, पद्य , किरण सम्मान (१९९८), वैदेही सम्मान (१९८५)।प्रकाशित पोथी-

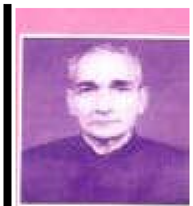
कविता संग्रह:नाचू हे पृथ्वी (७१), धार नहि होइछ मुक्त (९१), तकैत अछि चिड़ै (९५), खाँड़ो (१९९६), पानिमे जोगने अछि बस्ती (९८), फुनगी नीलाकाशमे (२०००), गाछ झूल-झूल (२००४), छाह सोहाओन (२००६), खिखिरिक बीअरि (२००७)

कथा-संग्रह:एकसरि ठाढ़ि कदम तर रे (७२), सूर्य गलि रहल अछि (७५), वस्तु (८३), करमी झील (९८)

उपन्यास:दू कुहेसक बाट(६८), पनिपत(७७), नहि, कतहु नहि



देवकांत झा 1936-



डॉ अमरेश पाठक 1936-

हिनक जन्म सीतामढ़ी जिलाक अन्तर्गत सामारि ग्राममे १९३६ मे भेलन्हि । १९५७ मे पटना विश्वविद्यालयसँ मैथिलीक एम. ए. परीक्षामे प्रथम श्रेणीमे प्रथमस्थान पाओल । १९५७ सँ १९६० धरि रामकृष्ण महाविद्यालय, मधुबनीमे व्याख्याता रूपैं तकरा बाद पटना विश्वविद्यालयमे व्याख्याता रूपमे कार्य करए लगलाह । पटना विश्वविद्यालयमे मैथिली विभागाध्यक्ष रूपैं । मैथिली उपन्यासक आलोचनात्मक अध्ययन' शोध प्रबन्धपर हिनका बिहार विश्व-विद्यालय द्वारा डि. लिट्क उपाधि भेटलन्हि । ई शोध प्रबन्ध पुस्तकाकार रूपैं सेहो प्रकाशित भेल अछि बिहार राष्ट्रभाषा परिषदक विद्यापति ग्रन्थावलीक सम्पादक मण्डलक सदस्य । हिनक अन्य प्रकाशित रचना अछि 'निबन्ध संकलन' । एकरा छोड़ि विभित्र पत्र-पत्रिकामे हिनक कतेको निबन्ध प्रकाशित छन्हि । मैथिली अकादमी द्वारा प्रकाशित कथा-संग्रहक इहो एक सम्पादक छथि । ई अधिकतर उच्च स्तरीय आलोचनात्मक निबन्ध लिखैत छथि । २०००-डॉ. अमरेश पाठक, (तमस- भीष्म साहनी, हिन्दी)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।

(७६), पीयर गुलाब छल (७१), अगिनबान (८१)

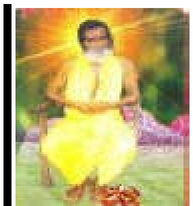
हिन्दी अनुवाद- निशान्त की चिड़िया (तकैत अछि चिड़ै, साहित्य अकादमी, दिल्ली २००३)।

प्रबोध सम्मान 2010 सँ सम्मानित।



बलराम 1936-2008

जन्म स्थान पचही, मधुबनी, बिहार । विशिष्ट कथाकार । प्रकाशित कृति : दकचल देबाल (कथा-संग्रह)।

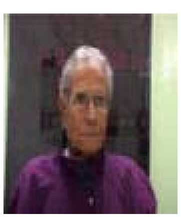


मैथिलीपुत्र प्रदीप 1936-



रामदेव झा 1936-

कथाकार, समीक्षक, अनुवादक, ग्रंथ सम्पादक । साहित्य अकादेमीक मूल एवं अनुवाद पुरस्कार प्राप्त कर्त्ता ल. ना. मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगाक मैथिली विभागक पूर्व प्राचार्य । प्रकाशन: पसिझैत पाथर, (अनु.) आदि । १९९१- रामदेव झा (पसिझैत पाथर, एकांकी)लेल साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित ।१९९४- रामदेव झा (सगाइ- राजिन्दर सिंह बेदी, उर्दू) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



रवीन्द्र नाथ ठाकुर 1936-



बिनोद बिहारी वर्मा 1937-2003



ललन कुमार वर्मा 1937-2001

जन्म पूर्णिआ जिलाक धमदाहा ग्राममे 1936 ई. मे भेलन्हि । नेने अवस्थासँ गीत गएबामे एवं कविता लिखबामे विशेष रुचि । कोनो मंच पर ठाढ़ भेला पर ई सहजहि श्रोताकेँ आह्लादित करैत छथि । हिनक सात गोट मैथिलीक गीत संग्रह, एक मिनी महाकाव्य, एक प्रयोगधर्मी काव्य, एक उपन्यास, एक नाटक 'एक राति' एवं एक हिन्दी नाटक, प्रकाशित भेल छन्हि ।

मैथिल करण कायस्थक पाँजिक सर्वेक्षण, बलानक बोनिहार ओ पल्लवी तथा अन्य कथा (कथा संग्रह)

सहरसा जिलाक डुमरा गामक। पिता श्री सूर्यनारायण लाल दास। पेशासँ वकील ललनजी मैथिली लेल कतेको केस सरकारक विरुद्ध लड़लाह।



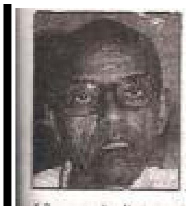
वीरेन्द्र मल्लिक 1937-

जन्म- 3 जनबरी 1937 ई. परसौनी, मधुबनीमे।कवि, सम्पादक, समीक्षक । आखर, अगनिपत्रक सम्पादन ।अग्नि-शिखा (कविता संग्रह)।

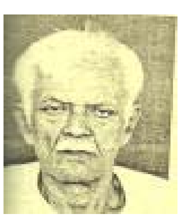


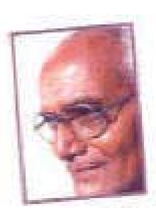
कीर्तिनारायण मिश्र 1937-

जन्म १७ जुलाई १९३७ ई. कें ग्राम शोकहारा (बरौनी), जिला बेगूसरायमे भेलन्हि। हुनकर प्रकाशित कृति अछि सीमान्त,महानगर (दीर्घ कविता), हम स्तवन नहि लिखब, ध्वस्त होइत शांति स्तूप (एहि पोथीपर साहित्य अकादमी 1997 पुरस्कार), आदमीकेँ जोहैत (कविता संग्रह)। संस्मरण-अपन एकांतमे, स्मृति यात्रा, पत्रक दर्पणमे। सम्पादन- आखर मासिक पत्रिका, आधुनिक मैथिली साहित्य, '63, राजकमल जीवन आ साहित्य, '68, कथा-संकलन- काल कोठरी। आलोचना- अर्थांतर-2004



गौरीकांत चौधरीकांत 1937-2001







युगल किशोर मिश्र १९३८-२००७

प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन' 1938-

ग्राम+पोस्ट- हसनपुर, जिला- समस्तीपुर। मैथिलीमे १.नेपालक मैथिली साहित्यक इतिहास(विराटनगर,१९७२ई.), २.ब्रह्मग्राम(रिपोर्ताज दरभंगा १९७२ ई.), ३.'मैथिली' त्रैमासिकक सम्पादन (विराटनगर,नेपाल १९७०-७३ई.), ४.मैथिलीक नेनागीत (पटना, १९८८ ई.), ५.नेपालक आधुनिक मैथिली साहित्य (पटना, १९९८ ई.), ६. प्रेमचन्द चयनित कथा, भाग- १ आऽ २ (अनुवाद), ७. वाल्मीकिक देशमे (महनार, २००५ ई.)। २००४- डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह "मौन" (प्रेमचन्द की कहानी-प्रेमचन्द, हिन्दी) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।

महेश्वरनाथ मल्लिक 1938-







परशुराम झा १९३८-

गाम- मेंहथ (मधुबनी), कृति- डाइमेन्शन्स ऑफ पीस इन इन्गलिश ड्रामा,क्रिश्चियन पोएटिक ड्रामा।

कुलानन्द मिश्र 1940-2000

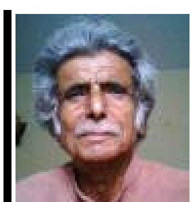
जन्म पकड़ी कोठी, सीतामढ़ी, बिहार। सुविख्यात कवि,, संपादक, समालोचक। प्रकाशित कृति- तावत एतबे, भोरक प्रतीक्षामे (कविता संग्रह), भारतक भाषा सर्वेक्षण, पारो, राजकमल चौधरी की ग्यारह कहानियाँ (अनुवाद)।

बिलट पासवान 'विहंगम' 1940-

जन्म मधुबनी जिलाक एकहत्था ग्राममे १९४० ई. मे भेलन्हि।







फजलुर रहमान हासमी 1940-

जन्म-पटना जिलाक बराह गाममे। वृत्ति अध्यापक। हिन्दी कविता संग्रह "रश्मि राशि" आ मैथिली कविता संग्रह "निर्मोही" प्रकाशित। १९९६मे अबुलकलाम आजाद- अब्दुलकवी देसनवी, उर्दूसँ मैथिली अनुवादपर साहित्य अकादमीक मैथिली अनुवाद पुरस्कार।

प्रभास कुमार चौधरी 1941-1998

गाम- पिंडारुछ, जिला- दरभंगा ।प्रख्यात कथाकार ओ उपन्यासकार । प्रभासक प्रकाशित कृति : कथा-प्रभास, प्रभासक कथा, नव घर उठय पुरान घर खसय, दिदवल (कथासंग्रह), अभिशप्त, युगपुरुष, हमरा लग रहब, नवारम्भ, राजा पोखरिमे कतेक मछरी (उपन्यास) । विभिन्न महत्वपूर्ण पत्रिकाक सम्पादन । त्रैमासिक कथा गोष्ठी 'सगर राति दीप जरय' केर प्रारम्भ।१९९०- प्रभास कुमार चौधरी (प्रभासक कथा, कथा) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित ।

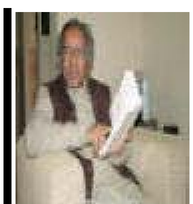
साकेतानन्द 1940-

वरिष्ठ कथाकार, गणनायक (कथा-संग्रह) लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित। प्रकाशित कृति: मैथिली कथा साहित्यमे 1962 स' सक्रिय । गोडेक चालिस_पचास टा कथा, रिपोर्ताज. संस्मरण, यात्रा_विवरण मैथिलीमे प्रकाशित अधिकांश पत्र_पत्रिकामे छपल । पहिल मैथिली कथा ''ग्लेसियर'' 1962मे 'मिथिलामिहिर'मे प्रकाशित । हिन्दियोमे दू दर्जन कथा आदि प्रकाशित । सन 99मे छपल पहिल कथा_संग्रह ''गणनायक' के ओही वर्ष 'साहित्य अकादमी पुरस्कार। पैघ बान्ध' स' अबैबला विपत्तिके रेखांकित करैत, पर्यावरण के कथा वस्तु बना क' राजकमल प्रकाशन स' प्रकाशित एवं अत्यंत चर्चित उपन्यास ('डौकूमेंट्री फिक्शन') ''सर्वस्वांत'' ।आकाशवाणीक राष्ट्रीय कार्यक्रममे प्रसारित दू टा उल्लेखनीय वृत्त रूपक_ 'महानन्दा अभयारण्य' पर आधारित ''जंगल बोलता है'' एवं झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रक ज्वलंत डाइनक समस्या पर आधारित वृत्तरूपक '' नैना जोगन '' चर्चित एवं प्रसिद्ध ।



रामावतार यादव, मैथिली भाषिकी, नेपाल 1942-

देश-विदेशक भाषाविज्ञान जर्नलमे पचासो आलेखक द्वारा मैथिलीक विशिष्टताकेँ उजागर केनिहार। *मैथिली ध्वनिशास्त्र* 1984 ई. मे



गंगेश गुंजन 1942-

जन्म स्थान- पिलखबाड़, मधुबनी।श्री गंगेश गुंजन मैथिलीक प्रथम चौबटिया नाटक बुधिबधियाक लेखक छथि आ हिनका उचितवक्ता (कथा संग्रह) क लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार भेटल छन्हि। एकर अतिरिक्त मैथिलीमे हम एकटा



प्रेमशंकर सिंह 1942-

ग्राम+पोस्ट- जोगियारा, थाना- जाले, जिला- दरभंगा।मौलिक मैथिली: १.मैथिली नाटक ओ रंगमंच,मैथिली अकादमी, पटना, १९७८ २.मैथिली नाटक परिचय, मैथिली अकादमी,

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८) http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

जर्मनीसँ आ *मैथिलीक सन्दर्भ व्याकरण* 1996 ई. मे बर्लिन आ न्यूयार्कसँ प्रकाशित। 2000 ई..मे लंदनसँ प्रकाशित *भारतीय आर्यभाषा* पुस्तक मे संकलित हिनकर मैथिली भाषा संबंधी आलेख विशेष उल्लेखनीय। नेपाल राजकीय प्रज्ञा-प्रतिष्ठानसँ पासाङ ल्हामु प्रज्ञा-पुरस्कारसँ सम्मानित।

मिथ्या परिचय, लोक सुनू (कविता संग्रह), अन्हार- इजोत (कथा संग्रह), पहिल लोक (उपन्यास), आइ भोर (नाटक)प्रकाशित। हिन्दीमे मिथिलांचल की लोक कथाएँ, मणिपद्मक नैका- बनिजाराक मैथिलीसँ हिन्दी अनुवाद आ शब्द तैयार है (कविता संग्रह)।१९९४- गंगेश गुंजन (उचितवक्ता, कथा)पुस्तक लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित ।

पटना, १९८१ ३.पुरुषार्थ ओ विद्यापति, ऋचा प्रकाशन, भागलपुर, १९८६ ४.मिथिलाक विभूति जीवन झा, मैथिली अकादमी, पटना, १९८७५.नाट्यान्वाचय, शेखर प्रकाशन, पटना २००२ ६.आधुनिक मैथिली साहित्यमे हास्य-व्यंग्य, मैथिली अकादमी, पटना, २००४ ७.प्रपाणिका, कर्णगोष्ठी, कोलकाता २००५, ८.ईक्षण, ऋचा प्रकाशन भागलपुर २००८ ९.युगसंधिक प्रतिमान, ऋचा प्रकाशन, भागलपुर २००८ १०.चेतना समिति ओ नाट्यमंच, चेतना समिति, पटना २००८। २००९ ई.-श्री प्रेमशंकर सिंह, जोगियारा, दरभंगा यात्री-चेतना पुरस्कार।



मार्कण्डेय प्रवासी 1942-2010

जन्म ग्राम: गरुआर, जिला: समस्तीपुर । प्रकाशित कृति: अगस्त्यायिनी (महाकाव्य); एतदर्थ (कविता संग्रह), अक्षर चेतना (काव्य संग्रह)। अभियान, हम कालिदास (उपन्यास)। 'अगस्त्यायिनी' लेल १९८१मे साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्राप्त।



देवेन्द्र झा १९४३-

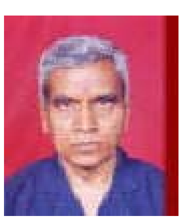
गाम- चानपुरा (मधुबनी), कृति- विद्यापतिक श्रृंगारिक पदक काव्यशास्त्रीय अध्ययन, लालदास, सुधाकर झा "शास्त्री", अनुभव, बदलि जाइछ घरे टा।



डॉ. भीमनाथ झा 1945-

जन्म:कोइलख, मधुबनी, बिहार । प्रखर कवि, समालोचक, प्राध्यापक । 'विविधा'निबन्ध पुस्तक लेल सन् १९९२मे साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित । प्रकाशित कृति: त्रिधारा, वीणा, की फुरैए की नहि, नाम तँ थिक ओएह (कविता संकलन), परिचायिका, सीताराम झा, कवि चूडामणिक काव्य साधना, विविधा (निबंध, आलोचना),टावर चौकसँ आदि ।







महेन्द्र मलंगिया 1946-

गाम- मलंगिया, जिला- मधुबनी । मैथिलीक सुपरिचित नाटककार, रंग निर्देशक एवं मैलोरंगक संस्थापक अध्यक्ष । लोक साहित्य पर गंभीर शोध आलेख । मैथिलीमे 13टा नाटक, 19टा एकांकी, 14टा नुक्कड़ आ 10टा रेडियो नाटक प्रकाशित आ आकाशवाणी सँ प्रसारित । सीनियर फेलोशिप (भारत सरकार), इंटरनेशनल थिएटर इंस्टिच्यूट (नेपाल), प्रबोध साहित्य सम्मान आदि सँ सम्मानित । संप्रति ज्योतिरीश्वर लिखित मैथिलीक प्रथम पुस्तक वर्णरत्नाकर पर शोध कार्य । श्री महेन्द्र मलगियाक जन्म २० जनबरी १९४६ मे मधुबनी जिलाक मलंगिया गाममे भेलन्हि। मलंगियाजी मैथिली हिन्दी, अंग्रेजी आ नेपाली भाषाक जानकार आ थियेटर शिक्षण, पटकथा लेखन आ तत्सम्बन्धी शोधक फ्रीलान्स शिक्षक छथि।२००२ ई.- श्री महेन्द्र मलंगिया, मलंगिया;यात्री-चेतना पुरस्कार। प्रबोध सम्मान 2005 सँ सम्मानित।

डॉ रामदयाल राकेश, सर्लाही, नेपाल 1942-

मैथिली मातृभाषा, हिन्दीक प्राध्यापक आ नेपालीक लेखक ई तीनू भाषा 'राकेश'क व्यक्तित्वमे एना ने मिझराएल छैक जे कोनहुसँ हिनका भिन्न नहि कएल जा सकैत अछि । ई विशेषत: नेपालीमे लिखैत छथि, मुदा लेखनक विषय मूलत: मैथिलीए संस्कृति रहैत छनि । ओना मैथिली, हिन्दी आ अग्डरेजीमे सेहो ई अनेक रचना कएने छथि ।नेपालक राजकीय-प्रज्ञा-प्रतिष्ठानक सदस्य 'राकेश' दिल्ली विश्वविद्यालयसँ पीएचडी आ अमेरिकास्थित इण्डियाना यूनिभर्सिटीसँ पोस्ट डाक्टरल रिसर्च कएने छथि । डा. 'राकेश'क जन्म २५ जुलाइ १९४२ ई. कऽ सर्लाही जिलाक सिसौटियामे भेल छनि । नेपाली, मैथिली, हिन्दी आ अग्डरेजीमे मौलिक, सम्पादित आ अनूदित कऽ करीब दू दर्जन पोथी प्रकाशित , दर्जनभरि देशक भ्रमण सेहो कएने छथि ।

उपेन्द्र दोषी 1943-2001

जन्म स्थान रामपुर-कोरिगामा, दरभंगा । कवि-कथाकार, गीत-गजलकार । प्रकाशित कृति: यंत्रणाक क्षणमे (कविता संग्रह)। हिन्दीमे अनेक पोथी प्रकाशित। ओड़ियासँ मैथिली अनुवाद हेतु मृत्युपरान्त साहित्य अकादेमीसँ पुरस्कृत। २००३- उपेन्द दोषी (कथा कहिनी- मनोज दास, उड़िया) लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



उदयचन्द्र झा "विनोद" 1943-

गाम- रहिका, मधुबनी । जन्म-ग्राम- दुलहा, मधुबनी । प्रकाशित कृति: संक्रान्ति, मौसम अयला पर, एहना स्थितिमे, भरि देह गौरा (कविता-संग्रह), धूरी (सहयोगी कविता संग्रह); जांत (कथा संग्रह) 'माटि पानि'क वरेण्य सम्पादक।२००५ ई.-श्री उदय चन्द्र झा "विनोद", रहिका, मधुबनी;यात्री-चेतना

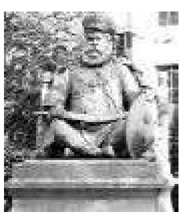
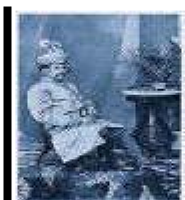


रेवती रमण लाल, जनकपुर 1943-



मंत्रेश्वर झा 1944-

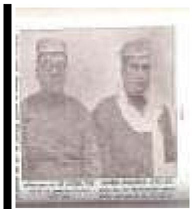
जन्म ६ जनवरी १९४४ ई.ग्राम-लालगंज, जिला-मधुबनीमे। प्रकाशित कृति: खाधि, अन्चिनहार गाम, बहसल रातिक इजोत (कविता संग्रह); एक बटे दू (कथा संग्रह), ओझा लेखे गाम बताह (ललित निबन्ध)। मैथिली कथा संग्रहक हिन्दी अनुवाद "कुंडली" नामसँ प्रकाशित। दि फूल्स पैराडाइज (अंग्रेजीमे ललित निबन्ध)।

पुरस्कार।		२००८ ई.-श्री मंत्रेश्वर झा, लालगंज,मधुबनी यात्री-चेतना पुरस्कार। २००८- मंत्रेश्वर झा (कतेक डारि पर, आत्मकथा) पर साहित्य अकादमी पुरस्कार।
 रत्नेश्वर मिश्र 1945- अनुवादक, निबंधकार । प्रकाशन: तमिल साहित्यक इतिहास,भवभूति (दुनू अनुवाद)।	 जगदीश प्रसाद मंडल 1947- गाम-बेरमा, तमुरिया, जिला-मधुबनी। एम.ए.।कथाकार (गामक जिनगी-कथा संग्रह आ तरेगण- बाल-प्रेरक लघुकथा संग्रह), नाटककार(मिथिलाक बेटी-नाटक), उपन्यासकार(मौलाइल गाछक फूल, जीवन संघर्ष, जीवन मरण, उत्थान-पतन, जिनगीक जीत-उपन्यास)। मार्क्सवादक गहन अध्ययन। हिनकर कथामे गामक लोकक जिजीविषाक वर्णन आ नव दृष्टिकोण दृष्टिगोचर होइत अछि।	 मोहनानन्द झा 1955-
 राज	 महाराजाधिराज लक्ष्मीश्वर सिंह 1858-1898	 महाराजाधिराज रमेश्वर सिंह 1860-1929

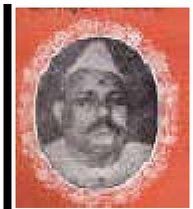
'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA



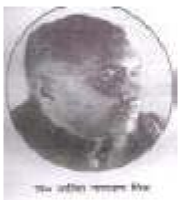
महाराजाधिराज कामेश्वर सिंह 1907-1962



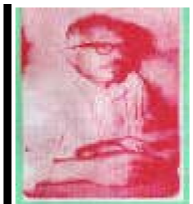
सर हरगोविन्द मिश्र, अलीगढ़ आ कामेश्वर सिंह



बिनोदानन्द झा 1895-1971



ललित नारायण मिश्र 1922-1975



कर्पूरी ठाकुर 1921-1988

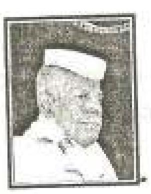


रामविलास पासवान १९४६-

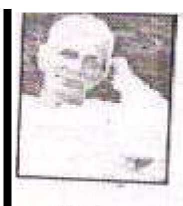
जन्म ५ जुलाइ १९४६, गाम- शहरबन्नी, जिला खगड़िया। भारतीय राजनीतिज्ञ।



राम लषण राम "रमण"



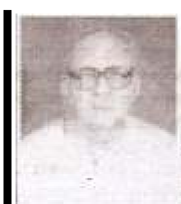
भोगेन्द्र झा

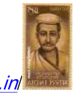
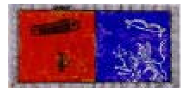


चतुरानन मिश्र

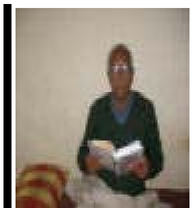
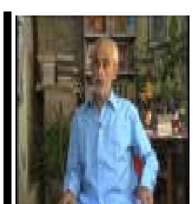


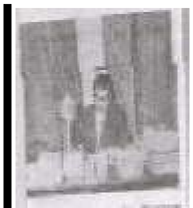




'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८) http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

रमाकांत मिश्र	रमानाथ मिश्र "मिहिर"	गजेन्द्र नारायण चौधरी, पत्रकार 1929-2008
		
मोहन भारद्वाज 1943- गाम- नवानी, जिला- मधुबनी । मैथिलीक प्रखर समालोचक।२००७ ई.-श्री आनन्द मोहन झा, भारद्वाज, नवानी, मधुबनी;यात्री-चेतना पुरस्कार। प्रबोध सम्मान 2008 सँ सम्मानित।	हीरानन्द झा "शास्त्री" ,पत्रकार	पद्म नारायण झा "विरंचि" 1941- जन्म- गाम खोजपुर, जिला- मधुबनीमे । मिथिला मिहिरक प्रशस्त स्तंभकार । 1977 केर जनता आन्दोलनमे अग्रणी भूमिका, पार्टीक मुखपत्र "जनता"क सम्पादक। बादमे लोक दल (ब) मे हेमवतीनन्दन बहुगुणाक राजनीतिक सलाहकार।
		
दीनानाथ झा, पत्रकार	नरेन्द्र झा, अर्थशास्त्र-पत्रकार	स्व. दुर्गानाथ झा,पत्रकार 1946-2005 पत्रकार। पिता स्व.रमानाथ झा।
		

प्रेमशंकर झा, पत्रकार	सी.पी. झा, पत्रकार	शरदिन्दु चौधरी, पत्रकार
		
निशिकान्त ठाकुर, पत्रकार	राधाकृष्ण चौधरी, इतिहासकार 1921-1985	विजयकान्त मिश्र इतिहासकार 1927-1994 डॉ. विजयकांत मिश्रक जन्म १० अगस्त १९२७ मंगरौनी गाम - जे नव्य न्याय आ तांत्रिक साधनाक जन्म-स्थली अछि- (जिला मधुबनी) मे भेलन्हि। ओ 1948 मे प्राचीन भारतीय इतिहास आ संस्कृति विषयमे एलाहाबाद विश्वविद्यालयसँ सनात्तकोत्तर उपाधि कएलाक बाद कतेक बरख धरि बिहार सरकार आ पटना विश्वद्यालयसँ सम्बद्ध रहलाह आ 1957 ई. सँ भारतीय पुरात्तत्व विभागमे काज कएलन्हि आ ओकर शिशुपालगढ़, कौशाम्बी, वैशाली, हस्तिनापुर, कुम्हरार, पाटलिपुत्र, करियन, सोनपुर, बिलावली, नालन्दा, राजगीर, चन्द्रवल्ली, आ हम्पी खुदाइमे विभिना भूमिकामे भाग लेलन्हि।हिनकर लिखल-सम्पादित पोथी सभमे अछि: 1.वैशाली,1950 2.कुम्हरार एक्सकेवेशंस: 1950-1957 3.पुरातत्व की दृष्टिमे वैशाली 4.नागेश भट्टाज पारिभाषेन्दुशेखर 5.मिथिला आर्ट एण्ड आर्किटेक्चर (सम्पादित) 6.कल्चरल हेरिटेज ऑफ मिथिला 7.श्रृंगार भजनावली- एक अध्ययन 8.क्षेत्र पुरातत्वविज्ञान- 9.पुरातत्व शब्दावली।



द्विजेन्द्र नारायण झा, इतिहासकार



सुरेश्वर झा, राजनीति विज्ञान

२००१- सुरेश्वर झा (अन्तरिक्षमे विस्फोट- जयन्त विष्णु नार्लीकर, मराठी)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



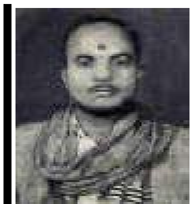
कुमार तारानन्द सिंह, संगीतज्ञ



संगीताचार्य रायबहादुर लक्ष्मीनारायण सिंह

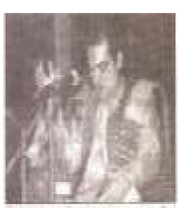


रामचतुर मल्लिक ध्रुपद संगीत 1905-1990



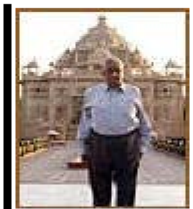
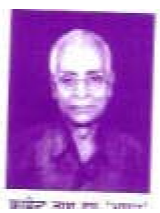
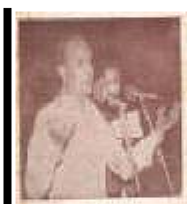
रामाश्रय झा 'रामरंग' अभिनव भातखण्डे 1928-2009

जन्म ११ अगस्त १९२८ ई. तदनुसारभाद्र कृष्णपक्ष एकादशी तिथिकेँ मधुबनी जिलान्तर्गत खजुरा नामक गाममे भेलन्हि। अभिनव गीतांजलि, हुनकर उच्चकोटिक शास्त्र रचना अछि।मिथिलावासी श्री रामरंग राग तीरभुक्ति, राग वैदेही भैरव, आऽ राग विद्यापति कल्याण केर रचना सेहो कएने छथि आऽ मैथिली भाषामे हिनकर खयाल 'रंजयति इति रागः' केर अनुरूप अछि।







अभयनारायण मल्लिक	पंडित परमानन्द चौधरी, संगीतज्ञ	मिथिलेश कुमार झा, तबला वादन
		
हृदयनारायण झा	लक्ष्मीकान्त झा रिजर्व बैंक गवर्नर 1913-1988	एन. एन. झा डिप्लोमेट
		
कामेन्द्रनाथ झा "अमल" 1938-	भाग्यनारायण झा 1941-	डॉ श्यामानन्द लाल दास
		
रमाकांत राय "रमा" 1947	महेन्द्र 1944-2009 जन्म मधुबनी जिलाक जमसम गाममे। प्रसिद्ध मैथिली गीतकार आ गायक।	सुभाषचन्द्र यादव 1948- जन्म ०५ मार्च १९४८, मातृक दीवानगंज, सुपौलमे। पैतृक स्थान: बलबा-मेनाही, सुपौल। घरदेखिया (मैथिली कथा-संग्रह), मैथिली अकादमी, पटना, १९८३, हाली (अंग्रेजीसँ मैथिली अनुवाद), साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, १९८८, बीछल कथा (हरिमोहन झाक कथाक चयन

एवं भूमिका), साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, १९९९, बिहाड़ि आउ (बंगला सँ मैथिली अनुवाद), किसुन संकल्प लोक, सुपौल, १९९५, भारत-विभाजन और हिन्दी उपन्यास (हिन्दी आलोचना), बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, २००१, राजकमल चौधरी का सफर (हिन्दी जीवनी) सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली, २००१, बनैत-बिगड़ैत (कथा-संग्रह) २००९। मैथिलीमे करीब सत्तरि टा कथा, तीस टा समीक्षा आ हिन्दी, बंगला तथा अंग्रेजी मे अनेक अनुवाद प्रकाशित।



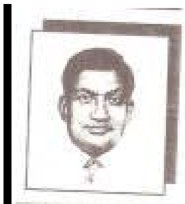
योगेन्द्र प्रसाद यादव, भाषिकी,सिरहा, नेपाल 1946-

1998 ई. मे जर्मनीसँ प्रकाशित *इशुज इन मैथिली सिंटैक्स* आ *टॉपिक्स इन नेपालीज लिंग्विस्टिक्स, रीडिंग्स इन मैथिली लंगुएज- लिटरेचर एण्ड कल्चर* आ *लेक्सीग्राफी इन नेपाल* (सम्पादित) प्रकाशित। नेपाल राजकीय प्रज्ञा-प्रतिष्ठानमे भाषा-विभागक प्राज्ञ रहि कतोक महत्वपूर्ण कार्यक सम्पादन।



रामलोचन ठाकुर 1949-

श्री रामलचन ठाकुर, जन्म १८ मार्च १९४९ ई.पलिमोहन, मधुबनीमे। वरिष्ठ कवि, रंगकर्मी, सम्पादक, समीक्षक। भाषाई आन्दोलनमे सक्रिय भागीदारी। प्रकाशित कृति- इतिहासहन्ता, माटिपानिक गीत, देशक नाम छल सोन चिड़ैया, अपूर्वा (कविता संग्रह), बेताल कथा (व्यंग्य), मैथिली लोक कथा (लोककथा), प्रतिध्वनि (अनुदित कविता), जा सकै छी, किन्तु किए जाउ(अनुदित कविता), लाख प्रश्न अनुत्तरित (कविता), जादूगर (अनुवाद), स्मृतिक धोखरल रंग (संस्मरणात्मक निबन्ध), आंखि मुनने: आंखि खोलने (निबन्ध)।



गंगा प्रसाद मंडल "अकेला", नेपाल 1944-

पं सुन्दर झा शास्त्री राष्ट्रिय प्रतिभा पुरस्कारसँ सम्मानित। मिथिलांचलक किछु लोक कथा (संकलन आ सम्पादन) आ शिरीषक फूल (अनुवाद) प्रकाशित।



महेन्द्रनारायण निधि, धनुषा, नेपाल



परमेश्वर कापड़ि, धनुषा, नेपाल



जयनारायण झा "जिज्ञासु", नेपाल



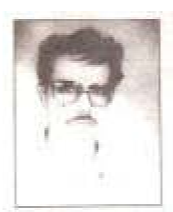
सुरेश झा, नेपाल 1920-1995



रोहिणी रमण झा 1950-

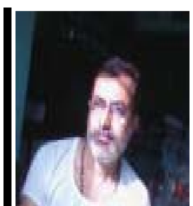


डॉ. कमलाकान्त भण्डारी 1952-



विनोद बिहारी लाल 1953-

जन्म स्थान पचही, मधुबनी, बिहार ।चर्चित कथाकार । सयसँ ऊपर कथा प्रकाशित ।



अरविन्द ठाकुर 1954-

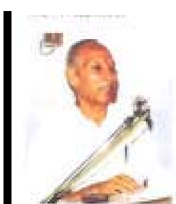
परती टूटि रहल अछि (कविता संग्रह), अन्हारक विरोधमे (कथा संग्रह)



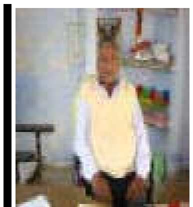
श्याम दरिहरे 1954-

जन्म स्थान बरहा, बेनीपट्टी मधुबनी, बिहार । कवि, कथाकार । प्रकाशित कृति : सरिसोमे भूत (कथा संग्रह) अनूदित कृति : कनिप्रिया (धर्मवीर भारती)

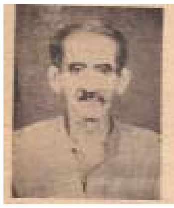
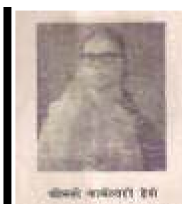






दिनेश कुमार झा	अशोक कुमार ठाकुर	प्रतापनारायण झा, नेपाल
		
शीतल झा, नेपाल	उग्रनारायण मिश्र "कनक"	देवनारायण यादव, निदेशक मिथिला शोध संस्थान
		
अमरजी, एस. एन. दास, गोविन्द झा, ब्रजेन्द्र त्रिपाठी	डॉ. शम्भूनाथ चौधरी 1920-2008	इन्द्रकांत झा
		
पंचानन मिश्र	प्रोफेसर गुरमैता	प्रोफेसर महेन्द्र 1947- जन्म: भेलाही, सुपौल, बिहार । प्रसिद्ध कवि, कथाकार, आलोचक । वृत्ति: भू.ना. विश्वविद्यालयक स्नातकोत्तर केन्द्र, सहरसामे मैथिली विभागाध्यक्ष। प्रकाशित कृति साहित्य अकादेमीसँ प्राकाशित मोनोग्राफ शैलेन्द्र मोहन झा । सहयोगी संकलन-संकल्प । 'राजकमल जयन्ती प्रसंगक संपादन।

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

		
महेन्द्र नारायण सिंह "मगन"	सूर्यकांत झा, जनकपुर	स्व. चन्द्रकान्त मिश्र, आसी, दरभंगा
		
स्व. महेन्द्र नारायण झा, बेलौंजा, मधुबनी	स्व.राजकुमार मल्लिक, सोहराय (पोखरिभीड़ा), मधुबनी	लक्ष्मीपति सिंह
		
फूलचन्द्र मिश्र रमण	विन्ध्यवासिनी देवी मैथिली लोकगीत 1920-2006	कामेश्वरी देवी 1922- मधुबनी जिलाक नवानी गामक। जन्म १९२२ ई. मे अपन मातृक नाहरमे भेलनि। पति पं मदनमोहन झा। बरौनीवासी प्रसिद्ध तान्त्रिक पण्डित केशव मिश्र हिनक पिता छलथिन। "मिथिला संस्कार गीत" पोथी।



कुसुमलता कर्ण



अणिमा सिंह 1924-

समीक्षिका, अनुवादिका, सम्पादिका । प्रकाशन: मैथिली लोकगीत, वसवेश्वर (अनु.) आदि। लेडी ब्रेबोर्न कॉलेज, कलकत्तामे पूर्व प्राध्यापिका।



लिली रे 1933-

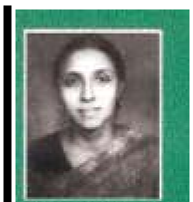
जन्म:२६ जनवरी, १९३३,पिता:भीमनाथ मिश्र,पति:डॉ. एच.एन्.रे, दुर्गागंज, मैथिलीक विशिष्ट कथाकार एवं उपन्यासकार । मरीचिका उपन्यासपर साहित्य अकादेमीक १९८२ ई. मे पुरस्कार । मैथिलीमे लगभग दू सय कथा आ पाँच टा उपन्यास प्रकाशित । विपुल बाल साहित्यक सृजन। अनेक भारतीय भाषामे कथाक अनुवाद-प्रकाशित। पहिल प्रबोध सम्मान 2004 सँ सम्मानित।



चित्रलेखा देवी 1935-



मोहिनी झा 1937-



डॉ. सावित्री झा



कविता देवी 1942-



प्रमिला झा



शान्ति सुमन 1942-

जन्म 15 सितम्बर 1942,

कासिमपुर, सहरसा, बिहार, प्रकाशित कृति, "ओ प्रतीक्षित, परछाई टूटती, सुलगते पसीने, पसीने के रिश्त, मौसम हुआ कबीर, समय चेतावनी नहीं देता, तप रेहे कचनार, भीतर-भीतर आग, मेघ इन्द्रनील (मैथिली गीत संग्रह), शोध प्रबंध: मध्यवर्गीय चेतना और हिन्दी का आधुनिक काव्य, उपन्यास: जल झुका हिरन। सम्मान: साहित्य सेवा सम्मान, कवि रत्न सम्मान, महादेवी वर्मा सम्मान। अध्यापन कार्य।

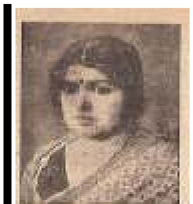


प्रभावती झा 1945-1999



स्व. इलारानी सिंह 1945-1993

इलारानी सिंह: जन्म 1 जुलाई, 1945, निधन : 13 जून, 1993, पिता : प्रो. प्रबोध नारायण सिंह सम्पादिका : मिथिला दर्शन, विशेष अध्ययन : मैथिली, हिन्दी, बंगला, अंग्रेजी, भाषा विज्ञान एवं लोक साहित्य । प्रकाशित कृति : सलोमा (आस्कर वाइल्डक फ्रेंच नाटकक अनुवाद 1965), प्रेम एक कविता (1968) बंगला नाटकक अनुवाद, विषवृक्ष (1968) बंगला नाटकक अनुवाद, विन्दंती (1972), स्वरचित: मैथिली कविता संग्रह (1973), हिन्दी संग्रह।



उषाकिरण खान 1945-

जन्म:१४ अक्टूबर १९४५,कथा एवं उपन्यास लेखनमे प्रख्यात । मैथिली तथा हिन्दी दूनू भाषाक चर्चित लेखिका ।प्रकाशित कृति:अनुंत्तरित प्रश्न, दूर्वाक्षत, हसीना मंज़िल (उपन्यास), नाटक, उपन्यास ।







'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८) http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

नीरजा रेणु 1945-

जन्म: ११ अक्टूबर १९४५,नाम: कामाख्या देवी,उपनाम:नीरजा रेणु,जन्म स्थान:नवटोल,सरिसबपाही ।शिक्षा: बी.ए. (आनर्स) एम.ए., पी-एच.डी.,गृहिणी ।प्रकाशित रचना : ओसकण (कविता मि.मि., १९६०) लेखन पर पारिवारिक, सांस्कृतिक परिवेशक प्रभाव । मैथिली कथा धारा साहित्य अकादेमी नई दिल्लीसँ स्वातन्त्र्योत्तर मैथिली कथाक पन्द्रह टा प्रतिनिधि कथाक सम्पादन ।सृजन धार पियासल कथा संग्रह,आगत क्षण ले कविता संग्रह,ऋतम्भरा कथा संग्रह,प्रतिच्छवि हिन्दी कथा संग्रह,१९६० सँ आइधरि सएसँ अधिक कथा, कविता, शोधनिबन्ध, ललितनिबन्ध,आदि अनेक पत्र-पत्रिका तथा अभिनन्दनग्रन्थमे प्रकाशित ।मैथिलीक अतिरिक्त किछु रचना हिन्दी तथा अंग्रेजीमे सेहो।२००३- नीरजा रेणु (ऋतम्भरा, कथा)लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार।

वीणा ठाकुर 1954-

ज्ञानसुधा मिश्र

भारतक उच्चतम न्यायालयक चारिम महिला न्यायाधीश आ पहिल मैथिलानी।







जस्टिस मृदुला मिश्र

वीणा कर्ण

शेफालिका वर्मा 1943-

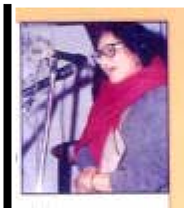
जन्म:९ अगस्त, १९४३,जन्म स्थान : बंगाली टोला, भागलपुर । शिक्षा:एम., पी-एच.डी. (पटना विश्वविद्यालय),सम्प्रति: ए. एन. कालेज मे हिन्दीक प्राध्यापिका ।प्रकाशित रचना:झहरैत नोर, बिजुकैत ठोर । नारी मनक ग्रन्थिकेँ खोलि:करुण रससँ भरल अधिकतर रचना। प्रकाशित कृति :विप्रलब्धा कविता संग्रह,स्मृति रेखा संस्मरण संग्रह,एकटा आकाश कथा

संग्रह,यायावरी यात्रावृत्तान्त, भावाञ्जलि काव्यप्रगीत । ठहरे हुए पल हिन्दीसंग्रह ।२००४ ई.- डॉ. श्रीमती शेफालिका वर्मा, पटना;यात्री-चेतना पुरस्कार।



नीता झा 1953-

जन्म : २१-०१-१९५३,व्यवसाय:प्राध्यापिका । लेखन पर समाजक परम्परा तथा आधुनिकताक संस्कार सँ होइत विसंगतिक प्रभाव।प्रकाशित कृति : फरिच्छ, कथा संग्रह १९८४, कथानवनीत १९९०,सामाजिक असन्तोष ओ मैथिली साहित्य शोध समीक्षा ।



सुशीला झा 1945-



आशा मिश्र 1950-

जन्म:६-७-१९५० ई.,प्रकाशित कथा मे मैथिकीक संग हिन्दी मे सेहो । सभसँ पैघ विजय मैथिली कथा संग्रह ।



डॉ. सुनीति झा

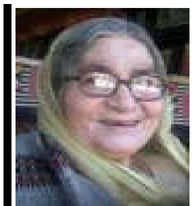


प्रेमलता मिश्र 'प्रेम' 1948-

जन्मस्थान:रहिका,माता:श्रीमती वृन्दा देवी,पिता:पं. दीनानाथ झा,शिक्षा:एम.ए., बी.एड.,प्रसिद्ध अभिनेत्री दू सयसँ बेशी नाटकमे भाग लेलनि ।भंगिमा (नाट्यमंच) क भूतपूर्व उपाध्यक्षा, पत्रिकाक सम्पादन, कथालेखन आदिमे कुशल । 'अरिपन' आदि अनेक संस्था द्वारा पुरस्कृत-सम्मानित।



डॉ. इन्दिरा झा 1957

 मेनका मल्लिक 1966-	 शारदा सिन्हा मैथिली लोकगीत 1953-	 लालपरी देवी
 शकुंतला चौधरी	 राजेन्द्र प्रसाद सिंह, लिली रे, शशिकान्ता चौधरी, गोविन्द झा, शिवशंकर श्रीनिवास	 गोदावरी दत्ता, मिथिला चित्रकला
 उषा वर्मा 1948-	 कमला चौधरी 1953- कृति- मैथिलीक वेश-भूषा-प्रसाधन सम्बन्धी शब्दावली, प्रकाशनाधीन: बाटे बिलायल पानि (कथा संग्रह), पिया मधुमास (कविता संग्रह), आशापूर्णा देवीक बंगला लघु उपन्यास **मन मंजूषा**क मैथिली अनुवाद। मुजफ्फरपुरसँ प्रकाशित मैथिली साहित्यिक पत्रिका **स्वाती**क सम्पादन (१९८४-८५)।	 सीता देवी, मिथिला चित्रकला



सरस्वती चौधरी, जनकपुर



डॉ. अरुणा चौधरी



विभा रानी 1959-

मैथिली के 3 साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता लेखकक 4 गोट किताब "कन्यादान" (हरिमोहन झा), "राजा पोखरे में कितनी मछलियां" (प्रभास कुमार चाऊधरी), "बिल टेलर की डायरी" व "पटाक्षेप" (लिली रे) हिन्दीमे अनूदित छन्हि।2 गोट लोककथाक पुस्तक "मिथिला की लोक कथाएं" व "गोनू झा के किस्से"। मैथिली कथा संग्रह "खोहसँ निकसैत"।



ज्योत्सना चन्द्रम 1963-

जन्मतिथि: १५ दिसम्बर, १९६३,जन्मस्थान : मरूआरा, सिंधिया खुर्द, समस्तीपुर,पिता : श्री मार्कण्डेय प्रवासी,माता: श्रीमती सुशीला झा,अध्यापन।सुपरिचित कवयित्री, कथाकार। प्रकाशित कृति: बोनसाई (कविता संग्रह), झिझिरकोना (कथासंग्रह)।



वन्दना झा

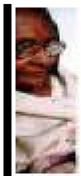


सुस्मिता पाठक 1962-

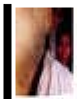
जन्म: सुपौल, बिहार । परिचिति कविता संग्रह प्रकाशित । कथावाचक, कथासंग्रह प्रकाशनाधीन । राजनीति शास्त्रमे एम.ए.। संगीत, पेंटिंगमे रुचि । मैथिलीक पोथी पत्रिका पर अनेक रेखाचित्र प्रकाशित । समकालीन जीवन, समय, आ तकर स्पंदनक कवयित्री । अनेक भाषामे रचनाक अनुवाद प्रकाशित।



उर्मिला देवी, मिथिला चित्रकला



यमुना देवी, मिथिला चित्रकला



यशोदा देवी, मिथिला चित्रकला



रमा झा, सम्पादक मिथिला दर्पण



पन्ना झा

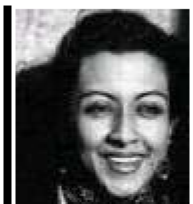


सुधा कर्ण

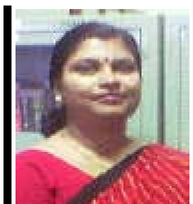


नूतन दास

सम्पादिका, मिथिलांगन



राधिका झा अंग्रेजी लेखिका



स्वयंप्रभा झा 1970-

युवा रचनाकार



रूपा धीरू 1973-

रूपा धीरू- जन्मस्थान-



रंजना झा, विद्यापति संगीत गायिका



रश्मि रानी, गायिका, जनकपुर

मयनाकडेरी, सप्तरी, श्रीमती पूनम झा आ श्री अरूणकुमार झाक पुत्री।स्थायी पता- अञ्चल- सगरमाथा, जिल्ला- सिरहा। प्रथम प्रकाशित रचना- कोइली कानए, माटिसँ सिनेह (कविता),भगता बेङक देश-भ्रमण (कनक दीक्षितक पुस्तकक धीरेन्द्र प्रेमर्षिसँग मैथिलीमे सहअनुवाद,सङ्गीतसम्बन्धी कृति- राष्ट्रियगान, भोर, नेहक वएन, चेतना, प्रियतम हमर कमौआ (पहिल मैथिली सीडी), प्रेम भेल तरघुस्कीमे, सुरक्षित मातृत्व गीतमाला, सुखक सनेस। सम्पादन-पल्लव, मैथिली साहित्यिक मासिक पत्रिका, सम्पादन-सहयोग,हमर मैथिली पोथी (कक्षा १, २, ३, ४ आ ५ आ कक्षा 9-10 क ऐच्छिक मैथिली विषय पाठ्यपुस्तकक भाषा सम्पादन), पल्लवमिथिला, प्रथम मैथिली इन्टरनेट पत्रिका,वि.सं. २०५९ माघ (साहित्यिक), सम्पादन-सहयोग।



कामिनी कामायनी

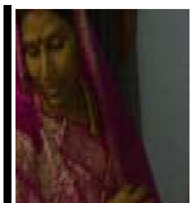
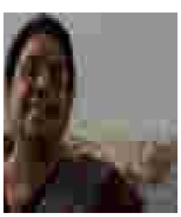


मुन्नी झा युवा रचनाकार



ज्योति सुनीत चौधरी

जन्म तिथि -३० दिसम्बर १९७८; जन्म स्थान -बेल्हवार, मधुबनी ; शिक्षा- स्वामी विवेकानन्द मिडिल स्कूल टिस्को साकची गर्ल्स हाई स्कूल, मिसेज के एम पी एम इन्टर कालेज़, इन्दिरा गान्धी ओपन यूनिवर्सिटी, आइ सी डबल्यू ए आइ (कॉस्ट एकाउण्टेन्सी); निवास स्थान- लन्दन, यू.के.; पिता- श्री शुभंकर झा, ज़मशेदपुर; माता- श्रीमती सुधा झा, शिवीपट्टी। ज्योतिकेँwww.poetry.comसँ संपादकक चॉयस अवार्ड (अंग्रेजी पद्यक हेतु) भेटल छन्हि। हुनकर अंग्रेजी पद्य किछु दिन

		धरि www.poetrysoup.com केर मुख्य पृष्ठ पर सेहो रहल अछि। ज्योति मिथिला चित्रकलामे सेहो पारंगत छथि आ हिनकर मिथिला चित्रकलाक प्रदर्शनी ईलिंग आर्ट ग्रुप केर अंतर्गत ईलिंग ब्रॊडवे, लंडनमे प्रदर्शित कएल गेल अछि। कविता संग्रह 'अर्चिस्' प्रकाशित।
 कामिनी 1978- युवा कवियित्री	 रुक्साना सिद्दीकी	 नेहा वत्स, रंगमंच
 नेहा वर्मा, रंगमंच	 सविता	 अनुप्रिया
 मृदुला प्रधान	 अरुण मिश्र, महिला बॉक्सिंग	 राखी दास, मिथिला चित्रकला



बनारसी पंडित,मिथिला चित्रकला, धनुषा, नेपाल



देवकला देवी कर्ण,मिथिला चित्रकला, नेपाल



मदनकला कर्ण,मिथिला चित्रकला, नेपाल



महासुन्दरी देवी,मिथिला चित्रकला



निर्जला झा, मिथिला चित्रकला, नेपाल



फुलो साह, मिथिला चित्रकला, महोत्तरी, नेपाल



रजनी पल्लवी



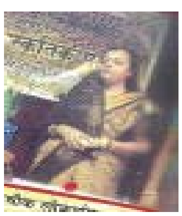
संगीता कुमारी, मैथिली फेडोरा प्रोजेक्ट



विन्देश्वरी दास



गौरी सेन



सीमा झा



वाणी मिश्र, कवियित्री १९५३-१९९६

कोइलख, मधुबनी। जन्मस्थान

तिलाठी, नेपाल।



मौसमी बनर्जी, कवियित्री



शैल झा



शान्ति देवी



शशिबाला

पिता श्री उग्र नारायण लाल, पति श्री उमेश कुमार कण्ठ (बिसहथ)। शिवा कश्यप आ कृष्ण कुमार कश्यपक सहयोगसँ "भारती विकास संस्था"क स्थापना। रचना: कृष्ण कुमार कश्यपक संग "मेघदूत" आ "गीत-गोविन्द"क मैथिली अनुवाद, माछ-भात, मिथिला चित्र-शिक्षा, भाग-१, मिथिला चित्र-कोर, भाग-३।



मुन्नी कुमारी वर्मा



प्रेरणा झा

मिथिला लोक कला



अंशुमाला

मैथिली लोकगीत।



श्वेता झा चौधरी, चित्रकार

गाम सरिसव-पाही, ललित कला आ गृहविज्ञानमे स्नातक। मिथिला चित्रकलामे सर्टिफिकेट कोर्स। कला प्रदर्शिनी:



डॉ. जया वर्मा 1964-

जन्म १६.०२.१९६४. एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास, दिल्ली वि.वि.। "महाकाव्य आ पुराणमे

	एक्स.एल.आर.आइ., जमशेदपुरक सांस्कृतिक कार्यक्रम, ग्राम-श्री मेला जमशेदपुर, कला मन्दिर जमशेदपुर (एक्जीवीशन आ वर्कशॉप)।कला सम्बन्धी कार्य: एन.आइ.टी. जमशेदपुरमे कला प्रतियोगितामे निर्णायकक रूपमे सहभागिता, २००२-०७ धरि बसेरा, जमशेदपुरमे कला-शिक्षक (मिथिला चित्रकला), वूमेन कॉलेज पुस्तकालय आ हॉटेल बूलेवार्ड लेल वाल-पेंटिंग।प्रतिष्ठित स्पॉन्सर: कॉरपोरेट कम्युनिकेशन्स, टिस्को; टी.एस.आर.डी.एस, टिस्को; ए.आइ.ए.डी.ए., स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, जमशेदपुर; विभिन्न व्यक्ति, हॉटेल, संगठन आ व्यक्तिगत कला संग्राहक। हॉबी: मिथिला चित्रकला, ललित कला, संगीत आ भानस-भात।	नारी'' आ ''जेन्डर स्टडीज''पर विशेष अध्ययन। श्रीमति शेफालिका वर्माक उपन्यास ''नागफाँस''क अंग्रेजी अनुवाद (विदेह ई-पत्रिकामे धारावाहिक रूपे)।
 रानी झा	 ब्यूटी कुमारी	 मोती कर्ण मिथिला चित्रकला
 कल्पना मिश्र मुम्बइसँ प्रकाशित होइबला मैथिली पत्रिका "विदेह"क सम्पादक।	 तुनिशा प्रियम माँक नाम- स्व. निभा रानी, पिता- डॉ. रमेश कुमार राय, नाना- प्रो. शिवनाथ मंडार, विभागाध्यक्ष भूगोल, बलिराम भगत कॉलेज, समस्तीपुर।	 स्व. चुनचुन मिश्र, रहिका, मधुबनी। मिथिला राज्यक आन्दोलन कर्मी।

नानी- श्रीमति निरुपमा पटेल, प्रधानाध्यापिका, म.वि.गाँधीपार्क, समस्तीपुर। जन्मतिथि- २०-१०-१९९८ पैतृक गाम- मँझौलिया, प्रखण्ड- बोचहा, जिला मुजफ्फरपुर, मातृक- ग्राम- धोबियाही, पोस्ट- बहेड़ी, जिला- समस्तीपुर। छात्रा- कक्षा- सप्तम "अ", डी.ए.वी. स्कूल, समस्तेपुर। आदर्श- नानाजी। आवास, आशियाना भवन, रोड नं.०२, आदर्शनगर, समस्तीपुर।



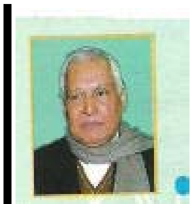
सत्यनारायण लाल कर्ण

मिथिला चित्रकला

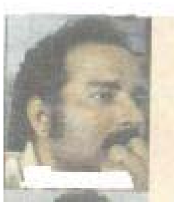


डॉ. राजीव कुमार वर्मा 1963-

, डुमरा, सहरसा। जन्म २१.०७.१९६३, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास, दिल्ली वि.वि.। कतेको अनुवाद खास कऽ श्रीमति शेफालिका वर्माक "बोल्डनेसक लहास"क "कोर्प्स ऑफ बोल्डनेस"-स्पैरो, मुम्बै द्वारा प्रकाशित आ श्रीमति शेफालिका वर्माक उपन्यास "नागफाँस"क अंग्रेजी अनुवाद (विदेह ई-पत्रिकामे धारावाहिक रूपे)।



श्याम किशोर सिंह



सचिन्द्रनाथ झा

मिथिला लोक चित्रकला



कृष्ण कुमार कश्यप 1949-

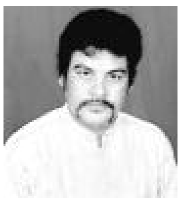
जन्म १५ सितम्बर १९४९ ई.। पिता- कवि-उपन्यासकार स्व.



कालीनाथ ठाकुर

ग्राम सर्वसीमा

इन्द्रनारायण लाल "सँवलिया"। जनबरी १९६५ ई. मे नेना सभ लेल "नाइट स्कूल", १९८१ ई. मे "कला आधारित जीवन आ शिक्षण पद्धति"क प्रवर्तन आ तकर कार्यान्वयन लेल शिवा कश्यप आ शशिबालाक सहयोगसँ "भारती विकास संस्था"क स्थापना। रचना: शशिबालाक संग "मेघदूत" आ "गीत-गोविन्द"क मैथिली अनुवाद, माछ-भात, मिथिला चित्र-शिक्षा, भाग-१, मिथिला चित्र-कोर, भाग-३।



मुरलीधर, मैथिली फिल्म निर्देशक



राजेन्द्र विमल, जनकपुर, नेपाल 1949-

मैथिली, नेपाली आ हिन्दी भाषाक प्राज्ञ विमल शिक्षाक हकमे विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)क उपाधि प्राप्त कएने छथि।कम्मो लिखिकऽ यथेष्ट यश अरजनिहार डा. विमलक लेखनीक प्रशंसा मैथिलीक सङ्गसङ्ग नेपाली आ हिन्दी साहित्यमे सेहो होइत रहलनि अछि। त्रिभुवन विश्वविद्यालयअन्तर्गत रा.रा.ब. कैम्पस, जनकपुरधाममे प्राध्यापन कएनिहार डा. विमलक पूर्ण नाम राजेन्द्र लाभ छियनि। हिनक जन्म २६ जुलाई १९४९ ई. कऽ भेल अछि। साहित्यकारक नव पीढ़ीकेँ निरन्तर उत्प्रेरित करबाक कारणे ई डा.धीरेन्द्रक बाद जनकपुर-परिसरक साहित्यिक गुरुक रूपमे स्थापित भऽ गेल छथि।

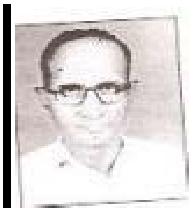


नरेश कुमार विकल 1950-

जन्म २७ जुलाइ १९५० भगवानपुर देसुआ (समस्तीपुर)। काव्य- अरिपन, महुआ मदन रस टपकय, बिन बाती दीप जरय। कथा-संग्रह- भरि गेल दर्दक इनार। उपन्यास- टहकैत टीस। नाटक- चोखगर खौंच।



जनक किशोर लाल दास

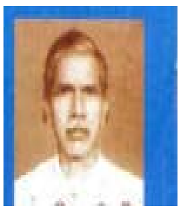


कृष्णचन्द्र झा "मयंक"



लक्ष्मण झा "सागर" 1953-

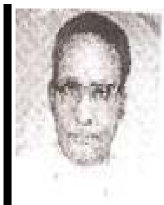
"उचरि बैसू कौआ" मैथिली कविता संग्रह प्रकाशित।



रघुवीर मोची



शारदानन्द दास "परिमल"



शशिबोध मिश्र "शशि" 1946-

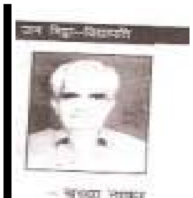


सुरेन्द्रनाथ



अमरनाथ

१९७५ ई. मे "क्षणिका" लघुकथा संग्रह प्रकाशित। हास्य कथाकार।



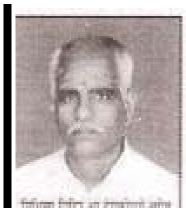
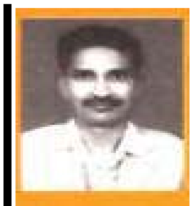
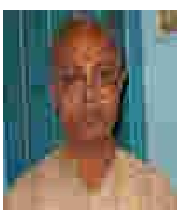
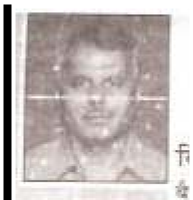
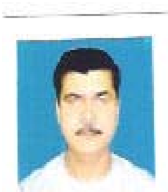
बच्चा ठाकुर

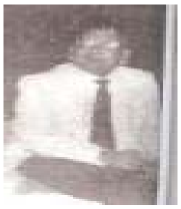
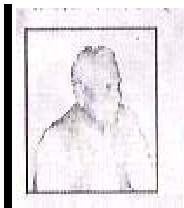
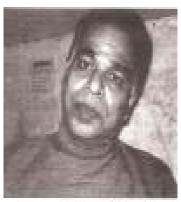






'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८) http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

बुद्धिनाथ मिश्र	कुंज बिहारी, मैथिली गायक	टोक्यो हासेगावा, निदेशक मिथिला म्यूजियम, निगाटा
 राजाराम सिंह राठौर, धनुषा	 वैद्यनाथ विमल 1955-	 डॉ वासुकीनाथ झा 1940-
 जितेन्द्र मिश्र "जीवन"	 वीरेन्द्र नारायण झा	 वीरेन्द्र झा 1956-
 वैकुण्ठ झा 1954- पिता-स्वर्गीय रामचन्द्र झा, जन्म-२४ - ०७ - १९५४ (ग्राम-भरवाड़ा, जिला-दरभंगा), शिक्षा-स्नात्कोत्तर (अर्थशास्त्र), पेशा-शिक्षक। मैथिली, हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा मे लगभग २०० गीतक रचना। गोनू झा पर आधारित नाटक ''हास्यशिरोमणि गोनू झा तथा अन्य कहानी" क लेखन। एकर अलावा हिन्दीमे लगभग १५ उपन्यास तथा कथाक लेखन।	 वैकुण्ठ झा	 विद्यानन्द झा 'पञ्जीकार' 1957- जन्म-09.04.1957,पण्डुआ, ततैल, ककरौड़(मधुबनी), रशाढ़य(पूर्णिया), शिवनगर (अररिया) आ सम्प्रति पूर्णिया। पिता लब्ध धौत पञ्जीशास्त्र मार्त्तण्ड पञ्जीकार मोदानन्द झा, शिवनगर, अररिया, पूर्णिया| पितामह-स्व. श्री भिखिया झा। पञ्जीशास्त्रक दस वर्ष धरि 1970 ई.सँ 1979 ई. धरि

		अध्ययन, 22 वर्षक बएससँ पञ्जी-प्रबंधक संवर्द्धन आ संरक्षणमे संलग्न। कृति- पञ्जी शाखा पुस्तकक लिप्यंतरण आ संवर्द्धन।
 महेन्द्र नारायण कर्ण	 डॉ. विश्वेश्वर मिश्र	 अर्जुन नारायण चौधरी
 नरेन्द्र	 महेन्द्र मिश्र, नेपाल	 रमानन्द झा 'रमण' जन्म: 02 जनबरी,1949, शिक्षा-एम.ए., पीएच.डी., आजीविका-भारतीय रिजर्व बैंक, पटना (सेवा निवृत्त)। **प्रकाशन:** 1. नवीन मैथिली कविता,1982, 2. मैथिली नऽव कविता,1993, 3. मैथिली साहित्य ओ राजनीति, 1994, 4. अखियासल, 1995, 5. बेसाहल,2003, 6. भजारल, 2005., 7. निर्यात कैसे शुरू करें? हिन्दी- रिजर्व बैंक, पटनाक प्रकाशन सम्पादित 8. मैथिलीक आरम्भिक कथा, 1978 समीक्षा, 9. श्यामानन्द रचनावली, 1981, 10. जनार्दन झा जनसीदन कृत निर्दयीसासु (1914) आ पुनर्विवाह (1926), 1984, 11. चेतनाथझाकृत श्रीजगन्नाथपुरी यात्रा (1910), 1994, 12. तेजनाथ झाकृत सुरराजविजय नाटक (1919), 1994, 13. रासबिहारीलाल दासकृत सुमति (1918),

1996, 14. जीबछ मिश्रकृत रामेश्वर (1916), 1996, 15. भेटघाँट (भेटवार्ता), 1998, 16. रूचय तँ सत्य ने तँ फूसि, 1998, 17. पुण्यानन्द झाकृत मिथिला दर्पण (1925), 2003, 18. यदुवर रचनावली (1888-1934) 2003, 19. श्रीवल्लभ झा (1905-1940) कृत विद्यापति विवरण, 2005, 20. मैथिली उपन्यासमे चित्रित समाज, 2003, 21. पण्डित गोविन्द झाः अर्चा ओ चर्चा, 1997 प्रबन्ध सम्पादक, 22. कवीश्वर चेतना, 2008, चेतना समिति, पटना अनुवाद आदि।



कमल कांत झा 1943-



महाप्रकाश 1946-

जन्म: बनगांव, सहरसा, बिहार । वरिष्ट कवि ओ कथाकार। प्रकाशित कृति: कविता संभवा, संग समय के (कविता संग्रह)।



छत्रानन्द सिंह झा 1946-

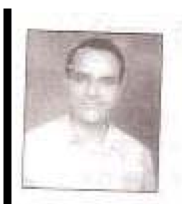


अयोध्यानाथ चौधरी, धनुषा, नेपाल 1947-

मूलत: कविक रूपमे परिचित छथि । नेपालक आधुनिक कविताक क्षेत्रमे हिनक नाम उल्लेखनीय अछि । श्री चौधरीक लेखनमे मानवीय संवेदनाक प्रतिबिम्ब पाओल जाइत अछि । कविताक संग कथा आ



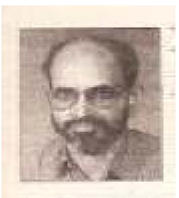
विद्यानाथ झा 'विदित'



सियाराम झा "सरस" 1948-

जन्म स्थान मेंहथ, मधुबनी बिहार । प्रसिद्ध गीतकार, बादमे कथा लेखन प्रारम्भ केलनि । प्रकाशित कृति आंजुर भरि सिंगरहार, शोणिताएल उगैत सूर्यक धम्मक (कथा संग्रह)।

निबन्धमे सेहो ई कलम चलबैत छथि । फड़िछाएल लेखन हिनक विशेषता थिकनि ।धनुषा जिलाक दुहबी गामक रहनिहार श्री चौधरीक जन्म ६अक्टुबर १९४७कऽ भेल छनि । हिनक क्षितिजक ओहिपार नामसँ एक कविता-सग्डग्रह प्रकाशित छनि ।



अग्निपुष्प 1948-

जन्म: तरौनी, दरभंगा। मूलनाम : महेन्द्र झा । मैथिलीमे सहस्त्रबाहु कविता संग्रह प्रकाशित । मुक्ति प्रसंगक अनुवाद प्रकाशित । वामपंथी आन्दोलनमे सक्रिय। शिक्षा, सम्वाद आदि पत्रिकाक सम्पादन । वामपंथी विचारधाराक सशक्त कवि।



मधुकांत झा 1949-



डॉ. रामबरन यादव, नेपाल राष्ट्रपति



हरेकृष्ण झा 1950-

जन्म १० जुलाई १९५० ई. गाम- कोइलखमे। अभियंत्रणक अध्ययण छोड़ि मार्क्सवादी राजनीतिमे सक्रिय। अनेक कविता आ आलोचनात्मक निबन्ध प्रकाशित। अनुवाद एवं विकास विषयक शोध कार्यमे रुचि। स्वतंत्र लेखन। प्रकृति एवं जीवनक तादात्म्य बोधक अग्रणी कवि। "एना त' नहि जे"



एस.एन.सत्यार्थी



महेन्द्र हजारी

(कविता संग्रह)।२००८ ई. - श्री हरेकृष्ण झाकेँ कविता संग्रह ‘‘एना त नहि जे’’लेल कीर्तिनारायण मिश्र साहित्य सम्मान।



गिरीश चन्द्र लाल

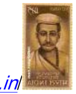
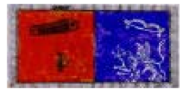


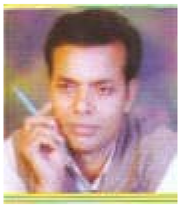
वीनू भाइ



उदय नारायण सिंह नचिकेता 1951-

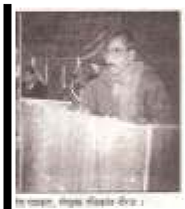
जन्म-१९५१ ई. कलकत्तामे।पहिल काव्य संग्रह ‘कवयो वदन्ति’। १९७१ ‘अमृतस्य पुत्राः’ (कविता संकलन) आऽ ‘नायकक नाम जीवन’ (नाटक)| १९७४ मे ‘एक छल राजा’/ ’नाटकक लेल’ (नाटक)। १९७६-७७ ‘प्रत्यावर्त्तन’/ ’रामलीला’(नाटक)। १९७८मे जनक आऽ अन्य एकांकी। १९८१ ‘अनुत्तरण’(कविता-संकलन)। १९८८ ‘प्रियंवदा’ (नाटिका)। १९९७-‘रवीन्द्रनाथक बाल-साहित्य’(अनुवाद)। १९९८ ‘अनुकृति’- आधुनिक मैथिली कविताक बंगलामे अनुवाद, संगहि बंगलामे दूटा कविता संकलन। १९९९ ‘अश्रु ओ परिहास’। २००२ ‘खाम खेयाली’। २००६मे ‘मध्यमपुरुष एकवचन’(कविता संग्रह। २००८ ई. मे नाटक "नो एण्ट्री: मा प्रविश" सम्पूर्ण रूपेँ "विदेह" ई-पत्रिकामे धारावाहिक रूपेँ ई-प्रकाशित भए एकटा कीर्तिमान बनेलक।२००९ ई.-श्री उदय नारायण सिंह ‘‘नचिकेता’’केँ नाटक नो एण्ट्री: मा प्रविश लेल कीर्तिनारायण मिश्र साहित्य सम्मान।

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/   मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA



डॉ. अशोक अविचल 1967-

जन्म- ५ जनवरी १९६७, गाम- रहुआ संग्राम, जिला मधुबनी। मैथिली प्राध्यापक। रचना: एक बनू नेक बनू (लघु नाटक), मैथिली भाषा: सर्वेक्षण आ विश्लेषण, हमरा देशक भागमे (मैथिलीक प्रथम असंगत नाटक), सम्पादन: झारखण्डक सनेश, कचोट (नौ अंक), झारखण्ड वाणी (हिन्दी साप्ताहिक), सम्मान: अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनमे सम्मान (२०००), परमहंस लक्ष्मीनाथ गोस्वामी समिति सम्मान (२००८)



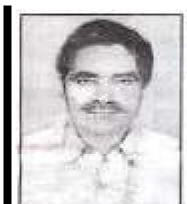
रविकांत नीरज



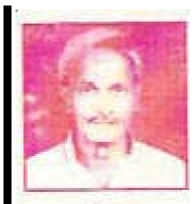
सत्यानन्द पाठक



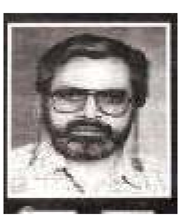
शिव कुमार नीरव



विद्यानाथ झा



योगीराज

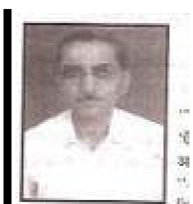


कुणाल 1951-



राम भरोस कापड़ि भ्रमर, धनुषा, नेपाल 1951-

जन्म-बघचौरा, जिला धनुषा



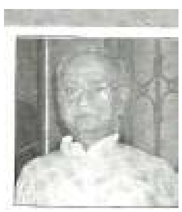
धीरेन्द्रनाथ मिश्र

(नेपाल)।बन्नकोठरी: औनाइत धुँआ (कविता संग्रह), नहि, आब नहि (दीर्घ कविता), तोरा संगे जएबौ रे कुजबा (कथा संग्रह, मैथिली अकादमी पटना, १९८४), मोमक पघलैत अधर (गीत, गजल संग्रह, १९८३), अप्पन अनचिन्हार (कविता संग्रह, १९९० ई.), रानी चन्द्रावती (नाटक), एकटा आओर बसन्त (नाटक), महिषासुर मुर्दाबाद एवं अन्य नाटक (नाटक संग्रह), अन्ततः (कथा-संग्रह), मैथिली संस्कृति बीच रमाउंदा (सांस्कृतिक निबन्ध सभक संग्रह), बिसरल-बिसरल सन (कविता-संग्रह), जनकपुर लोक चित्र (मिथिला पेंटिङ्गस), लोक नाट्य: जट-जटिन (अनुसन्धान)।



शिवेन्द्रलाल कर्ण, धनुषा, नेपाल 1951-

लेखकसँ अधिक शिक्षकक रूपमे परिचित आ प्रतिष्ठित छथि । त्रिभुवन विश्वविद्यालयअन्तर्गतरा. रा. ब. कैम्पस, जनकपुर-धामक सह-प्राध्यापक श्री कर्णक ऐतिहासिक विषय-वस्तुपर लिखल कतोक लेख मैथिली, हिन्दी आ अग्डरेजी भाषामे प्रकाशित अछि । स्वान्त-सुखाय ई कहियो कालकऽ कविता-कथा सेहो लिखि लैत छथि । हिनक लेखन ज्ञानवर्द्धक, जानकारीमूलक एवं सोझारएल रहैत अछि । देखलापर बुझना जाइत अछि जे ई हिनक गम्भीर अध्ययनक परिणति थिक ।सामाजिक तथा साहित्यिक सङ्घ-संस्थासभमे सेहो सक्रिय प्राध्यापक कर्णक जन्म धनुषा जिलाक देवडीहा गाममे २

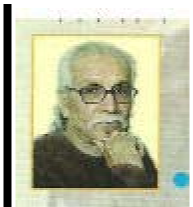


ब्रह्मदेव लाल दास



चण्डेश्वर खान

गाम- पट्टीटोल, जिला मधुबनी। लघुकथा लेल चर्चित प्रशंसित।

जनवरी १९५१ ई. कऽ भेल छनि ।		
 दयाकान्त झा	 गजेन्द्र नारायण सिंह, नेपाल	 पद्मश्री श्री गजेन्द्र नारायण सिंह
 गौरीशंकर राजहंस	 हरिकान्त झा	 इन्द्रनारायण झा
 कमलेश झा	 किशोरीकान्त मिश्र	 ललित कुमुद
 मनमोहन झा	 प्रवासी साहित्यालंकार	 सीताराम सिंह संगीतज्ञ।

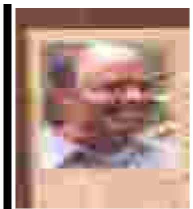


तुलानन्द मिश्र



शैलेन्द्र कुमार झा 1952-

जन्म स्थान हरिपुर, वकशी टोल, मधुबनी बिहार। प्रकाशित कृति: आरोह अवरोह, दशम खुट्टी (कथा संग्रह), इकोनोमिक हिस्ट्री ऑफ मिथिला (अंग्रेजी) ।



शिवशंकर श्रीनिवास 1953-

जन्म स्थान लोहना मधुबनी, बिहार । चर्चित कथाकार ओ आलोचक । गीत ओ कविता सेहो कहियो काल लिखैत छथि । प्रकाशित कृति : त्रिकोण, अदहन, गाछ-पात, गामक लोक (कथा संग्रह)।



अशोक 1953-

जन्म स्थान लोहना, मधुबनी, बिहार। चर्चित कथाकार, कवि ओ सम्पादक । प्रकाशित कृति : चक्रव्यूह (कविता संग्रह) त्रिकोण (सहयोगी कथा संग्रह), ओहि रातिक भोर (कथा-संग्रह), मातवर (कथा संग्रह)।



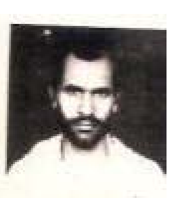
विभूति आनन्द 1953-

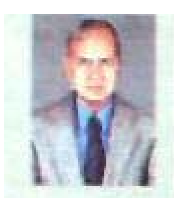
जन्म: शिवनगर, मधुबनी, बिहार। चर्चित कवि, कथाकार, संपादक । प्रकाशित कृति टूटा उपन्यास टूटा समीक्षा, तीन टा कथ संग्रह, टूटा गीत-गजल संग्रह ओ चारिटा कथा-संग्रह प्रकाशित।२००६- विभूति आनन्द (काठ, कथा)मैथिली लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार ।

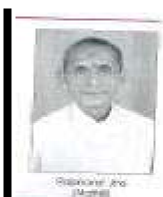


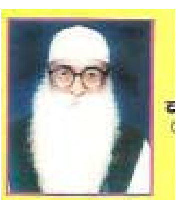
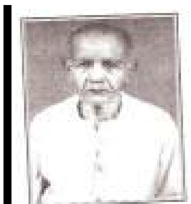
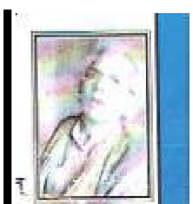
केदार कानन 1959-

जन्म स्थान सुपौल, बिहार। चर्चित कवि, कथाकार ओ संपादक। प्रकाशित कृति : आकार लैत शब्द (कविता संग्रह), अनूदित कृति राजा राम मोहन राय, प्रायश्चित। सम्पादन संकल्प, भारती मंडन (पत्रिका)।







डॉ. शशिनाथ झा 1954- गाम-दीप, जिला- मधुबनी। मैथिली, बांग्ला, नेवारी आ देवनागरी पांडुलिपिक विशेषज्ञ। साहित्य अकादमीक भाषा सम्मान 2007 क्लासिकल आ मध्यकालीन साहित्य लेल।	मानस बिहारी वर्मा, वैज्ञानिक	राजनन्द झा २००६- राजनन्द झा (कालबेला-समरेश मजुमदार, बांग्ला)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।
 आद्यानाथ झा "नवीन"	 अमलतास 1956-	 डॉ. बैद्यनाथ चौधरी "बैजू"
 कमलधर दास "मैथिल कर्ण कायस्थक गोत्र, प्रवर, मूल आ वैवाहिक सम्बन्ध" पोथी प्रकाशित।	 यंत्रनाथ मिश्र	 दिगम्बर ठाकुर
 गणेश झा 1950-	 स्व. जनार्दन प्रसाद झा 'द्विज' हिन्दीक साहित्यकार।	 कन्दर्पनारायण लाल कर्ण

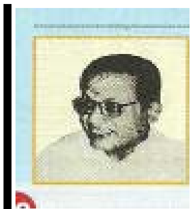


कीर्तिनाथ झा 1955-



शैलेन्द्र आनन्द 1955-

दू टा समीक्षा, तीन टा कथा संग्रह, दू टा गीत-गजल संग्रह ओ चारि टा कथा-संग्रह प्रकाशित।



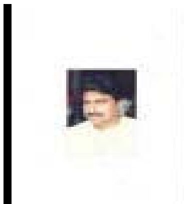
कमलाकांत झा

अध्यक्ष, मैथिली अकादमी, पटना



रमण झा (1957-)

रचना: पश्चात्ताप (कथा-संग्रह)- 1995, काव्य-वाटिका (कविता-संग्रह)- 1999, अलंकार-भास्कर (पूर्व-खण्ड) - 2002, अलंकार-भास्कर (अलंकार शास्त्र)- 2003, भिन्न-अभिन्न (समीक्षा)- 2008, संग सम्पादन: मैथिली (मिथिला विश्वविद्यालय, मैथिली विभागक शोध-पत्रिका) - 1996, सम्पादन: मैथिली (मिथिला विश्वविद्यालय, मैथिली विभागक शोध-पत्रिका)- 2007,2008

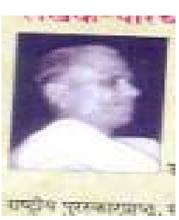


लल्लन प्रसाद ठाकुर 1951-1995

जन्म ५ फरबरी १९५१ मुंगेर मे श्रीमती सुभद्रा देवी आ श्री हीरानंद ठाकुरक द्वितीय बालक। हिनक ग्राम- समौल,जिला-मधुबनी। सिविल इंजीनियर, टाटा स्टीलमे चाकरी। प्रकाश झाक फ़िल्म "कथा माधोपुर की" मे मुख्य भुमिका। नाटककार आ मंच अभिनेता। हुनक लिखल किछु प्रसिद्ध मैथिली नाटक छन्हि :बडका साहेब,मिस्टर निलो काका, लोंगिया मिरचाई,बकलेल आदि वा अंत।

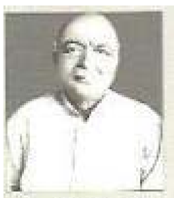
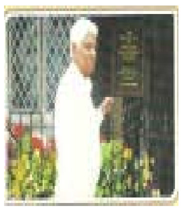
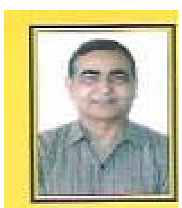


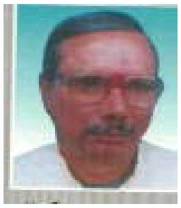
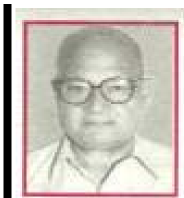
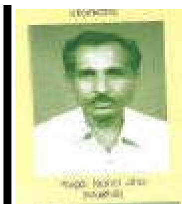
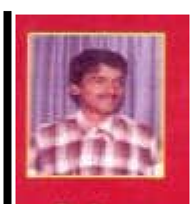
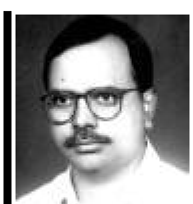
डॉ. कमलानन्द झा







लोकनाथ मिश्र	डॉ. रवीन्द्र कुमार चौधरी 1966- जन्म:5 मार्च 1966 ई. गनपतगंज, सुपौल। मैथिलीक प्राध्यापक। रक्षामंत्रीक पदक आ बिहार आ झारखण्ड सरकार द्वारा पुरस्कृत। झारखण्डक मैथिली आन्दोलनमे अग्रणी।	जितेन्द्र जीत
 डॉ. श्रीपति सिंह १९४४- "उमंग-तरंग" कविता-संग्रह प्रकाशित।	 महेन्द्रनाथ झा यात्रा साहित्य "हमर इंग्लैंड यात्रा" प्रकाशित।	 डॉ. उमाकान्त मैथिली व्यंग्य-आलेखक पोथी "अपन बात" प्रकाशित।
 सुशील 1942-	 श्रीदेव मूल नाम- वागेश्वर झा। कथा-सँग्रह "हिलकोर", नाटक "लोहक कङना", गीत-प्रबन्ध "पुलोमा" प्रकाशित।	 सुकांत सोम 1950- जन्म दरभंगा जिलाक तरौनी गाममे 1950 ई. मे भेलन्हि । बी. ए. पास कए ई पटनाक दैनिक 'जनशक्ति'क सहायक सम्पादक छलाह । फेर नव भारत टाइम्स, पटनामे।बाल्यवस्थासँ अपन पैतृक (पिता यात्रीजी) गुण कविता करबाक तथा कथा लिखबामे सेहो यश अर्जन कएलन्हि अछि । वर्त्तमान राजनीति सामाजिक विषयसँ सम्बद्ध व्यंग्यात्मक, सरल भाषामे लिखल नव कविता हिनक विशेषता छन्हि । गामघरक

		परिवेश तदनुकूल शब्द एवं बिम्ब रचनामे क्रमहि सिद्ध छथि ।
 डॉ. देवकांत मिश्र 1952- पिता कविचूड़क्षामणि पं. काशीकांत मिश्र "मधुप", "बेनीपुर अनुमण्डलमे मैथिली" पोथी प्रकाशित।	 डॉ. नित्यानन्द लाल दास "प्रज्वलित प्रज्ञा" (डॉ. ए.पी.जे. कलामक इग्नाइटेड माइंड्सक मैथिली अनुवाद) प्रकाशित)।	 राजनाथ मिश्र 1950- "अ बड्र्स आइ व्यू ऑन मिथिला" प्रकाशित।
 विजयनाथ झा "अहींक लेल" (गीत-गजल संग्रह प्रकाशित)।	 ताराकान्त झा मैथिली भाषिकी (सम्पादक मैथिली दैनिक मिथिला समाद) २००८- ताराकान्त झा (संरचनावाद उत्तर-संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र-गोपीचन्द नारंग, उर्दू)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।	 योगानन्द झा 1955- २००५- डॉ. योगानन्द झा (बिहारक लोककथा- पी.सी.राय चौधरी, अंग्रेजी)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।
 पशुपतिनाथ झा,	 अनिलचन्द्र ठाकुर 1954-2009	 वृखेश चन्द्र लाल, नेपाल

महोत्तरी, नेपाल 1954-

हिनक लेखन विवरणात्मक होइत अछि आ सम्बद्ध विषयमे नीकजकाँ जानकारी दैत अछि । विभिन्न पत्र-पत्रिकामे हिनक लेख-रचना बरोबरि देखबामे अबैत रहैछ ।रा.रा.ब. कैम्पस, जनकपुरधाममे मैथिली विषयक प्राध्यापनमे संलग्न श्री झा मैथिलीसम्बन्धी सग्ङठनात्मक गतिविधिसँ सेहो जुड़ल छथि । मैथिली भाषाक लोपोन्मुख अवस्थामे रहल अपन लिपि तिरहुतामे विशेषज्ञता रखनिहार श्री झा एकर संरक्षण-सम्बर्द्धनक दिशामे सेहो क्रियाशील छथि ।प्रध्यापक झा मैथिली महाकाव्यमे रस निरूपण विषयपर विद्यावारिधि कएने छथि आ शिक्षा तथा कानून विषयमे सेहो स्नातक छथि । महोत्तरी जिलाक एकरहिया रहनिहार श्री झाक जन्म ४ दिसम्बर १९५४ कऽ भेलछनि ।चेन्नैमे मिथिला रत्नसँ सम्मानित।

1955-

जन्म 29 मार्च 1955 ई. कैं भेलन्हि। पिताः स्व. उदितनारायण लाल,माताः श्रीमती भुवनेश्वरी देव। हिनकर छठिहारक नाम विश्वेश्वर छन्हि। मूलतः राजनीतिककर्मी । नेपालमे लोकतन्त्रलेल निरन्तर संघर्षक क्रममे १७ बेर गिरफ्तार । लगभग ८ वर्ष जेल ।सम्प्रति तराई मधेश लोकतान्त्रिक पार्टीक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष । मैथिलीमे किछु कथा विभिन्न पत्रपत्रिकामे प्रकाशित । आन्दोलन कविता संग्रह आ बी.पीं कोइरालाक प्रसिद्ध लघु उपन्यास मोदिआइनक मैथिली रुपान्तरण तथा नेपालीमे संघीय शासनतिर नामक पुस्तक प्रकाशित । ओ विश्वेश्वर प्रसाद कोइरालाक प्रतिबद्ध राजनीति अनुयायी आ नेपालक प्रजातांत्रिक आन्दोलनक सक्रिय योद्धा छथि। नेपाली राजनीतिपर बरोबरि लिखैत रहैत छथि।



नारायणजी 1956-

जन्म: घोघरडीहा (मधुबनी)। मैथिली भाषा-साहित्यमे एम. ए., पी-एच. डी. कामेश्वर लता संस्कृत विद्यालय, घोघरडीहामे अध्यापन । प्रकाशित कृति: 'घरि घुरि रहल छी' (काव्य-संग्रह)।



भक्तीश्वर झा "सारथी"



डॉ. श्री श्रीशंकर झा 1952-

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA



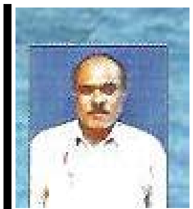
जगदीपनारायण "दीपक"



राजदेव मंडल

शिक्षा- एम.ए.द्वय, एल एल बी.,पता- ग्राम-मषहूरनियाँ, रतनसारा(निर्मली)

प्रकाशित कृति- हिन्दी ,नाम- राजदेव प्रियंकर,उपन्यास- जिन्दगी और नाव,पिजरें के पंछी,दरका हुआ दरपन,अप्रकाशित कृति-मैथिली- कविता संग्रह



ललित कुमार झा १९६३-

गाम- सिरसी, जिला- सीतामढ़ी।



दुर्गेश कुमार चौधरी

रंगमंच



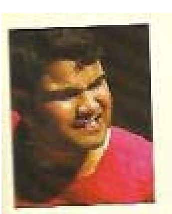
कुंदन कुमार

रंगमंच



दीपक नीलेश

मैथिली रंगमंच।



जितेन्द्र कुमार झा

मैथिली रंगमंच



शिवप्रसाद यादव



हीरेन्द्र कुमार झा 1958-

जन्म 30 अगस्त 1958,गाम- कोइलख (मधुबनी), पिता श्री कामेन्द्र नाथ झा। ट्रांसफर्मर (मैथिली कथा संग्रह) प्रकाशित।



मानेश्वर मनुज 1958-

जन्म गम्हरिया (मानपौर, मधुबनी)मे, 1978सँ 1992 धरि नौसेनामे विभिन्न जहाजपर कार्यरत, फेर यात्री रेलमे। सम्बन्ध (कथा संग्रह) प्रकाशित।



नबोनाथ झा



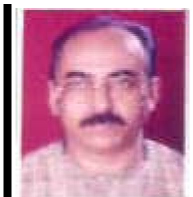
महेन्द्र नारायण राम 1958-

सम्पादन-“नव ज्योति” पत्रिका, “लोकशक्ति” सामाजिक मुख-पत्रक। लोकवृत्त ताहूमे लोकगाथाक अध्येता।



तारानन्द वियोगी 1966-

महिषी, सहरसामे जन्म।पहिल पोथी अपन युद्धक साक्ष्य (गजल संग्रह) १९९१ मे प्रकाशित। अन्य पुस्तक हस्तक्षेप (कविता-संग्रह), अतिक्रमण (कथा-संग्रह), शिलालेख(लघुकथा संग्रह), कर्मधारय।राजकमल चौधरीक कथाकृति एकटा चंपाकली एकटा विषधर संकलन-सपादन। साहित्य अकादेमी मैथिली बाल साहित्य पुरस्कार २०१०- तारानन्द वियोगीकेँ पोथी "ई भेटल तँ की भेटल" लेल।



भालचन्द्र झा

ए.टी.डी., बी.ए., (अर्थशास्त्र), मुम्बईसँ थिएटर कलामे डिप्लोमा। मैथिलीक अतिरिक्त हिन्दी, मराठी, अग्रेजी आ गुजरातीमे निष्णात। १९७४ ई.सँ मराठी आ हिन्दी थिएटरमे निदेशक। महाराष्ट्र राज्य उपाधि १९८६ आ १९९९ मे। आइ.एन.टी. केर लेल नाटक “सीता” क निर्देशन। “वासुदेव संगति” आइ.एन.टी.क लोक कलाक शोध आ प्रदर्शनसँ जुड़ल छथि आ नाट्यशालासँ जुड़ल छथि विकलांग बाल लेल थिएटरसँ। निम्न टी.वी. मीडियामे रचनात्मक निदेशक रूपेँ कार्य।लेखन-बीछल बेरायल मराठी एकांकी(अनुवाद), सिंहावलोकन (मराठी साहित्यक १५० वर्ष), आकाश (जी.टी.वी.क धारावाहिकक ३० एपीसोड), जीवन सन्ध्या(मराठी



कुमार शैलेन्द्र

साप्ताहिक, डी.डी, मुम्बई), धनाजी नाना चौधरी (मराठी), स्वयम्बर (मराठी), फिर नहीं कभी नहीं(हिन्दी), आहट (हिन्दी), यात्रा (मराठी सीरयल), मयूरपन्ख (मराठी बाल-धारावाहिक), हेल्थकेअर इन २०० ए.डी.) (डी.डी.)।२००९ मे- भालचन्द्र झा (बीछल बेरायल मराठी एकाँकी- सम्पादक सुधा जोशी आ रत्नाकर मतकरी, मराठी)लेल साहित्य अकादेमी मैथिली अनुवाद पुरस्कार।



रमेश 1961-

जन्म स्थान मेंहथ, मधुबनी, बिहार। चर्चित कथाकार ओ कवि । प्रकाशित कृति: समांग, समानांतर (कथा संग्रह), नागफेनी (गजल संग्रह), संगोर, समवेत स्वरक आगू, कोसी धारक सभ्यता, पाथर पर दूभि (काव्य संग्रह), प्रतिक्रिया (आलोचनात्मक निबंध)।



मेघन प्रसाद 1961-



प्रदीप बिहारी 1963-

जन्म स्थान कन्हौली मल्लिक टोल, खजौली, मधुबनी, बिहार। चर्चित कथाकार, उपन्यासकार ओ रंगकर्मी । प्रकाशित कृति: गुमकी ओ बिहाड़ि, विसूवियस (उपन्यास), औतीह कमला जयतीह कमला, खण्ड-खण्ड जिनगी, सरोकार (कथा संग्रह)। २००७- प्रदीप बिहारी (सरोकार, कथा)मैथिली लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार ।



चन्द्रमोहन झा पर्वा



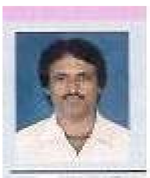
अशोक दत्त, जनकपुर



कृष्ण मोहन झा 1968-

जन्म मधेपुरा जिलाक जीतपुर गाममे। “विजयदेव नारायण साही की काव्यानुभूति की

बनावट" विषयपर जे.एन.यू. सँ एम.फिल आ ओतहिसँ "निर्मल वर्मा के कथा साहित्य में प्रेम की परिकल्पना" विषयपर पी.एच.डी.। हिन्दीमे एकटा कविता सँग्रह "समय को चीरकर" आ मैथिलीमे "एकटा हेरायल दुनिया" प्रकाशित। हिन्दी कविता लेल "कन्हैया स्मृति सम्मान"(1998) आ "हेमंत स्मृति कविता पुरस्कार"(2003)। असम विश्वविद्यालय, सिल्चरक हिन्दी विभागमे अध्यापन।



परमानन्द प्रभाकर



रमेश रंजन, परवाहा, नेपाल 1966-

परवाहा, नेपालमे जन्म । नेपालीय कथा-जगतक नवीन मुदा सम्मानित नाम । जनपक्षधर कथा-दृष्टि आ मोहक शिल्प । थोड़ लिखलनि, मुदा बेर-बेर चर्चित रहलाह ।



डॉ. सुरेन्द्र लाभ, नेपाल



सुनील कुमार मल्लिक, गायक, जनकपुर, नेपाल 1968-

मैथिलीक गायक-सग्डीतकारक रूपमे प्रसिद्ध छथि । मैथिली भाषाक गीतसभमे मौलिक तथा सार्थक सग्डीतक सृजनमे हिनक सक्रियता प्रशंसनीय छनि ।

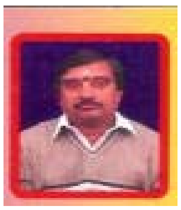


रोशन जनकपुरी, नेपाल



डॉ. अरविन्द अक्कू 1957-

सुनीलक गायन तथा सङ्गीतमे कैसेट एलबमसभ सेहो बाहर भेल अछि ।लेखनदिस हिनक सक्रियता परिमाणात्मक रूपमे कम रहितहुँ गुणात्मक दृष्टिएँ हृदयस्पर्शी मानल जाइत अछि ।पेशासँ विज्ञान-शिक्षक छथि ।



अशोक झा 1957-



कुमार पवन 1958

गाम मुरैठा। कथा संग्रह, कविता संग्रह आ व्यंग्य संग्रह शीघ्र प्रकाश्य। मैथिलीमे १९९० ई सँ विरल लेखन। २००८ ई. सँ दस सालक मौन भंगक बाद पुनः रचनाक दोसर पालीक प्रारम्भ।



फूलचन्द्र झा "प्रवीण" 1961-

गाम तुमौल दरभंगा, आयल नवल प्रभात, पांगल गाछक छाहरि, हमरा मोनक खजन चिड़ैया, बसंतक बजनिञा (कविता संग्रह), भूत होइत भविष्य (कथा संग्रह)।



रणजीत कुमार सिंह



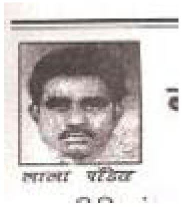
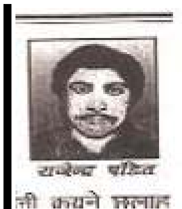
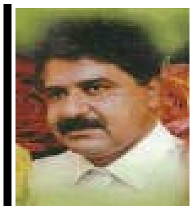
देवशंकर नवीन 1962-

ओ ना मा सी (गद्य-पद्य मिश्रित हिन्दी-मैथिलीक प्रारम्भिक सर्जना), चानन-काजर (मैथिली कविता संग्रह), आधुनिक (मैथिली) साहित्यक परिदृश्य, गीतिकाव्य के रूप में विद्यापति पदावली, राजकमल चौधरी का रचनाकर्म (आलोचना), जमाना बदल गया, सोना बाबू का यार, पहचान (हिन्दी कहानी), अभिधा (हिन्दी कविता-संग्रह), हाथी चलए बजार (कथा-संग्रह)।



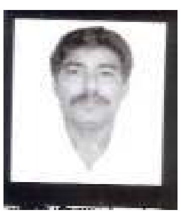
विद्यानन्द झा 1965-

बुद्धपूर्णिमा, १९६५कें कैथिनियाँ, झंझारपुर मुधुबनीमे जन्म। पराती जकाँ (कविता संग्रह) प्रकाशित । मूलतः कवि, थोड़ कथा लिखलनि, जे अपन मार्मिक अभिव्यक्तिक कारण बेस चर्चित भेल । विडम्बनापूर्ण परिस्थितिक पाछू जिम्मेवार समाजार्थिक कारणक खोज हिनकर मूल सृजन प्रेरणा थिक ।

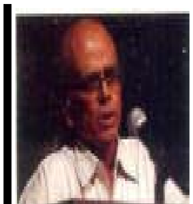
 किशोर कुमार झा "सिक्किन"	 लाला पंडित, मिथिला मूर्तिकला	 राजेन्द्र पंडित, मिथिला मूर्तिकला
 बटोही झा, मिथिला चित्रकला	 उदितनारायण फिल्म गायक	 स्व. हेमकान्त झा, गायक
 रामबाबू झा, गायक	 राजकमल झा, अंग्रेजी लेखक पत्रकार	 प्रकाश झा, फिल्म निर्देशक
 प्रकाश झा, मैथिली	 डॉ. धनाकर ठाकुर	 ताराकांत झा

रंगमंच

सुपरिचित रंगकर्मी। राष्ट्रीय स्तरक सांस्कृतिक संस्था सभक संग कार्यक अनुभव। शोध आलेख (लोकनाट्य एवं रंगमंच) आ कथा लेखन। राष्ट्रीय जूनियर फेलोशिप, भारत सरकार प्राप्त। राजधानी दिल्लीमे मैथिली लोक रंग महोत्सवक शुरुआत। मैथिली लोककला आ संस्कृतिक प्रलेखन आ विश्व फलकपर विस्तारक लेल प्रतिबद्ध। अपन कर्मठ संगीक संग मैलोरंगक संस्थापक, निदेशक। मैलोरंग पत्रिकाक सम्पादन। संप्रति राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्लीक रंगमंचीय शोध पत्रिका रंग-प्रसंगक सहयोगी संपादकक रूपमे कार्यरत।



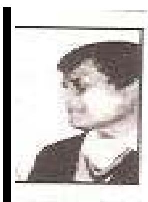
डॉ. नारायण कुमार झा



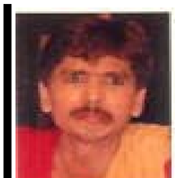
रामेश्वर प्रेम



नागेश्वर लाल कर्ण, तबला वादक



केष्कर ठाकुर



काश्यप कमल, रंगमंच



मुकेश कुमार झा, रंगमंच



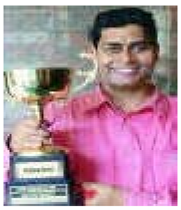
मनीष झा फिल्म निर्देशक



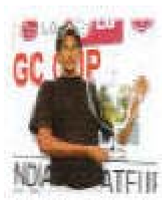
संजय झा फिल्म निर्माता



कीर्ति आजाद क्रिकेट



श्रीराम झा शतरंज



अभिषेक झा गोल्फ



कुमार मनीष अरविन्द 1964-



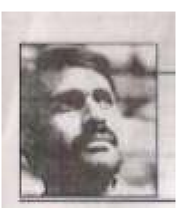
मधुकर भारद्वाज



बदरी नारायण बर्मा



राजेन्द्र किशोर, नेपाल

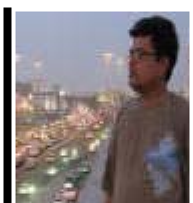


धीरेन्द्र प्रेमर्षि, सिरहा, नेपाल 1967-

वि.सं.२०२४ साल भादब १८ गते सिरहा जिलाक गोविन्दपुर-१, बस्तीपुर गाममे जन्म लेनिहार प्रेमर्षिक पूर्ण नाम धीरेन्द्र झा



अमलेन्दु शेखर पाठक



श्याम सुन्दर शशि, नेपाल

श्याम सुन्दर शशि, जनकपुरधाम, नेपाल। पेशा-पत्रकारिता। शिक्षा: त्रिभुवन विश्वविद्यालयसँ,एम.ए.

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

छियनि। कान्तिपुरसँ हेल्लो मिथिला कार्यक्रम प्रस्तुत कर्ता जोड़ी रूपा-धीरेन्द्रक धीरेन्द्रक अबाज गामक बच्चा-बच्चा चिन्हैत अछि। ‘‘पल्लव’’ मैथिली साहित्यिक पत्रिका आ ‘‘समाज’’ मैथिली सामाजिक पत्रिकाक सम्पादन।

मैथिली, प्रथम श्रेणीमे प्रथम स्थान। मैथिलीक प्रायः सभ विधामे रचनारत। बहुत रास रचना विभिन्न पत्र-पत्रिकामे प्रकाशित। हिन्दी, नेपाली आऽ अंग्रेजी भाषामे सेहो रचनारत आऽ बहुतरास रचना प्रकाशित। सम्प्रति- कान्तिपुर प्रवासक अरब ब्यूरोमे कार्यरत।

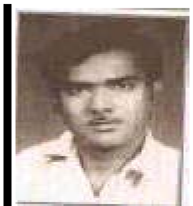


हिमांशु चौधरी, नेपाल

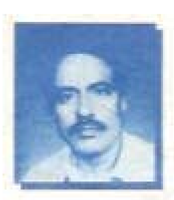
पिता : स्वर्गीय कामेश्वर चौधरी,माताः श्रीमती चन्द्रावती चौधरी,जन्मः वि स २०२०/६/५ लहान, सिरहा,शिक्षाः स्नातकोत्तर(नेपाली),पेशाः पत्रकारिता (सम्प्रति : राष्ट्रिय समाचार समिति),कृति : की भार सांढू ? (मैथिली कविता संग्रह),विगत दू दशकसं नेपाली आ मैथिली लेखन तथा अभियानमे निरन्तर क्रियाशील आ विभिन्न संघ संस्थासं आबद्ध ।



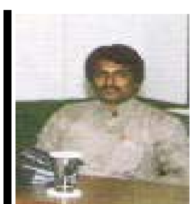
सत्यनारायण मेहता



भुवनेश्वर पाथेय



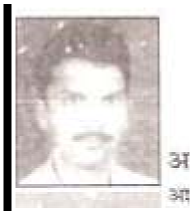
राजेन्द्र झा, धनुषा



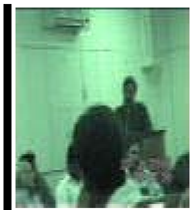
अखिल आनन्द



विनोद कुमार झा



अशोक कुमार मेहता

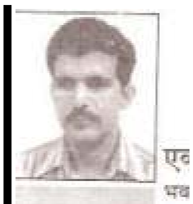


संजीव तमन्ना

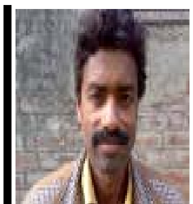


धर्मेन्द्र विह्वल, सिरहा, नेपाल 1967-

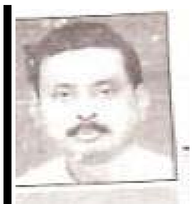
रस्ता तकैत जिनगी, एक सृष्टि एक कविता, एक समयक बात, धुअनाएल आकृति सभ (मैथिली कविता संग्रह), भ्रमरका उत्कृष्ट नाटकहरु, गोनूझाका कथाहरु (मैथिलीसँ नेपाली अनुवाद), मैथिलीक कक्षा 1 सँ 5 आ बाल-साहित्य संदर्भक तीनटा पोथीक सह-लेखक। पत्रकारिताक मूल सिद्धांत (मैथिली, प्रेसमे), दलित रिपोर्टिंग मैनुअल (नेपाली, प्रेसमे)।



भवप्रीतानन्द



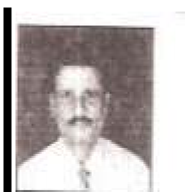
रघुनाथ मुखिया



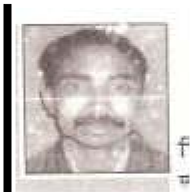
धीरेन्द्र कुमार झा



गिरिजानन्दन सिंह

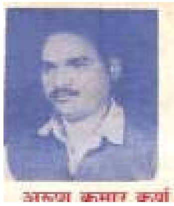


प्रेमचन्द्र पंकज

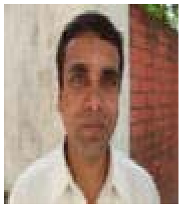


सच्चिदानन्द सच्चू

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA



अरुण कुमार कर्ण 1961-



निमिष झा, नेपाल



अनलकांत (गौरीनाथ) 1969-



रमण कुमार सिंह 1969-



आशुतोष झा



नीरज कर्ण, धनुषा, नेपाल 1970-

समाजशास्त्रक छात्र आ गणित तथा विज्ञानक शिक्षक छथि, मुदा मैथिली साहित्य आ संगठनक क्षेत्रमे सेहो निरन्तर सक्रिय छथि । भाषा, व्याकरण आदिक मेंही पक्षसभपर सेहो ई पूर्ण अधिकार रखैत छथि । जन्म धनुषा जिलाक कुर्था गाममे भेल छनि । विभिन्न पत्रपत्रिकामे हिनक कथा, कविता, लेख-रचनासभ मैथिली, नेपाली आ अग्रेजी भाषामे प्रकाशित होइत रहैत छनि । अनुवादक क्षेत्रमे सेहो हिनक नीक अधिकार छनि ।

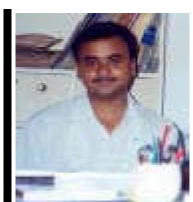


उपेन्द्र भगत नागवंशी, नेपाल

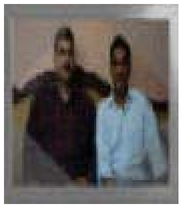
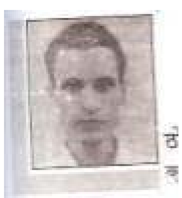


दमन कुमार झा 1969-

एम.ए.पी.एच.डी. (मैथिली),



श्रीधरम 1974-

	प्रकाशन: मैथिली बाल साहित्य(शोध-ग्रंथ)-2002 आ नेबोक चाह (कथा संग्रह) 2009. सम्प्रति जे.एन.क~ओलेज मधुबनीमे व्याख्याता।	
 शंकरदेव झा	 अंशुमन पाण्डेय	 आनन्द कुमार झा 1977- जन्म स्थान: मेंहथ, झंझारपुर; पिता स्व. अभयकांत झा, माता श्रीमती इन्द्रकाली देवी, प्रकाशन- "धधाइत नवकी कनियाँक लहास", "हठात् परिवर्तन", "बदलैत समाज", "टाकाक मोल", "कलह" (पाँचू मैथिली नाटक) प्रकाशित।
 कमल मोहन चुन्नू	 कुमार राहुल	 अंशुमान सत्यकेतु
 शुभेन्दु शेखर	 वनदेवीपुत्र भवनाथ, नाटककार	 अमरेन्द्र यादव, नेपाल



मिथिलेश कुमार झा 1970-

पिता- श्री विश्वनाथ झा, जन्म- 12-01-1970 कें मनपौर(मातृक) मे पैतृक-ग्राम-जगति, पो*-बेनीपट्टी,जिला-मधुबनी, मिथिला, पिन*-847223 शिक्षा :प्राथमिक धरि- गामहिक विद्यालय मे। मध्य विद्यालय धरि- मध्य विद्यालय, बेनीपट्टी सँ। माध्यमिक धरि- श्री लीलाधर उच्च विद्यालय,बेनीपट्टीसँ इतिहास-प्रतिष्ठाक संग स्नातक-कालिदास विद्यापति साइंस कॉलेज उच्चैठ सँ, पत्रकारिता मे डिप्लोमा-पत्रकारिता महाविद्यालय(पत्राचार माध्यम) दिल्ली सँ, कम्प्युटर मे डी.टी.पी ओ बेसिक ज्ञान। रचना: हिन्दी ओ मैथिली मे कविता, गजल, बाल कविता, बाल कथा,साहित्यिक ओ गैर-साहित्यिक निबंध, ललित निबंध, साक्षात्कार, रिपोर्ताज, फीचर आदि।



अनमोल झा 1970-

गाम नरुआर, जिला मधुबनी। एक दर्जनसँ बेशी कथा, लगभग सए लघुकथा, तीन दर्जनसँ बेशी कविता, किछु गीत, बाल गीत आ रिपोर्ताज आदि विभिन्न पत्रिका, स्मारिका आ विभिन्न संग्रह यथा- ''कथा-दिशा''-महाविशेषांक, ''श्वेतपत्र'', आ ''एक्कैसम शताब्दीक घोषणापत्र'' (दुनू संग्रह कथागोष्ठीमे पठित कथाक संग्रह), ''प्रभात''-अंक २ (विराटनगरसँ प्रकाशित कथा विशेषांक) आदिमे संग्रहित।

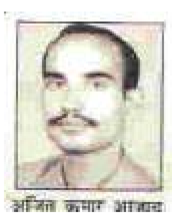


मनोज मुक्ति, नेपाल



सत्येन्द्र कुमार झा 1969-

जन्म ०१.०१.१९६९ संकटमोचन नगर, मधुबनी। कवि, कथाकार, अभिनेता। पोथी- अहींकें कहै छी (लघु कथा संग्रह), मैथिली फिल्म पिरितिया, दुलरुआ बाबू आ

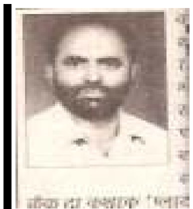
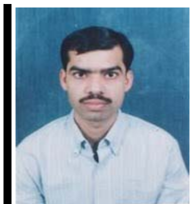
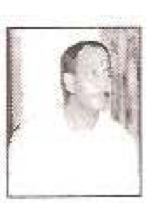
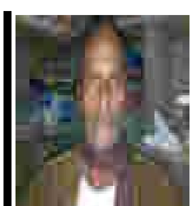


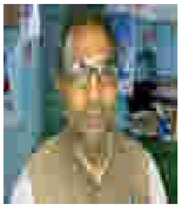
अजित कुमार आजाद



सुधीर कुमार झा 1970-

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

श्यामा दर्शन आ सौभाग्य मिथिलाक सीरियल डॉ. टोप्पीवाला मे अभिनय। आकाशवाणीमे कार्यरत।		
 अशोक सिंह तोमर	 चन्द्रेश	 राम सेवक सिंह
 संतोष मिश्र, नेपाल	 सतीश चन्द्र झा	 आशीष अनचिन्हार
 अभय लाल दास	 शहीद दुर्गानन्द झा, नेपाल	 किसलय कृष्ण
 सुन्दरम	 उदयनाथ झा "अशोक"	 कपिलेश्वर राउत



कपिलेश्वर साहू



अभय कुमार यादव, मैथिली रंगमंच

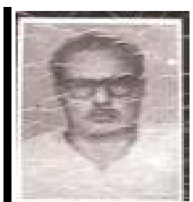


डॉ. शम्भु कुमार सिंह

जन्म: 18 अप्रील 1965 सहरसा जिलाक महिषी प्रखंडक लहुआर गाममे। आरंभिक शिक्षा, गामहिसँ, आइ.ए., बी.ए. (मैथिली सम्मान) एम.ए. मैथिली (स्वर्णपदक प्राप्त) तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार सँ। BET [बिहार पात्रता परीक्षा (NET क समतुल्य) व्याख्याता हेतु उत्तीर्ण, 1995] "मैथिली नाटकक सामाजिक विवर्त्तन" विषय पर पी-एच.डी. वर्ष 2008, तिलका माँ. भा.विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार सँ। मैथिलीक कतोक प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिका सभमे कविता, कथा, निबंध आदि समय-समय पर प्रकाशित। वर्तमानमे शैक्षिक सलाहकार (मैथिली) राष्ट्रीय अनुवाद मिशन, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर-6 मे कार्यरत।



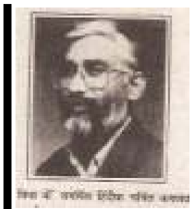
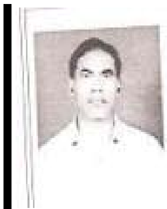
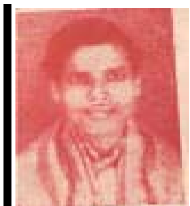
बच्चा यादव 1958-



जितेन्द्रनारायण झा



कैलाश कुमार मिश्र

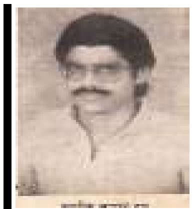
 कृष्णचन्द्र यादव, नेपाल	 महेश दर्पण	 नवलकिशोर प्रसाद श्रीवास्तव
 प्रेमकान्त चौधरी, पूर्वोत्तर मैथिल	 शिवकान्त ठाकुर	 शोभाकान्त झा
 उमाकान्त झा आ प्रियंका, मैथिली रंगमंच	 अनिल कुमार चौधरी 1962-	 देवीनाथ मिश्र
 फणीकान्त मिश्र पुरातत्वविद।	 श्यामानन्द ठाकुर	 नन्द कुमार मिश्र



मायानाथ झा 1946-



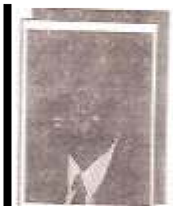
भुवन भूषण



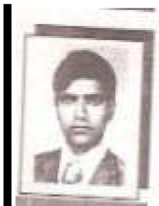
अशोक कुमार झा



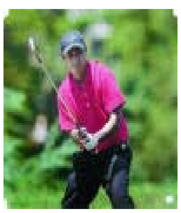
चन्द्र किशोर लाल, पत्रकार, नेपाल



हरिकांत लाल दास, नेपाल

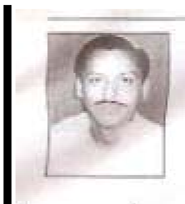


शशिनाथ ठाकुर, नेपाल



अशोक कुमार 1981-

साधारण काष्ठकारक परिवारमे समस्तीपुर जिलाक मोखियारपुर सखलानी गाममे जनमल अशोक कुमार कहियो स्कूल नहि गेलाह। दिनमे पचास टाका कमेनिहार दिल्लीक एकटा गोल्फ क्लबक एहि कैडीकेँ 1994 ई. मे चोरिक मिथ्यारोप लगा कए गोल्फ कोर्ससँ बाहर कए देल गेल। वैह कैडी दस सालक भीतर भारतक नम्बर एक गोल्फर बनि गेल।



डॉ. अजीत मिश्र



भवनाथ झा

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८) http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA



मुन्नाजी

मुन्नाजी (उपनाम, एहि नामे मैथिलीमे लेखन), मूलनाम मनोज कुमार कर्ण, जन्म 27 जनवरी 1971 (हटाढ़ रूपौली, मधुबनी), शिक्षा स्नातक प्रतिष्ठा, मैथिली साहित्य। वृत अभिकर्त्ता, भारतीय जीवन बीमा निगम। पहिल लघुकथा 'काँट' भारती मण्डनमे 1995 पकाशित। पहिल कथा कुकुर आ हम, 'भरि रात भोर'मे 1997मे प्रकाशित। एखन धरि दर्जनो लघुकथा, कथा, क्षणिका आ लघुकथा सम्बन्धी किछु आलेख प्रकाशित। विशेषः- मुख्यतः मैथिली लघुकथाकेँ स्वतंत्र विधा रूपेँ स्थापित करवाक दिशामे संघर्षरत।



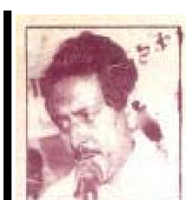
विनीत उत्पल 1978-

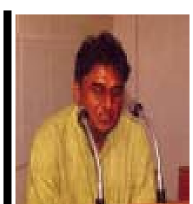
आनंदपुरा, मधेपुरा। प्रारंभिक शिक्षासँ इंटर धरि मुंगेर जिला अंतर्गत रणगांव आ तारापुरमे। तिलकामांझी भागलपुर, विश्वविद्यालयसँ गणितमे बीएससी (आनर्स)। गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालयसँ जनसंचारमे मास्टर डिग्री। भारतीय विद्या भवन, नई दिल्लीसँ अंगरेजी पत्रकारितामे स्नातकोत्तर डिप्लोमा। जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्लीसँ जनसंचार आ रचनात्मक लेखनमे स्नातकोत्तर डिप्लोमा। नेल्सन मंडेला सेंटर फॉर पीस एंड कनफ्लिक्ट रिजोल्यूशन, जामिया मिलिया इस्लामियाक पहिल बैचक छात्र भs सर्टिफिकेट प्राप्त। भारतीय विद्या भवनक फ्रेंच कोर्सक छात्र। आकाशवाणी भागलपुरसँ कविता पाठ, परिचर्चा आदि प्रसारित। देशक प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिका सभमे विभिन्न विषयपर स्वतंत्र लेखन। पत्रकारिता कैरियर- दैनिक भास्कर, इंदौर, रायपुर, दिल्ली प्रेस, दैनिक हिंदुस्तान, नई दिल्ली, फरीदाबाद, अकिंचन भारत, आगरा, देशबंधु, दिल्ली मे। एखन राष्ट्रीय सहारा, नोएडा मे वरिष्ट उपसंपादक। "हम पुछैत छी" कविता संग्रह प्रकाशित।

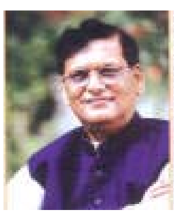
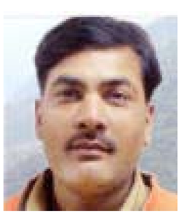


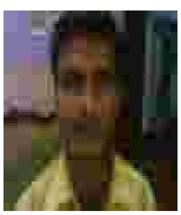
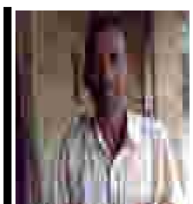
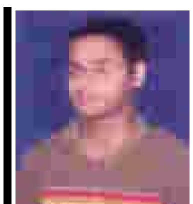
उमेश मंडल







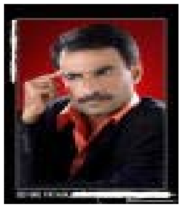
रत्नेश्वर प्रसाद सिंह	अनिल पतंग 1951-	ओमप्रकाश भारती 1968-
		
संजय कुन्दन 1969-	चक्रधर ठाकुर 1978-	मदन ठाकुर चर्चित रंगकर्मी, जनकपुरक चर्चित संस्था मिथिला नाट्यकला परिषदक संस्थापक । तीन दशकसँ बेसी समयसँ रंगक्षेत्रमे सक्रिय। करीब ३० ४० गोट मंचीय नाटकक सयो प्रस्तुति , २० २५ गोट सड़क नाटकक हजारसँ बेसी प्रदर्शनमे अभिनय ।२० गोट टेली-सीरियल आ आधा दर्जन मैथिली फीचर फिल्ममे अभिनय । पुरस्कार: सप्तम अन्तर्राष्ट्रिय महोत्सवमे सर्वश्रेष्ठ अभिनेता २०४९ वि.स., क्षेत्रीय प्रतिभा पुरस्कार (नेपाल सरकार) २०६३ वि.स.।
		
बिन्देश्वर पाठक	कुमार गगन, मैथिली रंगमंच	श्रीकान्त मण्डल, मैथिली रंगमंच
		

रवीन्द्र कुमार दास चित्रकला।	रवीन्द्र लाल दास	संजय कुमार चौधरी, मैथिली रंगमंच
 दुर्गानन्द मंडल	 अनिल कुमार मिश्र	 कुमार सौरभ
 कौशल किशोर मिश्र	 अमोद कुमार झा	 आशीष चमन
 आशीष चौधरी गाम-चरैया, अररिया।	 बेचन ठाकुर	 देवांशु वत्स जन्म- तुलापट्टी, सुपौल। मास कम्युनिकेशनमे एम.ए., हिन्दी, अंग्रेजी आ मैथिलीक विभिन्न पत्र-पत्रिकामे कथा, लघुकथा, विज्ञान-कथा, चित्र-कथा, कार्टून, चित्र-प्रहेलिका इत्यादिक प्रकाशन। विशेष: गुजरात राज्य शाला पाठ्य-पुस्तक मंडल द्वारा आठम कक्षाक लेल विज्ञान कथा "जंग" प्रकाशित (2004 ई.), नताशा: मैथिलीक पहिल-चित्र-श्रृंखला (कॉमिक्स) प्रकाशित।



शिव कुमार झा 1973-

शिव कुमार झा "टिल्लू",पिताक नामः स्व. काली कान्त झा "बूच", माताक नामः स्व. चन्द्रकला देवी,जन्म तिथिः 11-12-1973,शिक्षाः स्नातक (प्रतिष्ठा),जन्म स्थानः मातृक- मालीपुर मोड़तर, जि. - बेगूसराय, मूलग्रामः ग्राम-पत्रालय - करियन, जिला - समस्तीपुर, पिन: 848101,संप्रतिः प्रबंधक, संग्रहण,जे. एम. ए. स्टोर्स लि.,मेन रोड, बिस्टुपुर जमशेदपुर - 831 001, अन्य गतिविधिः वर्ष 1996 सँ वर्ष 2002 धरि विद्यापति परिषद समस्तीपुरक सांस्कृतिक ,गतिविधि एवं मैथिलीक प्रचार-प्रसार हेतु डॉ. नरेश कुमार विकल आ श्री उदय नारायण चौधरी (राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक) क नेतृत्वमे संलग्न।



गोविन्द पाठक 1973-

गाम- करियन (समस्तीपुर), मातृक- जलसैन (अन्धा-ठाढ़ी, मधुबनी)। दस बर्खसँ बेशीसँ हिन्दी आ मैथिली थियेटरमे सक्रिय। मैथिली दूरदर्शन सीरियल "नैन न तिरपित भेल" लेल अभिनय, स्टार प्लसक ग्रेट इण्डियन लाफ्टर चैलेंज-IV आ महुआ चैनलक हँसीक अखाड़ामे सहभागिता। सोनी टी.वी. आ दूरदर्शन इत्यादि लेल काज।सम्प्रति मुम्बइमे।



विपिन कुमार झा



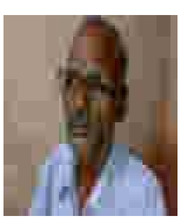
मो. गुल हसन

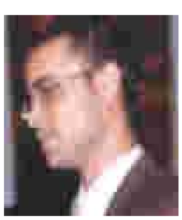


जयप्रकाश मंडल



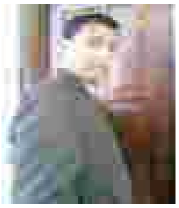
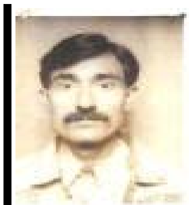
श्यामल सुमन







'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

राम बिलास साहू	कृपानन्द झा अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद	महाकान्त ठाकुर
		
सरोज खिलाड़ी नेपालक पहिल मैथिली रेडियो नाटक संचालक	विजय हरीश	नबोनारायण मिश्र 1955- पिता-श्री गोबिन्द मिश्र, माता-श्रीमति अद्भूला देवी। गाम-कुशमौल,पो.नागदह-बलाइन, भाया-अरेड़हाट, जिला-मधुबनी। मैथिली रंगमंचसँ सम्बद्ध "कोकिल मंच" संस्थाक माध्यमसँ।
		
बचेश्वर झा, निर्मली	धीरेन्द्र कुमार, निर्मली	चन्द्रशेखर कामति 1959- मैथिली कवि। शिक्षा- एम.ए. (राजनीतिशास्त्र), पिता- स्व. योगेन्द्र कामति, गाम-पोस्ट-करियन, भाया- इलमास नगर, थाना- रोसड़ा, जिला-समस्तीपुर, बिहार। संप्रति-प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी (बेनीपट्टी)।



कुमार मनोज कश्यप

जन्म मधुबनी जिलांतर्गत सलेमपुर गाम मे। बाल्य काले सँ लेखन मे आभरुचि। कैक गोट रचना आकाशवानी सँ प्रसारित आ विभिन्न पत्र-पत्रिका मे प्रकाशित। सम्प्रति केंद्रीय सचिवालय मे अनुभाग आधकारी पद पर पदस्थापित।



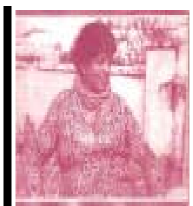
सुजीत कुमार झा, नेपाल



नन्द विलास राय



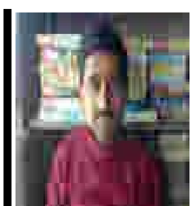
खड़ानन्द यादव



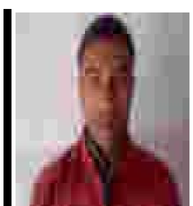
गिरीश चन्द्र



सच्चिदानन्द सौरभ



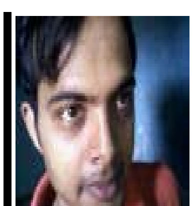
मनोज कुमार मंडल



राधाकान्त मंडल



विवेकानन्द झा



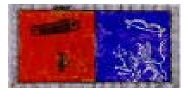
प्रशान्त मिश्र



ऋषि वशिष्ठ



विनय भूषण

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA



राजेश रंजन, मैथिली फेडोरा प्रोजेक्ट



सुधाकर झा, महोत्तरी , नेपाल

सएसँ बेशी सड़क नाटकमे मंचन।



जितमोहन झा

बाबूजीक नाम: श्री बैद्यनाथ झा,ज्येष्ठभ्राता: श्री पिताम्बर झा (पिंटू),ग्राम/पोस्ट-बनगाँव, पूबाइ टोला (खौंआरे),जिला - सहरसा, (बिहार), पिन - ८५२२१२



कुमार किसलय



प्रभात प्रभाकर



राजेश मोहन झा
1981-

उपनाम- गुंजन, जन्मस्थान- गाम+पत्रालय- करियन, जिला- समस्तीपुर, हास्य कविताक माध्यमसँ समाजक विगलित दशाक वर्णन। बाल साहित्यमे विशेष रुचि।



किशन कारीगर



वीरेन्द्र यादव



आतिश कुमार मिश्र, नेपाल



अकलेश कुमार मंडल



जितेन्द्र झा, जनकपुर



नवेन्दु कुमार झा, पत्रकार



सुमित आनन्द
१९९२-

गाम- हटाढ़ रुपौली (मधुबनी)।



नवनीत कुमार झा



आशुतोष यादव अभिज्ञ

मैथिली रंगमंच



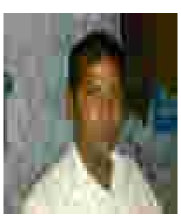
प्रवीण कश्यप



मनीष कुमार झा



पंकज प्रियांशु



भारत भूषण झा



इन्द्रभूषण पाठक



प्रकाश प्रेमी

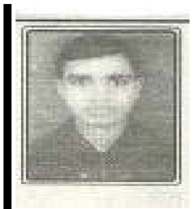


रवि भूषण पाठक



अरुणाभ सौरभ

सम्पादक- नवतुरिया।



मो. जाहिद हुसैन

सिमरिया कुम्हिया, अररिया।



हारुण रशीद "गाफिल" 1965-

ककोड़वा बसंतपुर, अररिया।



मो. जोहेब आलम

अररिया।



डॉ. नवल किशोर दास "नवल"



डॉ. सुशील कुमार श्रीवास्तव

सम्पादक कोशी-कात।



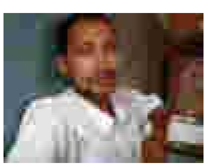
डॉ. भुवन किशोर मिश्र "भुवनेश"

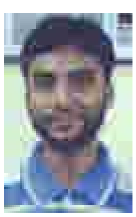
मैथिली कथा संग्रह- गोबरछत्ता।



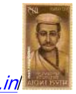
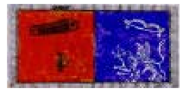
पंकज कुमार झा

पिता-श्री महेंद्र मोहन झा, माता-श्रीमती अम्बी देवी झा : माड़र, जितबारपुर, मधुबनी, पंकज जी एच.सी.एल.मे सोफ्टवेयर इंजिनीयर छथि।







'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

नागेन्द्र कर्ण, नेपाल	रूपेश कुमार झा 'त्योंथ' ग्राम+पत्रालय-त्योंथा, भाया-खिरहर, थाना-बेनीपट्टी, जिला-मधुबनी, सम्प्रति कोलकाताम अध्यनरत, साहित्यिक गतिविधि मे सेहो सक्रिय, ढेर रचना पत्र-पत्रिकादिमे प्रकाशित।	नवीन कुमार "आशा" 1987- पिता श्री गंगानाथ झा, माता श्रीमति विनीता झा। गाम-धानेरामपुर, पोस्ट- लोहना रोड, जिला- दरभंगा।

विदेह मिथिलाक खोज

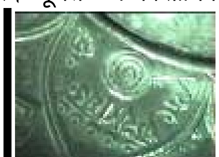
प्रस्तुत अछि विदेह, मिथिला, तीरभुक्ति आ तिरहुतक नामसँ विख्यात वर्त्तमान भारत आ नेपालमे पसरल माटिक प्राचीन आ नव स्थापत्य, चित्रांकित अभिलेख आ मूर्त्तिकलाक एकटा छोट संग्रह। एहि संग्रहकेँ पूर्ण करबाक हेतु अपन बहुमूल्य संग्रह ggajendra@videha.com कैँ पठाऊ। आर्काइवक सर्वाधिकार रचनाकार, सम्बन्धित फोटोग्राफर आ संग्रहकर्त्ताक लगमे छन्हि। फोटो सभ पठएबाक लेल धन्यवाद पाठकगण। साभार। पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल।



गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधुबनी



गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधुबनी



गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधुबनी



गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधुबनी



गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधुबनी

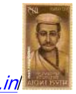
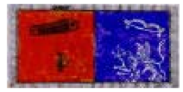


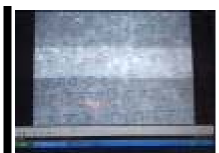
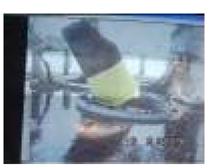
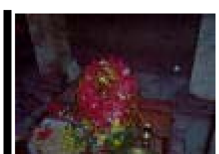
गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधुबनी

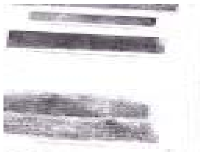






गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधुबनी	गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधुबनी	गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधुबनी
		
गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधुबनी	गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधुबनी	गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधुबनी
		
गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधुबनी	गौरीशंकर, जमथरि, हैंठी बाली, मधुबनी	बाइसी-बसैटी, अररिया मिथिलाक्षर ताम्रलेख
		
बाइसी-बसैटी, अररिया मिथिलाक्षर ताम्रलेख	बाइसी-बसैटी, अररिया मिथिलाक्षर ताम्रलेख	बाइसी-बसैटी, अररिया मिथिलाक्षर ताम्रलेख
		
धरहरा, बनमनखी, पूर्णियाँ, नरसिंह अवतार	धरहरा, बनमनखी, पूर्णियाँ, नरसिंह अवतार	पूरणदेवी, पूर्णियाँ



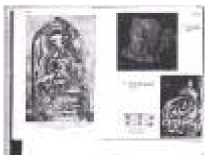
बिदेश्वर स्थान अभिलेख, मधुबनी



अन्धाराठाढी अभिलेख, मधुबनी



बुद्ध अष्टधातु, सिसव बसंतपुर, बगहा



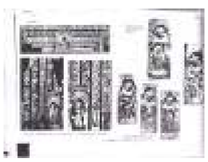
12 शताब्दी, कोइलख, मधुबनी



अग्नि बिदेश्वर स्थान, मधुबनी बुद्ध, मुंगेर



अहिल्या स्थान



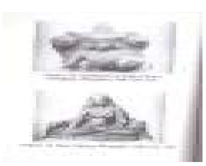
अन्धाराठाढी, मधुबनी



अशोक स्तंभ, बसाढ, वैशाली



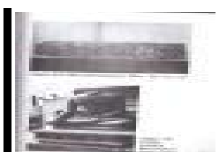
बुद्ध



अवलोकितेश्वर तारा, भागलपुर



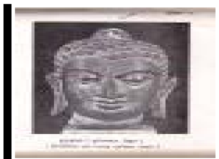
बसाढ, वैशाली



बुद्ध भूमिस्पर्श



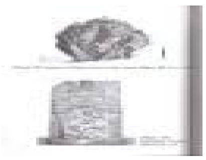
बुद्ध, ताम्र



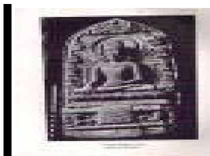
बुद्ध मस्तक, सुलतानगंज



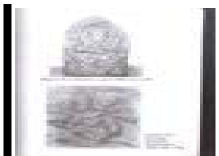
वैशाली मूर्त्ति



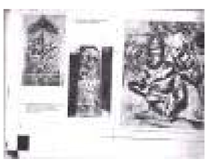
चामुण्डा नाग-नागिनी, मुंगेर



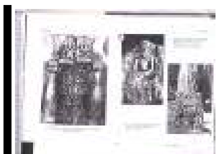
मुकुटधारी बुद्ध, अंतीचक, भागलपुर



नाचैत गणेश, 10म शताब्दी, दरभंगा



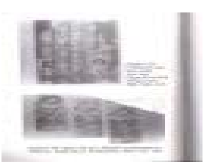
दरभंगा म्युजियम



दरभंगा म्युजियम



दुर्गा, कार्त्तिकेय



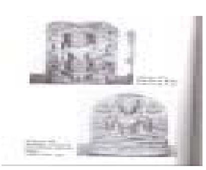
10म शताब्दी, भीट भगवानपुर, अन्ध्रा ठाढी



गणेश बुद्ध

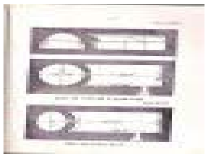
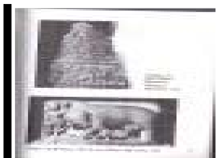
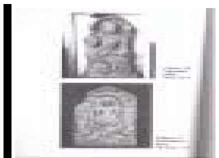
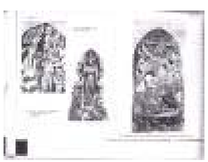


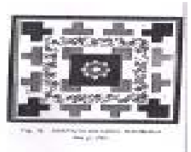
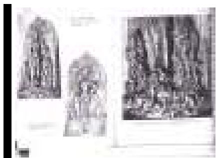
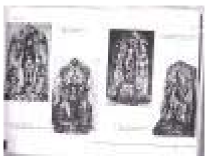
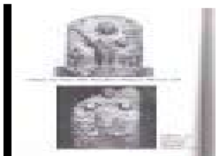
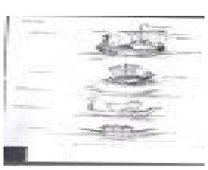
गौतम बुद्ध, वैशाली

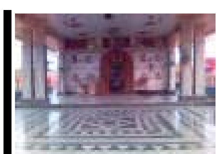






हरिहर बुद्ध	चिड़ैकेँ खुआबैत महिला, राजमहल	लौरिया नन्दनगढ, अशोक स्तंभ
		
लोमश सुदामा गुफा	मुंगेर	नागराज तीर्थंकर
		
कुमारिल भटट फेकेलाह, नालन्दा	विक्रमशिला विश्वविद्यालय, भागलपुर	ठाढ बुद्ध
		
पार्वती	रामायण	रामपुरवा वृषभ
		
रामपुरवा	बुद्धक अवशेष	संकिसा

		
सप्तमातृका	सर्वतो भद्र मण्डल	सूर्य
		
सूर्य	सूर्यक संगी	सूर्य, मधुबनी आ भागलपुर
		
मूर्त्ति	मूर्त्ति	मूर्त्ति, वैशाली
		
उमा माहेश्वर, कल्याणसुन्दर	वैशाली वृषभ शीर्ष	वैशाली, शालभंजिका भागलपुर
		

नाओक प्रकार	विष्णु बुद्धा	पाँखियुक्त महिला
		
अहिल्या	अष्टयोगिनी मन्दिर, सहरसा	बनगंगा
		
दरभंगा	दरभंगा नगर, 1934	दरभंगा मेडिकल कॉलेज
		
दुल्हदुल्हिन मन्दिर, जनकपुर	श्री यंत्र	गण्डीश्वर
		
गंगासागर पोखरि, मधुबनी	हनुमान मन्दिर, मधुबनी	हरिहरस्थान

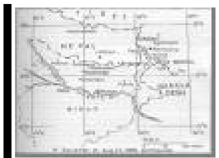
 मधुबनी हॉस्पीटल	 जनकपुर जानकी मन्दिर	 जानकी मन्दिर
 जानकी मन्दिर, सीतामढी	 जानकी मन्दिर, सीतामढी	 जिला स्वास्थ्य कार्यालय राजबिराज, नेपाल
 कलनेश्वर बाबा	 कपिलेश्वर	 कोषलेखाकार्यालय, राजबिराज, नेपाल
 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा	 लक्ष्मीश्वर पैलेस, 1934	 माध्यमिकविद्यालय , जनकपुर



महेन्द्र चौक, जनकपुर



जनकपुर मंडप



मिथिला, 1988 भूकम्प



पगलाबाबा धर्मशाला, जनकपुर, नेपाल



पंडौल अहल्या



मधुबनी बस स्टैंड



राज हेड ऑफिस, 1934



राज हॉस्पीटल, दरभंगा, 1934



सौराठ सभा



शिव मन्दिर, 1934



शिवशंकर सिनेमा, मधुबनी

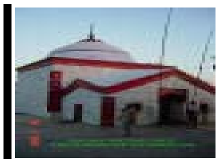


श्यामा मन्दिर

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA



विद्यापति मूर्त्ति, बिस्फी



उग्रतारा, तारास्थान, महिषी, सहरसा



विद्यापति स्मारक, बिस्फी



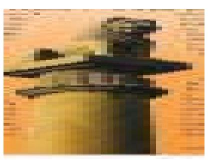
विस्फी, उदना महादेव



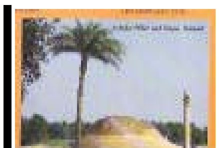
बिस्फी, विश्वेश्वरी भगवती



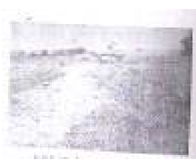
अहल्या मन्दिर, अहियारी



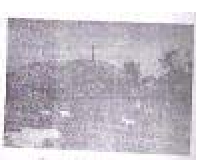
अशोक स्तंभ, वैशाली



स्तूप अशोक स्तंभ, वैशाली



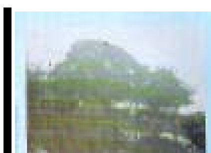
बलिराजपुर किला पूर्वी गेट



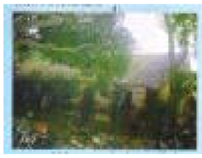
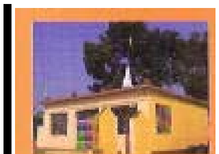
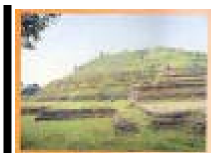
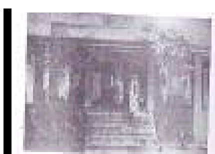
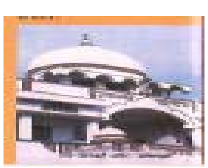
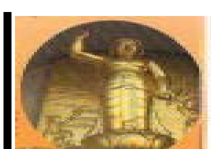
बलिराजपुर किला मीनार

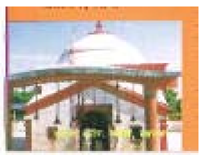
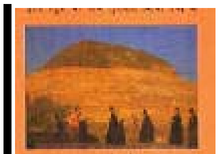
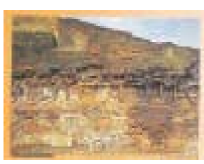


चण्डी स्थान, बिराटपुर, सहरसा



गाँधी पोखरि, ढाका, मोतिहारी

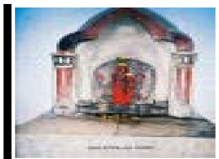
		
गाँधी विद्यालय, ढाका, मोतिहारी	गिरिजा स्थान, मधुबनी	हरिहर मन्दिर, सोनपुर
		
जैन मन्दिर, भागलपुर	जैन मन्दिर, वैशाली	कमलादित्य स्थान
		
कपिलेश्वर शिव मन्दिर	लौरिया नन्दनगढ	मदनेश्वर शिव मन्दिर
		
मन्दार पर्वत, बाँका	मोतिहारी सत्याग्रह स्मारक	परमेश्वरी मन्दिर, ठाढी, मधुबनी
		

रामजानकी मन्दिर, सीतामढी	सत्याग्रह स्मारक, सीतामढी	शांति स्तूप, वैशाली
		
उच्चैठ भगवती	उच्चैठ मन्दिर	सिंघेश्वर स्थान, मधेपुरा
		
सूर्यधाम, परसा	उग्रतारा मन्दिर, महिषी, सहरसा	वैशाली स्तूप
		
विक्रमशिला विश्वविद्यालय, भागलपुर	विराटपुर मन्दिर, मधेपुरा	वृषभ शीर्ष, रामपुरवा
		
सिंह शीर्ष, रामपुरवा	शरभ, नेपाल	पाँखियुक्त देवी, वैशाली

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८)http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA


बाबा बडेश्वर, देवना, बनगाँव

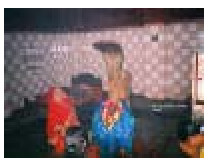

वट वृक्ष, बनगाँव


भगवान विष्णु, देवना, बनगाँव


शास्त्रार्थ स्थल,तारास्थान महिषी


शास्त्रार्थ स्थल,तारास्थान महिषी


तारास्थान महिषी

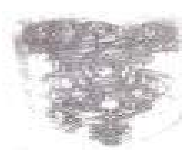

माता तारा, तारास्थान महिषी

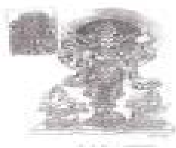

उग्रतारा (खादर वाणी तारा) मूर्ति, महिषी

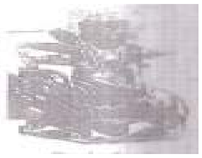

वशिष्ठ मुनि, तारास्थान महिषी


आवर्धित काली उच्चैठ


बौद्धदेवी तारा वारी समस्तीपुर


भगवती देकुली

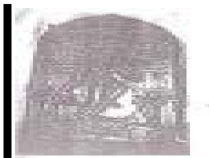

भगवती गिरिजा फुल्हर


भगवती मृणमूर्ति गन्धबारि

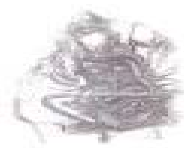

भगवती वारी समस्तीपुर


भुवनेश्वरी कोर्थ


देवीकाली कोर्थ


गंगामूर्ति नगरडीह दरभंगा


गोसाउनि मन्दिर कोर्थ

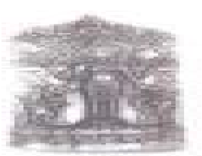

हैहट्ट देवी हाबीडीह

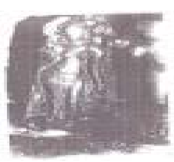

काली उच्चैठ


महिषासुरमर्दिनी बहेरी दरभंगा

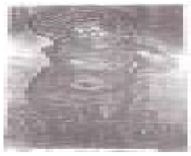
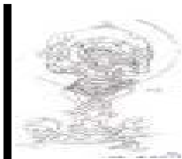
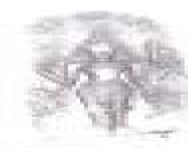
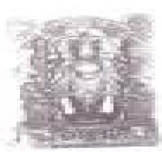
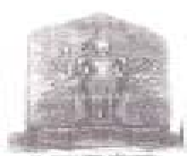

महिषासुरमर्दिनी हाबीडीह


महिषासुरमर्दिनी नाहर-भगवतीपुर

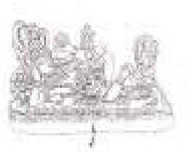
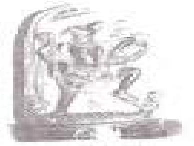
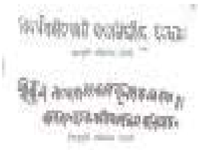
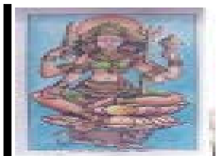
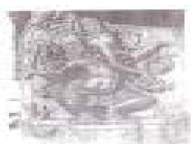
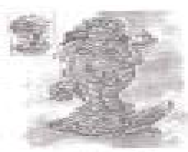
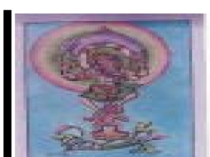






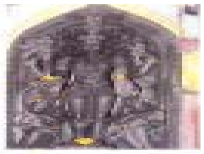
उमा म्लेच्छमर्दिनी मिर्जापुर दरभंगा	यमुना भैरव बलिया मधुबनी	अष्टभुज गणेश,कोर्थ
		
भैरव, भैरव-बलिया	नटराज, तारालाही	शिव-पार्वती मन्दिर, कपिलेश्वरस्थान
		
शिव-पार्वती मन्दिर, कपिलेश्वरस्थान	शिव मन्दिर, सिंगिया, विस्पी	उमामाहेश्वर, महादेवमठ
		
उमामाहेश्वर, तिरहुत	विष्णु, भवानीपुर	विष्णु, भीठ भगवानपुर
		
विष्णु, जयनगर	विष्णु, लदहो	विष्णु, साहो-पररी, हाबीडीह

'विदेह' ८म अंक १५ अप्रैल २००८ (वर्ष १ मास ४ अंक ८) http://www.videha.co.in/ मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

		
शेषशायी विष्णु, सवास, मुजफ्फरपुर	वराह मूर्ति, तिलकेश्वरस्थान	मिथिलाक्षर अभिलेख, विष्णु बुद्ध मूर्ति
		
भगवती उच्चैठ, बेनीपट्टी	भगवती वाणेश्वरी, भंडारीसम	चामुण्डा मन्दिर, कटरा, मुजफ्फरपुर
		
अष्टभुज गणेश, हाबीडीह	अष्टभुज गणेश, कोर्थ	गंगा, आन्ध्रा-ठाढ़ी
		
महिषासुरमर्दिनी, दुर्गा	म्लेच्छमर्दिनी मन्दिर, मिर्जापुर, दरभंगा	नटराज



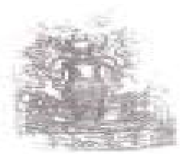
राममन्दिर, अहिल्यास्थान



सेहनी, वैशाली, विष्णु तिलक-यज्ञोपवीतधारी



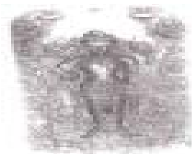
रूपनगर शिव मन्दिर



सूर्य, देकुली



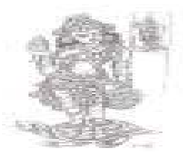
सूर्य मूर्ति, डिलाही



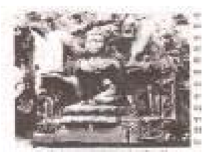
सूर्य मूर्ति, विष्णु, बरुआर



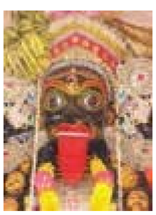
उमामाहेश्वर



यमुना, आन्ध्रा-ठाढ़ी



सिमरौनागढ़ मूर्ति



आदि काली, चैनपुर सहरसा

चैनपुर सहरसा- मिथिलाक एकमात्र नीलकंठ मन्दिर, संगमे आदिकालीन भव्य काली-मन्दिर सेहो एहि गाममे अछि। महाशिवरात्रि आ कालीपूजा बड़ धूमधामसँ चैनपुरमे होइत अछि।



त्योथागढ़क स्वामी माध्वानन्द कौलाचार्य काली मन्दिर

त्योथा गढ़ लग। पुरान गढ़। एकर पूबमे ब्रह्मपुराक बाबा हरिहरनाथ महादेव मन्दिर आ दक्षिणमे उच्चैठ भगवती छथि।



त्योथागढ़क दसमुखी काली

त्योथा गढ़ लग। पुरान गढ़। एकर पूबमे ब्रह्मपुराक बाबा हरिहरनाथ महादेव मन्दिर आ दक्षिणमे उच्चैठ भगवती छथि।

मिथिलाक खोज

ई आलेख हमर दशकसँ ऊपरक मिथिलाक यात्राक उपरान्तक सूत्र-वृत्तान्त अछि आ एहिमे एहि सभ स्थानक स्थानीय निवासी आ गाइड सभक अकथनीय योगदान छन्हि । कखनो कालतँ भाड़ाक गाड़ीक ड्राइवर लोकनि सेहो नीक गाइड सिद्ध भेलाह ।-गजेन्द्र ठाकुर

१.गौरी-शंकर स्थान- मधुबनी जिलाक जमथरि गाम आ हैंठी बाली गामक बीच ई स्थान गौरी आ शङ्करक सम्मिलित मूर्त्ति आ एहि पर मिथिलाक्षरमे लिखल पालवंशीय अभिलेखक कारणसँ विशेष रूपसँ उल्लेखनीय अछि। ई स्थल एकमात्र पुरातन स्थल अछि जे पूर्ण रूपसँ गामक उत्साही कार्यकर्त्ता लोकनिक सहयोगसँ पूर्ण रूपसँ विकसित अछि। शिवरात्रिमे एहि स्थलक चुहचुही देखबा योग्य रहैत अछि। बिदेश्वरस्थानसँ २-३ किलोमीटर उत्तर दिशामे ई स्थान अछि।

२.भीठ-भगवानपुर अभिलेख- राजा नान्यदेवक पुत्र मल्लदेवसँ संबंधित अभिलेख एतए अछि। मधुबनी जिलाक मधेपुर थानामे ई स्थल अछि।

३.हुलासपट्टी- मधुबनी जिलाक फुलपरास थानाक जागेश्वर स्थान लग हुलासपट्टी गाम अछि। कारी पाथरक विष्णु भगवानक मूर्त्ति एतए अछि।

४.पिपराही-लौकहा थानाक पिपराही गाममे विष्णुक मूर्त्तिक चारू हाथ भग्न भए गेल अछि।

५.मधुबन- पिपराहीसँ १० किलोमीटर उत्तर नेपालक मधुबन गाममे चतुर्भुज विष्णुक मूर्त्ति अछि।

६.अंधरा-ठाढ़ीक स्थानीय वाचस्पति संग्रहालय- गौड़ गामक यक्षिणीक भव्य मूर्त्ति एतए राखल अछि।

७.कमलादित्य स्थान- अंधरा ठाढ़ी गामक लगमे कमलादित्य स्थानक विष्णु मंदिर कर्णाट राजा नान्यदेवक मंत्री श्रीधर दास द्वारा स्थापित भेल।

८.झंझारपुर अनुमण्डलक रखबारी गाममे वृक्षक नीचाँ राखल विष्णु मूर्त्ति, गांधारशैली मे बनाओल गेल अछि।

९.पजेबागढ़ वनही टोल- एतए एकटा बुद्ध मूर्त्ति भेटल छल, मुदा ओकर आब कोनो पता नहि अछि। ई स्थल सेहो रखबारी गाम लग अछि।

१०.मुसहरनियां डीह- अंधरा ठाढ़ीसँ ३ किलोमीटर पश्चिम पस्टन गाम लग एकटा ऊंच डीह अछि।बुद्धकालीन एकजनियाँ कोठली, बौद्धकालीन मूर्त्ति, पाइ, बर्त्तनक टुकड़ी आ पजेबाक अवशेष एतए अछि।

११.भगीरथपुर- पण्डौल लग भगीरथपुर गाममे अभिलेख अछि जाहिसँ ओइनवार वंशक अंतिम दुनू शासक रामभद्रदेव आ लक्ष्मीनाथक प्रशासनक विषयमे सूचना भेटैत अछि।

१२.अकौर- मधुबनीसँ २० किलोमीटर पश्चिम आ उत्तरमे अकौर गाममे एकटा ऊँच डीह अछि, जतए बौद्धकालक मूर्त्ति अछि।

१३.बलिराजपुर किला- मधुबनी जिलाक बाबूबरही प्रखण्डसँ ५ किलोमीटर पूब बलिराजपुर गाम अछि। एकर दक्षिण दिशामे एकटा पुरान किलाक अवशेष अछि। किला चारि किलोमीटर नमगर आ एक किलोमीटर चाकर अछि। दस फीटक मोट देबालसँ ई घेरल अछि।

१४.असुरगढ़ किला- मिथिलाक दोसर किला मधुबनी जिलाक पूब आ उत्तर सीमा पर तिलयुगा धारक कातमे महादेव मठ लग ५० एकड़मे पसरल अछि।

१५.जयनगर किला- मिथिलाक तेसर किला अछि भारत नेपाल सीमा पर प्राचीन जयपुर आ वर्त्तमान जयनगर नगर लग। दरभंगा लग पंचोभ गामसँ प्राप्त ताम्र अभिलेख पर जयपुर केर वर्णन अछि।

१६.नन्दनगढ़- बेतियासँ १२ मील पश्चिम-उत्तरमे ई किला अछि। तीन पंक्तिमे १५ टा ऊँच डीह अछि।

१७.लौरिया-नन्दनगढ़- नन्दनगढ़सँ उत्तर स्थित अछि, एतए अशोक स्तंभ आ बौद्ध स्तूप अछि।

१८.देकुलीगढ़- शिवहर जिलासँ तीन किलोमीटर पूब हाइवे केर कातमे दू टा किलाक अवशेष अछि। चारू दिशि खधाइ अछि।

१९.कटरागढ़- मुजफ्फरपुरमे कटरा गाममे विशाल गढ़ अछि, देकुली गढ़ जेकाँ चारू कात खधाइ खुनल अछि।

२०.नौलागढ़-बेगुसरायसँ २५ किलोमीटर उत्तर ३५० एकड़मे पसरल ई गढ़ अछि।

२१.जयमंगलगढ़-बेगूसरायमे बरियारपुर थानामे काबर झीलक मध्य एकटा ऊँच डीह अछि। एतए ई गढ़ अछि। नाओकोठी (मझौल) गाम लग ई गढ़ अछि।

२१ अ.मंगलगढ़- समस्तीपुर जिलामे दुधपुरा बजार लग देओढ गाम लग।

२२.अलौलीगढ़-खगड़ियासँ १५ किलोमीटर उत्तर अलौली गाम लग १०० एकड़मे पसरल ई गढ़ अछि।

२३.कीचकगढ़-पूर्णिया जिलामे डेंगरघाटसँ १० किलोमीटर उत्तर महानन्दा नदीक पूबमे ई गढ़ अछि।

२४.बेनूगढ़-टेढ़गाछ थानामे कवल धारक कातमे ई गढ़ अछि।

२५.वरिजनगढ़-बहादुरगंजसँ छह किलोमीटर दक्षिणमे लोनसवरी धारक कातमे ई गढ़ अछि।

२६.गौतम तीर्थ- कमतौल स्टेशनसँ ६ किलोमीटर पश्चिम ब्रह्मपुर गाम लग एकटा गौतम कुण्ड पुष्करिणी अछि।

२७.हलावर्त्त- जनकपुरसँ ३५ किलोमीटर दक्षिण पश्चिममे सीतामढ़ी नगरमे हलवेश्वर शिव मन्दिर आ जानकी मन्दिर अछि। एतएसँ डेढ़ किलोमीटर पर पुण्डरीक क्षेत्रमे सीताकुण्ड अछि। हलावर्त्तमे जनक द्वार हर चलएबा काल सीता भेटलि छलीह। राम नवमी (चैत्र शुक्ल नवमी) आ जानकी नवमी (वैशाख शुक्ल नवमी) पर एतए मेला लगैत अछि।

२८.फुलहर-मधुबनी जिलाक हरलाखी थानामे फुलहर गाममे जनकक पुष्पवाटिका छल जतए सीता फूल लोढ़ैत छलीह।

२९.जनकपुर-बृहद् विष्णुपुराणमे मिथिलामाहात्म्यमे जनकपुर क्षेत्रक वर्णन अछि। सत्रहम शताब्दीमे संत सूर किशोरकेँ अयोध्यामे सरयू धारमे राम आ जानकीक दू टा भव्य मूर्त्ति भेटलन्हि, जकरा ओ जानकी मन्दिर, जनकपुरमे स्थापित कए देलन्हि। वर्त्तमान मन्दिरक स्थापना टीकमगढ़क महारानी द्वारा १९११ ई. मे भेल। नगरक चारूकात यमुनी, गेरुखा आ दुग्धवती धार अछि। राम नवमी (चैत्र शुक्ल नवमी),जानकी नवमी (वैशाख शुक्ल नवमी) आ विवाह पंचमी (अगहन शुक्ल पंचमी) पर एतए मेला लगैत अछि।

३०.धनुषा- जनकपुरसँ १५ किलोमीटर उत्तर धनुषा स्थानमे पीपरक गाछक नीचाँ एकटा धनुषाकार खण्ड पड़ल अछि। रामक तोड़ल ई धनुष अछि। एहिसँ पूब वाणगंगा धार बहैत अछि जे लक्ष्मण द्वारा वाणसँ उद्घाटित भेल छल।

३१.सुग्गा-जनकपुर लग जलेश्वर शिवधामक समीप सुग्गा ग्राममे शुकदेवजीक आश्रम अछि। शुकदेवजी जनकसँ शिक्षा लेबाक हेतु मिथिला आएल छलाह- एहि ठाम हुनकर ठहरेबाक व्यवस्था भेल छल।

३२.सिंहेश्वर- मधेपुरासँ ५ किलोमीटरपर गौरीपुर गाम लग सिंहेश्वर शिवधाम अछि।

३३.कपिलेश्वर-कपिल मुनि द्वार स्थापित महादेव मधुबनीसँ ६ किलोमीटर पश्चिममे अछि।

३४.कुशेश्वर- समस्तीपुरसँ उत्तर-पूब, लहेरियासरायसँ 60 किलोमीटर दक्षिण-पूब आ सहरसासँ २५ किलोमीटर पश्चिम ई एकटा प्रसिद्ध शिवस्थान अछि। एतए चिड़ै-अभ्यारण्य सेहो अछि जतए उज्जर आ कारी गैबर, लालसर, दिघौछ, मैल, नकटा, गैरी, गगन, सिल्ली, अधानी, हरिअल, चाहा, करन, रतबा चिड़ै सभ अनायासहि नवम्बरसँ मार्च धरि देखबामे आएत ।

३५.सिमरदह-थलवारा स्टेशन लग शिवसिंह द्वारा बसाओल शिवसिंहपुर गाम लग ई शिवमन्दिर अछि।

३६.सोमनाथ- मधुबनी जिलाक सौराठ गाममे सभागाछी लग सोमदेव महादेव छथि।

३७.मदनेश्वर- मधुबनी जिलाक अंधरा ठाढ़ीसँ ४ किलोमीटर पूब मदनेश्वर शिव स्थान अछि।

३८.कुन्दग्राम:हाजीपुरसँ बत्तीस किलोमीटर उत्तर-पूर्वमे बसाध-वैशाली आ लगमे वासोकुण्ड लग गाम गढ़-टीलासँ २ कि.मी. उत्तर-पूर्व अछि कुन्दग्राम , जतए जैनक २४म तीर्थंकर महावीरक जन्म भेल छलन्हि। एतए बुद्धक छाउर, अभिषेक पुषकरणी (राजा अभिषेकसँ पूर्व एतए नहाइत रहथि), अशोक स्तम्भ आ संसद-भवन (राजा विशालक गढ़) अछि।

३९.चण्डेश्वर- झंझारपुरमे हरड़ी गाम लग चण्डेश्वर ठाकुर द्वारा स्थापित चण्डेश्वर शिवस्थान अछि।

४०.बिदेश्वर-मधुबनी जिलामे लोहनारोड स्टेशन लग स्थित शिवधामक स्थापना महाराज माधवसिंह कएलन्हि। ताहि युगक मिथिलाक्षरक अभिलेख सेहो एतए अछि।

४१.शिलानाथ- जयनगर लग कमला धारक कातमे शिलानाथ महादेव छथि।

४२.उग्रनाथ-मधुबनीसँ दक्षिण पण्डौल स्टेशन लग भवानीपुर गाममे उगना महादेवक शिवलिंग अछि। विद्यापतिकेँ प्यास लगलन्हि तँ उगनारूपी महादेव जटासँ गंगाजल निकालि जल पिएलखिन्ह। विद्यापतिक हठ कएला पर एहि स्थान पर उगना हुनका अपन असल शिवरूपक दर्शन देलखिन्ह।

४३.उच्चैठ छिन्नमस्तिका भगवती- कमतौल स्टेशनसँ १६ किलोमीटर पूर्वोत्तर उच्चैठमे कालिदास भगवतीक पूजा करैत छलाह। भगवतीक मौलिक मूर्त्ति मस्तक विहीन अछि।

४४.उग्रतारा- मण्डन मिश्रक जन्मभूमि महिषीमे मण्डनक गोसाउनि उग्रतारा छथि।

४५.भद्रकालिका- मधुबनी जिलाक कोइलख गाममे भद्रकालिका मंदिर अछि।

४६.चामुण्डा- मुजफ्फरपुर जिलामे कटरागढ़ लग लक्ष्मणा वा लखनदेइ धार लग दुर्गा द्वारा चण्ड-मुण्डक वध कएल गेल। ओहि स्थान पर ई मन्दिर अछि।

४७.परसा सूर्य मन्दिर- झंझारपुरमे सग्रामसँ पाँच किलोमीटर पूर्व परसा गाममे साढ़े चारि फीटक भव्य सूर्य मूर्त्ति भेटल अछि।

४८.बिसफी- मधुबनी जिलाक बेनीपट्टी थानामे कमतौल रेलवे स्टेशनसँ ६ किलोमीटर पूब आ कपिलेश्वर स्थानसँ ४ किलोमीटर पश्चिम बिसफी गाम अछि। विद्यापतिक जन्म-स्थान ई गाम अछि। एतए विद्यापतिक स्मारक सेहो अछि।

४९.मंदार पर्वत-बांका स्थित स्थलमे मिथिलाक्षरक गुप्तवंशीय ७म् शताब्दीक अभिलेख अछि। समुद्र मंथनक

हेतु मंदारक प्रयोग भेल छल। निकटमे बौंसीमे जैनक बारहम तीर्थंकर वासुपूज्य नाथक दूटा मूर्त्ति अछि, पैघ मूर्ति लाल पाथरक अछि तँ दोसर काँसाक जकर सोझाँ दूटा पदचिन्ह अछि। जैनक बारहम तीर्थंकर वासुपूज्य नाथक जन्म चम्पानगरमे आ निर्वाण एतहि भेल छलन्हि।

५०.विक्रमशिला-भागलपुरमे स्थित प्राचीन विश्वविद्यालय। भागलपुर जिलाक अंतीचक गाममे राजा धर्मपालक बनाओल बुद्ध विश्वविद्यालय अछि। १०८ व्याख्याता लेल रहबाक स्थान आ बाहरसँ पढ़ए बला लेल सेहो स्थान एतए निर्मित अछि

५१. मिथिलाक बीस टा सिद्ध पीठ- १.गिरिजास्थान(फुलहर, मधुबनी), २.दुर्गास्थान(उचैठ, मधुबनी), ३.रहेश्वरी (दोखर, मधुबनी), ४.भुवनेश्वरीस्थान(भगवतीपुर, मधुबनी), ५.भद्रकालिका(कोइलख, मधुबनी), ६.चमुण्डा स्थान(पचाही, मधुबनी), ७.सोनामाइ(जनकपुर, नेपाल), ८.योगनिद्रा(जनकपुर, नेपाल), ९.कालिका स्थान (जनकपुर स्थान), १०.राजेश्वरी देवी(जनकपुर, नेपाल), ११.छिनमस्ता देवी(उजान, मधुबनी), १२.बनदुर्गा(खररख, मधुबनी), १३.सिधेश्वरी देवी(सरिसव, मधुबनी), १४.देवी-स्थान (अंधरा ठाढ़ी, मधुबनी),१५.कंकाली देवी (भारत नेपाल सीमा आ रामबाग प्लेस, दरभंगा), १६.उग्रतारा (महिषी, सहरसा), १७.कात्यानी देवी(बदलाघाट, सहरसा), १८.पुरन देवी(पूर्णियाँ), १९.काली स्थान (दरभंगा), २०.जैमंगलास्थान(मुंगेर), ५२. जनकपुर परिक्रमाक १५ स्थल आ ओतुक्का मुख्य देवता १. हनुमाननगर- हनुमानजी, २.कल्याणेश्वर- शिवलिंग, ३.गिरिजा-स्थान- शक्ति, ४.मटिहानी- विष्णु मन्दिर, ५.जालेश्वर- शिवलिंग, ६.मनाई- माण्डव ऋषि, ७. श्रुव कुण्ड- ध्रुव मन्दिर, ८.कंचन वन- कोनो मन्दिर नञि मात्र मनोरम दृश्य, ९.पर्वत- पाँच टा पर्वत, १०.धनुषा- शिवधनुषक टुकड़ी, ११.सतोखड़ी- सप्तर्षिक सात टा कुण्ड, १२.हरुषाहा- विमलागंगा, १३. करुणा- कोनो मन्दिर नहि मात्र मनोरम दृश्य, १४. बिसौल- विश्वामित्र मन्दिर, १५.जनकपुर।''मिथिलायदयश्च मध्यंते रिपवो इति मिथिला नगरी'' - मिथिला जतए शत्रुकेँ मथल जाइत अछि- पाणिनीक विवरण ।

५३. चैनपुर सहरसा- मिथिलाक एकमात्र नीलकंठ मन्दिर, संगमे आदिकालीन भव्य काली-मन्दिर सेहो एहि गाममे अछि। महाशिवरात्रि आ कालीपूजा बड़ धूमधामसँ चैनपुरमे होइत अछि।

५४.धरहरा, बनमनखी, पूर्णियाँमे नरसिंह अवतारक स्थान अछि, एकटा खोह जेकाँ पैघ पाया अछि जाहिमे जे किछु फेकबैक तँ बड़ी काल धरि गोँ-गोँ अबाज होइत रहत। ई स्थान आब नरसिंह भगवानक मूर्ति आ मन्दिरक कारणसँ बेश विकसित भए गेल अछि।

५५.नेऊरी: दरभंगाक बिरौल प्रखण्डसँ १३.किलोमीटर पश्चिममे एकटा गढ़ अछि जे लोरिकक मानल जाइत अछि।

५६.दरभंगा कैथोलिक चर्च: १८९१मे स्थापित ई चर्च १८९७ केर भूकम्पमे क्षतिग्रस्त भए गेल। एकरा होली रोजेरी चर्च सेहो कहल जाइत अछि।

५७.सेंट फांसिस ऑसिसी चर्च मुजफ्फरपुरमे अछि।

५८.भिखा सलामी मजार: गंगासागर पोखरि दरभंगाक महारपर ई मजार अछि।

५९.दरभंगा टावर मस्जिद इस्लाम मतावलम्बीक एकटा भव्य मस्जिद आ धार्मिक स्थल अछि।

६०. मकदूम बाबाक मजार:ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय आ कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय

दरभंगाक बीच स्थित ई मजार हिन्दू आ मुस्लिम मतावलम्बीक एकटा पावन स्थान अछि।

६१.चम्पानगर:भागलपुरक पश्चिममे, आब नगरसँ सटि गेल अछि। ई जैन लोकनिक एकटा पवित्रस्थल अछि, एतए महावीर तीनटा बस्सावास कएने रहथि। दू टा जैन मन्दिर एतए अछि, जे जैनक बारहम तीर्थंकर वासुपूज्य नाथकेँ समर्पित अछि।

६२.बसैटी अभिलेख- पूणियाँमे श्रीनगर लग मिथिलाक्षरक ई अभिलेख मिथिलाक पहिल महिला शासक रानी इद्रावतीक राज्यकालक वर्णन करैत अछि। एकर आधार पर मदनेश्वर मिश्र 'एक छलीह महारानी' उपन्यास सेहो लिखने छथि।

बाइसी-बसैटी, अररिया मिथिलाक्षर शिलालेख- रानी इन्द्रावती (१७८४-१८०२) जे फूड-फॉर-वर्क आ अन्य कल्याणकारी कार्यक प्रारम्भ कएलन्हि केर मिथिलाक्षर अभिलेख एतए एकटा मन्दिरक ऊपरमे ताम्र-पत्रपर कीलित अछि जे निम्न प्रकारसँ अछि:-

बसैटी (अररिया) बिहार, शिव मन्दिरक मिथिलाक्षर शिलालेखक देवनागरी रूपान्तरण।

वंशे सभा समाने सुरगन बिदिते भू सूरस्यावतिर्ना।
राजाभूतकृष्णदेवोनृपति समरसिंहा मिधस्यात्मजातः॥
यस्मिन् राज्याभिषेकं फलयितु मिवतद्भक्तितुष्टोमहेशः।
कैलाशाद् भूगतेद्योप्यधिन सतितरा वैद्यनाथेन नाम्नाः॥
तस्य तनुजः सुकृतिनृपवरौ विश्वनाथ राजा भूत।
विरनारायण राजस्तस्याप्यासीद् सुतस्य॥
नरनारायण राजो नरपति कुल मौलि भूषणम् पुनः।
अर्थिनकल्पद्रूमदूव सुरगन वंसावतंसोत्भूत॥२॥
तस्मादि वैरिकुल सूदन रामचन्द्र नारायणो नरपतिस्तनयो वभूक।
संमोदिता दश दिशो निज कीर्ति चन्द्र ज्योतिस्नेहाभिरार्थ निवहः सुरिवतश्चयेण॥३।।
यद्दानवारि परिवर्द्धित वारि राशि सक्तान्त कीर्ति विमलेन्दु मरिचिकाभिः।
प्रोद्योतिता दशदिशः सतनुज इन्द्रनारायणोस्य कुलभूषण राजराजः॥४॥
तेनच सत्कुल जाता तनया मनबोध शझणिः कृतिनः।
परिणीता बन्धु यत्नैस्त्रिलोचननाद्रि पुत्रीव॥५॥
यस्या प्रतापतरणावुदितेऽपिचिते
चिन्तारजविन्द वनमालभते विकासम
सौहृदय हृदय मकरन्द च उद्येन
तत्रैव यद् गुणगणा मधुपन्ति योगात्॥६॥
यज्ञेवर्देव गणो द्विजाति निवहः सस्तायनत्यादरैः।
दर्दानैपूर्णः मनोरथोऽर्थपरन सन्तितिनिः सज्जना॥७॥
गर्ज्जद वैरि मदान्धवारण चपश्चञ्चःपेतापांकुरौ।
र्वस्याः सर्वदृशेकृतागुण चमेर्मस्याश्च भूमीतने॥८॥

श्री श्री इन्दुमति सतीमतिमती देवी महाराज्ञिका
जाता मैथिल माण्डराऽमिछकुलात् मोधोसरी जानयाः।
दानै कल्पलता मधः कृतवती श्री विष्णु सेवा परा
पातिव्रृत्य परायणाच सततं गंगेर सम्पारणी॥९॥
शाकेन्दु नवचन्द्र शैलधरणी संलक्षित फाल्गुने
मासि श्रेष्ठतरे सिताहनि शितेपक्षे द्वितीयायां तिथौ।
भूदेवैर्वर वैदिकेर्म्मठमयं निर्भारय सच्चिनिमिः
तत्रे सेन्दुमति सुरस्य विधित्र प्राण प्रतिष्ठाव्यधात्॥१०॥
सोदरपुर सम्भव राजानुकम्पापजिवनिकृतिनः।
श्री शुभनायस्य कृतिर्मिदं विज्ञेक्षं सन्नन्तताम्॥११॥

मैथिली आ मिथिलासँ संबंधित किछु मुख्य साइट:- आन लिंकक विषयमे सूचना ggajendra@videha.com कें ई मेलसँ पठाबी।

http://www.videha.co.in/ **("विदेह" प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका)**

http://www.maithililekhaksangh.com/ **(मैथिली लेखक संघक जालस्थल)**

http://www.airdarbhanga.org/ **(आकाशवाणी दरभंगाक साइट)**

http://mithiladotcom.blogspot.com/ **(मैथिली राष्ट्रीय दैनिक)**

http://mithilangan.org/ **(मिथिलागनक साइट)**

http://www.esamaad.com/ **(मैथिलीक पहिल ई-पेपर ई-समाद)**

http://www.mithilanews.com/ **(मैथिली न्यूज पोर्टल)**

http://www.vmym.in/ **(विद्यपति मैथिल युवा मंच)**

http://www.tirhutalipi.4t.com/ **(देवनागरी-तिरहुता फॉन्ट कन्वर्टर)**

http://www.anujha.co.cc/ **(यूनीकोड तिरहुता फॉन्ट-मिथिला)**

http://www.jaimithila.com/ **(मिथिलाक सभ्यता, संस्कृति, विभूति, गीत-संगीत आ बहुत रास जानकारीक लेल)**

http://sobhagyamithilatv.com/ **(सौभाग्य मिथिला- पहिल मैथिली चैनल)**

http://kashyap-mithila.blogspot.com/

http://dularuababumaithilifilm.blogspot.com/

http://senuraklaajmaithilifilm.blogspot.com/

http://www.mithilalok.com/

http://groups.google.com/group/videha

http://saketanands.blogspot.com/ (साकेतानन्दजीक जालवृत्त)

http://gunjang.blogspot.com/ (गुंजनजीक जालवृत्त)

http://darihare.blogspot.com/ (श्याम दरिहरेक जालवृत्त)

http://deoshankarnavin.blogspot.com/ (देवशंकर नवीनक जालवृत्त)

http://www.udayanarayana.com/ (नचिकेताक साइट)

http://www.indianembassy.org.np/ (भारतीय दूतावास नेपाल)

http://www.purvottarmaithil.com/ (मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समितिक त्रैमासिक पत्रिका)

http://groups.yahoo.com/group/VIDEHA/

http://maithiliacademy.org/

http://maithili.sourceforge.net/

http://ansiss.org/

http://fedoraproject.org/

https://fedorahosted.org/fuel/wiki/fuel-maithili

http://l10n.gnome.org/teams/mai

http://translate.fedoraproject.org/languages/mai

http://www.biharlokmanch.org/ (मिथिला-मैथिली पोथी ऑनलाइन कीनू)

http://www.biharlokmanch.org/mithila_products_online.php (Buy Mithila-Maithili books online)

http://www.antika-prakashan.com/ (अंतिका प्रकाशनक साइट- मैथिली प्रकाशक)

http://www.shruti-publication.com (श्रुति प्रकाशनक साइट- मैथिली प्रकाशक)

http://www.gorkhapatra.org.np/

http://www.sajha.org.np/

http://www.kantipuronline.com/

http://mithilahyd.org/

http://www.jyoticonsultant.com/ (मैथिलक नौकरी डॉट कॉम)

http://www.mithilamanthan.com/

http://www.brandbihar.com/

http://www.biharbrains.org/

http://www.kfm961.com/ (हेल्लो मिथिला कार्यक्रम प्रत्येक शनिकेँ नेपाली समयानुसार राति ९.३० बजेसँ ११ बजेधरि आ राजनीतिक विषयवस्तुपर केन्द्रित चौबटिया कार्यक्रम प्रत्येक सोमकेँ राति १० सँ ११ बजेधरि प्रसारण)

http://www.jumptv.com/en/channel/nepal1/ (नेपाल1 टी.वी.-जम्प टी.वी. मैथिली कार्यक्रम सूचना)

http://janakifm.org.np/ (जानकी एफ.एम., मैथिली समाचार रेडियो)

http://www.radiomithila.org/ (मैथिली रेडियो)

http://www.janakpurtoday.com.np/

http://mjnk.co.cc/ (ई जनकपुर न्यूज़, तराई मॉडल, मिथिला इन्फोर्मेशन)

http://www.TeraiNepal.co.cc/ (तराई नेपाल मिथिला जनकपुर मधेश हालचाल Anytime Anywhere see)

http://madanpuraskar.org/

http://www.madheshuk.org/ (एसोशिएशन ऑफ नेपाली मधेसीज इन यू.के.)

http://www.mithilaart.com/ (श्रीमति प्रभा झाक साइट)

http://www.mithilavihar.com/

http://www.sugatisopan.com/

http://www.maithilsamaj.com/

http://www.janakpurcity.com/

http://www.janakpur.com.np/

http://home.att.net/~maithils/

http://shyamprakashjha.com/

http://ramanathjha.com/

http://www.ramajha.com/

http://sudhakar.co.in/maithili

http://www.maithils.net/

http://www.getpredictiononline.com/

http://www.bihartimes.com/

http://www.bihar.ws/

http://www.patnadaily.com/

http://chitthajagat.in/ (देवनागरी लिपिक ब्लॉगक एग्रीगेटर)

http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html (इंटरनेटपर मैथिली भाषाक प्रथम उपस्थिति/ मैथिलीक पहिल ब्लॉग- मैथिली भाषा ब्लॉगक एग्रीगेटर)

http://maithilaurmithila.blogspot.com/ (मैथिलक आ मिथिलाक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://paraati.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://singarhaar.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://hellomithilaa.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://anchinharakharkolkata.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय गजलक ब्लॉग)

http://vaachik.wordpress.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://mithilainfo.blogspot.com (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://mithlasamachaar.blogspot.com (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://janakpurnews.blogspot.com/ (मिथिला आ मैथिलीक समाचारक साइट)

http://www.maithilinews.blogspot.com/ (मिथिला आ मैथिलीक समाचारक साइट)

http://pilakhwar.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://desilbayna.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://maithilynjha.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://maithili-darpan.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://gaam-ghar.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://mithila-mihir.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://www.videha.com/ (इंटरनेटपर मैथिली भाषाक प्रथम उपस्थिति/ लोकप्रिय ब्लॉग- मैथिली भाषा ब्लॉगक एग्रीगेटर)

http://hellomithila.blogspot.com/ (हेलो मिथिला- मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://prakarantar.blogspot.com/ (प्रकारांतर मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://mailorang.blogspot.com/ (मैलोरंग नाट्य संस्थाक ब्लॉग)

http://mithilatol.blogspot.com (मिथिलाटोल मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://maithilisong.blogspot.com/ (मिथिला आ मैथिलीक समाचारक ब्लॉग)

http://rkjteoth.blogspot.com/ (रूपेश कुमार झा "त्योंथ"क ब्लॉग)

http://mithila_samachar.tripod.com/mithilasamachar/ (मिथिला आ मैथिलीक समाचारक साइट)

http://tdil.mit.gov.in/CoilNet/IGNCA/mithila.htm

http://www.mithilaarts.com/

http://www.mithilapainting.org/

http://www.maithili.net/ (मिथिला-मैथिल-मैथिलीक लोकप्रिय साइट)

http://www.mithilaonline.com/ (मिथिला-मैथिल-मैथिलीक लोकप्रिय साइट)

http://www.onlinemithila.in/ (मिथिला-मैथिल-मैथिलीक लोकप्रिय साइट)

http://www.nnl.gov.np/

http://www.nepalacademy.org.np/

http://www.karnagoshthi.org/

http://surmasti.com/

http://www.maithiliworld.com/

http://www.mithila-museum.com/aboutMM/Eindex.html

http://www.tribhuvan-university.edu.np/

http://www.ciillibrary.org/

http://www.swastifoundation.com/ (स्वस्ति फाउन्डेशनक साइट)

http://www.opmcm.gov.np/

http://www.moe.gov.np/ (नेपाल सरकारक साइट)

http://lnmu.bih.nic.in/

http://gov.bih.nic.in/ (बिहार सरकारक साइट)

http://www.india.gov.in/

http://rajbhasha.nic.in/

http://www.hindinideshalaya.nic.in/

http://themithila.tripod.com/

http://www.mithilaconnect.com/

http://www.esabha.net/ (मैथिल विवाहक साइट)

http://www.maithilvivah.com/ (मैथिल विवाहक साइट)

http://www.kanyadan.net/ (मैथिल विवाहक साइट)

http://www.kalyanifoundation.org/

http://www.madhubani.com/

http://www.janakpur.org/

http://www.darbhanga-friends.com/

http://www.hindisansthan.org/

http://www.biharassociation.net/

http://www.nationallibrary.gov.in/ (नेशनल लाइब्रेरी कोलकाता)

http://dpl.gov.in/ (दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी)

http://www.connemarapubliclibrarychennai.com/ (कोनेमारा पब्लिक लाइब्रेरी)

http://rrrlf.nic.in/ (राजा राम मोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन)

http://www.sahitya-akademi.gov.in/(साहित्य अकादमीक साइट)

http://www.nbtindia.org.in/ (नेशनल बुक ट्रस्टक साइट)

http://www.csuchico.edu/anth/mithila/

http://web.mac.com/nadjagrimm/iWeb/JWDC/Mithila%20Art%20.html

http://www.southasianist.info/india/mithila/index.html

http://www.mithilalive.com/

http://www.ethnologue.com/show_language.asp?code=mai

http://linguistlist.org/forms/langs/LLDescription.cfm?code=mai

http://www.languageshome.com/English-Maithili.htm

http://www.rosettaproject.org/archive/mai

http://www.nepalgov.gov.np/

http://maithili-mp3-songs.folkmusicindia.com/

http://www.ciil.org/ (भारतीय भाषा संस्थानक साइट)

http://jnanpith.net/ (भारतीय ज्ञानपीठक साइट)

http://www.goakonkaniakademi.org/akademi/aims.htm (गोवा कोंकणी अकादमीक साइट)

http://www.museindia.com/

http://www.varnamala.org/

http://india.poetryinternationalweb.org/

http://madhubani-art.blogspot.com/ (Maithili Literature in English)

http://www.fortunecity.com/victorian/charcoal/49/

http://www.tarainews.com.np/

http://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai

http://incubator.wikimedia.org/wiki/Wp/mai

http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai

अंतिम चारू साइट विकी मैथिली प्रोजेक्टक अछि। एहि लिंक सभ पर जा कय प्रोजेक्टकेँ आगाँ बढ़ाऊ।

महत्त्वपूर्ण सूचना:(१) 'विदेह' द्वारा धारावाहिक रूपे ई-प्रकाशित कएल गेल गजेन्द्र ठाकुरक निबन्ध-प्रबन्ध-समीक्षा, उपन्यास (सहस्रबाढ़नि) , पद्य-संग्रह (सहस्राब्दीक चौपड़पर), कथा-गल्प (गल्प-गुच्छ), नाटक(संकर्षण), महाकाव्य (त्वञ्चाहञ्च आ असञ्जाति मन) आ बाल-किशोर साहित्य विदेहमे संपूर्ण ई-प्रकाशनक बाद प्रिंट फॉर्ममे। कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक खण्ड-१ सँ ७ Combined ISBN No.978-81-907729-7-6 विवरण एहि पृष्ठपर नीचाँमे आ प्रकाशकक साइट http://www.shruti-publication.com/ पर ।

महत्त्वपूर्ण सूचना (२):सूचना: विदेहक मैथिली-अंग्रेजी आ अंग्रेजी मैथिली कोष (इंटरनेटपर पहिल बेर सर्च-डिक्शनरी) एम.एस. एस.क्यू.एल. सर्वर आधारित -Based on ms-sql server Maithili-English and English-Maithili Dictionary. विदेहक भाषापाक- रचनालेखन स्तंभमे।

कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक- गजेन्द्र ठाकुर



गजेन्द्र ठाकुरक निबन्ध-प्रबन्ध-समीक्षा, उपन्यास (सहस्रबाढ़नि) , पद्य-संग्रह (सहस्राब्दीक चौपड़पर), कथा-गल्प (गल्प गुच्छ), नाटक(संकर्षण), महाकाव्य (त्वञ्चाहञ्च आ असञ्जाति मन) आ बालमंडली-किशोरजगत विदेहमे संपूर्ण ई-प्रकाशनक बाद प्रिंट फॉर्ममे। कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक, खण्ड-१ सँ ७

Ist edition 2009 of Gajendra Thakur's KuruKshetram-Antarmanak (Vol. I to VII)- essay-paper-criticism, novel, poems, story, play, epics and Children-grown-ups literature in single binding: Language:Maithili

६९२ पृष्ठ : मूल्य भा. रु. 100/-(for individual buyers inside india)

(add courier charges Rs.50/-per copy for Delhi/NCR and Rs.100/- per copy for outside Delhi)

For Libraries and overseas buyers $40 US (including postage)

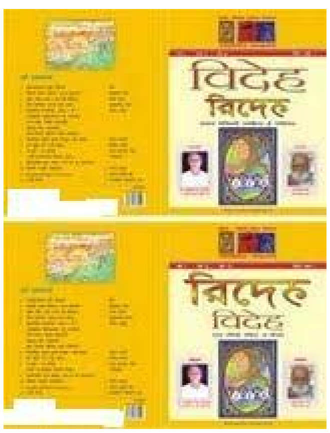
The book is AVAILABLE FOR PDF DOWNLOAD AT

https://sites.google.com/a/videha.com/videha/

http://videha123.wordpress.com/

Details for purchase available at print-version publishers's site
website: http://www.shruti-publication.com/
or you may write to
e-mail:shruti.publication@shruti-publication.com

विदेह: सदेह : १: २: ३: ४ तिरहुता : देवनागरी "विदेह" क, प्रिंट संस्करण :विदेह-ई-पत्रिका (http://www.videha.co.in/) क चुनल रचना सम्मिलित।



विदेह:सदेह:१: २: ३: ४

सम्पादक: गजेन्द्र ठाकुर।

Details for purchase available at print-version publishers's site http://www.shruti-publication.com or you may write to shruti.publication@shruti-publication.com

२. संदेश-

[विदेह ई-पत्रिका, विदेह:सदेह मिथिलाक्षर आ देवनागरी आ गजेन्द्र ठाकुरक सात खण्डक- निबन्ध-प्रबन्ध-समीक्षा, उपन्यास (सहस्रबाढ़नि) , पद्य-संग्रह (सहस्राब्दीक चौपड़पर), कथा-गल्प (गल्प गुच्छ), नाटक (संकर्षण), महाकाव्य (त्वञ्चाहञ्च आ असञ्जाति मन) आ बाल-मंडली-किशोर जगत- संग्रह कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक मादेँ।]

१.श्री गोविन्द झा- विदेहकेँ तरंगजालपर उतारि विश्वभरिमे मातृभाषा मैथिलीक लहरि जगाओल, खेद जे अपनेक एहि महाभियानमे हम एखन धरि संग नहि दए सकलहुँ। सुनैत छी अपनेकेँ सुझाओ आ रचनात्मक आलोचना प्रिय लगैत अछि तेँ किछु लिखक मोन भेल। हमर सहायता आ सहयोग अपनेकेँ सदा उपलब्ध रहत।

२.श्री रमानन्द रेणु- मैथिलीमे ई-पत्रिका पाक्षिक रूपेँ चला कऽ जे अपन मातृभाषाक प्रचार कऽ रहल छी, से धन्यवाद । आगाँ अपनेक समस्त मैथिलीक कार्यक हेतु हम हृदयसँ शुभकामना दऽ रहल छी।

३.श्री विद्यानाथ झा "विदित"- संचार आ प्रौद्योगिकीक एहि प्रतिस्पर्धी ग्लोबल युगमे अपन महिमामय "विदेह"केँ अपना देहमे प्रकट देखि जतबा प्रसन्नता आ संतोष भेल, तकरा कोनो उपलब्ध "मीटर"सँ नहि नापल जा सकैछ? ..एकर ऐतिहासिक मूल्यांकन आ सांस्कृतिक प्रतिफलन एहि शताब्दीक अंत धरि लोकक नजरिमे आश्चर्यजनक रूपसँ प्रकट हैत।

४. प्रो. उदय नारायण सिंह "नचिकेता"- जे काज अहाँ कए रहल छी तकर चरचा एक दिन मैथिली भाषाक इतिहासमे होएत। आनन्द भए रहल अछि, ई जानि कए जे एतेक गोट मैथिल "विदेह" ई जर्नलकेँ पढ़ि रहल छथि।...विदेहक चालीसम अंक पुरबाक लेल अभिनन्दन।

५. डॉ. गंगेश गुंजन- एहि विदेह-कर्ममे लागि रहल अहाँक सम्वेदनशील मन, मैथिलीक प्रति समर्पित मेहनतिक अमृत रंग, इतिहास मे एक टा विशिष्ट फराक अध्याय आरंभ करत, हमरा विश्वास अछि। अशेष शुभकामना आ बधाइक सङ्ग, सस्नेह...अहाँक पोथी कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक प्रथम दृष्टया बहुत भव्य तथा उपयोगी बुझाइछ। मैथिलीमे तँ अपना स्वरूपक प्रायः ई पहिले एहन भव्य अवतारक पोथी थिक। हर्षपूर्ण हमर हार्दिक बधाई स्वीकार करी।

६. श्री रामाश्रय झा "रामरंग"(आब स्वर्गीय)- "अपना" मिथिलासँ संबंधित...विषय वस्तुसँ अवगत भेलहुँ।...शेष सभ कुशल अछि।

७. श्री ब्रजेन्द्र त्रिपाठी- साहित्य अकादमी- इंटरनेट पर प्रथम मैथिली पाक्षिक पत्रिका "विदेह" केर लेल बधाई आ शुभकामना स्वीकार करू।

८. श्री प्रफुल्लकुमार सिंह "मौन"- प्रथम मैथिली पाक्षिक पत्रिका "विदेह" क प्रकाशनक समाचार जानि कनेक चकित मुदा बेसी आह्लादित भेलहुँ। कालचक्रकेँ पकड़ि जाहि दूरदृष्टिक परिचय देलहुँ, ओहि लेल हमर मंगलकामना।

९.डॉ. शिवप्रसाद यादव- ई जानि अपार हर्ष भए रहल अछि, जे नव सूचना-क्रान्तिक क्षेत्रमे मैथिली पत्रकारिताकेँ प्रवेश दिअएबाक साहसिक कदम उठाओल अछि। पत्रकारितामे एहि प्रकारक नव प्रयोगक हम स्वागत करैत छी, संगहि "विदेह"क सफलताक शुभकामना।

१०. श्री आद्याचरण झा- कोनो पत्र-पत्रिकाक प्रकाशन- ताहूमे मैथिली पत्रिकाक प्रकाशनमे के कतेक सहयोग करताह- ई तऽ भविष्य कहत। ई हमर ८८ वर्षमे ७५ वर्षक अनुभव रहल। एतेक पैघ महान यज्ञमे हमर श्रद्धापूर्ण आहुति प्राप्त होयत- यावत ठीक-ठाक छी/ रहब।

११. श्री विजय ठाकुर- मिशिगन विश्वविद्यालय- "विदेह" पत्रिकाक अंक देखलहुँ, सम्पूर्ण टीम बधाईक पात्र अछि। पत्रिकाक मंगल भविष्य हेतु हमर शुभकामना स्वीकार कएल जाओ।

१२. श्री सुभाषचन्द्र यादव- ई-पत्रिका "विदेह" क बारेमे जानि प्रसन्नता भेल। 'विदेह' निरन्तर पल्लवित-पुष्पित हो आ चतुर्दिक अपन सुगंध पसारय से कामना अछि।

१३. श्री मैथिलीपुत्र प्रदीप- ई-पत्रिका "विदेह" केर सफलताक भगवतीसँ कामना। हमर पूर्ण सहयोग रहत।

१४. डॉ. श्री भीमनाथ झा- "विदेह" इन्टरनेट पर अछि तेँ "विदेह" नाम उचित आर कतेक रूपेँ एकर विवरण भए सकैत अछि। आइ-काल्हि मोनमे उद्वेग रहैत अछि, मुदा शीघ्र पूर्ण सहयोग देब।कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक देखि अति प्रसन्नता भेल। मैथिलीक लेल ई घटना छी।

१५. श्री रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"- जनकपुरधाम- "विदेह" ऑनलाइन देखि रहल छी। मैथिलीकेँ अन्तर्राष्ट्रीय जगतमे पहुँचेलहुँ तकरा लेल हार्दिक बधाई। मिथिला रत्न सभक

संकलन अपूर्व। नेपालोक सहयोग भेटत, से विश्वास करी।

१६. श्री राजनन्दन लालदास- "विदेह" ई-पत्रिकाक माध्यमसँ बड़ नीक काज कए रहल छी, नातिक अहिठाम देखलहुँ। एकर वार्षिक अंक जखन प्रिंट निकालब तँ हमरा पठायब। कलकत्तामे बहुत गोटेकँ हम साइटक पता लिखाए देने छियन्हि। मोन तँ होइत अछि जे दिल्ली आबि कए आशीर्वाद दैतहुँ, मुदा उमर आब बेशी भए गेल। शुभकामना देश-विदेशक मैथिलकँ जोड़बाक लेल।.. उत्कृष्ट प्रकाशन कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक लेल बधाइ। अद्भुत काज कएल अछि, नीक प्रस्तुति अछि सात खण्डमे। मुदा अहाँक सेवा आ से निःस्वार्थ तखन बूझल जाइत जँ अहाँ द्वारा प्रकाशित पोथी सभपर दाम लिखल नहि रहितैक। ओहिना सभकँ विलहि देल जइतैक। (स्पष्टीकरण- श्रीमान्, अहाँक सूचनार्थ विदेह द्वारा ई-प्रकाशित कएल सभटा सामग्री आर्काइवमे https://sites.google.com/a/videha.com/videha-pothi/ पर बिना मूल्यक डाउनलोड लेल उपलब्ध छै आ भविष्यमे सेहो रहतैक। एहि आर्काइवकँ जे कियो प्रकाशक अनुमति लऽ कऽ प्रिंट रूपमे प्रकाशित कएने छथि आ तकर ओ दाम रखने छथि ताहिपर हमर कोनो नियंत्रण नहि अछि।- गजेन्द्र ठाकुर)... अहाँक प्रति अशेष शुभकामनाक संग।

१७. डॉ. प्रेमशंकर सिंह- अहाँ मैथिलीमे इंटरनेटपर पहिल पत्रिका "विदेह" प्रकाशित कए अपन अद्भुत मातृभाषानुरागक परिचय देल अछि, अहाँक निःस्वार्थ मातृभाषानुरागसँ प्रेरित छी, एकर निमित्त जे हमर सेवाक प्रयोजन हो, तँ सूचित करी। इंटरनेटपर आद्योपांत पत्रिका देखल, मन प्रफुल्लित भऽ गेल।

१८.श्रीमती शेफालिका वर्मा- विदेह ई-पत्रिका देखि मोन उल्लाससँ भरि गेल। विज्ञान कतेक प्रगति कऽ रहल अछि...अहाँ सभ अनन्त आकाशकँ भेदि दियौ, समस्त विस्तारक रहस्यकँ तार-तार कऽ दियौक...। अपनेक अद्भुत पुस्तक कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक विषयवस्तुक दृष्टिसँ गागरमे सागर अछि। बधाई।

१९.श्री हेतुकर झा, पटना-जाहि समर्पण भावसँ अपने मिथिला-मैथिलीक सेवामे तत्पर छी से स्तुत्य अछि। देशक राजधानीसँ भय रहल मैथिलीक शंखनाद मिथिलाक गाम-गाममे मैथिली चेतनाक विकास अवश्य करत।

२०. श्री योगानन्द झा, कबिलपुर, लहेरियासराय- कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक पोथीकँ निकटसँ देखबाक

अवसर भेटल अछि आ मैथिली जगतक एकटा उद्भट ओ समसामयिक दृष्टिसम्पन्न हस्ताक्षरक कलमबन्द परिचयसँ आह्लादित छी। "विदेह"क देवनागरी सँस्करण पटनामे रु. 80/- मे उपलब्ध भऽ सकल जे विभिन्न लेखक लोकनिक छायाचित्र, परिचय पत्रक ओ रचनावलीक सम्यक प्रकाशनसँ ऐतिहासिक कहल जा सकैछ।

२१. श्री किशोरीकान्त मिश्र- कोलकाता- जय मैथिली, विदेहमे बहुत रास कविता, कथा, रिपोर्ट आदिक सचित्र संग्रह देखि आ आर अधिक प्रसन्नता मिथिलाक्षर देखि- बधाई स्वीकार कएल जाओ।

२२.श्री जीवकान्त- विदेहक मुद्रित अंक पढ़ल- अद्भुत मेहनति। चाबस-चाबस। किछु समालोचना मरखाह..मुदा सत्य।

२३. श्री भालचन्द्र झा- अपनेक कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक देखि बुझाएल जेना हम अपने छपलहुँ अछि। एकर विशालकाय आकृति अपनेक सर्वसमावेशताक परिचायक अछि। अपनेक रचना सामर्थ्यमे उत्तरोत्तर वृद्धि हो, एहि शुभकामनाक संग हार्दिक बधाई।

२४.श्रीमती डॉ नीता झा- अहाँक कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक पढ़लहुँ। ज्योतिरीश्वर शब्दावली, कृषि मत्स्य शब्दावली आ सीत बसन्त आ सभ कथा, कविता, उपन्यास, बाल-किशोर साहित्य सभ उत्तम छल। मैथिलीक उत्तरोत्तर विकासक लक्ष्य दृष्टिगोचर होइत अछि।

२५.श्री मायानन्द मिश्र- कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक मे हमर उपन्यास स्त्रीधनक जे विरोध कएल गेल अछि तकर हम विरोध करैत छी।... कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक पोथीक लेल शुभकामना।(श्रीमान् समालोचनाकेँ विरोधक रूपमे नहि लेल जाए।-गजेन्द्र ठाकुर)

२६.श्री महेन्द्र हजारी- सम्पादक श्रीमिथिला- कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक पढ़ि मोन हर्षित भऽ गेल..एखन पूरा पढ़यमे बहुत समय लागत, मुदा जतेक पढ़लहुँ से आह्लादित कएलक।

२७.श्री केदारनाथ चौधरी- कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक अद्भुत लागल, मैथिली साहित्य लेल ई पोथी एकटा प्रतिमान बनत।

२८.श्री सत्यानन्द पाठक- विदेहक हम नियमित पाठक छी। ओकर स्वरूपक प्रशंसक छलहुँ।

एम्हर अहाँक लिखल - कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक देखलहुँ। मोन आह्लादित भऽ उठल। कोनो रचना तरा-उपरी।

२९.श्रीमती रमा झा-सम्पादक मिथिला दर्पण। कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक प्रिंट फॉर्म पढ़ि आ एकर गुणवत्ता देखि मोन प्रसन्न भऽ गेल, अद्भुत शब्द एकरा लेल प्रयुक्त कऽ रहल छी। विदेहक उत्तरोत्तर प्रगतिक शुभकामना।

३०.श्री नरेन्द्र झा, पटना- विदेह नियमित देखैत रहैत छी। मैथिली लेल अद्भुत काज कऽ रहल छी।

३१.श्री रामलोचन ठाकुर- कोलकाता- मिथिलाक्षर विदेह देखि मोन प्रसन्नतासँ भरि उठल, अंकक विशाल परिदृश्य आस्वस्तकारी अछि।

३२.श्री तारानन्द वियोगी- विदेह आ कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक देखि चकबिदोर लागि गेल। आश्चर्य। शुभकामना आ बधाई।

३३.श्रीमती प्रेमलता मिश्र “प्रेम”- कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक पढ़लहुँ। सभ रचना उच्चकोटिक लागल। बधाई।

३४.श्री कीर्तिनारायण मिश्र- बेगूसराय- कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक बड्ड नीक लागल, आगांक सभ काज लेल बधाई।

३५.श्री महाप्रकाश-सहरसा- कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक नीक लागल, विशालकाय संगहि उत्तमकोटिक।

३६.श्री अग्निपुष्प- मिथिलाक्षर आ देवाक्षर विदेह पढ़ल..ई प्रथम तँ अछि एकरा प्रशंसामे मुदा हम एकरा दुस्साहसिक कहब। मिथिला चित्रकलाक स्तम्भकेँ मुदा अगिला अंकमे आर विस्तृत बनाऊ।

३७.श्री मंजर सुलेमान-दरभंगा- विदेहक जतेक प्रशंसा कएल जाए कम होएत। सभ चीज उत्तम।

३८.श्रीमती प्रोफेसर वीणा ठाकुर- कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक उत्तम, पठनीय, विचारनीय। जे क्यो देखैत छथि पोथी प्राप्त करबाक उपाय पुछैत छथि। शुभकामना।

३९.श्री छत्रानन्द सिंह झा- कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक पढ़लहुँ, बड्ड नीक सभ तरहेँ।

४०.श्री ताराकान्त झा- सम्पादक मैथिली दैनिक मिथिला समाद- विदेह तँ कन्टेन्ट प्रोवाइडरक काज कऽ रहल अछि। कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक अद्भुत लागल।

४१.डॉ रवीन्द्र कुमार चौधरी- कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक बहुत नीक, बहुत मेहनतिक परिणाम। बधाई।

४२.श्री अमरनाथ- कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक आ विदेह दुनू स्मरणीय घटना अछि, मैथिली साहित्य मध्य।

४३.श्री पंचानन मिश्र- विदेहक वैविध्य आ निरन्तरता प्रभावित करैत अछि, शुभकामना।

४४.श्री केदार कानन- कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल अनेक धन्यवाद, शुभकामना आ बधाइ स्वीकार करी। आ नचिकेताक भूमिका पढ़लहुँ। शुरूमे तँ लागल जेना कोनो उपन्यास अहाँ द्वारा सृजित भेल अछि मुदा पोथी उनटौला पर ज्ञात भेल जे एहिमे तँ सभ विधा समाहित अछि।

४५.श्री धनाकर ठाकुर- अहाँ नीक काज कऽ रहल छी। फोटो गैलरीमे चित्र एहि शताब्दीक जन्मतिथिक अनुसार रहैत तऽ नीक।

४६.श्री आशीष झा- अहाँक पुस्तकक संबंधमे एतबा लिखबा सँ अपना कए नहि रोकि सकलहुँ जे ई किताब मात्र किताब नहि थीक, ई एकटा उम्मीद छी जे मैथिली अहाँ सन पुत्रक सेवा सँ निरंतर समृद्ध होइत चिरजीवन कए प्राप्त करत।

४७.श्री शम्भु कुमार सिंह- विदेहक तत्परता आ क्रियाशीलता देखि आह्लादित भऽ रहल छी। निश्चितरूपेण कहल जा सकैछ जे समकालीन मैथिली पत्रिकाक इतिहासमे विदेहक नाम स्वर्णाक्षरमे लिखल जाएत। ओहि कुरुक्षेत्रक घटना सभ तँ अठारहे दिनमे खतम भऽ गेल रहए

मुदा अहाँक कुरुक्षेत्रम् तँ अशेष अछि।

४८.डॉ. अजीत मिश्र- अपनेक प्रयासक कतबो प्रशंसा कएल जाए कमे होएतैक। मैथिली साहित्यमे अहाँ द्वारा कएल गेल काज युग-युगान्तर धरि पूजनीय रहत।

४९.श्री बीरेन्द्र मल्लिक- अहाँक कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक आ विदेह:सदेह पढ़ि अति प्रसन्नता भेल। अहाँक स्वास्थ्य ठीक रहए आ उत्साह बनल रहए से कामना।

५०.श्री कुमार राधारमण- अहाँक दिशा-निर्देशमे विदेह पहिल मैथिली ई-जर्नल देखि अति प्रसन्नता भेल। हमर शुभकामना।

५१.श्री फूलचन्द्र झा प्रवीण-विदेह:सदेह पढ़ने रही मुदा कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक देखि बढ़ाई देबा लेल बाध्य भऽ गेलहुँ। आब विश्वास भऽ गेल जे मैथिली नहि मरत। अशेष शुभकामना।

५२.श्री विभूति आनन्द- विदेह:सदेह देखि, ओकर विस्तार देखि अति प्रसन्नता भेल।

५३.श्री मानेश्वर मनुज-कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक एकर भव्यता देखि अति प्रसन्नता भेल, एतेक विशाल ग्रन्थ मैथिलीमे आइ धरि नहि देखने रही। एहिना भविष्यमे काज करैत रही, शुभकामना।

५४.श्री विद्यानन्द झा- आइ.आइ.एम.कोलकाता- कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक विस्तार, छपाईक संग गुणवत्ता देखि अति प्रसन्नता भेल।

५५.श्री अरविन्द ठाकुर-कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक मैथिली साहित्यमे कएल गेल एहि तरहक पहिल प्रयोग अछि, शुभकामना।

५६.श्री कुमार पवन-कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक पढ़ि रहल छी। किछु लघुकथा पढ़ल अछि, बहुत मार्मिक छल।

५७. श्री प्रदीप बिहारी-कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक देखल, बधाई।

५८.डॉ मणिकान्त ठाकुर-कैलिफोर्निया- अपन विलक्षण नियमित सेवासँ हमरा लोकनिक हृदयमे विदेह सदेह भऽ गेल अछि।

५९.श्री धीरेन्द्र प्रेमर्षि- अहाँक समस्त प्रयास सराहनीय। दुख होइत अछि जखन अहाँक प्रयासमे अपेक्षित सहयोग नहि कऽ पबैत छी।

६०.श्री देवशंकर नवीन- विदेहक निरन्तरता आ विशाल स्वरूप- विशाल पाठक वर्ग, एकरा ऐतिहासिक बनबैत अछि।

६१.श्री मोहन भारद्वाज- अहाँक समस्त कार्य देखल, बहुत नीक। एखन किछु परेशानीमे छी, मुदा शीघ्र सहयोग देब।

६२.श्री फजलुर रहमान हाशमी-कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक मे एतेक मेहनतक लेल अहाँ साधुवादक अधिकारी छी।

६३.श्री लक्ष्मण झा "सागर"- मैथिलीमे चमत्कारिक रूपेँ अहाँक प्रवेश आह्लादकारी अछि।..अहाँकेँ एखन आर..दूर..बहुत दूरधरि जेबाक अछि। स्वस्थ आ प्रसन्न रही।

६४.श्री जगदीश प्रसाद मंडल-कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक पढ़लहुँ । कथा सभ आ उपन्यास सहस्त्रबाढ़नि पूर्णरूपेँ पढ़ि गेल छी। गाम-घरक भौगोलिक विवरणक जे सूक्ष्म वर्णन सहस्त्रबाढ़निमे अछि, से चकित कएलक, एहि संग्रहक कथा-उपन्यास मैथिली लेखनमे विविधता अनलक अछि। समालोचना शास्त्रमे अहाँक दृष्टि वैयक्तिक नहि वरन् सामाजिक आ कल्याणकारी अछि, से प्रशंसनीय।

६५.श्री अशोक झा-अध्यक्ष मिथिला विकास परिषद- कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक लेल बधाई आ आगाँ लेल शुभकामना।

६६.श्री ठाकुर प्रसाद मुर्मु- अद्भुत प्रयास। धन्यवादक संग प्रार्थना जे अपन माटि-पानिकेँ ध्यानमे राखि अंकक समायोजन कएल जाए। नव अंक धरि प्रयास सराहनीय। विदेहकेँ बहुत-बहुत धन्यवाद जे एहेन सुन्दर-सुन्दर सचार (आलेख) लगा रहल छथि। सभटा ग्रहणीय-पठनीय।

६७.बुद्धिनाथ मिश्र- प्रिय गजेन्द्र जी,अहाँक सम्पादन मे प्रकाशित 'विदेह'आ 'कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक' विलक्षण पत्रिका आ विलक्षण पोथी! की नहि अछि अहाँक सम्पादनमे? एहि प्रयत्न सँ मैथिली क विकास होयत,निस्संदेह।

६८.श्री बृखेश चन्द्र लाल- गजेन्द्रजी, अपनेक पुस्तक कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक पढ़ि मोन गदगद भय गेल , हृदयसँ अनुगृहित छी । हार्दिक शुभकामना ।

६९.श्री परमेश्वर कापड़ि - श्री गजेन्द्र जी । कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक पढ़ि गदगद आ नेहाल भेलहुँ।

७०.श्री रवीन्द्रनाथ ठाकुर- विदेह पढ़ैत रहैत छी। धीरेन्द्र प्रेमर्षिक मैथिली गजलपर आलेख पढ़लहुँ। मैथिली गजल कत्तऽ सँ कत्तऽ चलि गेलैक आ ओ अपन आलेखमे मात्र अपन जानल-पहिचानल लोकक चर्च कएने छथि। जेना मैथिलीमे मठक परम्परा रहल अछि। (स्पष्टीकरण- श्रीमान्, प्रेमर्षि जी ओहि आलेखमे ई स्पष्ट लिखने छथि जे किनको नाम जे छुटि गेल छन्हि तँ से मात्र आलेखक लेखकक जानकारी नहि रहबाक द्वारे, एहिमे आन कोनो कारण नहि देखल जाय। अहाँसँ एहि विषयपर विस्तृत आलेख सादर आमंत्रित अछि।-सम्पादक)

७१.श्री मंत्रेश्वर झा- विदेह पढ़ल आ संगहि अहाँक मैगनम ओपस कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक सेहो, अति उत्तम। मैथिलीक लेल कएल जा रहल अहाँक समस्त कार्य अतुलनीय अछि।

७२. श्री हरेकृष्ण झा- कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक मैथिलीमे अपन तरहक एकमात्र ग्रन्थ अछि, एहिमे लेखकक समग्र दृष्टि आ रचना कौशल देखबामे आएल जे लेखकक फील्डवर्कसँ जुड़ल रहबाक कारणसँ अछि।

७३.श्री सुकान्त सोम- कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक मे समाजक इतिहास आ वर्तमानसँ अहाँक जुड़ाव बड्ड नीक लागल, अहाँ एहि क्षेत्रमे आर आगाँ काज करब से आशा अछि।

७४.प्रोफेसर मदन मिश्र- कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक सन किताब मैथिलीमे पहिले अछि आ एतेक विशाल संग्रहपर शोध कएल जा सकैत अछि। भविष्यक लेल शुभकामना।

७५.प्रोफेसर कमला चौधरी- मैथिलीमे कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक सन पोथी आबए जे गुण आ रूप दुनूमे निस्सन होअए, से बहुत दिनसँ आकांक्षा छल, ओ आब जा कऽ पूर्ण भेल। पोथी एक हाथसँ दोसर हाथ घुमि रहल अछि, एहिना आगाँ सेहो अहाँसँ आशा अछि।

७६.श्री उदय चन्द्र झा "विनोद": गजेन्द्रजी, अहाँ जतेक काज कएलहुँ अछि से मैथिलीमे आइ धरि कियो नहि कएने छल। शुभकामना। अहाँकेँ एखन बहुत काज आर करबाक अछि।

७७.श्री कृष्ण कुमार कश्यप: गजेन्द्र ठाकुरजी, अहाँसँ भेँट एकटा स्मरणीय क्षण बनि गेल। अहाँ जतेक काज एहि बएसमे कऽ गेल छी ताहिसँ हजार गुणा आर बेशीक आशा अछि।

७८.श्री मणिकान्त दास: अहाँक मैथिलीक कार्यक प्रशंसा लेल शब्द नहि भेटैत अछि। अहाँक कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक सम्पूर्ण रूपेँ पढ़ि गेलहुँ। त्वञ्चाहञ्च बड्ड नीक लागल।

विदेह

मैथिली साहित्य आन्दोलन

 विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका ISSN 2229-547X VIDEHA सम्पादक: गजेन्द्र ठाकुर। सह-सम्पादक: उमेश मंडल। सहायक सम्पादक: शिव कुमार झा आ मुन्नाजी (मनोज कुमार कर्ण)। भाषा-सम्पादन: नागेन्द्र कुमार झा आ पञ्जीकार विद्यानन्द झा। कला-सम्पादन: ज्योति सुनीत चौधरी आ रश्मि रेखा सिन्हा। सम्पादक-शोध-अन्वेषण: डॉ. जया वर्मा आ डॉ. राजीव कुमार वर्मा।

रचनाकार अपन मौलिक आ अप्रकाशित रचना (जकर मौलिकताक संपूर्ण उत्तरदायित्व लेखक गणक मध्य छन्हि) ggajendra@videha.com केँ मेल अटैचमेण्टक रूपमेँ .doc, .docx, .rtf वा .txt फॉर्मेटमे पठा सकैत छथि। रचनाक संग रचनाकार अपन संक्षिप्त परिचय आ अपन स्कैन कएल गेल फोटो पठेताह, से आशा करैत छी। रचनाक अंतमे टाइप रहय, जे ई रचना मौलिक अछि, आ पहिल प्रकाशनक हेतु विदेह (पाक्षिक) ई पत्रिकाकेँ देल जा रहल अछि। मेल प्राप्त होयबाक बाद यथासंभव शीघ्र (सात दिनक भीतर) एकर प्रकाशनक अंकक सूचना देल जायत। 'विदेह' प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका अछि आ एहिमे मैथिली, संस्कृत आ अंग्रेजीमे मिथिला आ मैथिलीसँ संबंधित रचना प्रकाशित कएल जाइत अछि। एहि ई पत्रिकाकेँ श्रीमति लक्ष्मी ठाकुर द्वारा मासक ०१ आ १५ तिथिकेँ ई प्रकाशित कएल जाइत अछि।



सिद्धिरस्तु